खण्ड–511, अंक–03
सोमवार, 28 माघ, शक सम्वत् 1941
(17 फरवरी, 2020 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

–: 0 :–

(अधिकृत विवरण)

(सत्रहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2020)

(खण्ड 511 में 03 अंक हैं)

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2020

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे ।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 रुपये, महसूल सहित रु0 724.25 रुपये ।

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
उपस्थित सदस्य	1-6
समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उ0प्र0 के पूर्व मुख्य मंत्री को फोन पर जान से मारने की धमकी दिये जाने का प्रकरण	7-9
प्रश्नोत्तर	9-37
कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं	37
समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उ0प्र0 के पूर्व मुख्य मंत्री को फोन पर जान से मारने की धमकी दिये जाने का प्रकरण (जारी)... ...	37-42
कानपुर देहात के मंगता गांव में अनुसूचित जाति के लोगों पर जानलेवा हमला किये जाने का प्रकरण	43-48
नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं	48-50
उत्तर प्रदेश की समूह 'क', 'ख' तथा 'ग' में देश के अन्य प्रान्तों में पूर्व सैनिकों को दिये जा रहे आरक्षण के अनुरूप समतुल्य आरक्षण दिये जाने के सन्दर्भ में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	50-51
जनपद सहारनपुर के विधान सभा क्षेत्र रामपुर मनिहारन के अन्तर्गत सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	51
जनपद मथुरा के डूडा के पी0ओ0, जे0 ई0 मिशन मैनेजर की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	51-52
नगर पालिका परिषद्, कुशीनगर में स्मार्ट सिटी योजना लागू किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	52
जनपद अलीगढ़ के ग्राम रहमापुर चौचई एवं सिल्ला विसावनपुर के मध्य काली नदी पर सेतु एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	52
जनपद पीलीभीत की तहसील बीसलपुर के अन्तर्गत ऐतिहासिक, पौराणिक एवं सांस्कृतिक अवशेषों के सौंदर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	53
जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर के अन्तर्गत ग्राम सितारगंज में पुलिस विश्वविद्यालय स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	53

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद झांसी के विधान सभा क्षेत्र गरौठा के अन्तर्गत किसानों के लिये वेयर हाउस का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	54
जनपद उन्नाव के ब्लाक सफीपुर के अन्तर्गत ग्राम सरायं मलकादिमपुर से हसेवा मोड़ तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	54
जनपद लखनऊ के अन्तर्गत आवासीय भवनों पर स्थापित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को अनुमति प्रदान किये जाने सम्बन्धी कानून में संशोधन किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	54-55
जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र रसड़ा अन्तर्गत कतिपय गांवों में जर्जर विद्युत तारों को बदलवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	55
जनपद महाराजगंज के अन्तर्गत नगर पालिका नौतनवां के कतिपय रकबा को भू-माफियाओं से मुक्त कराये जाने एवं कानूनी कार्रवाई कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	56
जनपद कानपुर नगर के नाना राव पार्क में स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत महोत्सव पण्डाल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	56-57
जनपद सीतापुर के तहसील महमूदाबाद अन्तर्गत कतिपय निर्मित सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 को संचालित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	57
जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद के अन्तर्गत कतिपय सड़कों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	57-58
जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र केराकत के अन्तर्गत ग्राम असवारा में पोल तथा तार लगवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	58
जनपद बस्ती के विकास प्राधिकरण द्वारा अधिनियमित रूप से मकानों को सीज किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	59
जनपद सहारनपुर के अन्तर्गत बेहट रोड एवं ढमोला नदी पर पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	59-60
जनपद अम्बेडकरनगर के अन्तर्गत टाण्डा-माया राज्य मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	60

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद सिद्धार्थनगर के तहसील शोहरतगढ़ के अन्तर्गत कतिपय मार्गों का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	60-61
उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या-02-2015 (लो0आ0) (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित) (सदन के पटल पर रखा गया)	61
उत्तर प्रदेश सूचना का अधिकार (प्रथम संशोधन) नियमावली, 2019 ...	61
उत्तर प्रदेश विधान सभा के द्वितीय सत्र, 2019 में नियम-301 के अन्तर्गत प्राप्त सूचनाओं पर कृत कार्यवाही का विवरण	62
उत्तर प्रदेश विधान सभा के चतुर्थ सत्र, 2019 में नियम-301 के अन्तर्गत प्राप्त सूचनाओं पर कृत कार्यवाही का विवरण	62
यू0पी0 प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट 2016-2017 (सदन के पटल पर रखा गया)	62
श्रीमती मनीषा अनुरागी, सदस्य, विधान सभा की जनपद हमीरपुर से सम्बन्धित चार याचिकाएं (व्यपगत)	62-63
श्री प्रभात कुमार वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	63-64
श्री रोशन लाल वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित सात याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	64-65
श्री बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया, सदस्य, विधान सभा की जनपद महोबा से सम्बन्धित तीन याचिकाएं (व्यपगत)	65
श्री प्रेम नारायण पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की गई)	65
श्री सुरेन्द्र मैथानी, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर से सम्बन्धित तीन व जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित एक याचिका (उपस्थित की गई) ...	65-66
श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित दो याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	66
श्री सुनील कुमार शर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजियाबाद से सम्बन्धित तीन याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	66-67
कुंवर नरेन्द्र पाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित दो याचिकाएं (उपस्थित की गईं)...	67

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्री काली प्रसाद, सदस्य, विधान सभा की जनपद देवरिया से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	67
श्री रजनीकान्त मणि त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की जनपद कुशीनगर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	68-69
उत्तर प्रदेश जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2020 ..... (पुरःस्थापित)	69
श्री राज्यपाल के अभिभाषण में प्राप्त संशोधन	69-72
श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा ...	72-122
श्री अध्यक्ष द्वारा मा0 सदस्यों के बोलने हेतु समय का निर्धारण ...	122-146
विधायकों के प्रस्ताव पर उनके निर्वाचन क्षेत्र में निर्माण कार्य हेतु पांच-पांच करोड़ रुपये दिये जाने के सम्बन्ध में व्यवस्था का प्रश्न... ...	146-154
सदस्यों की गिरफ्तारी, निरोध व रिहाई की सूचना	154
नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं	154-156
नत्थियां	157-161

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सत्रहवीं विधान सभा

सोमवार, दिनांक 17 फरवरी, 2020

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप लखनऊ में दिन के 11:00 बजे अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य-330

1. अगयश राम सरन वर्मा, श्री — पीलीभीत
2. अजय कुमार, डॉ0 — इलाहाबाद
3. अजय कुमार लल्लू, श्री — कुशीनगर
4. अजय कुमार सिंह ''अजय सिंह'', श्री — बस्ती
5. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
6. अजीत सिंह पाल, श्री — कानपुर देहात
7. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
8. अदिति सिंह, सुश्री — रायबरेली
9. अनिल कुमार दोहरे, श्री — कन्नौज
10. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
11. अनिल सिंह, श्री — उन्नाव
12. अनीता, श्रीमती — अम्बेडकरनगर
13. अनीता लोधी राजपूत, डॉ0 — बुलन्दशहर
14. अनुपमा जायसवाल, श्रीमती — बहराइच
15. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
16. अनूप प्रधान, श्री — अलीगढ़
17. अबरार अहमद, श्री — सुल्तानपुर
18. अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा, श्री — प्रतापगढ़
19. अभिजीत सिंह सांगा, श्री — कानपुर नगर
20. अमन मणि त्रिपाठी, श्री — महाराजगंज
21. अमर सिंह, श्री — फर्रुखाबाद
22. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
23. अम्बरीश सिंह पुष्कर एडवोकेट, श्री — लखनऊ
24. अरूण कुमार, डॉ0 — बरेली
25. अरूण कुमार यादव, श्री — आजमगढ़
26. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती — कन्नौज
27. अलका राय, श्रीमती — गाजीपुर
28. अवधेश सिंह, प्रो0 (डा0) — वाराणसी
29. अवस्थी बाला प्रसाद, श्री — खीरी
30. अविनाश त्रिवेदी, श्री — लखनऊ
31. असलम अली, श्री — हापुड़
32. आजाद अरिमर्दन, श्री — आजमगढ़
33. आनन्द स्वरूप शुक्ल, श्री — बलिया
34. आनन्द शुक्ला, श्री — चित्रकूट
35. आर0 के0 वर्मा, डॉ0 — प्रतापगढ़
36. आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती — प्रतापगढ़
37. आशीष सिंह पटेल ''आशू'', श्री — हरदोई
38. आशुतोष उपाध्याय, श्री — देवरिया
39. आशुतोष टण्डन ''गोपाल जी'', श्री — लखनऊ
40. इकबाल महमूद, श्री — सम्भल
41. इकराम कुरैशी, हाजी — मुरादाबाद
42. इरफान सोलंकी, हाजी — कानपुर नगर
43. उज्जवल रमण सिंह, श्री — इलाहाबाद
44. उदयभान सिंह, चौ0 — आगरा
45. उपेन्द्र तिवारी, श्री — बलिया
46. उमाशंकर सिंह, श्री — बलिया
47. उमेश मलिक, श्री — मुजफ्फरनगर
48. ओमकार सिंह, श्री — बदायूं
49. ओम प्रकाश राजभर, श्री — गाजीपुर
50. कपिल देव अग्रवाल, श्री — मुजफ्फरनगर
51. कमल रानी, श्रीमती — कानपुर नगर
52. कमल सिंह मलिक, श्री — हापुड़

53. कमलेश शुक्ल, श्री देवरिया
54. करण सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
55. कल्पनाथ पासवान, श्री आजमगढ़
56. कारिन्दा सिंह, श्री मथुरा
57. काली प्रसाद, श्री देवरिया
58. किरत सिंह, श्री सहारनपुर
59. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
60. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
61. केसर सिंह, श्री बरेली
62. कैलाश नाथ शुक्ल, श्री बलरामपुर
63. कैलाश नाथ सोनकर, श्री वाराणसी
64. कैलाश सिंह राजपूत, श्री कन्नौज
65. गंगा, श्री कुशीनगर
66. गरिमा सिंह, श्रीमती अमेठी
67. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
68. गुलाब देवी, श्रीमती सम्भल
69. गौरव कुमार, श्री बाराबंकी
70. गौरी शंकर, श्री जालौन
71. चन्द्रपाल कुशवाहा, श्री बांदा
72. चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल, श्री बस्ती
73. चेतन चौहान, श्री अमरोहा
74. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
75. छत्रपाल सिंह गंगवार, श्री बरेली
76. जटाशंकर त्रिपाठी, श्री कुशीनगर
77. जन्मेजय सिंह, श्री देवरिया
78. जमुना प्रसाद सरोज, डॉ0 इलाहाबाद
79. जय कुमार सिंह (जैकी), श्री फतेहपुर
80. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
81. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
82. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी
83. जितेन्द्र पाल सिंह उर्फ बिल्लू, श्री मेरठ
84. जितेन्द्र वर्मा, श्री आगरा
85. जी0 एस0 धर्मेश, डॉ0 आगरा
86. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
87. ज्ञानेन्द्र, श्री महाराजगंज
88. डी0 सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
89. डेनजिल जे0 गोडिन, डा0 नाम-निर्देशित
90. तसलीम अहमद, श्री बिजनौर
91. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्धनगर
92. त्रिवेणी राम, श्री गाजीपुर
93. दयाराम चौधरी, श्री बस्ती
94. दल बहादुर, श्री रायबरेली
95. दलवीर सिंह, श्री अलीगढ़
96. दिनेश खटीक, श्री मेरठ
97. दिनेश चौधरी, श्री जौनपुर
98. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही
99. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
100. देवमणि द्विवेदी, श्री सुल्तानपुर
101. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
102. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री कासगंज
103. देवेन्द्र सिंह लोधी एडवोकेट, श्री बुलन्दशहर
104. धनन्जय कन्नौजिया, श्री बलिया
105. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
106. धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव, श्री बाराबंकी
107. धर्म सिंह सैनी, डॉ0 सहारनपुर
108. धीरेन्द्र बहादुर सिंह, श्री रायबरेली
109. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्ध नगर
110. नईम उल हसन, श्री बिजनौर
111. नन्द किशोर गुर्जर, श्री गाजियाबाद
112. नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', श्री इलाहाबाद
113. नफीस अहमद, श्री आजमगढ़
114. नरेन्द्र पाल सिंह, कुँ0 जालौन
115. नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री सीतापुर
116. नरेश सैनी, श्री सहारनपुर
117. नवाब जान, श्री मुरादाबाद

118. नसीर अहमद खाँ, श्री रामपुर
119. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
120. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
121. निर्मला संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
122. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
123. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
124. नील रतन सिंह पटेल 'नीलू', श्री वाराणसी
125. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
126. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
127. पंकज सिंह, श्री गौतमबुद्ध नगर
128. पक्षालिका सिंह, रानी आगरा
129. पवन कुमार उर्फ पवन केडिया, श्री कुशीनगर
130. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
131. पारसनाथ यादव, श्री जौनपुर
132. पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, श्री आगरा
133. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
134. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
135. प्रतीक भूषण सिंह, श्री गोण्डा
136. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
137. प्रभुनारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
138. प्रमोद उटवाल, श्री मुजफ्फरनगर
139. प्रवीण कुमार सिंह, श्री इलाहाबाद
140. प्रेम नारायण पाण्डेय, श्री गोण्डा
141. प्रेमसागर पटेल, श्री महाराजगंज
142. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
143. बजरंग बहादुर सिंह, श्री महाराजगंज
144. बन्दना सिंह, श्रीमती आजमगढ़
145. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
146. बहोरन लाल मौर्य, श्री बरेली
147. बाबा गोरखनाथ, श्री फैजाबाद
148. बावन सिंह, श्री गोण्डा
149. बिमला सिंह सोलंकी, श्रीमती बुलन्दशहर
150. बिहारीलाल आर्य, श्री झांसी
151. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
152. बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया, श्री महोबा
153. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
154. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
155. बृजेश कुमार प्रजापति, श्री बांदा
156. बैजनाथ रावत, श्री बाराबंकी
157. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
158. भगवती प्रसाद सागर, श्री कानपुर नगर
159. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र
160. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
161. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
162. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
163. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
164. मन्जू शिवाच, डॉ0 गाजियाबाद
165. ममतेश शाक्य, श्री कासगंज
166. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री रायबरेली
167. मसूद अख्तर, श्री सहारनपुर
168. महबूब अली, श्री अमरोहा
169. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
170. महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री सीतापुर
171. महेन्द्र सिंह खडगवंशी, श्री अमरोहा
172. महेश कुमार गोयल, श्री आगरा
173. महेश त्रिवेदी, श्री कानपुर नगर
174. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
175. माधवेन्द्र प्रताप, कुंवर हरदोई
176. मुकेश चन्द्र वर्मा, श्री फिरोजाबाद
177. मूलचन्द्र सिंह, श्री जालौन
178. मो0 मुजतबा सिद्दीकी, श्री इलाहाबाद
179. मोहम्मद असलम ''राइनी'' (एडवोकेट), श्री श्रावस्ती
180. मोहम्मद रिजवान, श्री मुरादाबाद
181. मो0 फईम इरफान, श्री मुरादाबाद

182. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
183. योगेश धामा, श्री बागपत
184. योगेश वर्मा, श्री खीरी
185. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
186. रजनीकान्त मणि त्रिपाठी, श्री कुशीनगर
187. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
188. रणवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ धुन्नी भइया, श्री फतेहपुर
189. रत्नाकर मिश्र, श्री मिर्जापुर
190. रफीक अन्सारी, श्री मेरठ
191. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
192. रमाशंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
193. रमेश चन्द्र दिवाकर, श्री औरैया
194. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
195. रवि कुमार सोनकर, श्री बस्ती
196. रवि शर्मा, श्री झांसी
197. रवेन्द्रपाल सिंह, श्री अलीगढ़
198. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
199. राकेश सिंह, श्री रायबरेली
200. राकेश सिंह बघेल, श्री सन्तकबीर नगर
201. राघवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
202. राजकुमार अग्रवाल, श्री हरदोई
203. राजकुमार उर्फ राजू यादव, श्री मैनपुरी
204. राजकुमार पाल, श्री प्रतापगढ़
205. राजकुमार सहयोगी, श्री अलीगढ़
206. राजबाला, श्रीमती रामपुर
207. राजमणि कोल, श्री इलाहाबाद
208. राजीव तरारा, श्री अमरोहा
209. राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
210. राजीव सिंह ''पारीछा'', श्री झांसी
211. राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती, श्री प्रतापगढ़
212. राजेश कुमार मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल, श्री बरेली
213. राजेश कुमार सिंह (चुन्नू), श्री मुरादाबाद
214. राजेश गौतम, श्री सुल्तानपुर
215. राधा कृष्ण शर्मा, पं0 बदायूं
216. राधा मोहन दास अग्रवाल, डॉ0 गोरखपुर
217. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकरनगर
218. राम कृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
219. राम गोविन्द चौधरी, श्री बलिया
220. राम चन्द्र यादव, श्री फैजाबाद
221. राम नरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
222. राम नरेश रावत, श्री रायबरेली
223. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
224. राम प्रताप सिंह, श्री आगरा
225. राम प्रताप उर्फ शशिकांत वर्मा, श्री बलरामपुर
226. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
227. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
228. रामानन्द बौद्ध, श्री कुशीनगर
229. राहुल प्रकाश, श्री मिर्जापुर
230. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
231. रोशन लाल वर्मा, श्री शाहजहांपुर
232. लाखन सिंह, श्री औरैया
233. लाल जी वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
234. लाल बहादुर, श्री कौशाम्बी
235. लीना तिवारी, श्रीमती जौनपुर
236. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
237. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
238. विक्रम सिंह, श्री फतेहपुर
239. विक्रम सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
240. विक्रमाजीत मौर्य, श्री इलाहाबाद
241. विजय कुमार कश्यप, श्री मुजफ्फरनगर
242. विजय कुमार राजभर, श्री मऊ
243. विजय मिश्र, श्री भदोही
244. विजेन्द्र सिंह, श्री बुलन्दशहर
245. विनय शंकर तिवारी, श्री गोरखपुर

246. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
247. विनोद कुमार कटियार, श्री कानपुर देहात
248. विपिन कुमार 'डेविड', श्री एटा
249. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
250. विमलेश पासवान, डा0 गोरखपुर
251. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
252. वीर विक्रम सिंह, प्रिंस शाहजहांपुर
253. वीरेन्द्र, श्री एटा
254. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री फैजाबाद
255. शरद कुमार अवस्थी, श्री बाराबंकी
256. शरदवीर सिंह, श्री शाहजहांपुर
257. शशांक वर्मा, श्री खीरी
258. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
259. शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली, श्री आजमगढ़
260. शीतल पाण्डेय, श्री गोरखपुर
261. शुचिस्मिता मौर्या, श्रीमती मिर्जापुर
262. शैलेन्द्र यादव ललई, श्री जौनपुर
263. शैलेश कुमार सिंह ''शैलू'', श्री बलरामपुर
264. श्याम धनी, श्री सिद्धार्थनगर
265. श्याम बिहारी लाल, डॉ0 बरेली
266. श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
267. श्रीकान्त शर्मा, श्री मथुरा
268. श्रीराम चौहान, श्री सन्तकबीर नगर
269. श्रीराम सोनकर, श्री मऊ
270. संग्राम यादव, श्री आजमगढ़
271. संगीता बलवन्त, डा0 गाजीपुर
272. संगीता यादव, श्रीमती गोरखपुर
273. संजय, श्री बुलन्दशहर
274. संजय गर्ग, श्री सहारनपुर
275. संजय प्रताप जायसवाल, श्री बस्ती
276. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत
277. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
278. संजीव राजा, श्री अलीगढ़
279. संजू देवी, श्रीमती अम्बेडकरनगर
280. संदीप कुमार सिंह, श्री अलीगढ़
281. सतीश चंद्र शर्मा, श्री बाराबंकी
282. सतीश चन्द्र द्विवेदी, डॉ0 सिद्धार्थनगर
283. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
284. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
285. सत्य प्रकाश अग्रवाल ''कैलाश डेरी वाले'', श्री मेरठ
286. सत्यवीर त्यागी, श्री मेरठ
287. सन्त प्रसाद, श्री गोरखपुर
288. सरोज सोनकर, श्रीमती बहराइच
289. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा
290. सहेन्द्र सिंह चौहान, श्री बागपत
291. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री बाराबंकी
292. साधना सिंह, श्रीमती चन्दौली
293. सावित्री कठेरिया, श्रीमती इटावा
294. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
295. सुखदेव राजभर, श्री आजमगढ़
296. सुनीता, श्रीमती गाजीपुर
297. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
298. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर फर्रुखाबाद
299. सुनील वर्मा, श्री सीतापुर
300. सुभाष पासी, श्री गाजीपुर
301. सुभाष राय, श्री अम्बेडकरनगर
302. सुरेन्द्र नाथ सिंह, श्री बलिया
303. सुरेन्द्र नारायण सिंह, श्री वाराणसी
304. सुरेन्द्र मैथानी, श्री कानपुर नगर
305. सुरेश कुमार, श्री शामली
306. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
307. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
308. सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री लखनऊ
309. सुरेश चन्द्र तिवारी, श्री लखनऊ
310. सुरेश तिवारी, श्री देवरिया
311. सुरेश राही, श्री सीतापुर

312.	सुरेश्वर सिंह, श्री	बहराइच	322.	स्वाती सिंह, श्रीमती	लखनऊ
313.	सुशान्त सिंह, कुँ0	बिजनौर	323.	स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री	कुशीनगर
314.	सुशील कुमार शाक्य, श्री	फर्रुखाबाद	324.	हरगोविन्द भार्गव, डॉ0	सीतापुर
315.	सुशील सिंह, कुँ0	चन्दौली	325.	हरिओउम यादव, श्री	फिरोजाबाद
316.	सुषमा पटेल, श्रीमती	जौनपुर	326.	हरिशंकर माहौर, श्री	हाथरस
317.	सूर्य प्रताप शाही, श्री	देवरिया	327.	हरीराम, श्री	सोनभद्र
318.	सूर्यभान सिंह, श्री	सुल्तानपुर	328.	हरेन्द्र प्रसाद सिंह, डॉ0	जौनपुर
319.	सोमेन्द्र तोमर, डॉ0	मेरठ	329.	हाकिम लाल बिन्द, श्री	इलाहाबाद
320.	सोवरन सिंह यादव, श्री	मैनपुरी	330.	हृदय नारायण दीक्षित, श्री	उन्नाव
321.	सौरभ सिंह, श्री	खीरी			

नोट :-मा0 मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ), जल शक्ति मंत्री (डा0 महेन्द्र सिंह) तथा अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ, हज राज्य मंत्री (श्री मोहसिन रजा) भी सदन में उपस्थित थे।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उ0प्र0 के पूर्व मुख्य मंत्री को फोन पर जान से मारने की धमकी दिये जाने का प्रकरण

नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं बहुत ही एक महत्वपूर्ण मामला आपके सामने रखना चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्नकाल हो जाने दीजिए।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा0 श्री अखिलेश यादव जी को जान का खतरा उत्पन्न हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के लोग पूरी तरह से घबरा गये हैं। हमेशा उनकी मीटिंग में व्यवधान उत्पन्न किया जा रहा है।

श्री अध्यक्ष-

एक मिनट मेरा निवेदन सुन लें। यह ठीक नहीं है। प्रश्नकाल हो जाने दीजिए।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जो जिले का सबसे बड़ा अधिकारी है वह दफ्तर में जाकर क्वेरी कर रहा था। मा0 अध्यक्ष जी, मा0 अखिलेश यादव जी की कार्यकर्ताओं की मीटिंग में वहां एक व्यक्ति खड़ा हुआ और तरह-तरह का नारा लगाने लगा और जान से मारने की धमकी दी। इस प्रकार से अखिलेश यादव जी को फोन पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। श्रीमन्, उनके फोन पर सैकड़ों बार जान से मारने की धमकी दी जा चुकी है।

(समाजवादी पार्टी के सदस्य सदन के वेल में आ गये और सरकार विरोधी नारे लगाने लगे जिससे सदन में शोर उत्पन्न हो गया।)

मान्यवर, उनको फोन पर गाली दी जा रही है। फोन पर अपमानित शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्नकाल हो जाने दीजिए। यह अनुचित है।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि प्रदेश के इंसानों की जान की सुरक्षा आपके हाथ में है।

श्री अध्यक्ष-

आप लोग चाहते हैं कि प्रश्नकाल न हो। मा0 अखिलेश जी, वरिष्ठ नेता हैं। उनके नाम के बहाने से सदन का स्थगन उचित नहीं है।

(इस बीच श्री लालजी वर्मा सहित विपक्ष के कई सदस्य अपने स्थान से खड़े होकर बोलते रहे लेकिन सदन में शोर-शराबे के कारण उनका भाषण नहीं सुना जा सका। घोर व्यवधान जारी रहा)

(घोर व्यवधान के मध्य)

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि अखिलेश यादव की जान की सुरक्षा आपके हाथ में है।

श्री अध्यक्ष-

आप लोग चाहते हैं कि प्रश्नकाल न हो।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

उनको मोबाइल पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

श्री अध्यक्ष-

मा0 वर्मा जी खड़े हैं। आराधना जी खड़ी हैं और तमाम नेता खड़े हैं।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, हमारी बात सुन लें। जिस तरह से कानपुर में घटना हुयी है। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ कि नियमों को शिथिल करके इसको सुनने का काम करें। कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने का काम आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हो रहा है। अल्पसंख्यकों के ऊपर, पिछड़ों के ऊपर, दलितों के ऊपर अत्याचार हो रहा है।

श्री अध्यक्ष-

विधान सभा चलेगी या नहीं। यह बताइये।

***संसदीय कार्य, वित्त एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

मा0 अध्यक्ष जी, भारतीय जनता पार्टी के किसी कार्यकर्ता से या किसी नेता से कोई खतरा नहीं है। खतरा तो समाजवादी पार्टी से पूरे समाज को है और जहाँ तक अखिलेश जी का सवाल है। वह एक सम्मानित मुख्य मंत्री रहे हैं। प्रदेश के सम्मानित नेता हैं। उनके प्रति पूरा सम्मान है। किसी प्रकार का कोई असम्मान नहीं है। पूरे समाज को खतरा तो समाजवादी पार्टी से है। हमसे नहीं है। इन्होंने यह कहा था कि 17 तारीख को काम रोको प्रस्ताव नहीं लिया जायेगा। नियम-56 नहीं लिया जायेगा। आज नेता विरोधी दल को बोलना भी है। आखिरकार यह क्या दिखाना चाहते हैं। मान्यवर, मैं फिर कह रहा हूँ कि श्री अखिलेश यादव जी इस प्रदेश के सम्मानित नेता हैं और हम सब लोग उनका सम्मान भी करते हैं। समाजवादी पार्टी से पूरे समाज को खतरा है। भारतीय जनता पार्टी के किसी नेता से या किसी कार्यकर्ता से किसी को कोई खतरा नहीं है।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मान्यवर, सरकार श्री अखिलेश यादव को जान से मरवाना चाहती है। भारतीय जनता पार्टी के लोग उनकी लोकप्रियता से घबरा गये हैं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

मैं सदन की कार्यवाही 30 मिनट के लिए स्थगित करता हूँ।

(घोर व्यवधान के कारण श्री अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही 11 बजकर 05 मिनट पर 30 मिनट के लिये स्थगित कर दी।)

(11 बजकर 35 मिनट पर मार्शल, विधान सभा ने सदन को सूचित किया कि माननीय अध्यक्ष ने सदन का स्थगन 12 बजकर 20 मिनट तक के लिये बढ़ा दिया है।)

प्रश्नोत्तर

नत्थी (क)

अल्पसूचित तारांकित प्रश्न

प्रदेश के राजकीय चिकित्सालयों में उ0प्र0 मेडिकल आपूर्ति कारपोरेशन द्वारा अधोमानक दवाओं की आपूर्ति करने वाली कम्पनियों के विरुद्ध कार्रवाई के सम्बन्ध में

****1-श्री सुखदेव राजभर-**

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के राजकीय चिकित्सालयों में उ0प्र0 मेडिकल आपूर्ति कारपोरेशन द्वारा अधोमानक दवाओं की आपूर्ति की गयी है ? यदि हां, तो क्या यह सत्य है कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ के विभिन्न चिकित्सालयों क्रमशः बलरामपुर चिकित्सालय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय, लोकबंधु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय, बी0आर0डी0 अस्पताल महानगर, रानी लक्ष्मी बाई चिकित्सालय, राजाजीपुरम आदि में अधोमानक, एन्टीफंगल, उल्टी की दवा, बुखार की दवा, सुन्न करने की दवा तथा आई ड्राप की आपूर्ति होने से वितरण रोक दिया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार अधोमानक दवाओं की आपूर्ति करने वाली कम्पनियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री (श्री जय प्रताप सिंह)-

उ0प्र0 मेडिकल सप्लाइज कारपोरेशन लि0 द्वारा गुणवत्ता नीति के अनुसार आपूर्तिकर्ता फर्म द्वारा गुणवत्तायुक्त औषधियों की आपूर्ति एन0ए0बी0एल0 एक्रिडिटेड प्रयोगशालाओं से ''स्टैण्डर्ड क्वालिटी'' रिपोर्ट निगम को उपलब्ध कराने के उपरान्त ही आपूर्ति जनपद स्तरीय राजकीय चिकित्सालयों के औषधि भण्डार गृहों पर की जाती है। औषधियों की गुणवत्ता को पुनः सुनिश्चित करने हेतु औषधि एवं खाद्य प्रशासन तथा उ0प्र0 मेडिकल सप्लाइज कारपोरेशन लि0 द्वारा प्रदेश के विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों के औषधि भण्डार गृहों से समय-समय पर औषधियों के नमूने एकत्र करते हुए उक्त नमूनों की पुनः जांच कराई जाती है। उक्त के आधार पर एकत्र किये गये नमूने में से कुछ नमूने एन0एस0क्यू0 (नॉट आफ स्टैण्डर्ड क्वालिटी) पाये गये हैं।

नोट :- उ0प्र0 विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-41 के अन्तर्गत आज की कार्य-सूची के सभी प्रश्न उत्तरित माने गये।

उपरोक्त प्रक्रिया के आधार पर एन0एस0क्यू0 (नॉट आफ स्टैण्डर्ड क्वालिटी) पाई गई औषधियों का उ0प्र0 मेडिकल सप्लाइज कारपोरेशन लि0 की अनुबन्धित प्रयोगशालाओं अथवा राजकीय विश्लेषक प्रयोगशालाओं से रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त वितरण का उपयोग तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। उपरोक्त प्रक्रिया के आधार पर घोषित की गई एन0एस0क्यू0 औषधियों की आपूर्तिकर्ता फर्म पर निविदा शर्तों के अनुरूप कार्यवाही की गई है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में ओलावृष्टि से प्रभावित कृषकों को विशेष नीति बनाकर लाभ दिये जाने के सम्बन्ध में

****2-श्री श्याम सुन्दर शर्मा-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में दिनांक 28-01-2020 तक ओलावृष्टि से प्रभावित कृषकों को सरकार कोई विशेष नीति बनाकर लाभान्वित करायेगी ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-

जी नहीं।

ओलावृष्टि भारत सरकार द्वारा अधिसूचित आपदा है और गृह मंत्रालय, भारत सरकार की गाइडलाइन दिनांक 08-04-2015 द्वारा निर्धारित मानक एवं दरों के अनुसार ओलावृष्टि से प्रभावित व्यक्तियों/परिवारों को एस0डी0आर0एफ0 से सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है। अतः प्रदेश में दिनांक 28-01-2020 तक ओलावृष्टि से प्रभावित कृषकों को कोई विशेष नीति बनाकर लाभान्वित कराये जाने का विषय भारत सरकार के क्षेत्राधिकार में है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

नत्थी (ख)

तारांकित प्रश्न

प्रदेश के विभिन्न सरकारी अस्पतालों, सी0एच0सी0 व पी0एच0सी0 में स्वीकृत पदों के सापेक्ष डाक्टरों एवं अन्य कर्मियों की तैनाती के सम्बन्ध में

***1-श्री मो0 फईम इरफान तथा श्री उमाशंकर सिंह-**

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के जिला अस्पतालों, सी0एच0सी0 व पी0एच0सी0 में स्वीकृत पदों के सापेक्ष डाक्टरों, विशेषज्ञों सहित अन्य कर्मियों की तैनाती करने हेतु सरकार कोई योजना बनायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के स्वीकृत पदों के सापेक्ष चिकित्सक/विशेषज्ञ की तैनाती की पूर्व से निम्न योजनायें क्रियान्वित हैं :-

1-लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश से चयनोपरान्त।

2-पुनर्नियोजन के माध्यम से।

3-वॉक-इन-इण्टरव्यू के माध्यम से।

4-एन0एच0एम0 द्वारा विडिंग के माध्यम से।

5-एन0एच0एम0 द्वारा संविदा पर।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा स्टाफ नर्स के पदों पर चयन किया जाता है।

उत्तर प्रदेश कर्मचारी अधीनस्थ चयन आयोग, लखनऊ द्वारा पैरामेडिकल संवर्ग में एक्स-रे टेक्नीशियन, प्रयोगशाला प्राविधिज्ञ तथा नेत्र परीक्षण अधिकारी (आप्टोमेट्रिस्ट) का चयन किया जाता है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के अनुदानित मदरसों में तैनात शिक्षकों का बकाया मानदेय भुगतान किये जाने सम्बन्धी

***2-हाजी इरफान सोलंकी-**

क्या अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के अनुदानित मदरसों में तैनात शिक्षकों का मानदेय बकाया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त बकाया मानदेय का भुगतान करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज, नागरिक उड्डयन, राजनैतिक पेंशन मंत्री (श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी')-

प्रदेश के राज्यानुदानित अरबी, फारसी मदरसों में नियमित रूप से नियुक्त शिक्षक/ शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को वेतनादि का भुगतान नियमित रूप से किया जा रहा है। इन मदरसों में मदरसा आधुनिकीकरण योजनान्तर्गत नियुक्त स्नातक शिक्षकों को रु0 2000/- तथा परास्नातक/ बी0एड0 शिक्षकों को रु0 3000/- की धनराशि प्रतिमाह अतिरिक्त सहयोग के रूप में राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाती है। अतिरिक्त सहयोग की धनराशि का वितरण माह अगस्त, 2019 तक किया जा चुका है तथा माह सितम्बर, 2019 से आगे की धनराशि के भुगतान की कार्यवाही प्रचलित है।

मदरसा आधुनिकीकरण योजनान्तर्गत नियुक्त शिक्षकों को केन्द्र सरकार द्वारा स्नातक शिक्षकों को रु0 6000/- तथा परास्नातक/बी0एड0 शिक्षकों को रु0 12000/- की धनराशि मानदेय के रूप में प्रदान की जाती है। केन्द्र सरकार से वित्तीय वर्ष 2019-20 में प्राप्त धनराशि रु0 77,63,63,746/- शिक्षकों को भुगतान किये जाने हेतु जनपदों को आवंटित की जा चुकी है। वर्ष 2013-14 से 2019-20 तक के अवशेष केन्द्रांश की धनराशि (रु0 819.73 करोड़) केन्द्र सरकार की ओर से अभी तक अवमुक्त नहीं की गई है।

मानदेय की बकाया धनराशि केन्द्र सरकार से प्राप्त होते ही भुगतान की कार्यवाही की जायेगी।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को सरकारी-निजी भागीदारी वाले अस्पतालों द्वारा चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराये जाने विषयक

***3-श्री श्याम सुन्दर शर्मा-**

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में सरकारी, निजी तथा सरकारी-निजी भागीदारी वाले अस्पतालों में आयुष्मान भारत योजना के तहत चिकित्सीय सुविधा सरकार उपलब्ध करा रही है ? यदि हां, तो उक्त योजना में थर्ड पार्टी बीमा कम्पनियों एवं एजेंसियों की भूमिका क्या है ? क्या सरकार जनपद मथुरा में सर्वे कराकर वंचित लाभार्थियों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने के लिए कैम्प लगाकर कार्रवाई करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जी हां।

प्रदेश में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 1517 निजी एवं 1037 सरकारी चिकित्सालयों में चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है।

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत टी0पी0ए0 (थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर्स) चिकित्सालयों द्वारा प्रस्तुत किये गये चिकित्सकीय दावों का परीक्षण कर अपना मन्तव्य सरकार को प्रेषित करते हैं, साथ ही गोल्डेन कार्ड बनाने हेतु आवेदनों का परीक्षण कर अनुमोदन प्रदान किया जाता है।

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में छूटे हुए अन्य पात्र लाभार्थियों को जोड़े जाने हेतु ग्राम्य विकास विभाग के माध्यम से सर्वे के उपरान्त 8.43 लाख परिवार प्रदेश स्तर पर एवं 7799 परिवार जनपद मथुरा में चिन्हांकित किये गये, उक्त परिवारों को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में प्रदत्त सुविधाओं की भांति समान चिकित्सकीय सुविधा प्रदान करने हेतु मुख्य मंत्री जन आरोग्य अभियान को मार्च, 2019 से लागू किया गया है।

उपरोक्तानुसार।

***4-श्री सुभाष त्रिपाठी, एडवोकेट-**

[विस्तीर्णता के आधार पर निरस्त]

प्रदेश के जनपदों में ए0एन0एम0 व आशा बहुओं का मानदेय बढ़ाने के सम्बन्ध में

***5-श्री मोहम्मद असलम 'राइनी' (एडवोकेट)-**

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में बढ़ती मंहगाई के दृष्टिगत ए0एन0एम0 व आशा बहुओं का मानदेय बढ़ाने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जी नहीं।

ए0एन0एम0 तथा आशा बहुओं के मानदेय में निम्नवत् वृद्धि की गई है :-

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम में तैनात संविदा ए0एन0एम0 के मानदेय बढ़ाने के सम्बन्ध में भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वित्तीय वर्ष हेतु जो भी मानदेय वृद्धि का प्राविधान किया जाता है, उसी के अनुसार समस्त संविदा ए0एन0एम0 के मानदेय में वृद्धि की जाती है।

वित्तीय वर्ष 2019-2020 की आर0ओ0पी0 में भारत सरकार द्वारा संविदा ए0एन0एम0 हेतु 05 प्रतिशत की मानदेय वृद्धि स्वीकृत की गई है, जिसके अनुसार भुगतान किया जा रहा है।

आशा बहुओं :-

विगत वर्षों से आशाओं की प्रतिपूर्ति राशि में निरन्तर वृद्धि की जा रही है जिसमें नवीन मदों में प्रतिपूर्ति राशि देने का प्राविधान एवं नियमित गतिविधियों में वृद्धि समय से की गई है-

नियमित गतिविधियों हेतु माह अक्टूबर, 2018 से पहले आशाओं को प्रतिमाह रु0 1000/- की प्रोत्साहन धनराशि प्रदान की जाती थी जिसमें रु0 1000/- प्रतिमाह की वृद्धि करते हुए वर्तमान में रु0 2000/- प्रतिमाह किया जा रहा है।

वर्ष 2018-2019 में हेल्थ प्रमोशन दिवस हेतु आशाओं को प्रतिमाह रु0 200/- की धनराशि प्रदान की जा रही है।

शासन के आदेश दिनांक 09 मार्च, 2019 के द्वारा आशा/आशा संगिनी की प्रतिपूर्ति राशि में कार्य आधारित रु0 750/- प्रतिमाह की दर से वृद्धि की गई है।

प्रदेश में वर्ष 2016-2017 में औसत प्रति आशा भुगतान रु0 2306/- प्रतिमाह था, जो कि बढ़कर वर्ष 2017-2018 में रु0 2857/- प्रतिमाह एवं वर्ष 2018-2019 में रु0 3416/- प्रतिमाह औसत भुगतान किया गया।

***6-श्री जवाहर लाल राजपूत-**

[07 बुधवार के तारां0प्र0सं0-3 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

प्रदेश के आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं के मानदेय में मंहगाई के सापेक्ष बढ़ोत्तरी किये जाने विषयक

***7-सुश्री अदिति सिंह-**

क्या बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को वर्तमान मंहगाई के सापेक्ष उनकी मानदेय आदि बढ़ाने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्या सरकार बढ़ती मंहगाई के सापेक्ष उनके मानदेय आदि में बढ़ोत्तरी करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

बाल विकास एवं पुष्टाहार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्रीमती स्वाती सिंह)-

जी हां।

भारत सरकार के पत्र संख्या-11-36/2016-सी0डी0-1, दिनांक 20 सितम्बर, 2018 द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्री, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकत्री व आंगनबाड़ी सहायिका को प्राप्त हो रहे मानदेय क्रमशः रु0 3000.00, रु0 2250.00 व रु0 1500.00 प्रतिमाह में क्रमशः रु0 1500.00 व रु0 1250.00 व रु0 750.00 की वृद्धि करते हुए क्रमशः रु0 4500.00, रु0 3500.00 एवं रु0 2250.00 प्रतिमाह किया गया है (जिसमें केन्द्रांश व राज्यांश का अनुपात 60:40 का है)।

उक्त के अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा अपने संसाधनों से शासनादेश दिनांक 28-10-2016 द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्री, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकत्री व आंगनबाड़ी सहायिका को क्रमशः रु0 1000.00, रु0 750.00 व रु0 500.00 प्रतिमाह अतिरिक्त मानदेय दिया जा रहा है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में आयुर्वेद विभाग व अस्पतालों में रिक्त पदों पर नियुक्तियां करने विषयक

***8-श्री नफीस अहमद-**

क्या आयुष मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के आयुर्वेद विभाग व अस्पतालों में स्वीकृत पदों के सापेक्ष कितने पद वर्तमान में रिक्त हैं ? क्या सरकार उक्त रिक्त पदों पर किसी निश्चित समय अवधि तक नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (डा0 धर्म सिंह सैनी)-

प्रदेश में आयुर्वेद विभाग के अन्तर्गत कुल 2104 आयुर्वेदिक अस्पताल संचालित हैं, जिसमें स्वीकृत पदों के सापेक्ष रिक्त पदों का विवरण निम्नवत् है :-

पदनाम	स्वीकृत पद	भरे पद	रिक्त पद
चिकित्साधिकारी	2222	1237	985
चीफ फार्मासिस्ट	156	86	70
फार्मासिस्ट	2094	1590	504
सिस्टर	94	28	66
स्टाफ नर्स	479	319	160
चतुर्थ श्रेणी	5277	3815	1462

वर्तमान में चिकित्साधिकारी के कुल स्वीकृत पदों के सापेक्ष 985 पद रिक्त हैं, जिसमें से 794 पदों का अधियाचन लोक सेवा आयोग, प्रयागराज को चयन हेतु प्रेषित हैं। लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उपरोक्त 794 में से 544 पदों पर चयन हेतु साक्षात्कार दिनांक 13-02-2020 से 28-02-2020 के मध्य निर्धारित है। लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा चयन के उपरान्त संस्तुति प्राप्त होने पर रिक्त चिकित्सालयों में चयनित चिकित्साधिकारियों को नियुक्त/तैनात किया जायेगा।

फार्मासिस्टों के कुल सृजित 2250 पदों के सापेक्ष 86 चीफ फार्मासिस्ट एवं 1590 फार्मासिस्ट आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में कार्यरत हैं। चीफ फार्मासिस्ट के रिक्त 70 पदों पर पदोन्नति की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है तथा शेष रिक्त 504 पदों का अधियाचन चयन हेतु अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को प्रेषित किया जा रहा है।

उपचारिकाओं के कुल 479 स्वीकृत पदों के सापेक्ष 319 पदों पर उपचारिकायें आयुर्वेद चिकित्सालयों में कार्यरत हैं। शेष रिक्त पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया हेतु सेवा नियमावली प्रक्रियाधीन है।

चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर नियुक्ति वर्ष 2010 से प्रतिबन्धित है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में आपातकाल के दौरान मीसा में निरुद्ध व्यक्तियों को राजनैतिक पेंशन दिये जाने विषयक

***9-श्री विनय शंकर तिवारी-**

क्या राजनैतिक पेंशन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि आपातकाल के दौरान मीसा में निरुद्ध प्रदेश के सभी व्यक्तियों को राजनैतिक पेंशन दिया जाना सरकार सुनिश्चित करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'-

उ0प्र0 के ऐसे व्यक्तियों, जिन्होंने आपातकालीन अवधि में लोकतंत्र की रक्षा के लिये सक्रिय रूप से संघर्ष किया एवं जो इन कार्य-कलापों में भाग लेने के फलस्वरूप मीसा/ डी0आई0आर0 के अधीन कारागार में निरुद्ध रहे हों, को सम्मान राशि निःशुल्क परिवहन

सुविधा एवं निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिये उत्तर प्रदेश लोकतंत्र सेनानी सम्मान अधिनियम, 2016 (यथासंशोधित 2018) प्रभावी है। जिसके अधीन सम्मान राशि एवं उक्त सुविधायें अनुमन्य की जा रही हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जेवर व अन्य अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के विकास की योजना विषयक

***10-श्री हर्षवर्धन बाजपेयी-**

क्या नागरिक उड्डयन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि पिछले एक वर्ष में उड़ान और अन्य योजना के तहत हवाई अड्डों और कनेक्टिविटी का कितना विकास हुआ है ? क्या सरकार बतायेगी कि जेवर सहित प्रदेश के अन्य बड़े अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के विकास की क्या योजना है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'-

केन्द्र सरकार की रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (उड़ान योजना) के अन्तर्गत जनपद प्रयागराज, बरेली तथा गाजियाबाद (हिण्डन) स्थित हवाई अड्डों पर राज्य सरकार के सहयोग से भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा नये सिविल इन्क्लेव का विकास कराया गया है। उड़ान योजना के अन्तर्गत चयनित अलीगढ़, आजमगढ़, मुरादाबाद, श्रावस्ती, सोनभद्र (म्योरपुर), चित्रकूट तथा झांसी स्थित हवाई पट्टी (अनसर्व्ड) को नो-फ्रिल्स एयरपोर्ट्स के रूप में विकसित किया जा रहा है।

प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2017 में प्रख्यापित ''उत्तर प्रदेश नागर विमानन प्रोत्साहन नीति'' के अन्तर्गत आर0सी0एस0 तथा नॉन-आर0सी0एस0 उड़ानों के लिये विभिन्न प्रोत्साहन प्रदान किये जाने की व्यवस्था है। इस नीति के फलस्वरूप प्रयागराज, गोरखपुर, कानपुर नगर, गाजियाबाद (हिण्डन) तथा आगरा एयरपोर्ट्स से पिछले एक वर्ष में कई नई उड़ानें प्रारम्भ हुई हैं।

जनपद गौतमबुद्धनगर के जेवर में 'नोएडा इण्टरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट' का विकास प्रस्तावित है। एयरपोर्ट की स्थापना हेतु भारत सरकार के नागर विमानन मंत्रालय से 'साइट क्लीयरेन्स' एवं 'इन-प्रिंसपल अप्रूवल' तथा रक्षा मंत्रालय एवं गृह मंत्रालय से अनापत्ति प्राप्त हो गई है। दिनांक 28 जनवरी, 2020 को हुई 'एक्सपर्ट अप्रेजल कमेटी' (EAC) की बैठक में परियोजना हेतु पर्यावरणीय क्लीयरेन्स प्रदान किये जाने की संस्तुति की गई है।

नोएडा इण्टरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, जेवर के विकास हेतु चिन्हित 1334 हेक्टेयर भूमि के लिये राज्य सरकार द्वारा अब तक रु0 2730.12 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है एवं सम्पूर्ण भूमि का कब्जा प्राप्त हो गया है।

नोएडा इण्टरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के विकास हेतु ग्लोबल-ई-टेण्डरिंग के माध्यम से विकासकर्ता के रूप में 'ज्यूरिख एयरपोर्ट इण्टरनेशनल एजी' को चयनित किया गया है। 'ज्यूरिख एयरपोर्ट इण्टरनेशनल एजी' को नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट लि0 (नायल) द्वारा 'कण्डीशनल लेटर आफ अवार्ड' निर्गत किया गया है। चयनित संस्था 'ज्यूरिख एयरपोर्ट इण्टरनेशनल एजी' द्वारा परियोजना के क्रियान्वयन हेतु एस0पी0वी0 कम्पनी के रूप में 'यमुना इण्टरनेशनल एयरपोर्ट प्रा0लि0' का गठन दिनांक 22 जनवरी, 2020 को किया गया है तथा 'सिक्युरिटी क्लीयरेंस' हेतु दिनांक 27 जनवरी, 2020 को भारत सरकार में आवंटन किया गया है। पी0पी0पी0 मॉडल के अन्तर्गत हवाई अड्डा का निर्माण, विकास व संचालन एस0पी0वी0 कम्पनी 'यमुना इण्टरनेशनल एयरपोर्ट प्रा0लि0' द्वारा किया जायेगा। इस हेतु आवश्यक धनराशि का व्यय एस0पी0वी0 कम्पनी द्वारा किया जायेगा तथा प्रति यात्री रु0 400.97 की दर से उत्तर प्रदेश सरकार को भुगतान किया जायेगा। हवाई अड्डे के प्रथम चरण के निर्माण की कुल लागत रु0 4588 करोड़ अनुमानित है।

लागू नहीं ।

जनपद प्रतापगढ़ के विधान सभा क्षेत्र विश्वनाथगंज में धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार व सुन्दरीकरण के सम्बन्ध में

***11-डॉ0 आर0 के0 वर्मा-**

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद प्रतापगढ़ के विधान सभा क्षेत्र विश्वनाथगंज में ऐतिहासिक धार्मिक आस्था व सांस्कृतिक विशिष्टता को दृष्टिगत कर पर्यटन की दृष्टि से भयहरणनाथ धाम, खुईलन धाम, पांचों सिद्ध, मां दाहिन देवी व देवघाट धाम में जन सुविधाओं के अभाव के कारण दर्शनार्थियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार व सौन्दर्यीकरण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (डा0 नीलकंठ तिवारी)-

उक्त स्थलों में से भयहरणनाथ धाम पर पर्यटकों व श्रद्धालुओं के सुविधार्थ पर्यटन सम्बन्धी मूलभूत सुविधाओं का निर्माण जिला योजना के अन्तर्गत कराया जा रहा है।

वर्णित स्थलों में भयहरणनाथ धाम पर जिला योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2018-19 में सुलभ शौचालय का निर्माण कार्य कराया गया है।

चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 में पर्यटन संवर्धन योजना के अन्तर्गत भयहरणनाथ धाम की योजना प्रस्तावित है, जिसकी कार्यवाही प्रचलन में है।

शेष स्थलों पर वर्तमान वित्तीय वर्ष में कोई योजना विचाराधीन/प्रस्तावित नहीं है। आगामी वर्ष की जिला योजना में उक्त स्थलों पर विकास कार्य जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति के विचारार्थ प्रस्तुत किये जायेंगे।

जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति से अनुमोदन प्राप्त होने की दशा में तथा बजट उपलब्धता के अनुसार प्रस्ताव पर कार्यवाही की जायेगी।

प्रदेश में वर्गवार मुख्य चिकित्सा अधिकारियों के विवरण व हटाये जाने सम्बन्धी

***12-श्री असलम अली-**

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में सामान्य, पिछड़ा वर्ग तथा अनुसूचित जाति के वर्गवार वर्तमान में कितने मुख्य चिकित्सा अधिकारी हैं ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

प्रदेश के 75 जनपदों में से वर्तमान में 71 जनपदों में नियमित रूप से मुख्य चिकित्साधिकारी तैनात हैं, जिनमें सामान्य वर्ग के 52, पिछड़ा वर्ग के 11 तथा अनुसूचित जाति के 08 चिकित्साधिकारी तैनात हैं।

जी हां। सूची संलग्न[†] है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के जिला चिकित्सालयों में सी0टी0 स्कैन मशीन लगवाने व खराब/बन्द मशीनों को चालू कराये जाने विषयक

***13-श्री मनोज कुमार पाण्डेय-**

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के कितने जिला चिकित्सालयों में सी0टी0 स्कैन मशीन स्थापित हैं तथा उनमें से कितनी चालू हैं और कितनी बन्द हैं ? क्या सरकार खराब अथवा बन्द सी0टी0 स्कैन मशीनों को चालू करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

प्रदेश के चिकित्सालयों में कुल 66 सी0टी0 स्कैन मशीन स्थापित हैं, जिसमें 63 मशीन क्रियाशील हैं तथा 03 मरम्मत की प्रक्रिया में हैं।

मशीनों को क्रियाशील रखना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

[†] (देखिये नत्थी 'क' आगे पृष्ठ 157 पर।)

प्रान्तीय होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा संवर्ग के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों के रिक्त पदों पर पदोन्नति करने के विषय में

***14-श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा-**

क्या आयुष मंत्री जी बताने की कृपा करेंगे कि प्रान्तीय होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा संवर्ग के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों के रिक्त पदों पर दो माह में डी0पी0सी0 कर पदोन्नति प्रदान करने पर सरकार विचार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (डा0 धर्म सिंह सैनी)-

जी हां।

डी0पी0सी0 की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है, जो शीघ्र ही सम्पन्न कराई जायेगी।

प्रश्न नहीं उठता।

अतारांकित प्रश्न

जनपद लखनऊ के श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल से मई व जून 2019 में सेवानिवृत्त चिकित्सकों के समस्त देयकों का भुगतान किये जाने विषयक

1-श्री मानवेन्द्र सिंह-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में कितने एवं कौन-कौन से चिकित्सक माह-मई एवं जून, 2019 में सेवानिवृत्त हुए हैं ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि उक्त में कौन-कौन से एवं कितने सेवानिवृत्त चिकित्सकों के समस्त औपचारिकतायें पूर्ण कर पेंशन, ग्रेच्युटी एवं अन्य देयकों का भुगतान कर दिया गया है ? यदि हां, तो कब ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय, लखनऊ से माह मई एवं जून, 2019 में 03 चिकित्सक सेवानिवृत्त हुए :-

1-डा0 अशोक कुमार श्रीवास्तव, माह मई, 2019,

2-डा0 हिम्मत सिंह दानू, माह जून, 2019,

3-डा0 अनिल कुमार श्रीवास्तव, माह जून, 2019।

सेवानिवृत्त चिकित्सक डा0 अशोक कुमार श्रीवास्तव, डा0 हिम्मत सिंह दानू के पेंशन एवं ग्रेच्युटी तथा अन्य देयकों का भुगतान किया जा चुका है। डा0 अनिल कुमार श्रीवास्तव की पेंशन, ग्रेच्युटी एवं जी0पी0एफ0 का भुगतान कर दिया गया है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद हमीरपुर में राठ नगर स्थित शव परीक्षण गृह के पुनर्निर्माण हेतु

2-श्रीमती मनीषा अनुरागी-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद हमीरपुर में राठ नगर स्थित शव परीक्षण गृह जर्जर है ? यदि हां, तो उक्त का पुनर्निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जी हां।

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद हमीरपुर के राठ में निर्मित शव परीक्षण गृह ब्रिटिश कालीन है। अतः उसके जीर्णोद्धार की आवश्यकता नहीं है।

जनपद मुख्यालय हमीरपुर में 08 बॉडी क्षमता युक्त वातानुकूलित पोस्टमार्टम हाउस क्रियाशील है।

जनपद गोण्डा के मनकापुर के अमघटी ग्राम में कुपोषण की समस्या की जांच कराने व निराकरण विषयक

3-श्री प्रभात कुमार वर्मा-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गोण्डा के मनकापुर के अमघटी ग्राम के लोमियनडीह में कुपोषण के कारण दिव्यांग बच्चे पैदा हो रहे हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त की जांच कराकर उक्त समस्या के निराकरण हेतु उपाय करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जी नहीं।

मनकापुर के अमघटी ग्राम के लोमियनडीह (लोनियन पुरवा) अन्तर्गत राधा नगर उपकेन्द्र तामापार, मनकापुर, गोण्डा का भ्रमण दिनांक 04-02-2020 को स्वास्थ्य टीम द्वारा किया गया। टीम द्वारा ग्राम में विकलांग व्यक्तियों की खोज तथा जांच की गई। राधा नगर की कुल जनसंख्या-1169 है, जिसके अन्तर्गत लोमियनडीह (लोनियन पुरवा) आता है, जिसकी जनसंख्या-205 है, ग्राम सभा में नियमित टीकाकरण एवं अन्य चिकित्सा सुविधायें ग्रामवासियों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। गत 03-04 वर्षों में उक्त ग्राम में दिव्यांगों की संख्या शून्य है।

जो बच्चे दिव्यांग हैं, उनकी उम्र 08 वर्ष से कम नहीं है। जनपद में समय-समय पर स्वास्थ्य मेले एवं टीकाकरण की स्पेशल ड्राइव चलाया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद गोण्डा में टूरिस्ट होटल व मन्दिर/क्षेत्र का विकास कराने विषयक

4-श्री प्रभात कुमार वर्मा-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गोण्डा में स्वामी नरायन छपिया मन्दिर को जो पर्यटन स्थल है, में टूरिस्ट होटल व अन्य सुविधाएं सरकार उपलब्ध करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डा0 नीलकण्ठ तिवारी-

जनपद गोण्डा में स्थित स्वामी नरायन छपिया मन्दिर पर्यटन स्थल पर तीर्थ यात्रियों के ठहरने के लिये स्वामी नरायन छपिया मन्दिर ट्रस्ट की आवासीय इकाई उपलब्ध है, उक्त स्थल जनपद अयोध्या से लगभग 37 कि0मी0 एवं गोण्डा से लगभग 50 कि0मी0 की दूरी पर स्थित है, इन जनपदों में पर्याप्त आवासीय सुविधायें उपलब्ध हैं।

अन्य सुविधायें उपलब्ध कराने के क्रम में अवगत कराना है कि मा0 मुख्य मंत्री जी की घोषणा अन्तर्गत स्वामी नरायन छपिया, गोण्डा स्थल में धनराशि रु0 80.25 लाख के अन्तर्गत योजना स्वीकृत है, जिसके अन्तर्गत योजना का कार्य प्रगति पर है।

उ0प्र0 पर्यटन विभाग में गोण्डा में स्वामी नरायन छपिया मन्दिर स्थल में टूरिस्ट होटल नामक कोई योजना/प्रस्ताव वर्तमान में प्रस्तावित नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद गोण्डा के भवण पाकण धाम में पक्का तालाब व सोलर लगवाने सम्बन्धी

5-श्री प्रभात कुमार वर्मा-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गोण्डा के भवण पाकण धाम को पर्यटन स्थल के रूप विकसित करने हेतु तालाब पक्का बनाने व सोलर लगाने का काम सरकार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डा0 नीलकण्ठ तिवारी-

जनपद गोण्डा के भवण पाकण धाम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किये जाने हेतु मुख्य मंत्री पर्यटन संवर्धन योजना में प्रस्तावित किया गया है। मुख्य मंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के अन्तर्गत शासनादेश सं0-46/2020/358/41-2020-01संवर्धन (नीति)/2019,

दिनांक 03-02-2020 द्वारा योजना से सम्बन्धित दिशा-निर्देश/गाइडलाइन्स जारी की गई है, जिसके अनुरूप सम्बन्धित योजना के क्रियान्वयन हेतु कार्रवाई की जायेगी।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद गोण्डा में स्वामी नरायन छपिया मन्दिर में टूरिस्ट हॉस्टल को बनवाने विषयक

6-श्री प्रभात कुमार वर्मा-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गोण्डा में स्थित स्वामी नरायन छपिया मन्दिर पर्यटन स्थल पर तीर्थ यात्रियों के ठहरने के लिए टूरिस्ट हास्टल सरकार बनायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डा0 नीलकण्ठ तिवारी-

जनपद गोण्डा में स्थित स्वामी नरायन छपिया मन्दिर पर्यटन स्थल पर तीर्थ यात्रियों के ठहरने के लिये टूरिस्ट हास्टल बनाये जाने की कोई योजना/प्रस्ताव वर्तमान में पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित नहीं है। उक्त स्थल पर तीर्थ यात्रियों के ठहरने के लिये स्वामी नरायन छपिया मन्दिर ट्रस्ट की आवासीय इकाई उपलब्ध है।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद गोण्डा के उच्च प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बभनजोत व छपिया में डाक्टरों व दवा/ इंजेक्शन की कमी को दूर किये जाने विषयक

7-श्री प्रभात कुमार वर्मा-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गोण्डा के उच्च प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बभनजोत व छपिया में डाक्टरों की कमी के कारण मरीजों को चिकित्सीय सुविधा का लाभ नहीं मिल पाता है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त केन्द्रों में डाक्टरों की कमी दूर करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जी नहीं।

सामु0 स्वा0 केन्द्र बभनजोत, गोण्डा पर 06 चिकित्सक तैनात हैं, जिसमें से 02 चिकित्सक उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। सामु0 स्वा0 केन्द्र, छपिया में 03 चिकित्सक तैनात हैं, जिसमें से 01 चिकित्सक उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। उक्त दोनों सामु0 स्वा0 केन्द्रों पर तैनात चिकित्सकों द्वारा मरीजों को चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

रिक्त पदों पर चिकित्सकों की उपलब्धता एवं विशेषज्ञता के आधार पर तैनाती की जाती है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद हरदोई के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र माधौगंज, कछौना व सण्डीला में स्थानान्तरण नीति के विपरीत तैनात कर्मचारियों/अधिकारियों के स्थानान्तरण विषयक

8-श्री बृजेश कुमार प्रजापति-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद हरदोई के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र माधौगंज, कछौना एवं सण्डीला में कतिपय कर्मचारी/अधिकारी स्थानान्तरण नीति के विपरीत तैनात हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त केन्द्रों में स्थानान्तरण नीति के विपरीत तैनात कर्मचारियों/अधिकारियों को अन्यत्र स्थानान्तरित करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

वार्षिक स्थानान्तरण नीति में शत-प्रतिशत कार्मिकों के स्थानान्तरण का प्राविधान नहीं होने के कारण कतिपय कार्मिक समय सीमा से अधिक अवधि से तैनात हैं।

आगामी स्थानान्तरण सत्र में स्थानान्तरण नीति से आच्छादित कर्मचारियों/अधिकारियों को नियमानुसार स्थानान्तरित किये जाने पर विचार किया जायेगा।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद में दिनांक 15 जनवरी, 2020 तक विधवा पेंशन हेतु पात्रता श्रेणी के लम्बित आवेदनों को स्वीकार कराये जाने विषयक

9-श्री मनीष असीजा-

क्या महिला कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में दिनांक 15 जनवरी, 2020 तक विधवा पेंशन हेतु पात्रता श्रेणी के लम्बित आवेदनों की संख्या कितनी है ? क्या सरकार उक्त लम्बित आवेदनों को स्वीकृत करते हुए बजट जारी करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती स्वाती सिंह-

जनपद फिरोजाबाद में दिनांक 15 जनवरी, 2020 तक पति की मुत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजनान्तर्गत पात्रता श्रेणी के लम्बित आवेदनों की संख्या-209 है।

जी हां।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद में विधवा पेंशन हेतु दिनांक 15 जनवरी, 2020 तक स्वीकृत कुल लाभार्थियों के विवरण विषयक

10-श्री मनीष असीजा-

क्या महिला कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में दिनांक 15 जनवरी, 2020 तक विधवा पेंशन के अन्तर्गत कुल कितनी विधवाओं की पेंशन स्वीकृत हुई है ? क्या सरकार बतायेगी कि इनमें से कितनी पात्र लाभार्थी पेंशन प्राप्त करने से वंचित हैं ? क्या सरकार इन प्रतीक्षारत्/वंचित पात्र लाभार्थियों को पेंशन जारी करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती स्वाती सिंह-

जनपद फिरोजाबाद में दिनांक 15 जनवरी, 2020 तक पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजनान्तर्गत कुल 1484 लाभार्थियों को पेंशन स्वीकृत की गई है।

पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजनान्तर्गत कुल स्वीकृत 1484 लाभार्थियों में से 1275 लाभार्थियों को पेंशन की धनराशि उनके खाते में अन्तरित की जा चुकी है। अवशेष 209 लाभार्थियों को पेंशन की धनराशि मार्च, 2020 तक उनके खाते में अन्तरित कर दी जायेगी।

प्रश्न नहीं उठता।

11-डॉ0 मुकेश चन्द्र वर्मा-

[01 बुधवार के अता0प्र0सं0-64 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

12-डॉ0 मुकेश चन्द्र वर्मा-

[01 बुधवार के अता0प्र0सं0-65 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

13-डॉ0 मुकेश चन्द्र वर्मा-

[01 बुधवार के अता0प्र0सं0-66 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

14-डॉ0 मुकेश चन्द्र वर्मा-

[01 बुधवार के अता0प्र0सं0-67 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद अमरोहा विधान सभा क्षेत्र हसनपुर के सरकारी अस्पताल हसनपुर व रहरा में अल्ट्रसाउण्ड मशीन व लैब की व्यवस्था कराये जाने विषयक

15-श्री महेन्द्र सिंह खडगवंशी-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद अमरोहा के विधान सभा क्षेत्र हसनपुर के अन्तर्गत सरकारी अस्पताल हसनपुर एवं रहरा में अल्ट्रासाउण्ड मशीन एवं लैब की व्यवस्था न होने से क्षेत्र के लोगों को इलाज में परेशानियों का सामना करना पड़ता

है ? यदि हां, तो क्या हसनपुर एवं रहरा के उक्त अस्पताल में अल्ट्रासाउण्ड मशीन एवं लैब की स्थापना सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जनपद अमरोहा के विधान सभा क्षेत्र हसनपुर के अन्तर्गत सरकारी अस्पताल हसनपुर एवं रहरा में अल्ट्रासाउण्ड मशीन स्थापित नहीं है।

ब्लाक सामु0 स्वा0 केन्द्र हसनपुर में प्रत्येक माह की 09 तारीख को पी0पी0पी0 मोड मॉडल पर 02 निजी अल्ट्रासाउण्ड केन्द्रों में गर्भवती महिला मरीजों का अल्ट्रासाउण्ड निःशुल्क कराया जा रहा है तथा ब्लाक सामु0 स्वा0 केन्द्र हसनपुर एवं रहरा के मरीजों के अल्ट्रासाउण्ड जिला संयुक्त चिकित्सालय, अमरोहा में निःशुल्क कराये जा रहे हैं।

अल्ट्रासाउण्ड मशीन की स्थापना का लक्ष्य नहीं है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, हसनपुर एवं रहरा में पैथालॉजी लैब संचालित है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

जनपद बहराइच में नवीन जिला चिकित्सालय के निर्माण विषयक

16-श्री सुभाष त्रिपाठी, एडवोकेट-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच में नया मेडिकल कालेज बन जाने से जिला चिकित्सालय उसके अधीन कर दिया गया है ? यदि हां, तो कब से ? क्या सरकार बतायेगी कि वर्ष 2018-19 में जिला चिकित्सालय, बहराइच की ओ0पी0डी0 में कितने मरीज पंजीकृत हुए ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि उक्त क्षेत्र में मरीजों की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत पृथक से बहराइच में नया जिला चिकित्सालय का निर्माण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जिला चिकित्सालय, बहराइच दिनांक 01-04-2019 से जनपद बहराइच में नव स्थापित स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, बहराइच का सम्बद्ध/रेफरल चिकित्सालय हो गया है।

वर्ष 2018-19 में जिला चिकित्सालय, बहराइच की ओ0पी0डी0 में 616302 नये मरीज पंजीकृत किये गये।

वित्तीय संसाधनों एवं भूमि की उपलब्धता पर।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश में प्रयोगशाला सहायक (ग्राम्य) संवर्ग के कर्मचारियों के हित में जारी शासनादेश संख्या-1194/पांच-1-2016-5/(98) 2012 के अनुपालन के सम्बन्ध में कार्रवाई करने विषयक

17-श्री हाकिम लाल बिन्द-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मुख्य मंत्री को सम्बोधित प्रश्नकर्ता का दिनांक 03-12-2019 का संलग्नकों सहित पत्र, जो कि प्रदेश के प्रयोगशाला सहायक (ग्राम्य) संवर्ग के कर्मचारियों के हितों में दिनांक 29 सितम्बर, 2016 को स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा अनुभाग-1 द्वारा जारी शासनादेश संख्या-1194/पांच-1-2016-5/(98) 2012 का अनुपालन कराये जाने के सम्बन्ध में है, मुख्य मंत्री को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त प्रकरण में अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जी हां।

आई0जी0आर0एस0 सन्दर्भ संख्या-18157190128552 ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से मा0 सदस्य का उक्त पत्र प्राप्त हुआ है।

प्रयोगशाला सहायक (ग्राम्य) सेवा नियमावली, 1998 में संशोधन के सम्बन्ध में महानिदेशालय स्तर से प्राप्त प्रस्ताव पर शासन स्तर पर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

प्रश्न नहीं उठता।

विधान सभा क्षेत्र कालपी, विकास खण्ड कदौरा में स्थित मदरालालपुर ग्राम में स्थित सूर्य मन्दिर के संरक्षण व विस्तार तथा इसे पर्यटन स्थल घोषित किये जाने विषयक

18-कुं0 नरेन्द्र पाल सिंह-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी के विकास खण्ड कदौरा में स्थित मदरालालपुर ग्राम में सूर्य मन्दिर का संरक्षण व विस्तार कर पर्यटक स्थल के रूप में सरकार विकसित करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डा0 नीलकण्ठ तिवारी-

जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी के विकास खण्ड कदौरा स्थित मदारालालपुर ग्राम में सूर्य मन्दिर का सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटन विकास का कार्य वित्तीय वर्ष 2019-20 में जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित है। जिला योजना मद में पर्याप्त बजट व्यवस्था उपलब्ध होने पर उक्त स्थल पर पर्यटन विकास कार्य कराया जाना सम्भव हो सकेगा।

उपर्युक्तानुसार।

जिला महिला चिकित्सालय बाराबंकी के लैब टेक्नीशियन का स्थानान्तरण जिला संयुक्त चिकित्सालय सोनभद्र किये जाने के सम्बन्ध में

19-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जिला महिला चिकित्सालय बाराबंकी के लैब टेक्नीशियन का स्थानान्तरण जिला संयुक्त चिकित्सालय सोनभद्र किये जाने विषयक महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उत्तर प्रदेश का पत्र संख्या-4 डी (2)/4609/ 2000/169, दिनांक 15 जनवरी, 2015 विशेष सचिव, चिकित्सा अनुभाग-7, उत्तर प्रदेश शासन को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

कार्यालय के अभिलेखानुसार पत्र प्राप्त नहीं हुआ है।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

जनपद जौनपुर के सुजानगंज विकास खण्ड स्थित गौरीशंकर धाम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने विषयक

20-श्रीमती सुषमा पटेल-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि संयुक्त निदेशक, पर्यटन सांस्कृतिक संकल अर्बन हाट वाराणसी को प्रेषित प्रश्नकर्ता के प्रस्ताव दिनांक 04-09-2019 जो कि जनपद जौनपुर के सुजानगंज विकास खण्ड स्थित गौरीशंकर धाम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के सम्बन्ध में है, उस पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डा0 नीलकण्ठ तिवारी-

जौनपुर जनपद के सुजानगंज विकास खण्ड स्थित गौरीशंकर धाम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किये जाने हेतु मुख्य मंत्री पर्यटन संवर्धन योजनान्तर्गत प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। उक्त प्रस्ताव के सापेक्ष शासनादेश सं0-46/2020/358/41-2020-01 संवर्धन (नीति)/2019, दिनांक 03-02-2020 द्वारा योजना से सम्बन्धित जारी दिशा-निर्देश/गाइडलाइन्स के अनुरूप प्राक्कलन तैयार कराया जा रहा है। प्राक्कलन प्राप्त होने पर शासनादेश में निहित गाइडलाइन्स के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद सीतापुर, तहसील महमूदाबाद में बन्द हैचरी के स्थान पर दूसरी जगह हेचरी स्थापित करने पर विचार किये जाने विषयक

21-श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा-

क्या मत्स्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद सीतापुर की तहसील महमूदाबाद खुर्द में स्थापित हैचरी कतिपय कारणों से बन्द कर दी गई है ? यदि हां, तो मत्स्य पालकों की सुविधा को देखते हुए उक्त हैचरी को दूसरे स्थान पर स्थापित करने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

दुग्ध विकास, पशुधन, मत्स्य मंत्री (श्री लक्ष्मी नारायण)-

जी हां।

जी नहीं।

जनपद सीतापुर के मत्स्य पालकों को मत्स्य बीज, उत्तर प्रदेश मत्स्य विकस निगम की निकटवर्ती हैचरियों क्रमशः गोमती हैचरी, लखनऊ व खुटार हैचरी, शाहजहांपुर से उपलब्ध कराया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद आजमगढ़ के जिला अस्पताल में दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित कराये जाने विषयक

22-श्री नफीस अहमद-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ के जिला अस्पताल में दवाओं के अभाव के चलते मरीजों को बाहर से दवाइयां खरीदनी पड़ती हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त जिला अस्पताल में दवाओं की आपूर्ति करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जी नहीं। उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाइज कार्पोरेशन द्वारा आपूर्तित सभी प्रकार की आवश्यक दवाइयां चिकित्सालय में उपलब्ध हैं।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आजमगढ़ के महिला जिला चिकित्सालय में एक्सपायरी डेट की दवाओं की जांच कराये जाने विषयक

23-श्री नफीस अहमद-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ के महिला जिला चिकित्सालय में अवसान तिथि की दवायें स्टोर की गई हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार

उक्त की जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जी हां। जिला महिला चिकित्सालय के एक कक्ष में कुछ अवसान तिथि (एक्सपायर्ड) की दवायें मिली थीं।

प्रकरण की जांच जिलाधिकारी, आजमगढ़ द्वारा दिनांक 17-06-2019 को गठित 03 सदस्यीय समिति से कराई गई। जांचोपरान्त श्री हरेन्द्र यादव, फार्मासिस्ट/स्टोर इंचार्ज को दिनांक 01-07-2019 को निलम्बित कर दिया गया। उक्त निलम्बन के विरुद्ध मा0 उच्च न्यायालय में योजित वाद संख्या-10332/2019 में स्थगनादेश पारित है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

विधान सभा क्षेत्र घोसी के नरोखर पोखरा सीताकुण्ड व महावत बाला पोखरा के सुन्दरीकरण कार्य कराये जाने विषयक

24-श्री विजय कुमार राजभर-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मऊ के विधान सभा क्षेत्र घोसी में स्थित अति प्राचीन स्थल नरोखर पोखरा, सीताकुण्ड एवं महावत बाला पोखरा के सौन्दर्यीकरण का कार्य सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डा0 नीलकण्ठ तिवारी-

जनपद मऊ के विधान सभा क्षेत्र घोसी स्थित सीताकुण्ड के पर्यटन विकास/सौन्दर्यीकरण की योजना को मा0 मुख्य मंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के अन्तर्गत प्रस्तावित किया गया है। मुख्य मंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के अन्तर्गत शासनादेश सं0-46/2020/358/41-2020-01 संवर्धन (नीति)/2019, दिनांक 03-02-2020 द्वारा दिशा-निर्देश/गाइड लाइन्स जारी की गई है, जिसके अनुरूप ही सीताकुण्ड के पर्यटन विकास/सौन्दर्यीकरण की योजना का क्रियान्वयन किया जाना सम्भव होगा।

महावत बाला पोखरा स्थल एवं नरोखर पोखरा की योजना हेतु आगामी वित्तीय वर्ष में जिला अनुश्रवण समिति के अनुमोदनोपरान्त पर्यटन विकास के जिला योजना में बजट उपलब्ध होने पर पर्यटन विकास कार्य कराया जाना सम्भव हो सकेगा।

उपर्युक्तानुसार।

पत्र संख्या-2233, दिनांक 13-06-2019 जनपद शाहजहांपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तिलहर के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा कराये जा रहे भ्रष्टाचार की जांच पर कार्यवाही किये जाने विषयक

25-श्री वीर विक्रम सिंह, 'प्रिंस'-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रश्नकर्ता का पत्र सं0-2233 दिनांक 13-6-19 जो सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तिलहर जनपद शाहजहांपुर के चिकित्सा अधीक्षक के द्वारा कराये जा रहे व्यापक भ्रष्टाचार की जांच के सम्बन्ध में है, जो आपके द्वारा प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उ0 प्र0 शासन, लखनऊ को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया है ? यदि हाँ, तो उक्त पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जी हां।

उक्त शिकायती-पत्र में वर्णित बिन्दुओं की जांच अपर निदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बरेली मण्डल, बरेली व मुख्य विकास अधिकारी, शाहजहांपुर द्वारा अलग-अलग की गई है जिसमें तत्कालीन चिकित्सा अधीक्षक डा0 उपेन्द्र कुमार द्वारा पेड़ों की नीलामी प्रक्रिया का व्यापक प्रचार-प्रसार न करने की अनिवार्यतायें पाये जाने के कारण उन्हें तत्काल चिकित्सा अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, तिलहर के पद से हटा दिया गया एवं इनके वर्ष 2019-20 की चरित्र पंजिका में प्रतिकूल प्रविष्टि करने हेतु आदेश निर्गत किये गये।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आजमगढ़ में बन्द पड़े महिला चिकित्सालय, प्राथमिक व सामुदायिक अस्पताल, विधान सभा क्षेत्र लालगंज में महिला चिकित्सालय, कटघर के बन्द करने के विषयक

26-श्री आजाद अरिमर्दन-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ में कितने महिला अस्पताल, प्राथमिक एवं सामुदायिक अस्पताल हैं तथा उनमें से कितनें ऐसे हैं, जो बन्द हैं ? क्या सरकार के संज्ञान में है कि जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज में महिला चिकित्सालय, कटघर बन्द कर दिया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार बतायेगी कि उक्त अस्पताल को बन्द करने के क्या कारण हैं ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जनपद आजमगढ़ में कुल सामु0 स्वा0 केन्द्र-23, प्राथ0 स्वा0 केन्द्र-71, मण्डलीय जिला चिकित्सालय-01, जिला महिला चिकित्सालय-01, 100 बेड संयुक्त जिला चिकित्सालय 02, 100 बेड मैटरनिटी विंग चिकित्सालय 01, 30 बेड मैटरनिटी विंग 01 संचालित है। कोई अस्पताल बन्द नहीं है।

विधान सभा क्षेत्र लालगंज में महिला चिकित्सालय (पी0पी0 सेन्टर) पर टीकाकरण का कार्य किया जाता है एवं सामु0 स्वा0 केन्द्र लालगंज (कटघर) पर नये अस्पताल स्थापित होने के कारण महिला अस्पताल (पी0पी0 सेन्टर) के समस्त स्टाफ समायोजित कर दिये गये हैं। तब तक स्थानीय व्यवस्था पर उक्त पी0पी0 सेन्टर पर टीकाकरण, कल्याणकारी सुविधायें प्रदान की जा रही हैं।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखीमपुर खीरी के बाल विकास अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त अधिकारी को तृतीय वित्तीय स्तरोन्नयन का लाभ दिये जाने विषयक पत्र दिनांक 09-09-2019 पर कार्रवाई विषयक

27-श्री हाकिम लाल बिन्द-

क्या बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मुख्य मंत्री को सम्बोधित श्री लालजी वर्मा, सदस्य, विधान सभा का पत्र दिनांक 09-09-2019 आई0जी0आर0एस0 संदर्भ संख्या-18157190100390 जो कि जनपद लखीमपुर खीरी के बाल विकास अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त अधिकारी को तृतीय वित्तीय स्तरोन्नयन का लाभ दिये जाने विषयक है, उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्रवाई की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती स्वाती सिंह-

जी हां।

निदेशालय बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उ0प्र0, लखनऊ के पत्र संख्या-6780, दिनांक 21-11-2019 द्वारा श्रीमती आशापुरी, सेवानिवृत्त बाल विकास परियोजना अधिकारी का वित्तीय स्तरोन्नयन (ए0सी0पी0) का प्रस्ताव उपलब्ध कराने हेतु जिला कार्यक्रम अधिकारी, लखीमपुर खीरी को निर्देशित किया गया। तत्क्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी, लखीमपुर खीरी से प्राप्त प्रस्ताव पर वित्तीय स्तरोन्नयन (ए0सी0पी0) समिति की आख्या के आधार पर निदेशालय आदेश संख्या-सी-2509/बा0वि0परि0/स्था0-1/2019-20, दिनांक 10-02-2020 द्वारा श्रीमती आशापुरी, सेवानिवृत्त बाल विकास परियोजना अधिकारी को 26 वर्ष की सेवा पर देय वित्तीय स्तरोन्नयन (ए0सी0पी0) रु0 15600-39100 स्वीकृत कर दिया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के चिकित्सालय में 22 वर्षों से रेडियोलॉजिस्ट पद पर तैनाती के विरुद्ध कार्रवाई विषयक

28-श्री हाकिम लाल बिन्द-

क्या चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मुख्य मंत्री को सम्बोधित प्रश्नकर्ता का पत्र दिनांक 30-08-2019 आई0जी0आर0एस0 संदर्भ संख्या-

18157190095300 पर पंजीकृत है, जो जनपद लखनऊ के एक ही चिकित्सालय में 22 वर्षों की अधिक अवधि से रेडियोलॉजिस्ट के पद पर तैनात रेडियोलॉजिस्ट के विरुद्ध कार्रवाई किये जाने विषयक है, प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्रवाई की गई है ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जी हां।

पोर्टल से प्राप्त उक्त पत्र महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0, लखनऊ को दिनांक 03-10-2019 को सन्दर्भित किया गया। महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें द्वारा दिनांक 16-01-2020 को प्रकरण की जांच हेतु अपर निदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, लखनऊ मण्डल, लखनऊ को जांच अधिकारी नामित किया गया है। जांच आख्या प्राप्त होने के उपरान्त अग्रेतर कार्रवाई की जानी है।

जनपद फिरोजाबाद में विधवा पेंशन हेतु लम्बित आवेदनों का निस्तारण करने के सम्बन्ध में

29-श्री मनीष असीजा-

क्या महिला कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में विधवा पेंशन हेतु दिनांक 15 जनवरी, 2020 तक कितने आवेदन-पत्र जांच हेतु तहसील/ब्लॉक स्तर पर लम्बित हैं ? क्या सरकार जांच हेतु लम्बित इन आवेदनों का निस्तारण करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती स्वाती सिंह-

जी हां।

जनपद फिरोजाबाद में दिनांक 15 जनवरी, 2020 तक पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजनान्तर्गत तहसील/ब्लाक स्तर पर क्रमशः 293 व 248 आवेदन-पत्र जांच हेतु लम्बित हैं।

प्रत्येक आवेदक द्वारा पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना का आवेदन करने की तिथि से 04 माह के अन्दर पात्रता की श्रेणी में होने पर पेंशन का भुगतान कर दिया जाता है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद में विधवा पेंशन हेतु आवेदन महिला कल्याण निदेशालय, लखनऊ को अग्रसारित कर भुगतान लाभार्थियों को कराये जाने विषयक

30-श्री मनीष असीजा-

क्या महिला कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में दिनांक 15 जनवरी, 2020 तक विधवा पेंशन हेतु जांच के उपरान्त कितने पात्र आवेदन-पत्र महिला

कल्याण निदेशालय, लखनऊ को अग्रसारित करे गए हैं एवं कितने किए जाने शेष हैं ? क्या सरकार इन अग्रसारित आवेदनों की अपेक्षित प्रक्रिया पूरी कराते हुये पात्र लाभार्थियों के खाते में पेंशन भुगतान कराये जाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती स्वाती सिंह-

जी हां।

जनपद फिरोजाबाद में दिनांक 15 जनवरी, 2020 तक पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजनान्तर्गत जांच के उपरान्त कुल 1484 पात्र आवेदन-पत्र महिला कल्याण निदेशालय, लखनऊ को अग्रसारित किये गये हैं तथा 04 आवेदन-पत्रों के अग्रसारण की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद हापुड़ की सी0एच0सी0 पर तैनात सर्जनों द्वारा प्राइवेट प्रैक्टिस करने पर कार्रवाई किये जाने विषयक

31-श्री असलम अली-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद हापुड़ की सी0एच0सी0 पर तैनात कतिपय सर्जन द्वारा अपना कार्य छोड़कर अन्य प्राइवेट हॉस्पिटल जैसे गढ़मुक्तेश्वर, गुलावठी, पिलखुवा आदि हॉस्पिटलों में जाकर सर्जरी करने की शिकायतें सरकार के संज्ञान में हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त की जांच कराकर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

वरिष्ठ परामर्शदाता, संयुक्त जिला चिकित्सालय, सन्तकबीरनगर के मृतक आश्रित के रूप में भिन्न व्यक्ति द्वारा भुगतान ग्रहण करने की जांच व कार्रवाई विषयक

32-श्री मानवेन्द्र सिंह-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि डा0 जय प्रकाश शुक्ल, वरिष्ठ परामर्शदाता, संयुक्त जिला चिकित्सालय, सन्तकबीर नगर की मृत्यु सेवाकाल में दिनांक 22-02-2012 को सड़क दुर्घटना के कारण एस0पी0जी0आई0, लखनऊ में हो गयी थी ? यदि

हां, तो क्या सरकार को जानकारी है कि उप जिलाधिकारी खजनी, गोरखपुर द्वारा निर्गत उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र के अनुरूप डा0 शुक्ला की सेवापुस्तिका, भरतीय स्टेट बैंक, खलीलाबाद में पी0पी0एफ0 खाता, जी0पी0एफ0 पासबुक तथा जीवन बीमा में श्री शुक्ला की पत्नी श्रीमती अर्चना शुक्ला का नाम संयुक्त रूप से दर्ज है एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, संयुक्त जिला चिकित्सालय, सन्तकबीर नगर द्वारा अमर उजाला में दिनांक 03-04-2014 एवं दैनिक जागरण में दिनांक 09-12-2013 को प्रकाशित विज्ञापन में भी श्रीमती अर्चना शुक्ला को बतौर पत्नी दर्शाया गया है ? यदि हां, तो क्या सराकार को जानकारी है कि श्रीमती अर्चना शुक्ला की बिना सहमति श्री अरुण शुक्ला द्वारा श्रीमती शुक्ला के फर्जी हस्ताक्षर तथा कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर विभागीय अधिकारियों की मिली-भगत से मृतक आश्रित के रूप में नौकरी प्राप्त कर ली गयी तथा पेंशन, पी0पी0एफ0 सहित अन्य देयकों का भुगतान भी अभी तक मृतक की पत्नी श्रीमती अर्चना शुक्ला को नहीं किया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त की उच्च स्तरीय जांच समिति गठित कर जांच कराकर उक्त अनियमित नियुक्ति को निरस्त कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करेगी तथा पेंशन, जी0पी0एफ0 तथा अन्य देयकों का भुगतान श्रीमती अर्चना शुक्ला को करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जी हां।

जी नहीं।

जी नहीं।

जिलाधिकारी, गोरखपुर के पत्र दिनांक 22-10-2018 के साथ संलग्न उप जिलाधिकारी, खजनी, गोरखपुर की जांच आख्या दिनांक 17-09-2018 में मृतक के पारिवारिक सदस्यों का विवरण उपलब्ध कराया गया, जिसमें दोनों पत्नियों (श्रीमती जयन्ती देवी एवं श्रीमती अर्चना देवी) व उनके दोनों पुत्रों (अरुण कुमार व तरुण कुमार) का उल्लेख है। इससे स्पष्ट है कि स्व0 डा0 जे0पी0 शुक्ला का पारिवारिक/उत्तराधिकार सम्बन्धी विवाद है।

पारिवारिक/उत्तराधिकार सम्बन्धी विवाद के निस्तारण के उपरान्त।

उपरोक्तानुसार।

जनपद आजमगढ़ में दिनांक 01-03-2017 से 31-08-2019 तक निर्मित गौ-शालाओं व उनकी क्षमता के सम्बन्ध में

33-श्री नफीस अहमद-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ में दिनांक 01 मार्च, 2017 से 31 अगस्त, 2019 तक कुल कितने नये गौ-शालाओं का निर्माण किया गया है ? क्या सरकार बतायेगी कि उक्त निर्मित गौ-शालाओं में पशुओं की नियमानुसार कितनी क्षमता

निर्धारित है तथा प्रत्येक पशु को कितने किलोग्राम चारे का प्रबन्धन किस रूप में किया जाता है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री लक्ष्मी नारायण-

जी हां।

जनपद आजमगढ़ में 01 मार्च, 2017 से 31 अगस्त, 2019 तक कुल 29 नये गोवंश आश्रय स्थलों का निर्माण कर संचालित किया जा रहा है।

वर्तमान में 07 गोवंश आश्रय स्थलों में 100 गोवंश को रखने की क्षमता है, 02 गोवंश आश्रय स्थलों में 150 गोवंश की क्षमता है तथा 10 गोवंश आश्रय स्थलों पर 50 गोवंश की क्षमता तथा शेष गोवंश आश्रय स्थलों में 15-30 गोवंश को रखे जाने की क्षमता है। गोवंश आश्रय स्थलों में संरक्षित निराश्रित/बेसहारा गोवंश हेतु रु0 30/- प्रतिदिन प्रति गोवंश की दर से भरण-पोषण हेतु धनराशि आवंटित की जाती है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आजमगढ़ के रिजर्व पुलिस लाइन आजमगढ़ के स्वास्थ्य चिकित्सालय में दवाओं की व्यवस्था कराने जाने विषयक

34-श्री नफीस अहमद-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ के रिजर्व पुलिस लाइन, आजमगढ़ के स्वास्थ्य चिकित्सालय में दवाओं की उपलब्धता न होने से वहां के पुलिस कर्मचारियों को इलाज हेतु बाहर से दवा लानी पड़ती है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त चिकित्सालय में दवा की व्यवस्था सुनिश्चित करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

जी नहीं। मुख्य चिकित्साधिकारी, आजमगढ़ के अधीन सी0एम0एस0डी0 (स्टोर) से रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात चिकित्साधिकारी के क्रय आदेश पर दवायें उपलब्ध कराई जाती हैं।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आजमगढ़ में आयुष्मान भारत योजना अन्तर्गत चयनित परिवारों व चिकित्सालयों के विवरण सम्बन्धी

35-श्री आजाद अरिमर्दन-

क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ में आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत किन-किन परिवारों का चयन किया गया है तथा कितने

परिवारों को उक्त योजना से लाभान्वित किया गया है एवं शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कौन-कौन से चिकित्सालय चयनित किये गये हैं ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जय प्रताप सिंह-

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत जनपद आजमगढ़ में 1,15,081 परिवारों को तथा मुख्य मंत्री जन आरोग्य अभियान के अन्तर्गत 26,468 परिवारों का चयन किया गया है।

जनपद आजमगढ़ में कुल 17 निजी तथा 25 सरकारी चिकित्सालय योजनान्तर्गत सूचीबद्ध किये गये हैं। (सूची संलग्न†)

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

निगोहा, सिसेण्डी, समेसी, बहरौली क्षेत्रों में संचालित जर्जर पशु चिकित्सालयों की मरम्मत व समय से न रहने वाले कर्मियों पर कार्रवाई विषयक

36-श्री अम्बरीश सिंह पुष्कर, एडवोकेट-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के निगोहां, सिसेण्डी, समेसी, बहरौली, हरदोइया सहित क्षेत्र में संचालित पशु चिकित्सालय जर्जर हैं तथा तैनात चिकित्सक व कर्मचारियों की समय से उपस्थिति न होने से क्षेत्र में किसानों को अपने मवेशियों को दवा-इलाज अन्य जगहों पर जाकर कराना पड़ता है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त जर्जर भवनों के निर्माण करवाने व चिकित्सकों व कर्मचारियों को ससमय अपने कार्य क्षेत्रों में मौजूद न रहने पर कार्रवाई करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री लक्ष्मी नारायण-

जी नहीं।

पशु चिकित्सालय, निगोहा का भवन जर्जर अवस्था में है। पशु चिकित्सालय सिसेण्डी के भवन का निर्माण वर्ष 2019-20 में कराया गया है, जो उत्तम अवस्था में है। पशु सेवा केन्द्र बहरौली तथा हरदोइया पंचायत भवन में कार्यरत है, पशु सेवा केन्द्र समेसी का भवन निर्मित है। किन्तु इसके मरम्मत की आवश्यकता है। पशु चिकित्सा संस्थाओं पर कार्यरत कार्मिकों द्वारा ससमय अपने कार्य क्षेत्र में उपस्थित रहकर पशुपालकों को अपेक्षित सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं।

---

† (देखिये नत्थी 'ख' आगे पृष्ठ 160 पर।)

जर्जर पशु चिकित्सालय निगोहा एवं पशु सेवा केन्द्र समेही के निर्माण/मरम्मत की कार्रवाई की जायेगी।

यथाशीघ्र।

प्रश्न नहीं उठता।

(व्यवधान के मध्य 12 बजकर 20 मिनट पर सदन की कार्यवाही श्री अध्यक्ष की अध्यक्षता में पुनः आरम्भ हुई।)

(वेल में बैठे हुए समाजवादी पार्टी के मा0 सदस्य कानून व्यवस्था ध्वस्त है, के नारे लगाते रहे।)

श्री अध्यक्ष-

माननीय नेता प्रतिपक्ष, अब आप अपने लोगों को बुला लीजिए।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जी मान्यवर।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्यगण, कृपया आप अपनी सीटों पर वापस आइए।

(वेल में बैठे हुए समाजवादी पार्टी के सदस्य अपनी-अपनी सीटों पर वापस चले गये।)

कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उ0प्र0 के पूर्व मुख्य मंत्री को फोन पर जान से मारने की धमकी दिये जाने का प्रकरण (क्रमागत)

श्री राम गोविन्द चौधरी-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं बड़ी विनम्रता और दुःखी मन से कह रहा हूँ कि केवल एक व्यक्ति नहीं, देश की राजनीति विषाक्त वातावरण से गुजर रही है। हमारे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी को रोज उनके मोबाइल पर जान से मारने की धमकी मिल रही है। हमको लगता है और समाज को भी लगता है कि अखिलेश यादव की लोकप्रियता और मुख्य मंत्री रहते पांच वर्ष उनके प्रदेश के विकास के काम से भारतीय जनता पार्टी चिढ़ गयी है और उनको जान से खत्म करवाना चाहती है। उनकी मीटिंग जहां भी हो रही है वहां पर हुल्लड़बाजी की जा रही है, अभी हमारे कार्यालय में थोड़ी दिन पहले एल0आई0यू0 का सब इन्स्पेक्टर भानुप्रताप राय जाकर रेकी कर रहा था। माननीय अध्यक्ष जी, यह हिन्दुस्तान की राजनीति के लिए अभिशाप है। जहां महात्मा गांधी, सरदार पटेल, जवाहर लाल नेहरू, आचार्य नरेन्द्र देव, डा0 लोहिया, जय प्रकाश नारायण, पं0 दीन दयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद

मुखर्जी जैसे बड़े नेताओं ने इस देश की राजनीति को एक बढ़िया रास्ते पर ले जाने का काम किया है, उस राजनीति को आज धमकी से ध्वस्त किया जा रहा है, जान से मारने की धमकी दी जा रही है। माननीय अध्यक्ष जी, यदि मा0 अखिलेश यादव का मोबाइल संसदीय कार्य मंत्री जी को दे दिया जाए और उस मोबाइल में जो गाली और सूचना है उसे सुन लेंगे तो आप कहेंगे मैं अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर चला जाऊंगा और इनमें थोड़ी नैतिकता होगी तो ये कहेंगे कि मैं संसदीय कार्य मंत्री के पद से इस्तीफा देकर चला जाऊंगा और हममें थोड़ी नैतिकता होगी तो मैं कहूँगा कि मैं नेता विरोधी दल के पद से इस्तीफा देकर चला जाऊंगा। (समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने मेजे थपथपाईं) आपके जाने के बाद मैंने संसदीय कार्य मंत्री जी से कहा था कि आज हमारे साथ हो रहा है, कल उनके साथ होगा, कल इनके साथ होगा, किसी के साथ भी हो सकता है, इसीलिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि अपराधियों को राजनीति में प्रवेश न दिलवाया जाये। जो पढ़ा-लिखा हो, छात्रनेता हो, छात्रसंघ का अध्यक्ष हो, पूर्वाध्यक्ष हो, वकील हो, प्रोफेसर हो, वाइस-चांसलर हो, पत्रकार हो, अगर ये लोग राजनीति में आते हैं तो राजनीति सुचारु रूप से चलेगी। जब हम अपराधियों को संरक्षण देंगे, अपराधियों से मोबाइल से लोगों को भयभीत कराने की ट्रेनिंग देंगे, उसकी पीठ थपथपाएंगे, तब तो वो रोज जान से मारने की धमकी देगा ही और अवसर मिलेगा तो जान से मार भी देगा। माननीय अध्यक्ष महोदय, हम इतने डरपोक भी नहीं हैं, मैंने आपको नोटिस भी दिया है क्योंकि आप हमारे संरक्षक हैं। अगर हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा0 अखिलेश यादव पर एक भी खरोंच आ गयी तो समाजवादी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता अपनी जान भी देने के लिए तैयार है (समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं) और सभी पार्टी के कार्यकर्ताओं में ये बात होनी चाहिए। अगर भारतीय जनता पार्टी के किसी बड़े नेता को कोई जान से मारने की धमकी देगा तो हम भी उनका साथ देंगे। क्या कोई नेता को जान से मारने की धमकी दे सकता है वो भी वह नेता जो पांच वर्ष मुख्य मंत्री रह चुका हो, राष्ट्रीय अध्यक्ष हो। प्रदेश ही नहीं, देश में जिसका चरित्र और चेहरा उज्जवल रहा हो, जो प्रदेश का स्वर्णिम विकास किया हो।

माननीय अध्यक्ष जी, इसीलिए मैंने आपसे आग्रह किया था कि इस पर आप सरकार का ध्यान आकृष्ट करें। वहां एक लड़के ने दीर्घा में हंगामा कर दिया, हम क्लियर कर देते हैं वो जय श्री राम का नारा बोल रहा था। श्रीमन्, हम तो जय श्री राम के समर्थक हैं, हम तो कृष्ण के समर्थक हैं, हम तो हनुमान के समर्थक हैं, हम तो कृष्ण के समर्थक हैं, हम तो हिन्दू हैं, हम तो सनातन धर्म के मानने वाले हैं लेकिन अगर आप श्री राम, ईश्वर को, किसी को चिढ़ाने के लिए प्रयोग करेंगे तो राम की गरिमा घटायेंगे कि राम की गरिमा बढ़ा रहे हैं ? राम ईश्वर हैं, राम हमारे लिए आराध्य देव हैं, राम इनके लिए वोट देव हैं। (समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं) माननीय अध्यक्ष जी, इसलिए वहां पर हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने

कहा भी, ये लड़के, मैं खुद राम भक्त हूँ, कृष्ण भक्त हूँ, विष्णु भक्त हूँ, महावीर जी की सबसे बड़ी मूर्ति लगा रहा हूँ और जब पुलिस वालों ने उसको पकड़ा तो उन्होंने कहा कि नहीं, मेरे पास आओ, कोई केस न करो, उसको जाने दो। लेकिन मैं आपको कहता हूँ कि जिस लड़के ने इस तरह की गतिविधि की है, उसकी जाँच हो, किन-किन लोगों से उसके सम्बन्ध हैं, इसकी जाँच हो। उसके मोबाइल किस-किस को गए, उसने क्या-क्या मैसेज दिया है, इसकी जाँच हो और पुनः इस बात की हिदायत हो कि मा0 अखिलेश यादव पर कोई अभद्र टिप्पणी न करे, जान से मारने की धमकी न दे। अगर ऐसा होगा तो हम अपनी जान देने के लिए तैयार होंगे, हमारे कार्यकर्ता जान देने के लिए तैयार होंगे। इसी पर मैं आपकी व्यवस्था चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी।

वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

अध्यक्ष महोदय, सदन के समक्ष माननीय नेता विरोधी दल ने एक घटना का उल्लेख किया और वह घटना समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को लेकर है। मान्यवर, जहाँ तक खतरे का सवाल है, किससे किसको खतरा है ? समाजवादी पार्टी से, समाजवादी लोगों से समाज को ज्यादा खतरा है, बनस्पत भारतीय जनता पार्टी के। (भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं) माननीय अध्यक्ष जी, अभी आपने कहा कि सुरक्षा को खतरा है। माननीय अखिलेश यादव जी को जेड प्लस की सुरक्षा दी गयी है और जेड प्लस की सुरक्षा में मान्यवर, 182 लोग हैं। जिसमें 01 अपर पुलिस अधीक्षक, 01 सी0ओ0, पुलिस उपाधीक्षक, 06 निरीक्षक, 14 उप निरीक्षक, मुख्य आरक्षी 14, आरक्षी 24 और बाकी इनके कोबरा कमाण्डो, मुख्य आरक्षी 04, आरक्षी 10, कार्यालय व्यवस्था हेतु लिपिक, सादे वस्त्रों में, सन्तरी पोस्ट हेतु पी0ए0सी0 कर्मी- प्लाटून कमाण्डर 01, मुख्य आरक्षी 06, आरक्षी 24, कुल मान्यवर, 182 लोगों की रिपोर्ट हमारे सामने है। यह श्री कमल सक्सेना, सचिव, गृह के हस्ताक्षर से हमको प्राप्त हुई है। यह कहिए मान्यवर, आपको भेज दूँ। सदन के सामने जो प्रकरण लाया गया है, उसमें एक व्यक्ति के द्वारा कोई नारा लगाया गया, 'जय श्री राम' का, उसके ऊपर मेरे पास जो रिपोर्ट आयी है, वह यह है- 'श्री अखिलेश यादव, भाषण के दौरान समाजवादी पार्टी की सरकार आने पर समाजवादी पेन्शन को 500 रुपये से बढ़ाकर तीन गुना करने की घोषणा कर रहे थे, उसी समय दीर्घा में उपस्थित एक युवक ने आवाज लगायी कि बेरोजगारों के लिए भी कुछ कहिए। तभी सभा में मौजूद समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा उक्त युवक को पकड़ लिया गया, और उसके साथ धक्का-मुक्की प्रारम्भ कर दी गई। ऐसा किए जाने पर युवक द्वारा जय श्री राम का नारा लगाया गया। वहां मौजूद पुलिस कर्मियों द्वारा उक्त युवक को अपने कब्जे में लेकर सभा से बाहर निकाला गया। आगे श्री अखिलेश यादव ने अपने सम्बोधन में

कहा कि भारतीय जनता पार्टी के एक नेता ने मेरे फोन पर धमकी दी थी और मैसेज किया था, जिसकी रिकार्डिंग मेरे पास है। हम कल या परसों जब लखनऊ में प्रेस कांफ्रेन्स या प्रेस वार्ता करेंगे तब उसको सार्वजनिक करेंगे। अभी तक मैं चुप था कि उसने हमें गलती से धमकी देकर डराने की कोशिश की हो, वह हमें धमकी दे रहे थे। यह आज सभा में आ गए हैं। अगर हमारे कार्यकर्ता उसे मार-मारकर कुछ गलत कर देते तो एफ0आई0आर0 हम पर दर्ज हो जाती। बेरोजगार किसी काम से नहीं, बल्कि मेरे कार्यक्रम को डिस्टर्ब करने आया था। कन्नौज प्रशासन उस पर कार्रवाई कर हमें बताए।

मान्यवर, पूरी घटना यही है। यह अक्सर हो जाता है कि बड़े नेताओं की मीटिंग में कोई न कोई व्यक्ति बीच में बोल देता है और सवाल-जवाब करता है। यह व्यक्ति किसी पार्टी का नहीं है बल्कि उसको इस बात को लेकर मारा भी गया, उसके साथ धक्का-मुक्की भी की गई और उसके बाद उसका इन लोगों ने चालान भी करवाया 151 सी0आर0पी0सी0 में और उसको डिटेन भी किया। जैसा कि मान्यवर हम आपको बता भी चुके हैं कि जिस व्यक्ति के पास शुरू से जेड प्लस में 56 लोग लगे हैं, लेकिन मा0 अखिलेश यादव पूर्व मुख्य मंत्री के पास 182 लोग हैं। मा0 मुख्य मंत्री जी की सदशयता यह देखिए कि एक भी व्यक्ति उसमें से कम नहीं किया गया। 182 उनके पास आज भी हैं। ब्लैककैट कमाण्डों से लेकर सादी वर्दी में जो लोग रहते हैं, सुरक्षा में वह सारे के सारे 182 लोग वैसे ही हैं। जब आप सदाशयता देखिए और आप कह रहे हैं कि खतरा हो गया और न जाने कि क्या-क्या हो गया। अध्यक्ष जी, हम मा0 नेता विरोधी दल का भाषण भी सुनते हैं और योग भी देखते हैं, यह योग भी करते हैं यहां और इनके योग से हम बहुत कुछ सीखते भी हैं। यह जिस तरीके से योग करते हैं एक छोटी-सी बात को पूरे हाउस को आपने स्वयं कहा था कि 17 तारीख को नियम-56 नहीं होगा। मा0 नेता विरोधी दल को बोलना है और पूरा हाउस उसको सुनना चाहता है। और उसके बाद 311 की दो घटनाएं जिसका कोई लेना-देना इस हाउस से नहीं था और एक छोटी सी घटना थी उसके खिलाफ धक्का-मुक्की भी हुई और मार-पीट भी हुई और उसको 151 सी0आर0पी0सी0 में बन्द भी कर दिया गया। 182 की सुरक्षा के अलावा मैं नहीं समझ पा रहा हूँ कि कौन सी और सुरक्षा आप चाहते हैं। इस देश में और इस प्रदेश में सबसे बड़ी सुरक्षा जेड प्लस ही है और 56 होने के बाद 182 सुरक्षा होने के बाद आप चाहते क्या हैं। आपने डेढ़ घंटे तक हाउस को बिना वजह, हाउस की गतिविधियों पर विराम लगा दिया और यहां पर आ गए। कोई ऐसी बात नहीं है। इस प्रकार की कोई इतनी बड़ी घटना नहीं थी, बहुत सी मीटिंगों में यह हो जाता है कि किसी ने कोई सवाल पूछ लिया तो उसका जवाब दिया गया। अगर किसी ने कोई सवाल पूछ लिया और जनता के बीच में से लोग आते हैं तो उसमें कौन सी ऐसी आफत आ गई, कौन सा आसमान फट गया। जो लोग घटना को बताते हैं उन लोगों

को सोचना चाहिए कि इस घटना का कितना बड़ा महत्व है। आखिरकार चाहते क्या हैं। यह किसी भी प्रकार से जहां तक खतरे की बात है, खतरा तो समाजवादी पार्टी से समाजवादियों से पूरे समाज को है। भारतीय जनता पार्टी के किसी नेता से या भारतीय जनता पार्टी से कोई खतरा नहीं है। मान्यवर, एक पूर्व पार्टी के नेता के रूप में, एक सम्मानित व्यक्ति के रूप में हम भारतीय जनता पार्टी और योगी जी की सरकार हम सब आदर उनका करते हैं।

मा0 नेता विरोधी दल का भी आदर करते हैं, हम सब लोगों का आदर करते हैं और वह तो पूर्व मुख्य मंत्री हैं। लेकिन अगर कोई व्यक्ति खुद अपने हाथ में कानून ले, वह किसी को पकड़वाए, फिर उसके बाद लोगों से कहे कि पकड़ कर मारो, आखिर यह सब क्या हो रहा है ? वह उसे पकड़वाए और कहे कि उसकी टोपी उतारो। आप यह सब देखिए तो। सवाल यह है और मुझे जो बताया गया है कि वहां पर कई लोगों ने उसकी फोटो भी खींची है।

मान्यवर, जो लोग सम्मानित पदों पर, संवैधानिक पदों पर रहे हैं, उनको स्वयं भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि अपनी गरिमा, अपने पद को देखते हुए उन्हें किस बात का संज्ञान लेना है, किस बात का संज्ञान नहीं लेना है, किस बात को नजरअंदाज करना है ? मान्यवर, हम लोग जन प्रतिनिधि हैं, बहुत सी बातें होती हैं। जन प्रतिनिधि होने के नाते जनता हमसे यदा-कदा सवाल पूछती है। मीटिंगों में पूछती है, प्रेस कांफ्रेन्स में पूछती है, जब हम रास्ते में चल रहे होते हैं तब भी पूछती है। अगर किसी ने बेरोजगारों के लिए कुछ कह दिया तो कौन सी आफत आ गई ? कोई ऐसी बात नहीं थी कि जिसको किसी प्रकार से बढ़ाया जाता। जहाँ तक अगर किसी ने कोई अप्रिय चीज की होगी, ऐसी कोई चीज मोबाइल पर आई होगी तो उसके लिए हम जानकारी करेंगे, हम जाँच करवा लेंगे और जाँच करवाने के बाद उसमें जो नियम बनता है, तो उसके खिलाफ कार्यवाही भी करवा देंगे। लेकिन जिस प्रकार से यहां पर जो घटना उठाई गई, वह इतनी बड़ी घटना नहीं थी कि जिसके लिए हाउस को डेढ़ घण्टा डिस्टर्ब किया जाता।

श्री अध्यक्ष-

अब तो जाँच की बात आ गई।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मा0 अध्यक्ष जी, एक मिनट। एक तो मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी ने तथ्य से परे उत्तर दिया। हम तो रोज मुख्य मंत्री और सरकार से रोजगार मांग रहे हैं। हम रोज बेरोजगारों की बात उठा रहे हैं। श्रीमान्, सुरक्षा की बात तो इन्होंने की कि मा0 अखिलेश यादव के पीछे इतनी सुरक्षा रहती है तो फिर आप यह भी बताते कि मा0 मुख्य मंत्री के जिम्मे कितनी सुरक्षा है और इनकी जान को खतरा कैसे हो गया ? मा0 मुख्य मंत्री के लिए कितनी सुरक्षा है, बताएं।

श्री अध्यक्ष-

मुख्य मंत्री और भूतपूर्व मुख्य मंत्री में तुलना कैसे हो सकती है ? क्या तुलना हो सकती है ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मान्यवर, हां, तुलना नहीं है लेकिन अभी हमने अखबार में पढ़ा कि कोई आदमी घुस करके मुख्य मंत्री जी के साथ कुछ बदमाशी कर सकता है। मा0 अध्यक्ष जी, आपको याद होगा कि इसी देश में देश के प्रधानमंत्री स्वयं कह चुके हैं कि कुछ लोगों से मेरी जान को खतरा है तो उनकी कितनी सुरक्षा है ? सुरक्षा इन्दिरा गांधी की थी हत्या हो गई, सुरक्षा दरबारा सिंह की थी हत्या हो गई, सुरक्षा राजीव गॉधी की थी हत्या हो गई। इसलिए संसदीय कार्य मंत्री जी, इस तरह से किसी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ मत करिए। यह जन-प्रतिनिधियों की सुरक्षा की बात है। चाहे योगी जी की हत्या हो, चाहे राम गोविन्द की हत्या हो, चाहे प्रधानमंत्री की हत्या हो, चाहे अखिलेश यादव की हत्या हो। राजनैतिक लोगों की हत्या में आप इस तरीके से, गैर जिम्मेदाराना तरीके से बयान देंगे तो राजनीति सड़ जाएगी, राजनीति में कोई अच्छा आदमी आने के लिए तैयार नहीं होगा। श्रीमन्, इन्होंने तथ्य से परे उत्तर दिया है, हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जी की जान को खतरा है और हम आपको मोबाइल भी दिखवा देंगे। इसलिए हम और हमारा दल इनकी गलत बयानी के विरोध में सदन का बहिष्कार करते हैं।

(तत्पश्चात् नेता विरोधी दल अपने दल सहित सदन से बहिर्गमन कर गये)

श्री अध्यक्ष-

मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी कुछ कहना चाहेंगे।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मा0 अध्यक्ष जी, यहां से सदन में मा0 नेता विरोधी दल ने यह कहा कि उनको खरोंच आ जाएगी, उनकी सुरक्षा पर खतरा है तो उसके बदले में हमने यह जवाब दिया और यह जवाब गलत नहीं है। 182 लोग उनकी सुरक्षा में हैं। आखिरकार जब किसी व्यक्ति को कोई खतरा होता है तो हम बाकायदा जाँच करवा कर, रिपोर्ट लेकर, उसकी सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी करके उसकी सुरक्षा की व्यवस्था करते हैं और सरकार ने पूरी व्यवस्था की है लेकिन जिन-जिन लोगों का नाम इन्होंने लिया है, जिनका-जिनका नाम लिया, उनकी किन परिस्थितियों में हत्या हुई, हम उस विषय को यहां आगे बढ़ाना नहीं चाहते। लेकिन हमारा जवाब पूरी जिम्मेदारी के साथ है, पूरा सही जवाब है और यहां नेता विरोधी दल जैसे पद पर बैठे हुए व्यक्ति को ऐसे गैर-जिम्मेदाराना तरीके से व्यवहार नहीं करना चाहिए।

कानपुर देहात के मंगता गांव में अनुसूचित जाति के लोगों पर जानलेवा हमला किये जाने का प्रकरण

श्री लालजी वर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं एक बहुत महत्वपूर्ण घटना रखूंगा और जबसे यह सरकार आई है तबसे सामन्तवादियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। मान्यवर, एक तरफ हम यहीं पर दिनांक 26 नवम्बर, 2019 को बाबा साहेब डा0 भीमराव आम्बेडकर को संविधान दिवस के रूप में याद करते हैं और दूसरी तरफ अनुसूचित जाति के ऊपर बड़े पैमाने पर आक्रमण किया जाता है।

मान्यवर, 13 फरवरी को सदन का पहला दिन था। महामहिम राज्यपाल जी ने अपना एक अभिभाषण दिया और कानून के राज के बारे में उन्होंने जिक्र किया कि हम अपराधमुक्त, भयमुक्त, अन्याय मुक्त देश को प्रशासन देने का काम करेंगे। उसके विपरीत मान्यवर, दिनांक 13 फरवरी को मंगता गांव जोकि थाना-गजनेर जिला कानपुर देहात में है उस गांव में अनुसूचित जाति के 200 घर हैं। उन लोगों ने 1 तारीख से लेकर 7 तारीख तक बुद्ध कथा गांव में बैठाने का काम किया था। महात्मा बुद्ध जी के बारे में उन्होंने एक कथा की थी जिसमें उनका प्रवचन वगैरह हो रहा था। उसके बाद 12 तारीख को उन लोगों ने जिन पोस्टरों को लगाया था गांव के कुछ दबंग लोगों ने जाकर उन पोस्टरों को फाड़ा और उन लोगों का कुछ विवाद हुआ जिस पर पुलिस आयी और पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच में समझौता करा दिया। मामला रफा-दफा हो गया कोई विवाद नहीं रहा लेकिन 13 तारीख को सुबह जब तमाम लोग अपने घरों से अपने रोजगार एवं अपने कामों पर गये हुये थे ऐसी स्थिति में सुबह 9:00 बजे 200 लोग लाठी, डंडा, फरसा आदि लेकर गांव के नौजवान लड़के घुस गये और जो जहाँ मिला उसे वहां और महिलाओं को घर में घुसकर मारा गया।

मान्यवर, उससे पहले बच्चे जो स्कूल में पढ़ने गये थे उन अनुसूचित जाति के बच्चों को घर में भगा देने का काम किया गया और उसके बाद उनके ऊपर आक्रमण किया गया। उस आक्रमण में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार भी किया गया। कई-कई महिलायें जिला अस्पताल कानपुर देहात में एडमिट हैं और 18 उर्सला हास्पिटल कानपुर शहर में एडमिट हैं। मान्यवर, हम लोगों ने वहां जाकर देखा है और जिस तरह की घटना बताई गई है वह निश्चित रूप से दर्दनाक घटना है। माननीय मुख्य मंत्री जी मैंने उस गांव में जाकर देखा है कि बहुत गरीब लोग हैं। लोगों के पास रहने के लिए झोपड़ी है और पक्का मकान एक भी दिखाई नहीं पड़ रहा है उसके बाद भी उन लोगों के साथ इस तरह का जघन्य अपराध हुआ है जिसमें कुल 31 लोग घायल हुये हैं। उन 31 में से सिर्फ 4 पुरुष हैं और बाकी सब की सब महिलायें हैं। महिलाओं को घरों में घुसकर पीटा गया और लड़कियों के साथ जिस तरह की अभद्रता की गई है

मान्यवर, मैं उसका वर्णन यहां नहीं कर सकता हूँ। आज भी उनको धमकी दी जा रही है और मामले में ठीक से कार्रवाई नहीं हो रही है। उनका इलाज ठीक से नहीं हो रहा था। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है आज भी वहां पर तनाव व्याप्त है, भय व्याप्त है और लोग भयभीत हैं। लोग घरों में झांकने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। पुलिस पहरा दे रही है और लोगों को भय है कि दो दिन के बाद क्या होगा ? इसलिए मान्यवर, मैं आपके माध्यम से चाहता हूँ कि लोगों को सुरक्षा मुहैया कराई जाये। ठीक से दवा हो और जो अपराधी हैं उनको जेल भेजा जाए। अभी तक अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। केवल 9 लोग गिरफ्तार हुये हैं बाकी लोग खुले आम घूम रहे हैं तो ऐसी स्थिति में जब हम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की बात करते हैं और महात्मा बुद्ध को हम आदर्श मानते हैं, उनको भगवान मानते हैं और उनकी पूजा की बात करते हैं तो उनकी कथा करने वाले लोगों के साथ इस तरह का जो जघन्य अपराध हुआ है निश्चित रूप से मेरा मानना है कि इससे बढ़कर कोई अन्याय, अत्याचार नहीं हो सकता है अभी तक यह अल्पसंख्यकों के साथ हो रहा था और अब दलितों के साथ शुरू हो गया है। इसलिए मैं सदन की कार्यवाही स्थगित करके इस पर चर्चा कराने की मांग करता हूँ और सभी घायल लोगों को 5-5 लाख रुपया मुआवजा दिये जाने की मांग करता हूँ।

नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

माननीय अध्यक्ष जी, हम इनकी बात का समर्थन करते हैं। माननीय ब0स0पा0 विधान मण्डल दल के नेता ने जो बोला है हम भी उसका समर्थन करते हैं। इसकी जाँच विधिवत् करके दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिये।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

माननीय अध्यक्ष जी, 13 तारीख को जिस तरह से कानपुर देहात के थाना-गजनेर, ग्राम-मंगता में दलित परिवारों को योजनाबद्ध तरीके से पीटा गया जो कि एक कथा का आयोजन कर रहे थे, उस कथा के आयोजन के बाद यह घटना घटित हुई इसके विषय में माननीय लालजी वर्मा जी ने विस्तृत रूप से बताया है मैं उसमें कुछ बातें अपनी जोड़ना चाहती हूँ कि जब हम परसों वहां गये तो वहां की स्थिति यह थी कि पूरे गांव में दहशत थी। दो बातें जो सबसे महत्वपूर्ण हैं कि किस तरह से पुलिस के संज्ञान में यह पूरा मामला था और उसके बाद योजनाबद्ध तरीके से लगभग दो सौ लोग लाठी, डण्डा, कुल्हाड़ी लेकर उस गांव में पहुंचते हैं। उसके बाद दलित परिवारों के साथ जिस तरह का वहां ताण्डव किया जाता है, वह निन्दनीय है। उसमें सबसे ज्यादा महिलाएं और नौजवान लड़कियां घायल हुई हैं। यह 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा देने वाली सरकार है ? इस सरकार में बेटियों के साथ जिस तरह से वहां पर दुर्व्यवहार किया गया, जिस तरह से उनका अपमान किया गया वह बताने योग्य नहीं है। लगभग

तीन दर्जन से ज्यादा लोग अस्पताल में हैं जिसमें सबसे ज्यादा महिलाएं हैं, लड़कियां हैं। एक पांच साल का बच्चा है जो वहां के माध्यमिक विद्यालय में पढ़ रहा था उसको स्कूल से बाहर निकाल दिया गया और पांच साल के बच्चे को भी इस बर्बरता से मारा गया कि उसके हाथ में फ्रैक्चर हो गया है। मैं यह कहना चाहती हूँ कि क्या कानून व्यवस्था इस सरकार में समाप्त हो चुकी है? केवल उस गांव में ही नहीं बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में अभी तक इस घटना से दलितों के बीच में भय व्याप्त है। माननीय मुख्य मंत्री जी बैठे हैं, मैं इस सरकार से मांग करना चाहती हूँ कि इसका संज्ञान लें और तीन चीजें जो कांग्रेस पार्टी की मांग है कि इस पूरी घटना की एक न्यायिक जांच होनी चाहिए। जो उनकी क्षति हुई है, उन परिवारों को उसके लिए मुआवजा मिलना चाहिए और जो अधिकारी जिनकी लापरवाही से यह घटना हुई है उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। धन्यवाद।

***वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)**-

माननीय अध्यक्ष जी, अभी माननीय वर्मा जी ने और माननीय नेता कांग्रेस ने एक विषय की तरफ ध्यान आकर्षित किया है। यह घटना दुःखद है लेकिन यह स्थानीय विवाद है। जो मेरे पास जानकारी है उसके हिसाब से पुलिस ने घटना के बाद बहुत तत्परता से काम किया और क्राइम नम्बर 78/2020 धारा-147, 148, 149, 452, 436, 323, 324 आई0पी0सी0 व 3(2)5 एस0सी0, एस0टी0 एक्ट में थाना गजनेर में अमित कुमार पुत्र छेदा लाल की तरफ से एक मुकदमा पंजीकृत करवाया गया। इसमें अभी तक 13 लोग गिरफ्तार भी हो चुके हैं। जो माननीय वर्मा जी ने गिरफ्तारी की बात कही, उसमें आपने 09 बताये थे लेकिन 13 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने अलग-अलग टीमें भी बना रखी हैं कि हर हाल में जो लोग भी इसमें आरोपी हैं, जो लोग दोषी पाये गये हैं उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी होगी। मान्यवर, इनका इलाज उर्सला तथा कानपुर देहात के जिला अस्पताल में चल रहा है। जो पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी हैं वह बराबर गश्त कर रहे हैं। सरकार पूरी तरह से पीड़ित पक्ष के साथ है। जिन लोगों ने अपराध किया है या जो लोग इसमें आरोपी बनाये गये हैं, सरकार की कोई हमदर्दी उनके साथ नहीं है और हम पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए हर सम्भव कोशिश करेंगे। मान्यवर, यह हम आपके माध्यम से पूरे सदन को आश्वस्त करना चाहते हैं। जहां यह बात कही गयी कि दलितों में भय व्याप्त है इसमें मैं कहना चाहूँगा कि पिछले तीन सालों में लगातार एस0सी0, एस0टी0 के बीच में लोगों का विश्वास इस सरकार के प्रति बढ़ा है और लगातार अपराध कम हुए हैं। हम इसका आंकड़ा भी अपने साथ लाए हैं, आप कहें तो हम इसको बता दें। मान्यवर, यह एक दुःखद घटना है इसीलिए मैंने कहा कि हम पीड़ित पक्ष के साथ हैं और प्रत्येक स्तर पर जिन लोगों ने यह कार्रवाई की है, जो लोग दोषी पाए जाएंगे

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

निश्चित रूप में उनको सजा जरूर मिलेगी। मान्यवर, यह मैं आपके माध्यम से आश्वस्त कराना चाहूँगा।

श्री लालजी वर्मा-

मंत्री जी के संज्ञान में दो बात मैं लाना चाहता हूँ। एक-एक महिला का तीन-तीन जगह से पैर टूटा है, 5 साल के बच्चे का हाथ टूटा है और मैं स्वयं अस्पताल गया था। वहां बहुत अव्यवस्था है, घायलों का ठीक से इलाज नहीं हो रहा है। वह निहायत ही गरीब लोग हैं, उस गांव में किसी का पक्का मकान नहीं है, सरकार की सारी योजनायें पता नहीं कहां चली गयीं ? मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ। यह कह रहे हैं कि दलितों में विश्वास बढ़ा है, आये दिन इस तरह की घटनायें हो रही हैं, विश्वास कैसे बढ़ेगा ? जब चाहो गोल बनाकर उनको पीट दो।

श्री अध्यक्ष-

इस घटना में तो मंत्री जी ने यह कहा है कि वह पीड़ितों के साथ हैं।

श्री लालजी वर्मा-

इसलिए मैं चाहता हूँ कि पहला प्रापर तरीके से उनका इलाज हो, दूसरा जो मांग करे उन्हें सुरक्षा के लिए शस्त्र के लाइसेंस दिये जायें, तीसरा सभी को पाँच-पाँच लाख का मुआवजा दिया जाय क्योंकि उनकी सम्पत्ति भी नष्ट हुई है। मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार यह करने को तैयार है ?

श्री अध्यक्ष-

उत्तर पूरा आ गया है।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

अध्यक्ष जी, आर्थिक सहायता मिलना अति आवश्यक है, क्योंकि वह बेहद गरीब परिवार के लोग हैं, उनको आर्थिक सहायता मिले और उनकी सुरक्षा की व्यवस्था की जाय।

मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-

अध्यक्ष जी, कानपुर देहात के मंगटा गांव जो थाना-गजनेर के अन्तर्गत आता है। इसके बारे में बहुजन समाज पार्टी के नेता श्री वर्मा जी और कांग्रेस की माननीय नेता श्रीमती अराधना मिश्रा जी ने जो बात यहां पर रखी है। यह वास्तव में गांव का एक स्थानीय विवाद है और पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद तत्काल मौके पर जा करके आवश्यक कार्यवाही भी की है। गांव में प्रशासन कैम्प कर रहा है। शांति बनी हुई है, घटना की जानकारी मिलने के तत्काल बाद सरकार ने और प्रशासन ने स्थानीय स्तर पर जाकर इस मामले में एफ0आई0आर0 लाज करने के साथ-साथ, जिन लोगों के खिलाफ एफ0आई0आर दर्ज

हुई थी उसमें से 13 लोगों की गिरफ्तारी भी की जा चुकी है। जो घायल हैं, उन लोगों का उपचार कराने की जिम्मेदारी भी प्रशासन ने ली है। अनुसूचित जाति-जनजाति अधिनियम के अन्तर्गत उन सभी पीड़ितों को आर्थिक सहायता भी देने की कार्रवाई प्रशासनिक स्तर पर चल रही है। लेकिन सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष है कि क्या हरेक मामले में राजनीतिक रोटी सेंकना आवश्यक है ? हम हरेक कार्य को राजनीतिक नजरिये से क्यों देखना चाहते हैं। यह मामला स्थानीय विवाद का है और उसमें आप लोगों के जाने से पहले ही पुलिस की कार्रवाई हो चुकी थी। पुलिस के द्वारा एडमिट किये जा चुके थे। पुलिस के द्वारा अपराधियों की गिरफ्तारी भी की जा चुकी थी। एस0सी0, एस0टी0 ऐक्ट के अन्तर्गत आपके कहने से सहायता नहीं दी जायेगी, यह व्यवस्था में पहले से प्राविधान है कि उनको आर्थिक सहायता मिलनी है और वह सहायता प्रशासन ने पहले से आगे बढ़ा दी है। इसके लिए आपकी सिफारिश की आवश्यकता नहीं है, सरकार उसके लिए पहले से अवेयर है। उसके लिए पहले से गारन्टी दी गयी है और गारन्टी उनको मिलेगी भी। मैं आप दोनों से ही यह जानना चाहता हूँ कि आजादी के बाद उत्तर प्रदेश में ज्यादा समय तक राज किसने किया ? हमने पिछले पौने तीन वर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश में तीस लाख गरीबों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध करवाया है। एक-एक आवास उपलब्ध कराया है और तय किया है कि वर्ष 2022 तक बिना भेद-भाव के हर गरीब के सिर को ढकने के लिए छत उपलब्ध करवायेंगे। हर गरीब को बिना भेद-भाव के शौचालय उपलब्ध करवाने का कार्य भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है।

हर गरीब को रसोई गैस का कनेक्शन भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने दिया है । विद्युत के कनेक्शन हम लोगों ने दिये हैं और यही नहीं, आयुष्मान भारत योजना में 05 लाख रुपये की आर्थिक सहायता कोई भी गरीब ले सकता है। हर वर्ष इस सुविधा की गारन्टी भी प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश के प्रत्येक गरीब को दी है, प्रत्येक दलित को दी है। अन्तर यही है कि हमने वोट बैंक नहीं माना बल्कि अपनी जिम्मेदारी समझ करके देश का नागरिक मानकर हर सुविधा उन्हें उपलब्ध कराई है और दुर्भाग्य इस पक्ष का यह है कि आप लोगों ने वोट बैंक बना करके उनके हितों पर डकैती डाली है और उनको इन सुविधाओं से वंचित किया है। इसलिये मैं आपसे विनम्र अपील करूंगा, आप वरिष्ठ नेता हैं, नौसिखिया नहीं हैं। यह सब राजनीतिक एजेन्डे के हिस्से नहीं होते हैं, स्थानीय विवाद का समाधान स्थानीय स्तर पर बैठकर होना चाहिये। इसमें आग में घी डालने का काम अगर आप लोग नहीं करेंगे तो शान्ति बनी रहेगी और हर व्यक्ति सुरक्षित है और सरकार इस बात की गारन्टी प्रत्येक नागरिक को दे सकती है।

श्री अध्यक्ष-

अब यह विषय समाप्त हुआ और पूरा उत्तर आ गया ।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, यह राजनीतिक विवाद नहीं है बल्कि यह मानसिकता का विवाद है कि हम बड़े लोग हैं और यह जो बार-बार इनकी तरफ से उकसाने का काम किया गया, उसी के परिणामस्वरूप है कि उन लोगों के साथ ज्यादती हुयी। सरकार द्वारा इस मामले में उचित कार्रवाई न करने और उसके इस अड़ियल रवैये के खिलाफ हम और हमारा दल सदन से बहिर्गमन करते हैं।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

यह जो दलितों के प्रति ज्यादती हुयी है, कांग्रेस पार्टी लगातार ऐसे पीड़ित लोगों की आवाज उठाने के लिये संघर्ष करती रहेगी। हम सरकार की इस मानसिकता के खिलाफ सदन से बहिष्कार करते हैं ।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जबसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई है ।

श्री अध्यक्ष-

आप तो जाने वाले नहीं हैं । आप न जाइये, अरे मान जाइये ।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

तबसे दलित लोगों के खिलाफ अत्याचार बढ़ा है इसलिये इस घटना पर सरकार की ओर से उत्तर सही न मिलने के कारण सदन का बहिष्कार एक मिनट के लिये करते हैं।

(तत्पश्चात् नेता बहुजन समाज पार्टी, नेता भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस व नेता विरोधी दल अपने-अपने दल सहित सदन से बहिर्गमन कर गये।)

[12:57] नियम-301 के अन्तर्गत सूचनायें

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 17-02-2020 को कुल 36 सूचनायें प्राप्त हुयीं जिसमें निम्न माननीय सदस्यों की सूचनायें स्वीकार की गयीं :-

पहली सूचना डॉ0 राधा मोहन दास अग्रवाल की उत्तर प्रदेश की समूह 'क', 'ख' तथा 'ग' में देश के अन्य प्रान्तों में पूर्व सैनिकों को दिये जा रहे आरक्षण के अनुरूप समतुल्य आरक्षण दिये जाने के सन्दर्भ में है। दूसरी सूचना श्री देवेन्द्र कुमार निम की जनपद सहारनपुर के विधान सभा क्षेत्र रामपुर मनिहारन के अन्तर्गत सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। तीसरी सूचना श्री पूरन प्रकाश की जनपद मथुरा के डूडा के पी0ओ0 डूडा, जे0ई0 मिशन मैनेजर की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है। चौथी सूचना श्री रजनीकांत मणि

त्रिपाठी की नगर पालिका परिषद् कुशीनगर में स्मार्ट सिटी योजना लागू किये जाने के सम्बन्ध में है। पांचवीं सूचना श्री दलवीर सिंह की जनपद अलीगढ़ के ग्राम रहमापुर चौचई एवं सिल्ला विसावनपुर के मध्य काली नदी पर सेतु एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। छठी सूचना श्री अगयश राम सरन वर्मा की जनपद पीलीभीत के तहसील बीसलपुर के अन्तर्गत ऐतिहासिक, पौराणिक एवं सांस्कृतिक अवशेषों के सौंदर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है। सातवीं सूचना श्री श्याम बिहारी लाल की जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर के अन्तर्गत ग्राम सितारगंज में पुलिस विश्वविद्यालय स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में है। आठवीं सूचना श्री जवाहर लाल राजपूत की जनपद झांसी के विधान सभा क्षेत्र गरौठा के अन्तर्गत किसानों के लिये वेयर हाउस का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। नवीं सूचना श्री बम्बा लाल की जनपद उन्नाव के ब्लाक सफीपुर के अन्तर्गत ग्राम सरायं मलकादिमपुर से हसेवा मोड़ तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। दसवीं सूचना श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव की जनपद लखनऊ अन्तर्गत आवासीय भवनों पर स्थापित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को अनुमति प्रदान किये जाने सम्बन्धी कानून में संशोधन किये जाने के सम्बन्ध में है। ग्यारहवीं सूचना श्री उमाशंकर सिंह की जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र रसड़ा अन्तर्गत कतिपय गांवों में जर्जर विद्युत तारों को बदलवाये जाने के सम्बन्ध में है। बारहवीं सूचना श्री अमन मणि त्रिपाठी की जनपद महाराजगंज के अन्तर्गत नगर पालिका, नौतनवां के कतिपय रकबा को भू-माफियाओं से मुक्त कराये जाने एवं कानूनी कार्यवाही कराये जाने के सम्बन्ध में है। तेरहवीं सूचना श्री अमिताभ बाजपेई की जनपद कानपुर नगर के नाना राव पार्क में स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत महोत्सव पण्डाल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। चौदहवीं सूचना श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा की जनपद सीतापुर के तहसील महमूदाबाद अन्तर्गत कतिपय निर्मित सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 को संचालित कराये जाने के सम्बन्ध में है। पन्द्रहवीं सूचना श्रीमती जय देवी की जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद के अन्तर्गत कतिपय सड़कों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। सोलहवीं सूचना श्री दिनेश चौधरी की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र केराकत के अन्तर्गत ग्राम असवारा में पोल तथा तार लगवाये जाने के सम्बन्ध में है। सत्रहवीं सूचना श्री संजय प्रताप जायसवाल की जनपद बस्ती के विकास प्राधिकरण द्वारा अनियमित रूप से मकानों को सीज किये जाने के सम्बन्ध में है। अट्ठारहवीं सूचना श्री मसूद अख्तर की जनपद सहारनपुर के अन्तर्गत बेहट रोड एवं ढमोला नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। उन्नीसवीं सूचना श्री लालजी वर्मा की जनपद अम्बेडकरनगर के अन्तर्गत टाण्डा माया राज्य मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। बीसवीं सूचना श्री उज्जवल रमण सिंह की जनपद सिद्वार्थनगर के तहसील सोहरतगढ़ के अन्तर्गत कतिपय मार्गों का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है।

निम्न माननीय सदस्यों की सूचनायें अस्वीकार कर दी गयीं ।

श्री सहेन्द्र सिंह चौहान, श्री विनय कुमार द्विवेदी, श्री सत्यवीर त्यागी, श्री संजीव कुमार, श्री बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री प्रमोद उटवाल, श्री राम अचल राजभर, डा0 हरगोविन्द भार्गव, श्री सुरेन्द्र मैथानी, श्री सोवरन सिंह यादव, श्री सुभाष राय, श्री आजाद अरिमर्दन, श्री नरेश सैनी, श्री असलम अली, श्री बृज भूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया, श्री मनोज कुमार पारस ।

(सदन की सहमति से स्वीकृत सभी सूचनाएं पढ़ी हुई मानी गईं।)

उत्तर प्रदेश की समूह 'क', 'ख' तथा 'ग' में देश के अन्य प्रान्तों में पूर्व सैनिकों को दिये जा रहे आरक्षण के अनुरूप समतुल्य आरक्षण दिये जाने के सन्दर्भ में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल-

[महोदय, उत्तर प्रदेश का नौजवान, राष्ट्रभक्ति तथा देश-प्रेम की भावनाओं से ओत-प्रोत होकर भौतिक सुख-सुविधाओं को छोड़कर भारतीय सेना में शामिल होता है। सेना की नियमावली के तहत सेना को नौजवान बनाये रखने हेतु करीब 60 हजार नौजवानों को प्रतिवर्ष तुलनात्मक रूप से नौजवानों के 35-40 वर्ष की उम्र में ही सेवानिवृत्त कर दिये जाते हैं। इन पूर्व सैनिकों में बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, हरियाणा, पंजाब, कर्नाटक तथा मध्य प्रदेश के होते हैं। सिर्फ उत्तर प्रदेश में अनुमानतः 10000 सैनिक सेवानिवृत्त होते हैं।

यह राज्य सरकार का दायित्व है कि अपने भविष्य की चिन्ता किये बिना देश की सीमाओं पर अपना बलिदान करने को उद्धृत इन नौजवानों तथा इनके परिवार के भविष्य की चिन्ता करे और यह सुनिश्चित करे कि प्रदेश सरकार को सभी स्तर की नियुक्तियों में इनके लिये स्थान आरक्षित किये जायें। सूच्य है कि हिमांचल प्रदेश समूह क, ख, ग, घ सभी में 10%, पंजाब 13%, चण्डीगढ़ 13%, कर्नाटक 10%, हरियाणा क तथा ख में 5% तथा ग एवं घ में 14% आरक्षण अपने प्रदेश के सभी पूर्व सैनिकों को देता है।

भारत सरकार के राष्ट्रीय एकीकरण अनुभाग के 28-8-1977 के शासनादेश के तहत पूर्व सैनिकों को उत्तर प्रदेश में क वर्ग में 8%, समूह ख में 8% तथा ग एवं घ में 3% आरक्षण किया था। यह अत्यन्त दुखद तथ्य है कि कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश के लिये अपना बलिदान करने वाले सैनिकों के सम्मान में उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (शारीरिक रूप से विकलांग एवं स्वतंत्रता संग्राम के आश्रितों और पूर्व सैनिकों के आरक्षण अधिनियम, 1993) में संशोधन करके समूह 'क' तथा 'ख' का आरक्षण समाप्त कर दिया तथा समूह ग एवं घ का आरक्षण 5% कर दिया गया। 2006 में समूह 'ग' के समीक्षा

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अधिकारी, डिप्टी जेलर, आबकारी निदेशक तथा ग्राम प्रवर्तन अधिकारी के पद समूह 'ग' से निकाल कर 'ख' में कर दिया गया। अब पूर्व सैनिकों को सिर्फ क्लर्क ग्रेड में नौकरी मिलती है।

लोक सभा की सुरक्षा पर स्थाई समिति के चेयरमैन बी0सी0 खण्डूरी ने सभी सरकारों को 2017 में संस्तुति भेजी है कि पूर्व सनिकों को सभी समूहों में समान रूप से 10% आरक्षण दिया जाये लेकिन 2020 वर्ष आ गया लेकिन उस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई।

अतः लोक महत्व के इस निश्चित तथा अविलम्बनीय विषय को नियम-301 के तहत उठाने तथा सरकार को जवाब देने हेतु निर्देशित करें।]

जनपद सहारनपुर के विधान सभा क्षेत्र रामपुर मनिहारन के अन्तर्गत सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री देवेन्द्र कुमार निम-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र रामपुर मनिहारन में दिल्ली-यमुनोत्री मार्ग पर जन्धेड़ा समसपुर से बुड्ढाखेड़ा गुर्जर शुगर मिल होकर मुजफ्फरनगर-सहरनपुर मार्ग तक मार्ग के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण का कार्य जनहित में कराया जाना नितान्त आवश्यक है क्योंकि यह सिंगल मार्ग है जिस पर यातायात का भारी दबाव रहता है। मार्ग के चौड़ीकरण न होने के कारण प्रायः यहां पर भीषण जाम की स्थिति बनी रहती है। जनहित में इस मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराया जाना आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद मथुरा के डूडा के पी0ओ0 जे0 ई0 मिशन मैनेजर की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री पूरन प्रकाश-

[महोदय, अवगत कराना है कि जनपद मथुरा के अन्तर्गत डूडा विभाग के परियोजना अधिकारी तथा उनके अधीनस्थ लगे हुए दलालों के शासन की नीतियों के विपरीत लाभार्थियों से खुलेआम अवैध वसूली तथा जो डूडा के विकास कार्य अब तक हो जाने चाहिये थे, उसका 25 प्रतिशत भी कार्य न होना एवं जो कार्य किये गये वो शासन की मंशा एवं मानसिकता के विपरीत कार्यशैली के कारण सरकार की छवि बहुत अधिक धूमिल हो रही है। भ्रष्टाचार के कारण आवासीय योजनाओं में पलीता लगाया जा रहा है। अपर जिलाधिकारी कानून व्यवस्था द्वारा बीते महीनों में पीओ डूडा, जनपद मथुरा तथा जेई एवं मिशन मैनेजर द्वारा किये आवास

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

योजनाओं में अवैध धन उगाही की गई है। पात्र लोग घूस न देने के कारण अभी भी मारे-मारे घूम रहे हैं जबकि पूरी धनराशि शासन की विभिन्न योजनाओं की अवमुक्त की जा चुकी है। इसकी समय-समय पर स्थानीय पत्रों में तथा जो पात्र लोग हैं वह प्रशासन में शिकायत को लेकर चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है। जनहित में जनपद मथुरा के डूडा के पी0ओ0 डूडा, जनपद मथुरा तथा जे0ई0 एवं मिशन मैनेजर की जांच कराकर कठोर कार्यवाही किया जाय। पात्र लोगों को मकान बनाकर आवंटन किया जाना नितान्त आवश्यक है।

मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूं।]

नगर पालिका परिषद्, कुशीनगर में स्मार्ट सिटी योजना लागू किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रजनीकान्त मणि त्रिपाठी-

[महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र कुशीनगर के नगर पालिका परिषद्, कुशीनगर जो गौतमबुद्ध की निर्वाण स्थली है व अन्तर्राष्ट्रीय धार्मिक व पर्यटन स्थल है, को स्मार्ट सिटी मिशन लागू किया जाना जनहित में अत्यन्त ही आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अवलिम्बनीय, जनहित एवं लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कार्रवाई करने की मांग करता हूं।]

जनपद अलीगढ़ के ग्राम रहमापुर चौचई एवं सिल्ला विसावनपुर के मध्य काली नदी पर सेतु एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री दलवीर सिंह-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र बरौली व विधान सभा क्षेत्र अतरौली, जनपद अलीगढ़ के बहुत बड़ी आबादी के क्षेत्र को आपस में जोड़ने हेतु जनपद अलीगढ़ के ग्राम रहमापुर चौचई एवं सिल्ला विसावनपुर के मध्य काली नदी पर लघु सेतु एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कराये जाने हेतु क्षेत्रीय जनता द्वारा काफी वर्षों से मांग की जा रही है। इस लघु सेतु के निर्माण से लगभग 30-35 ग्रामों का रास्ता छोटा एवं सुलभ हो जायेगा। इस पुल के निर्माण हेतु दोनों विधान सभा क्षेत्रों की जनता द्वारा कई वर्षों से लगातार मांग की जा रही है।

अतः इस लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से शासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनहित में लघु सेतु निर्माण की मांग करता हूं।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद पीलीभीत की तहसील बीसलपुर के अन्तर्गत ऐतिहासिक, पौराणिक एवं सांस्कृतिक अवशेषों के सौंदर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अगयश राम सरन वर्मा-

[महोदय, ज्ञातव्य हो कि जनपद पीलीभीत की तहसील बीसलपुर के अन्तर्गत राजस्व गांव-लिलहर में पाण्डवों के युग की यज्ञवेदी विकसित होकर बना प्रसिद्ध सरोवर में राजा मोरध्वज के भाई नीलध्वज को चर्म रोग से मुक्ति मिलने से अब तक प्रत्येक अमावस्या को लाखों की संख्या में चर्म रोगों से मुक्ति हेतु भारी संख्या में पर्यटक आते हैं। ऐसे शिव सरोवर एवं इसी के सम्बन्धित सूर्य तालाब (बहुवा ताल) बमरौली जहां पाण्डवों का प्रवास रहा है, के सौन्दर्यीकरण, गांव इलाहाबाद देवल में राजा बेन की पुत्री इला देवी के किले एवं मन्दिर के अवशेषों का पुरातत्व की दृष्टि से विकसित, पक्षी विहार पसगवां के विस्तार तथा राजा मोरध्वज के अवशेषों का उच्चीकरण के सम्बन्ध में कार्यवाही वांछनीय ही नहीं नितान्त अपरिहार्य है। क्योंकि उक्त उल्लेखित ऐतिहासिक, पौराणिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के सौन्दर्यीकरण, विस्तारीकरण एवं उच्चीकरण से पर्यटकों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी तथा पर्यटकों को कोई भी असुविधा नहीं होगी। यह सभी स्थल पुरातत्व विभाग को समर्पित किये जाने चाहिये ताकि शासन को भारी राजस्व की उपलब्धता सम्भव हो सके तथा स्थानीय स्तर पर व्यवसायियों की भी प्रगति हो सके। रोजगार की उपलब्धता भी हो सके।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस महत्वपूर्ण विषय पर सदन में चर्चा हेतु अनुमति प्रदान करने तथा उक्त ऐतिहासिक, पौराणिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के सौन्दर्यीकरण, विस्तारीकरण एवं उच्चीकरण हेतु कार्रवाई भी करने की कृपा की जाय।]

जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर के अन्तर्गत ग्राम सितारगंज में पुलिस विश्वविद्यालय स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री श्याम बिहारी लाल-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र-122, फरीदपुर जनपद बरेली के अन्तर्गत ग्राम सितारगंज में पुलिस विश्वविद्यालय स्थापित करने हेतु पुलिस विभाग (पी0ए0सी0) के पास पर्याप्त जमीन उपलब्ध है। फरीदपुर में पुलिस विश्वविद्यालय की स्थापना से क्षेत्र का निश्चित रूप से विकास सम्भव होगा।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए फरीदपुर में पुलिस विश्वविद्यालय की स्थापना किये जाने हेतु कार्रवाई की मांग करता हूं।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद झांसी के विधान सभा क्षेत्र गरौठा के अन्तर्गत किसानों के लिये वेयरहाउस का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री जवाहर लाल राजपूत-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन में एक अविलम्बनीय, लोक महत्व का विषय लाना चाहता हूं।

बुन्देलखण्ड में गरौठा विधान सभा क्षेत्र सबसे पिछड़ा है। इस क्षेत्र में कोई वेयरहाउस नहीं है। यहां से 100 कि0मी0 दूर से अधिक झांसी मुख्यालय पड़ता है। जहां पर माल/उपज रखने के लिये किसानों को बहुत कठिनाई होती है। गरौठा तहसील में ग्राम-कुरैठा व गड़वई में गांव सभा की जमीन उपलब्ध है। सहकारिता विभाग के द्वारा वेयरहाउस बनाया जाता है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई किये जाने की मांग करता हूं।]

जनपद उन्नाव के ब्लाक सफीपुर के अन्तर्गत ग्राम सरायं मलकादिमपुर से हसेवा मोड़ तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री बम्बा लाल-

[महोदय, सादर अवगत कराना है कि **ब्लाक सफीपुर जनपद उन्नाव के अन्तर्गत ग्राम सरायं मलकादिमपुर से हसेवा मोड़ तक लगभग 03 कि0मी0 सड़क अत्यन्त खराब है।** उस क्षेत्र की जनता को आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस सड़क के निर्माण कार्य से लगभग पचास गांवों की जनता को आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। यह कार्य कराया जाना नितान्त आवश्यक है। यह लोक महत्व का विषय है।

अतः आपसे अनुरोध है कि लोक महत्व के प्रश्न को स्वीकार करते हुए प्राथमिकता के आधार पर **ब्लाक सफीपुर जनपद उन्नाव के अन्तर्गत ग्राम सरायं मलकादिमपुर से हसेवा मोड़ तक लगभग 03 कि0मी0 सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने हेतु आदेश देने का कष्ट करे।**]

जनपद लखनऊ के अन्तर्गत आवासीय भवनों पर स्थापित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को अनुमति प्रदान किये जाने सम्बन्धी कानून में संशोधन किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव-

[महोदय, मेरी विधान सभा क्षेत्र में भारी संख्या में ऐसे लोग हैं जिन्होंने अपने आवासीय भवनों के एक भाग में व्यवसायिक प्रतिष्ठान खोल रखे हैं और शेष में वह अपने

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

परिवार के साथ निवास करते हैं। इसके अतिरिक्त भारी संख्या में ऐसे लोग भी जिन्होंने आवासीय भूखण्ड पर निर्माण करके विवाह घर एवं अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठान चला रहे हैं किन्तु पिछले माह से आवास विकास परिषद् एवं विकास प्राधिकरण ऐसे प्रतिष्ठानों को सील करने का काम कर रही है। बेरोजगारी के कारण अपने परिवार का किसी प्रकार से पालन पोषण करने के लिये आज के महंगाई के दिनों में जब कोई भी सरकार भारी संख्या में बेरोजगारों को रोजगार देने में असमर्थ है। मजबूर होकर जनता आवासीय भवनों/भूखण्डों पर व्यापारिक प्रतिष्ठानों को चला रही है। उपरोक्त व्यवसायी प्रतिष्ठानों को सील किया जाना जनता के साथ उत्पीड़न है और इस बात की आवश्यकता है कि जनहित में कानून को संशोधित करके उपरोक्त वर्णित उत्पीड़न की कार्यवाही रोकी जाय और इनको नियमित कर दिया जाय।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए आवासीय भवनों/भूखण्डों पर की जा रही उत्पीड़न की कार्रवाई को अविलम्ब रोके जाने हेतु कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र रसड़ा अन्तर्गत कतिपय गांवों में जर्जर विद्युत तारों को बदलवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री उमाशंकर सिंह-

[महोदय, मैं एक अत्यन्त ज्वलन्त एवं जनहित के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए सदन को यह अवगत कराना चाहता हूं कि मेरी विधान सभा क्षेत्र रसड़ा के **कतिपय निम्न ग्रामों में आजादी के बाद विद्युतीकरण किया गया था 50-60 वर्षों पूर्व लगे तार काफी जर्जर हो चुके हैं और इनसे यहां पर अक्सर विद्युत दुर्घटनायें कारित हो रही हैं जिससे जन धन का भारी नुकसान हो रहा है जिससे जनमानस में अत्यधिक आक्रोश व्याप्त है।**

रसड़ा ब्लाक - कोटवारी बीच बाजार, नगहर मुस्लिम बस्ती, कुरेम, मंदा, नागपुर मेन गांव एवं प्रधानपुर का लोहाबर।

चिलकहर ब्लाक - चिलकहर मेन गांव, संवरा मेन गांव, टीकादेवरी मेन गांव, आंदी मेन गांव, डुमरी मेन गांव एवं उचेड़ा।

नगरा ब्लाक - देवढ़िया, मलप, सराय चावट, छतरपुरा, तियरा दलित बस्ती, सिसवार, कोदई एवं उरैनी।

अतः जनहित एवं लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय पर रसड़ा विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत **उपरोक्त ग्रामों में लगे जर्जर विद्युत पोलों एवं तारों को हटाते हुए केबिल द्वारा विद्युतीकरण कराये जाने हेतु** शासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद महराजगंज के अन्तर्गत नगर पालिका, नौतनवां के कतिपय रकबा को भू-माफियाओं से मुक्त कराये जाने एवं कानूनी कार्रवाई कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अमन मणि त्रिपाठी-

[महोदय, हमारे विधान सभा क्षेत्र-316, नौतनवां, जनपद महराजगंज के अन्तर्गत आदर्श नगर पालिका परिषद्-नौतनवां, जनपद महराजगंज में वार्ड नं0-16 बहादुरशाह नगर, थाना-नौतनवां, जनपद महराजगंज के क्षेत्र में जमींदारी क्षेत्र-भुण्डी के अन्तर्गत आराजी नं0-1317/1 रकबा-0.90, आराजी नं0-1317/2 रकबा-0.304, आराजी नं0-1330 मि0 रकबा-0.219 में भू-माफिया द्वारा अवैध पक्का मकान निर्माण करवा लिया है जबकि मा0 न्यायालय हाई कोर्ट, मा0 न्यायालय सुप्रीम कोर्ट के आदेश हैं कि तत्काल भू-माफिया से अवैध भूमि से कब्जा हटवाने की आवश्यकता है। जबकि सरकार का जी0ओ0 है कि जमींदारी भूमि से अवैध कब्जा हटवाना प्रथम आदेश होने के बावत में भू-माफियाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए तत्काल अवैध कब्जा हटवाना जनहित में आवश्यक है। जमींदारी नियम अधिनियम के अन्तर्गत अवैध कब्जा हटवाना व भू-माफिया के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की कृपा करें।]

जनपद कानपुर नगर के नानाराव पार्क में स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत महोत्सव पण्डाल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अमिताभ बाजपेई-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि कानपुर नगर के मध्य में स्थित नानाराव पार्क स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत विकसित किया जा रहा है।

पूर्व में नानाराव पार्क के एक हिस्से में ही समस्त धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम सम्पन्न होते थे, जैसे **श्याम बाबा महोत्सव, दादी राणी सती महोत्सव, सालासर बालाजी उत्सव, बांके बिहारी महोत्सव, राधारानी उत्सव, महावीर जयन्ती, बाल्मीकि जयन्ती** आदि अनेक कार्यक्रम हेतु स्थान उपलब्ध कराया जाता था।

स्मार्ट सिटी मिशन के क्रियान्वयन के बाद धार्मिक आयोजनों पर रोक लगा दी गई है एवं उक्त स्थान पर घास लगाई जा रही है। जबकि घास इत्यादि हरियाली का कार्य पूर्व की समाजवादी सरकार में खूबसूरत तरीके से फूलबाग में किया जा चुका है।

नानाराव पार्क मार्निंग वॉकर, तैराकी, स्केटिंग, साइकिलिंग, योगा इत्यादि कार्यों के लिये विकसित है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः मैं सरकार से मांग करता हूं कि स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत नानाराव पार्क में एक **''महोत्सव पण्डाल''** बनाया जाये। ऐसा पण्डाल जिसमें धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रम अच्छे ढंग से आयोजित हो सकें व आवश्यकता पड़ने पर **''ट्रेड फेयर''** भी लगाया जा सके।]

जनपद सीतापुर के तहसील महमूदाबाद अन्तर्गत कतिपय निर्मित सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 को संचालित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व एवं अविलम्बनीय विषय की ओर दिलाना चाहता हूं। जनपद सीतापुर की तहसील महमूदाबाद के अन्तर्गत सी0एच0सी0 मीरानगर, पी0एच0सी0 चांदपुर, सेखपुर, बिलौली, बाबूपुर, पोखरा कला, अहिबरनपुर, भुडकुडा, मुर्तजानगर, किशुनपुर में ज्यादातर अस्पतालों का भवन निर्माण काफी समय पूर्व पूर्ण हो गया है। जनता को समुचित स्वास्थ्य सुविधायें मिलें इसलिये आग्रह है कि पूर्ण अस्पतालों में डाक्टर व अन्य स्टाफ स्ट्रूमेन्ट/दवाओं आदि यथाशीघ्र उपलब्ध कराकर अस्पतालों को संचालित किया जाय।

अतः इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल उपरोक्त अस्पतालों को चालू किये जाने की मांग करता हूं।]

जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद के अन्तर्गत कतिपय सड़कों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती जय देवी-

[महोदय, सदन के माध्यम से सादर अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद के अन्तर्गत विभिन्न सड़क मार्गों का निर्माण कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है, क्षेत्र की जनता को आवागमन हेतु परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सड़कों का विवरण निम्न प्रकार है :-

1-विकास खण्ड मलिहाबाद, जनपद लखनऊ के अन्तर्गत ग्राम महदोइया के पुल से उन्नाव बार्डर पर स्थित ग्राम प्रताप खेड़ा तक जो कि कच्चा एवं जर्जर मार्ग का निर्माण कार्य।

2-विकास खण्ड मलिहाबाद, ग्राम बहेलिया से ग्राम भटखेड़वा तक।

3-विकास खण्ड मलिहाबाद, ग्राम बहेलिया से ग्राम लोहजरा तक।

4-विकास खण्ड काकोरी के अन्तर्गत ग्राम अहमद खेड़ा मजरा गोसालालपुर से ग्राम गोसवा तक।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

5-विकास खण्ड काकोरी के अन्तर्गत ग्राम शाहपुर से सरैया बसरैला मार्ग तक।

6-विकास खण्ड काकोरी के अन्तर्गत ग्राम भवानी खेड़ा से काकोरी धुरधुरी तालाब मार्ग तक।

7-विकास खण्ड काकोरी के अन्तर्गत रायपुर पुलिया से नरौला नहर मार्ग तक।

8-विकास खण्ड काकोरी के अन्तर्गत ग्राम सरसंडा से ग्राम कुसमरी तक।

9-विकास खण्ड मलिहाबाद के अन्तर्गत ग्राम कटौली (निकट जमाल नगर) के मनरेगा मार्ग का डामरीकरण सी0सी0 निर्माण।

10-विकास खण्ड मलिहाबाद के अन्तर्गत ग्राम सभा जिला ग्राम पंचायत कैथोलिया से माल गहदो मार्ग तक (इस गांव के लिये कोई भी पक्का मार्ग नहीं है।)

11-विकास खण्ड मलिहाबाद के झाऊ बरिया से रुसेला बेहता नाले पर टूटे हुए पुल का निर्माण।

12-विकास खण्ड माल में मुसरीहल खेड़ा चौराहे से आदमपुर तक सड़क मार्ग का निर्माण।

13-खडसरा से जगनी खेड़ा विकास खण्ड माल में सड़क का निर्माण।

14-विकास खण्ड माल में ललई खेड़ा डामर रोड से बिशुनपुर होते हुए जलौली मार्ग तक सड़क निर्माण।

अतः सदन के माध्यम से क्षेत्र की जनता की मांग के अनुसार अनुरोध करना है कि उपरोक्त सड़क मार्गों का अतिशीघ्र निर्माण कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है। मैं सदन की आभारी रहूंगी।]

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र केराकत के अन्तर्गत ग्राम असवारा में पोल तथा तार लगवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री दिनेश चौधरी-

[महोदय, अवगत कराना है कि जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र केराकत के अन्तर्गत ग्राम असवारा में श्री राय साहब यादव पुत्र श्री स्व0 बनवारी यादव व उनके घर के आस-पास अन्य लोगों के घर तक विद्युत की आपूर्ति न होने से काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। मेरे द्वारा शासन-प्रशासन को लिखित एवं मौखिक शिकायत की गयी है लेकिन अभी तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए केराकत विधान सभा क्षेत्र के ग्राम-असवारा में श्री राय साहब यादव के घर तक पोल व तार लगाने की मांग करता हूं।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद बस्ती के विकास प्राधिकरण द्वारा अधिनियमित रूप से मकानों को सीज किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री संजय प्रताप जायसवाल-

[महोदय, मा0 प्रधानमंत्री जी के सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास के दिये गये नारे का बस्ती जनपद में विकास प्राधिकरण बस्ती के अध्यक्ष श्री आशुतोष निरंजन द्वारा माखौल उड़ाया जा रहा है। मुस्लिम समुदाय के डा0 अब्दुल बारी जो मेरे ही विधान सभा क्षेत्र के निवासी हैं। बस्ती शहर के दुरकौलिया मोहल्ले में विकास प्राधिकरण के अस्तित्व में आने से पहले अपना मकान निर्माण करवाया था जिसे विकास प्राधिकरण द्वारा बिना कोई नोटिस दिये विकास प्राधिकरण में मकान का नक्शा स्वीकृत न होने को आधार बनाकर उनके परिवार को मकान से बाहर कर मकान को सीज कर दिया गया इसी प्रकार बस्ती हाई-वे के किनारे निर्मित श्री आफताब आलम के मकान को हाई-वे की ग्रीन बेल्ट की परिधि के अन्दर होने के कारण मकान को सीज कर दिया गया। जबकि हाई-वे के दोनों किनारे बने अन्य मकानों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

बस्ती महोत्सव में जिला प्रशासन के मनचाहा चन्दा न दिये जाने के कारण तुलस्यान वस्त्रालय गांधीनगर, बस्ती के निर्माणाधीन भूतल के स्टोर रूम पर भारी-भरकम जुर्माना लगा दिया गया। इसी प्रकार शहर में सड़कों के पटरियों के किनारे गरीब दुकानदारों को अतिक्रमण के नाम पर जे0सी0बी0 लगाकर दुकान को उजाड़ा जा रहा है। जिससे उनकी रोजी रोटी पर संकट आ गया है। जिला प्रशासन बस्ती की इस कार्रवाई से भारतीय जनता पार्टी की छवि धूमिल हो रही है। जहां एक तरफ सरकार रोजगार से जोड़ने की बात करती है वहीं दूसरी तरफ जिला प्रशासन बस्ती रोजगार में लगे लोगों को बेरोजगार कर रही है। प्रकरण अति लोक महत्व का है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न पर सदन का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद सहारनपुर के अन्तर्गत बेहट रोड एवं ढमोला नदी पर पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मसूद अख्तर-

[महोदय, जनहित में अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र 4, सहारनपुर के बेहट रोड शाकुम्भरी कालोनी से जनता रोड गांव खुर्द अड्डे तक मिट्टी व सड़क का निर्माण कार्य लम्बाई लगभग 1300 मी0 तथा ढमोला नदी पर पुल का निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है। उक्त स्थान

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

पर सड़क व पुल का निर्माण न होने से क्षेत्रवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय पर शासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उक्त प्रकरण पर शीघ्र कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद अम्बेडकरनगर के अन्तर्गत टाण्डा-माया राज्य मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री लालजी वर्मा-

[महोदय, टाण्डा-माया राज्य मार्ग, जिला अम्बेडकरनगर/अयोध्या मार्ग जगह-जगह टूट गया है, उक्त मार्ग लखनऊ से टाण्डा बुनकर नगरी को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है। साथ ही साथ एन0टी0पी0सी0 टाण्डा भी इसी मार्ग पर स्थित है, जहां से हजारों ट्रकों का आना-जाना रहता है, उक्त मार्ग बस्ती, वाराणसी मार्ग को भी जोड़ता है। मार्ग की मरम्मत न होने के कारण आम जनता में आक्रोश व्याप्त है।

अस्तु इस लोक महत्व के तात्कालिक प्रश्न पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित कराते हुए उक्त मार्ग को फोर लेन बनाये जाने की मांग करता हूं।]

जनपद सिद्धार्थनगर के तहसील शोहरतगढ़ के अन्तर्गत कतिपय मार्गों का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री उज्जवल रमण सिंह-

[महोदय, आपके संज्ञान में लाना चाहूँगा कि जनपद सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत तहसील शोहरतगढ़ के तुलसियापुर भुतहिया, झुगहवां-कठैला कोठी बजराभारी मार्ग के चौड़ीकरण से ग्राम खैरी उर्फ झुगहवां में लोक निर्माण विभाग, खण्ड-1, सिद्धार्थनगर के इंजीनियर और ठेकेदार ने गांव के लोगों को डरा धमका कर सड़क के दोनों तरफ 10-10 फुट से अधिक घरों को तोड़ने के लिये विवश कर दिया गया एवं 29 ग्रामवासियों ने अपने-अपने आवास भयवश तोड़ दिये। इसी तरह मटियार उर्फ भुतहवां घाट से झुगहवां ग्राम के सीमा के अन्दर तक 1 कि0मी0 सड़क पहले से किसानों की जमीन पर बिना मुआवजे के बनाई गई थी एवं लोक निर्माण द्वारा पुनः सड़क चौड़ीकरण कराये जाने हेतु ग्राम मटियार उर्फ भुतहवां के गाटा संख्या-935, 936, 949, 959, 911, 967 एवं 978 आदि से यह सड़क होकर गुजरती है जो किसानों की ही जमीन है, वहां लोक निर्माण विभाग की जमीन नहीं है। इसी तरह ग्राम खैरी उर्फ झुगहवां के गाटा सं0-245, 246क, 247, 249 में बिना पैमाइश के गलत अवधारणा से लोक निर्माण विभाग खण्ड-1 सड़क चौड़ीकरण करना चाहता है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

उपरोक्त ग्राम खैरी उर्फ झुगहवां में लोक निर्माण विभाग की दूसरी सड़क उपलब्ध है जो गांव के जिले के दूसरे मार्गों से जोड़ती है। ग्रामवासियों की प्रमुख समस्या बूढ़ी राप्ती नदी का कटान है। निर्माणाधीन चौड़ीकरण सड़क के बनने से क्षेत्रवासियों को कोई कष्ट नहीं है।

29 घरों को खुद ग्रामवासियों द्वारा तोड़ा जाना यह दर्शाता है कि ग्रामवासी आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कितने कमजोर हैं। ऐसी अमानवीय कार्य होने के बावजूद उप जिलाधिकारी द्वारा गांव का दौरा करना भी उचित नहीं समझा गया। इससे स्पष्ट होता है कि उप जिलाधिकारी का ठेकेदार/लोक निर्माण विभाग के बीच संलिप्तता प्रतीत होती है। **विकास के नाम पर विनाश है एवं सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है।** ग्रामवासियों में उक्त के विरुद्ध काफी रोष है।

उपरोक्त प्रकरण को लेकर सरकार की छवि को धूमिल किया जा रहा है और उक्त प्रकरण की जांच कराकर सम्बन्धित अधिकारियों/ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई किया जाना समीचीन होगा।

अतः मैं इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के प्रश्न को सदन के संज्ञान में लाते हुए सदन में इस लोक महत्वपूर्ण विषय की गम्भीर स्थिति पर अविलम्बनीय चर्चा कराने की कृपा करें।]

[12:58] उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या-02-2015 (लो0आ0) (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित)†

वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या-02-2015 (लो0आ0)(स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित) को उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त एवं उप लोक आयुक्त अधिनियम, 1975 की धारा-12 की उपधारा (7) की अपेक्षानुसार सदन के पटल पर रखता हूँ।

उत्तर प्रदेश सूचना का अधिकार (प्रथम संशोधन) नियमावली, 2019†

वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रशासनिक सुधार अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-148/43-2-2019-सू0अ0नि0-2015 (1)-2015, दिनांक 13 अगस्त 2019 द्वारा प्रख्यापित उत्तर प्रदेश सूचना का अधिकार (प्रथम संशोधन) नियमावली, 2019 को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के नियम-29(2) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूँ।

(इस समय 12 बजकर 59 मिनट पर अधिष्ठाता श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव पाठीसीन हुये)

---

† छापा नहीं गया।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के द्वितीय सत्र, 2019 में नियम-301 के अन्तर्गत प्राप्त सूचनाओं पर कृत कार्यवाही का विवरण†

वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान सभा के द्वितीय सत्र, 2019 (दिनांक 18-07-2019 से दिनांक 26-07-2019 तक) में उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-301 के अधीन प्राप्त सूचनाओं पर कृत कार्यवाही का विवरण उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष द्वारा जारी किये गये प्रक्रिया सम्बन्धी निदेश संख्या-14(3) की अपेक्षानुसार सदन के पटल पर रखता हूँ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के चतुर्थ सत्र, 2019 में नियम-301 के अन्तर्गत प्राप्त सूचनाओं पर कृत कार्यवाही का विवरण†

वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान सभा के चतुर्थ सत्र, 2019 (दिनांक 26-11-2019 से दिनांक 31-12-2019 तक) में उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-301 के अधीन प्राप्त सूचनाओं पर कृत कार्यवाही का विवरण उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष द्वारा जारी किये गये प्रक्रिया सम्बन्धी निदेश संख्या-14(3) की अपेक्षानुसार सदन के पटल पर रखता हूँ।

यू0पी0 प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट 2016-2017†

वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपकी अनुज्ञा से यू0पी0 प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट 2016-2017 को कम्पनी अधिनियम-2013 की धारा-394 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

मद संख्या-8 में कुछ नहीं है।

(श्री अधिष्ठाता द्वारा श्रीमती मनीषा अनुरागी का नाम पुकारा गया लेकिन वह अनुपस्थित थीं।)

[01:02] श्रीमती मनीषा अनुरागी, सदस्य, विधान सभा की जनपद हमीरपुर से सम्बन्धित चार याचिकाएं†

श्रीमती मनीषा अनुरागी-

(1) जनपद हमीरपुर के राठ विधान सभा क्षेत्र स्थित चिकासी हरदुआ मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में श्री रामबाबू राजपूत पुत्र श्री नाथूराम राजपूत व अन्य निवासीगण जनपद हमीरपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

---

† छापा नहीं गया।

(2) जनपद हमीरपुर के राठ विधान सभा क्षेत्र स्थित चरखारी-राठ मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कृष्णकांत अनुरागी पुत्र श्री धूराम अनुरागी व अन्य निवासीगण जनपद हमीरपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(3) जनपद हमीरपुर के राठ विधान सभा क्षेत्र स्थित ग्राम-रौरो में पुल निर्माण के सम्बन्ध में श्री सूरज सिंह राजपूत व अन्य निवासीगण जनपद हमीरपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका तथा

(4) जनपद हमीरपुर के राठ विधान सभा क्षेत्र स्थित ग्राम चंदौरा-भैंसाय के मध्य विरमा नदी पर पुल निर्माण के सम्बन्ध में श्री अमित कुमार साहू पुत्र श्री ईश्वरदयाल साहू व अन्य निवासीगण जनपद हमीरपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका।

(श्री अधिष्ठाता द्वारा श्री रजनीकान्त मणि त्रिपाठी का नाम पुकारा गया लेकिन वह अनुपस्थित थे)

श्री प्रभात कुमार वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित पांच याचिकाएं †

श्री प्रभात कुमार वर्मा-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपकी अनुज्ञा से-

(1) जनपद गोण्डा की तहसील मनकापुर के विकास खण्ड बभनजोत के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कूकनगर ग्रन्ट में राजकीय महाविद्यालय का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ,

(2) जनपद गोण्डा की तहसील मनकापुर के विकास खण्ड छपिया के अन्तर्गत ग्राम पंचायत शीतलगंज ग्रन्ट फुटही बाजार से राम उजागर वर्मा के घर होते हुए चौधरी पंचायत शीतलगंज ग्रन्ट फुटही बाजार से राम उजागर वर्मा के घर होते हुए है चौधरी चौराहा तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम उजागर वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ,

(3) जनपद गोण्डा की तहसील मनकापुर के विकास खण्ड बभनजोत के अन्तर्गत ग्राम रेनुवा से दौलतपुर ग्रन्ट मार्ग के चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गोमती प्रसाद यादव व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ,

(4) जनपद गोण्डा की तहसील मनकापुर के विकास खण्ड बभनजोत के अन्तर्गत ग्राम पंचायत भानपुर से मद्दो बाजार सम्पर्क मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सूर्यभान गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ, तथा

(5) जनपद गोण्डा की तहसील मनकापुर के विकास खण्ड बभनजोत के अन्तर्गत केशनगर ग्रन्ट में वन विभाग का गेस्ट हाउस बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री सूर्य कुंवर वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ।

श्री रोशन लाल वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित सात याचिकाएं[†]

श्री रोशन लाल वर्मा-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपकी अनुज्ञा से-

(1) जनपद शाहजहाँपुर के ब्लाक तिलहर के अन्तर्गत ग्राम नौगाई से ग्राम हरमानपुर तक कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वेदव्यास पुत्र श्री महेन्द्र पाल व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ,

(2) जनपद शाहजहाँपुर के ब्लाक-खुदागंज के अन्तर्गत ग्राम सेजना में छोटी नहर पुलिया से रमापुर डामर रोड तक कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अवनीश कुमार पुत्र श्री अशोक कुमार व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ,

(3) जनपद शाहजहाँपुर के ब्लाक निगोही के अन्तर्गत ग्राम नरायनपुर के उत्तर ग्राम हरैया जनपद पीलीभीत के बार्डर तक कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल वर्मा पुत्र श्री बांकेलाल व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ,

(4) जनपद शाहजहाँपुर के ब्लाक तिलहर के अन्तर्गत ग्राम हुसैनपुर कवरा से बाजपुर कुमरिखा तक कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुखलाल पुत्र श्री हरिप्रसाद व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ,

(5) जनपद शाहजहाँपुर के ब्लाक तिलहर के अन्तर्गत ग्राम समधाना भुसौरी मार्ग से जौहाना तक अवशेष कार्य कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेन्द्र पाल वर्मा पुत्र श्री प्यारेलाल व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ,

(6) जनपद शाहजहाँपुर के ब्लाक-निगोही के अन्तर्गत शाहजहाँपुर बीसलपुर स्टेट हाई-वे पर ईटगांव रजवाहा नहर पटरी पर ग्राम धुल्लिया से लोहरगवां तक पक्के गड्ढायुक्त जर्जर मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वीरेस सिंह पुत्र श्री श्रीकृष्ण सिंह व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ, तथा

[†] छापा नहीं गया।

(7) जनपद शाहजहाँपुर के ब्लाक-निगोही के अन्तर्गत ग्राम ढकिया तिवारी के ग्राम परसरा परसरी तक पक्के गड्ढायुक्त जर्जर मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिवकुमार सिंह पुत्र श्री वृजनंदन व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ।

(श्री अधिष्ठाता द्वारा श्री बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डु भइया का नाम पुकारा गया लेकिन वह अनुपस्थित थे।)

श्री बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया, सदस्य, विधान सभा की जनपद महोबा से सम्बन्धित तीन याचिकाएं†

श्री बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया-

(1) जनपद महोबा के केन-बेतवा परियोजना में उर्मिल बांध से बेला सागर को जोड़ने के सम्बन्ध में श्री सतीश राजपूत व अन्य निवासीगण जनपद महोबा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(2) जनपद महोबा के तहसील कुलपहाड़ के अन्तर्गत जैतपुर में निर्मित भवन में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान संचालित किये जाने के सम्बन्ध में श्री महेन्द्र कुमार द्विवेदी व अन्य निवासीगण जनपद महोबा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका तथा

(3) जनपद महोबा के तहसील कुलपहाड़ के अन्तर्गत जैतपुर में स्थित बेलासागर तालाब की पूर्व में हुई सिल्ट सफाई की जाँच किये जाने के सम्बन्ध में श्री किशोर लाल शिवहरे व अन्य निवासीगण जनपद महोबा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका।

श्री प्रेम नारायण पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित याचिका†

श्री प्रेम नारायण पाण्डेय-

मान्यवर, मैं आनकी अनुज्ञा से जनपद-गोण्डा की तहसील तरबगंज के अन्तर्गत निम्न पंचायतों में पेयजल स्रोत संदूषित होने के क्रम में पानी की टंकी स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामधोख मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

श्री सुरेन्द्र मैथानी, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर की तीन व जनपद कौशाम्बी की एक याचिका†

श्री सुरेन्द्र मैथानी-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से-

(1) जनपद कानपुर में चन्देल कासीन पक्का तालाब मसवानपुर के सुन्दरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सर्वेश कटियार व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

---

† छापा नहीं गया।

(2) जनपद कौशाम्बी के गोविन्द नगर वि0स0 क्षेत्र के अर्न्तगत जोन-6 में नई सीवर लाइन बिछाये जाने के सम्बन्ध में श्री परमवीर सिंह गम्भीर व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(3) जनपद कानपुर में ए0टू0जेड0 कम्पनी द्वारा पनकी बाई पास पर बनाये गये कूड़े के डम्प स्थल को अन्य कहीं स्थानान्तरित किये जाने के सम्बन्ध में श्री सर्वेश कटियार व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका तथा

(4) जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र कानपुर के गोविन्द नगर जोन-5 में नई सीवर लाइन बिछाये जाने के सम्बन्ध में श्री विपिन दुबे व अन्य निवासीगण जनपद कौशाम्बी द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं। मान्यवर, जो त्रुटियां हैं उनको सुधार लिया जाय।

श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित दो याचिकाएं[†]

श्रीमती अनुपमा जायसवाल-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से-

(1) जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर में विकास खण्ड तेजवापुर के अन्तर्गत मोहल्ला माधव रेती प्रा0 पाठशाला के पहले प्रमोद के घर से वासुदेव के घर तक इण्टरलॉकिंग एवं नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रमोद व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच द्वारा हस्ताक्षरित याचिका तथा

(2) जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर में विकास खण्ड चित्तौरा के अन्तर्गत ग्राम सुसरौली में बांके के घर से बंगला तक इण्टरलॉकिंग एवं नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामराज (प्रधान) व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करती हूं।

श्री सुनील कुमार शर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजियाबाद से सम्बन्धित तीन याचिकाएं[†]

श्री सुनील कुमार शर्मा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से-

(1) जनपद गाजियाबाद के नगर निगम के ब्रज विहार में नाले पर पुल निर्माण के सम्बन्ध में श्री सुधीर त्यागी व अन्य निवासीगण जनपद गाजियाबाद द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं,

(2) जनपद गाजियाबाद के तहसील गाजियाबाद के वार्ड संख्या-29 के अन्तर्गत लोनी-वजीराबाद रोड पर पैदल उपरगामी सेतु के निर्माण के सम्बन्ध में

[†] छापा नहीं गया।

श्री कुलदीप कसाना व अन्य निवासीगण जनपद गाजियाबाद द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं, तथा

(3) जनपद गाजियाबाद के नगर पालिका खोड़ा-मकनपुर में शुद्ध पेयजल/गंगाजल की आपूर्ति के सम्बन्ध में श्री रामदास व अन्य निवासीगण जनपद गाजियाबाद द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

कुँवर नरेन्द्र पाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित दो याचिकाएं †

कुँ0 नरेन्द्र पाल सिंह-

(1) जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी के ग्राम सिरसाकलां में थाना चौराहा से बावई रोड पर स्थित गन्दे नाले का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में डॉ0 अरुण मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद जालौन द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं, तथा

(2) जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी के ग्राम ताहरपुर से सोंधी तक 05 कि0मी0 पक्की रोड बनवाने के सम्बन्ध में श्री जगदीश पाल पुत्र माता प्रसाद पाल व अन्य निवासीगण जनपद जालौन द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

(इस समय 01 बजकर 09 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए।)

श्री काली प्रसाद, सदस्य, विधान सभा की जनपद देवरिया से सम्बन्धित पांच याचिकाएं†

श्री काली प्रसाद-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से-

(1) जनपद देवरिया के विकास खण्ड भागलपुर चौराहे से मइल चौराहे तक पिच सड़क का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में डा0 कामेश्वरनाथ मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं,

(2) जनपद देवरिया के विकास खण्ड सलेमपुर के बरडीहा दलपत में पानी की टंकी लगाये जाने के सम्बन्ध में श्री उदय प्रताप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं,

(3) जनपद देवरिया के विकास खण्ड सलेमपुर के बरट्ठा पिच मार्ग से सोहनाग होकर धनवती लाल पिच मार्ग तक पिच सड़क का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम नयन सिंह व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं,

---

† छापा नहीं गया।

(4) जनपद देवरिया के विकास खण्ड भागलपुर पिपरा मिश्र में पानी की टंकी लगाये जाने के सम्बन्ध में श्री अमित चौरसिया व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं, तथा

(5) जनपद देवरिया के विकास खण्ड भागलपुर देवरिया के राम जानकी मार्ग से पिपरा बांध के लाल मोहन सिंह के विद्यालय होकर भटौली पिच मार्ग तक डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लाल मोहन सिंह व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

श्री रजनीकान्त मणि त्रिपाठी-

मा0 अध्यक्ष जी, हमारी याचिका उपस्थित नहीं हुई है। यदि आपकी अनुमति हो तो हम उसे पढ़ दें।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, आप अपनी याचिका उपस्थित करें।

श्री रजनीकान्त मणि त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की जनपद कुशीनगर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं[†]

श्री रजनीकान्त मणि त्रिपाठी-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से-

(1) जनपद कुशीनगर विधान सभा क्षेत्र के विकास खण्ड पडरौना में विवाह भवन निर्माण के सम्बन्ध में श्री जयप्रकाश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं,

(2) जनपद कुशीनगर विधान सभा क्षेत्र कुशीनगर में विकास खण्ड कसया में छठ घाटों के सुन्दरीकरण के सम्बन्ध में श्रीमती सावित्री गुप्ता पत्नी श्री दिनेश गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं,

(3) जनपद कुशीनगर विधान सभा क्षेत्र कुशीनगर में विकास खण्ड रामकोला के अन्त्येष्टि/शवदाह गृह स्थल के निर्माण के सम्बन्ध में श्री लहरी सिंह व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं,

(4) जनपद कुशीनगर विधान सभा क्षेत्र कुशीनगर में विकास खण्ड कसया के अन्त्येष्टि/शवदाह गृह स्थल के निर्माण के सम्बन्ध में श्री डब्लू सिंह व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं, तथा

(5) जनपद कुशीनगर विधान सभा क्षेत्र में विकास खण्ड हाटा के विवाह भवन के निर्माण के सम्बन्ध में श्री चन्द्रदीप पटेल व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

[†] छापा नहीं गया।

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-20, 21 व 22 में कुछ नहीं है।

उत्तर प्रदेश जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2020†

पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री (श्री अनिल राजभर)-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा मांगता हूं।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा दी जाए।

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री अनिल राजभर-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2020 को पुरःस्थापित करता हूं।

[01:14] श्री राज्यपाल के अभिभाषण में प्राप्त संशोधन

श्री अध्यक्ष-

मा0 नेता प्रतिपक्ष श्री राम गोविन्द चौधरी जी। मा0 राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा प्रारम्भ करें।

नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर हमको संशोधन प्रस्ताव रखने का अनुमति दिया है।

श्री अध्यक्ष-

उपस्थित हुआ मान लिया जायेगा, आप अपनी बात रखें।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मा0 अध्यक्ष जी, एक-दो लाइन पढ़ दें।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है।

---

† दिनांक 12 मार्च, 2020 के असाधारण गजट के विधायी परिशिष्ट में छपा है।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मा0 अध्यक्ष जी, प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय, ''किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित के विषय में कोई उल्लेख नहीं किया है :-

1-कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के सम्बन्ध में।

2-प्रदेश में निरन्तर बढ़ रहे बलात्कार/डकैती/चोरी/लूट/हत्या/जातीय हिंसा आदि को रोकने हेतु किसी ठोस नीति के सम्बन्ध में।

3-किसानों को खाद और बीज क्रय में छूट दिये जाने के सम्बन्ध में,

4-किसानों के लिये सिंचाई मुफ्त करने के सम्बन्ध में,

5-किसानों की कृषक उपज का बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

6-गन्ना किसानों के गन्ना की खरीद शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराने तथा घटतौली, बिचौलिये व दलाल पर अंकुश लगाने के सम्बन्ध में,

7-पशुधन विकास हेतु छोटे किसानों को उन्नत किस्म के दुधारू पशु क्रय करने हेतु व्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

8-कुक्कुट नीति के सम्बन्ध में,

9-छुट्टा पशुओं से फसल की सुरक्षा व्यवस्था करने के सम्बन्ध में,

10-सिंचाई हेतु किसानों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में,

11-निरन्तर बढ़ रहे साइबर क्राइम की रोकथाम के सम्बन्ध में,

12-बेरोजगार नवयुवकों को रोजगार उपलब्ध कराने की किसी ठोस नीति के सम्बन्ध में,

13-प्रतिभावान, साहित्यकारों, कवियों, खिलाड़ियों, उद्यमियों, किसानों, कलाकारों को प्रोत्साहित करने के सम्बन्ध में,

14-प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सुदृढ़ अध्यापन कार्य हेतु शिक्षकों की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित किये जाने के सम्बन्ध में,

15-निरन्तर बढ़ रहे पर्यावरण प्रदूषण को रोकने हेतु ठोस नीति के सम्बन्ध में,

16-ग्रामीण क्षेत्रों में शत-प्रतिशत राशनकार्ड बनाये जाने के सम्बन्ध में,

17-अस्पतालों में बढ़ते मरीजों के दबाव को दृष्टिगत रखते हुए दवाएं एवं बेड की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में,

18-महिलाओं के यौन-शोषण, उत्पीड़न व अत्याचार रोकने की ठोस कार्य योजना के सम्बन्ध में,

19-महिलाओं की सुरक्षा हेतु किसी ठोस नीति के सम्बन्ध में,

20-महिलाओं और युवतियों के लिए बेहतर जीवन और स्वास्थ्य सम्बन्धी सुदृढ़ योजना के सम्बन्ध में,

21-भाजपा पार्टी के विधायकों, कार्यकर्ताओं द्वारा खुले आम अराजकता फैलाने एवं आतंक का माहौल पैदा करने एवं धन की वसूली पर प्रभावी नियंत्रण के सम्बन्ध में,

22-बुनकरों को सस्ती एवं फिक्स दर पर विद्युत दिए जाने, सस्ती दर पर धागा उपलब्ध कराए जाने, पावरलूमों को बीस घण्टे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराए जाने के सम्बन्ध में,

23-किसानों के धान एवं गेहूँ खरीद में हुई अनियमितता व भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में,

24-प्रदेश में विद्युत उत्पादन में बढ़ोत्तरी के सम्बन्ध में कोई योजना प्रस्तावित करने के सम्बन्ध में,

25-समुचित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के सम्बन्ध में,

26-ऊसर तथा बंजर भूमि के सुधार के सम्बन्ध में योजना लागू करने के सम्बन्ध में,

27-नकली दवाइयों की रोकथाम के सम्बन्ध में,

28-प्रदेश में उत्पन्न हो रही पेयजल समस्या के सम्बन्ध में,

29-सरकार द्वारा की जा रही विभिन्न मदों में फिजूलखर्ची रोकने के सम्बन्ध में,

30-राज्य कर्मचारियों को अवकाश नकदीकरण की सुविधा बहाल किए जाने के सम्बन्ध में तथा दैनिक वेतन कर्मियों को नियमित करने के सम्बन्ध में,

31-किसी मानक या नीति के बगैर लगातार किए जा रहे स्थानान्तरण से प्रभावित हो रहे काम-काज के सम्बन्ध में,

32-प्रदेश में नहर की सफाई तथा सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त करने के सम्बन्ध में,

33-चिकित्सालयों में आवश्यक सुविधाओं एवं दवाओं का अभाव तथा ग्रामीण अंचलों के अधिकांश चिकित्सालयों में रिक्त पदों पर नियुक्तियों के सम्बन्ध में,

34-किसानों को खाद, बीज व पानी उपलब्धता समयबद्ध सुनिश्चित कराने के सम्बन्ध में,

35-पिछले वर्ष विधान सभा द्वारा पारित बजट को अब तक न खर्च कर पाने के सम्बन्ध में,

36-अल्पसंख्यक कल्याण हेतु किसी ठोस नीति के सम्बन्ध में,

37-सौहार्द व भाईचारा बनाये रखने के सम्बन्ध में,

38-सरकार की निरंकुशता पर अंकुश लगाने के सम्बन्ध में,

39-बेरोजगार नवयुवकों को रोजगार हेतु किसी ठोस नीति के सम्बन्ध में,

40-आलू किसानों की बदहाल स्थिति के सुधार हेतु किसी ठोस नीति के सम्बन्ध में तथा

41-सरकारी नौकरियों में ठेकेदारी प्रथा समाप्त करने के सम्बन्ध में।"

श्री लालजी वर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाता है। अब आप अपने विचार रखिये।

श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा†

नेता, विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

मा0 अध्यक्ष जी, आदरणीय महामहिम राज्यपाल ने उस दिन जो अभिभाषण दिया, वह भारतीय जनता पार्टी के काल्पनिक विचारों पर आधारित है। वह जनता के आकांक्षाओं और विश्वासों को न तो पूरा करने वाला था और न ही समाज के किसी भी वर्ग के हित की उसमें कोई बात थी। वह केवल स्वप्न दिखाकर दिग्भ्रमित करने की बात थी। भा0ज0पा0 सरकार में मानवता कलंकित हो रही है और यह राम-राज्य का सपना दिखा रहे हैं। रामराज्य में मानव ही नहीं वनचर, जो एक दूसरे के विपरीत स्वभाव के थे आपस में प्रेम और सद्भावनापूर्वक रहते थे। वानर, भालू, आदिवासी, वनवासी, चिड़िया-चुरूंग, पेड़ हो, लता हो, पताका हो, राम ने पेड़ और लताओं से भी पूछा है कि हे वृक्ष, आपने सीताजी को कहीं जाते हुए देखा है! भारतीय जनता पार्टी राम का नाम ले करके उनको कलंकित करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रखी है। महामहिम श्री राज्यपाल जी का अभिभाषण 38 पेज का है और पहले ही पेज में भगवान राम जी को बदनाम किया, जो हमारे आराध्य-देव हैं।

दैहिक दैविक भौतिक तापा। रामराज नहिं काहुहि ब्यापा।।

---

† दिनांक 14 फरवरी, 2020 की कार्यवाही से।

सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती।।

अभिभाषण के प्रथम पृष्ठ में रामायण की यह चौपाई है और सरकार ने महामहिम राज्यपाल जी से पढ़वाया है परन्तु चौपाई के एक-एक अक्षर के विपरीत यह सरकार काम कर रही है। भेदभाव, दुश्मनी, ऊंच-नीच यह भारतीय जनता पार्टी के भीतर समाया हुआ है। माननीय मुख्य मंत्री जी गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरित मानस में रामराज्य की झलक प्रदर्शित किया है।

फूलहि फरहिं सदा तरु कानन, रहहिं एक संग गज पंचानन।।

खग, मृग, सहज बयरू बिसराई, सबहि परस्पर प्रीति बढ़ाई।।

कूजहिं खग-मृग नाना वृंदा, अभय चरहिं बन करहिं अनन्दा।।

सीतल सुरभि पवन बह मंदा। गुंजत अलि लै चलि मकरंदा।।

रामराज्य के विषय में यह परिकल्पना सन्त तुलसीदास जी की है। राम हों, कृष्ण हों, शिव हों, अल्लाह हों, ईसा-मसीह हों, गुरुनानक हों इन सभी ने मानव को एक माना है, न धर्म, न जाति मानव को मानव माना है। हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी हर बात में मुसलमान और हिन्दू की बात करते हैं। अभी आप केन्द्र की बात करने लगे। केन्द्र में एक कानून आया सी0ए0ए0, एन0आर0सी0 और एन0पी0आर0। श्रीमन् इसमें क्या हुआ पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से जो हिन्दू, ईसाई, बौध, जैन, सिक्ख आये हैं उन्हें हम नागरिकता देंगे लेकिन जो मुसलमान आये हैं उनको हम नागरिकता नहीं देंगे।

(सत्तापक्ष की तरफ से टोका-टाकी करने पर)

माननीय मुख्य मंत्री जी बैठे हुये हैं यह उत्तर देंगे, आप लोग सुन लीजिए। श्रीमन्, केवल तीन ही देशों की बात क्यों हो रही है ? क्या यह बात सही नहीं है कि श्रीलंका में गृह युद्ध हुआ तो दक्षिण भारत के तमिलनाडु में भारी संख्या में तमिल वहां से आ गये।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

क्या यह बात सही नहीं है माननीय अध्यक्ष जी।

श्री अध्यक्ष-

तो क्या हम लोग इसको डिस्कस करेंगे।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

क्या यह बात सही नहीं है माननीय अध्यक्ष जी कि चीन में तिब्बत और चीनियों से लड़ाई हुई तो तिब्बती लोग भारत में आकर बसे। माननीय अध्यक्ष जी, क्या यह सही बात नहीं है कि नेपाल में हिन्दु ईसाइयों का झगड़ा हुआ तो ईसाई आकर भारत में बस गये। तो नेपाल,

लंका, तिब्बत और चीन की बात क्यों नहीं हो रही है। केवल अफगास्तिान, पाकिस्तान, बांग्लादेश की बात क्यों हो रही है। यह मेरा आपसे कहना है।

श्री अध्यक्ष-

यह लोक सभा में हो गया है।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

लोक सभा के प्रतिरूप तो हम हैं ना। इसका प्रभाव तो यहां भी है। जो केन्द्र में नियम बनता है अध्यक्ष जी वह पूरे देश के लिये बनता है। उसमें उत्तर प्रदेश है। तो मेरा कहना यह था कि जो रामराज्य की बात हो रही है। राम मानवता के लिये हैं धर्म के लिये नहीं, सम्प्रदाय के लिये नहीं हैं और भारतीय जनता पार्टी हमेशा धर्म और सम्प्रदाय की बात करती है। माननीय अध्यक्ष जी, कानून व्यवस्था की बात, बड़े आंकड़े इसमें दिये गये फर्जी, किस स्रोत से आंकड़े हैं सरकार ने महामहिम को नहीं बताया फर्जी आंकड़े लिख करके दे दिये। इतना प्रतिशत घटा, इतना प्रतिशत घटा, इतना प्रतिशत घटा किस स्रोत से दिये ? माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, माननीय मुख्य मंत्री जी, यह जो घटा है इसका स्रोत आप कहां से लाये। घटा नहीं है बढ़ा है और मेरा जो स्रोत है सी0सी0टी0एन0, आपका ही है। हत्याएं, जघन्य हिंसक अपराध पूरे हिन्दुस्तान में जो अपराध हुए हैं उसका 13.08 प्रतिशत केवल उत्तर प्रदेश में हुए हैं। जघन्य हिंसक अपराध जितने हिन्दुस्तान में घटना घटी है 15.02 प्रतिशत केवल उत्तर प्रदेश में हुई। अपहरण जितने देश में हुए हैं उसका 20.05 प्रतिशत केवल उत्तर प्रदेश में हुए हैं। महिलाओं पर अत्याचार जितने देश में हुए हैं उसका 15.07 प्रतिशत केवल उत्तर प्रदेश में हुए हैं। नाबालिग बाल अपराध, आई0सी0पी0 व एस0एल0एल0 जितने देश में हुए हैं उसका 14.02 प्रतिशत केवल उत्तर प्रदेश में हुए हैं। एस0सी0, एस0टी0 अपराध जितने देश में हुए हैं उसका 27.09 प्रतिशत केवल उत्तर प्रदेश में हुआ। भ्रष्टाचार निरोधक ऐक्ट आई0पी0सी0 धारा में पूरे देश में जितना हुआ है उसका 27.02 प्रतिशत केवल उत्तर प्रदेश में हुआ है। साइबर अपराध पूरा जितना देश में हुआ है 23.23 प्रतिशत केवल उत्तर प्रदेश में हुआ है। यह घटा है कि बढ़ा है माननीय मुख्य मंत्री जी, यह मैंने जो आंकड़े जहाँ से दिये हैं उसको बताया है। आपने, आपकी सरकार ने जो महामहिम से कहलवाया उसका कोई स्रोत उनको नहीं बताया। मुझे दुःख है कि जो महामहिम गुजरात में मंत्री भी रहीं, मुख्य मंत्री भी रहीं, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में सरोजनी नायडू के बाद महामहिम हुईं उनसे झूठा अभिभाषण पढ़वाया गया इस प्रदेश में। मैं बधाई देना चाहता हूँ डा0 मंजू शिवाच जी को जिन्होंने कोशिश की कि इस झूठ का पुलिन्दा अभिभाषण को कुछ सच में दिखलाने की कोशिश की। मैं इसके लिये आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। सबसे अधिक बधाई मैं योगेन्द्र उपाध्याय जी को देना चाहता हूँ जिन्होंने कल्याण सिंह जी के बाद में पहला आदमी तुकबन्दी और शेर के माध्यम से इस झूठे अभिभाषण

में कुछ जान देने की कोशिश कर रहे थे। माननीय अध्यक्ष जी, पता नहीं आप घोड़ा रखे या नहीं। हमने घोड़ा रखने वाले को देखा है जो घोड़ा रखे थे। जब घोड़ा को दौड़ाना होता है तो उसके पैर की मालिश की जाती है, खरारा दिया जाता है।

माननीय अध्यक्ष जी, उसके बाद घोड़े पर बैठा जाता है और घोड़ा सरपट भागता है। अगर किसी गधे के पैर की मालिश की जायेगी और उसे खरहरा दिया जायेगा तो वह सरपट नहीं दौड़ेगा, वह दुरदुल ही दौड़ेगा। जनता के विरुद्ध, गरीब के विरुद्ध, किसान के विरुद्ध, नौजवान के विरूद्ध, बेरोजगार के विरुद्ध यह जो अभिभाषण पढ़ा गया, यह उत्तर प्रदेश की जनता को कलन्कित करने वाला है। जो सरकार ने आंकड़े पढ़े हैं, 2017 के आंकड़ों की तुलना 2018 से नहीं की है, 2019 से की है। सरकार ने सड़क के आंकड़ों की तुलना 2019 से की जबकि 2017 की तुलना 2018 से और 2018 की तुलना 2019 से करनी चाहिए थी। वर्ष 2018 में पूरे देश की हत्याओं के सापेक्ष 13.08 प्रतिशत हत्यायें केवल उत्तर प्रदेश में हुई हैं।

आज प्रदेश का हर व्यक्ति चाहे वह व्यवसायी हो, गरीब हो, अमीर हो, महिलायें हों, छात्रायें हों, सरकार से सभी भयभीत हैं। मा0 मुख्य मंत्री जी आपके रहते सब लोग भयभीत हैं जबकि आपके रहते लोगों को निर्भय हो जाना चाहिए। चिरंजीवी भव, आयुष्मान भव, पुत्रवत भव यह आशीर्वाद देने वाला व्यक्ति जब मा0 नेता मुख्य मंत्री की कुर्सी पर बैठा हो तो प्रदेश की जनता को बिल्कुल भयमुक्त होना चाहिए, लेकिन यह कहते हैं कि ठोंक दो, सीधे गोली से मार दो, उड़ा दो, ऐसा सबक सिखायेंगे कि तीन पुश्तें याद रहेंगी। उससे भी जब सन्तुष्टि नहीं हुई तो कहते हैं कि अरे यह तो मैंने कम कह दिया तो फिर दूसरे दिन मा0 मुख्य मंत्री जी कहते हैं कि ऐसा सबक सिखायेंगे सात पुश्तें याद आयेंगी। यह लोकतंत्र है, क्या हम आजाद हिन्दुस्तान में हैं ? क्या हमारे पुरखों ने हमको यही दिन देखने के लिए आजाद कराया ? ठीक है कोई आन्दोलनकारी, प्रदर्शनकारी कुछ बहुत बहक गये हों, लेकिन उसकी इतनी बड़ी सजा नहीं हो सकती। मानव है मानव से गलती होती है, जो मानव से गलती न हो वह भगवान हो गया। गलती को माफ करना नेता सदन का काम है, साधु-सन्त का काम है। हमारे संविधान में हमको अधिकार मिला है। हमको नहीं इस देश की जनता को मिला है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, उपासना की स्वतंत्रता, अपने धर्म में रहने की स्वतंत्रता, अपने धर्मग्रन्थ, पूजा-पाठ करने की स्वतंत्रता, सरकार से याचना करने की स्वतंत्रता, सरकार हमारी बात नहीं मानती है तो धरना-प्रदर्शन के माध्यम से हम सरकार को जानकारी दें, जागरूक करें इसकी स्वतंत्रता और अगर इससे भी सरकार हमारी बात को नहीं मानती है तो गांधी जी ने जो कहा था ''सविनय अवज्ञा आन्दोलन'' के माध्यम से सरकार को जगाना और तब भी अगर सरकार हमारी बात नहीं मानती है तो गांधी जी का जो अन्तिम अस्त्र सत्याग्रह था। सत्याग्रह के माध्यम से सरकार को हमको जगाना चाहिए, जानकारी देनी चाहिए। सरकार कह सकती है कि प्रदर्शन करने वाले

लोग हमारी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि हम आपकी बात मान सकें, आप लोग हमको समय दें। हम आपकी मांग से सहानुभूति रखते हैं, समय आयेगा तो हम आपकी बात को मानेंगे। मा0 अध्यक्ष जी, जबसे यह सरकार बनी है और जो भी याचना लेकर आया याचना राजा के यहां लेकर आया जाता है।

राजा प्रजा की याचना को सहज भाव से देखता है, मानता है। लाठी डंडे से पीटा गया क्रिमिनल धाराओं में जेल भेजा गया और उत्तर प्रदेश के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ महिला सशक्तीकरण की बात कही गई है आंगनबाड़ी कार्यकत्री आईं लाठी खाईं क्रिमिनल धाराओं में जेल गईं। इसमें आंगनबाड़ी के काम की बड़ाई है तो काम की बड़ाई है मानदेय मांगने पर लाठी क्रिमिनल धाराओं में जेल । वह हमारी बहन हैं बेटी हैं। आशा बहुएं उनकी भी इसमें बड़ाई की गई है जब वह आकर कहीं कि सरकार और मुख्य मंत्री जी हमको इतना मानदेय मिलता है कि हम अपने बच्चों को फीस देने में असमर्थ हैं हम अपना पेट पालने में असमर्थ हैं सरकार कुछ हमारा मानदेय बढ़ा दे । तो हम ऐसे राजा नहीं हैं कि तुम हमसे मांग मांगने आई हो लो लाठी लाठीचार्ज जेल में बन्द शिक्षा मित्र सरकार पेट नहीं भर रहा है हमारे समय में पेट भरने की बात करोगे लाठी चार्ज, जेल में बन्द अनुदेशक जो सात हजार में काम करते हैं माननीय अखिलेश यादव की सरकार ने केन्द्र से अनुरोध किया था कि इनका 17 हजार कर दिया जाए 17 हजार केन्द्र से मंजूर भी हो गया लेकिन वह लागू नहीं हुआ वह भी कहे कि माननीय मुख्य मंत्री जी भारतीय जनता पार्टी की सरकार हमारा पेट भूखा है भरिए अरे तुम पेट भरने की बात हमारे सामने कहने आए हो मार लाठी मार लाठी क्रिमिनल धाराओं में जेल।

यह है रामराज इसी राम राज की परिकल्पना इस अभिभाषण में महामहिम से पढ़वाया गया है। जासु राज प्रिय प्रजा दुखारी सो नृप अवसि नरक अधिकारी। राजा पहले जमाने में होते थे कभी-कभी भेष बदलकर जनता के बीच में चले जाते थे कि जनता की मेरे विषय में क्या राय है अगर राय नहीं ठीक रहती थी तो अपने सभासदों को डांटते थे कि तुमने हमको सही बात नहीं बताई वह काम करते थे यहां बिल्कुल सार्वजनिक जानकारी है मंत्रि-मण्डल के सदस्य डांट तो दिए जाते हैं लेकिन राजा की तरफ से कोई रिलीफ नहीं दी जाती है। कानून व्यवस्था बिल्कुल ध्वस्त हो चुकी है। नत्थी क का मैंने बताया था नत्थी ख। आप लोग शांत रहें जनता ने इसीलिए हमको चुनकर भेजा है कि हम कहें आप सुनें आप कहें हम सुनें। दोनों के निष्कर्ष निकालकर मुख्य मंत्री जी और सरकार जनता को लाभान्वित करे। 20 दिसम्बर 2019 से 12 फरवरी 2020 तक केवल लखनऊ जो हेडक्वार्टर है में जो घटनाएं वह बता रहा हूँ बलात्कार 6, छेड़छाड़ की 15, हत्याएं 23, डकैती ठगी लूटपाट अपहरण की 82 घटनाएं, ठगी चोरी साइबर क्राइम 33 कुल 159 घटनाएं केवल लखनऊ में हुईं। 20 दिसम्बर 2019 से

12 फरवरी 2020 तक लखनऊ और आस-पास के जिलों में लखनऊ मण्डल मानिए बलात्कार 38, बलात्कार के बाद बेटी-बहनों की जलाकर हत्या 60, छेड़छाड़ 20, हत्यायें 68, डकैती लूट-पाट अपहरण 96, साइबर क्राइम 34 हुए हैं और महामहिम से कहलवाया गया है कि हर जगह अपराध घटे हैं। श्रीमन् फिर आप टोकेंगे लेकिन मैं तो कहूँगा कि यह काले कानून को लेकर इस प्रदेश में हमारी बेटी, मां और बहनें हाथ में संविधान, तिरंगा झंडा लेकर बैठी हैं। आज तक उनकी बात सरकार सुनने नहीं गयी है बल्कि हुआ यह है कि इस कड़ाके की ठंड में उनका कम्बल छीन लिया गया, जो मां गरीब से गरीब हो और जाड़े के दिनों में उसके पास कुछ भी ओढ़ने को न हो तो अपने बेटे को अपने आंचल में छुपा कर जाड़े से बचाती है। ऐसी मां का कम्बल छीन लिया गया, रात को जो महिलायें अलाव जला रही थीं उस अलाव पर पानी डाल दिया गया। श्रीमन्, जो भोजन की सामग्री आई थी उसे भी पुलिस लूट कर ले गयी और सामूहिक बैठकर खूब उड़ाया गया, खाया गया। लाठी चार्ज हुआ और क्रिमिनल धाराओं में घंटा घर की महिलाओं को जेल भेजने का प्रयास किया गया, ऐसे ही गोमतीनगर, कानपुर, प्रयागराज, सम्भल, आजमगढ़, मेरठ और बिजनौर में हुआ है।

हमारी मां-बहनें, मां-बहनें हैं, मां-बहन और महिला को जाति धर्म से नहीं जोड़ा जा सकता है। मां-मां है, बहन-बहन है, बेटी-बेटी है, उसके सामने इस तरह का काम किया जा रहा है और आप कहते हैं कि हम महिला सशक्तिकरण कर रहे हैं, आप क्या महिला सशक्तिकरण कर रहे हैं ? क्या लाठी से मारना महिला सशक्तिकरण कहलाता है, मां को मारना, बहन को बेइज्जत करना, लाठी से, डंडे से, क्रिमिनल केस से जेल में भेज कर बेटी का अपमान करने से क्या यह सशक्तिकरण है ? माननीय अध्यक्ष जी राम राज नहीं इस प्रदेश में रावण राज, कंश राज कायम हो गया है। जहां पर बेटी-बहनों की इज्जत न हो वह राम राज कहां से हो सकता है ? राम राज में एक भी व्यक्ति दुखहारी नहीं रहा है और इस राज में सब दुखहारी हैं, सही बात तो यह है कि केवल माननीय मुख्य मंत्री जी को छोड़कर सब दुखहारी हैं। सम्मान की रक्षा भारतीय जनता पार्टी के दिमाग में नहीं है, न मां का सम्मान, न बहन का सम्मान, न बेटी का सम्मान, न बुआ का सम्मान, न मौसी का सम्मान, न नानी का सम्मान, मा0 अध्यक्ष जी, किसी का सम्मान नहीं है न व्यक्ति का सम्मान है, न छात्र का सम्मान है, न किसान का सम्मान और न ही बेरोजगार का सम्मान है। सम्मान नाम की कोई चीज नहीं है। श्रीमन् हमारी बात से चाहे माननीय मुख्य मंत्री जी नाराज हों या खुश हों लेकिन सच तो यह है कि विधायक का भी सम्मान नहीं है। हमारा विधायक थोड़ा-बहुत गलत हो सकता है लेकिन विधायक ने ही हमको वहां पर भेजा है। हमारा विधायक मानव है उससे थोड़ी-बहुत गलती हो सकती है अगर विधायक जनता के काम के लिए एक अधिकारी के पास जाये और अधिकारी विधायक को अपमानित करे तो फिर विधायक को इतना अधिकार है कि

वह भी थोड़ा जोर से बोल सके। अगर विधायक ने जोर से बोल दिया तो अधिकारी उस पर एफ0आई0आर0 लिखा रहा है, सरकार एफ0आई0आर0 लिख रही है। विधायक हाउस में अपनी बात कहना चाहता है लेकिन सरकार उसकी बात नहीं सुन रही है, जिसका कारण यह होता है कि वही अधिकारी उसकी हिस्ट्रीसीट खोल देता है। मुख्य मंत्री को बनाया विधायक ने, मंत्री को बनाया विधायक ने लेकिन सारा श्रेय गया अधिकारी को वाह रे सरकार, मैने पहले भी कहा कि राम गोविन्द चौधरी कुछ गलत हो सकते हैं, अगर न होते तो आप होते ही नहीं, हम होते। इसलिए विधायकों का सम्मान मुख्य मंत्री जी सर्वोपरि है। मैं कई बार कहा हूँ कि विधायिका को कमजोर करने का षडयंत्र इस देश में चल रहा है। चाहे कार्यपालिका करे, पत्रकारिता करे, न्यायपालिका करे, सभी विधायिका को कमजोर करने में जुटे हुए हैं और जिस दिन विधायिका कमजोर हो जायेगी उस दिन देश फिर गुलाम हो जायेगा नहीं तो तानाशाह के हाथों में चला जायेगा। हमारे पुरखों ने देश को आजाद कराया, विधायिका को मजबूत करने के लिए इसलिए राम गोविन्द चौधरी जैसे आदमी का मानना है कि सर्वोच्च न्यायालय नहीं संसद सर्वोच्च है जब तक संसद सर्वोच्च नहीं होगी हाई कोर्ट नहीं उत्तर प्रदेश की विधान सभा सर्वोच्च है। हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नहीं विधान सभा का अध्यक्ष सर्वोच्च होगा, लोक सभा का अध्यक्ष सर्वोच्च होगा तब विधायिका की प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जब विधायिका की प्रतिष्ठा नहीं बढ़ेगी तो फिर यह देश गुलाम हो जायेगा नहीं तो तानाशाहों के हाथ में चला जायेगा।

माननीय अध्यक्ष जी, मुख्य मंत्री जी तो हमसे नाराज ही होते होंगे लेकिन हम जानते हैं कि मैं इनका प्रिय हूँ, इनके बिल्कुल बगल का हूँ इसलिए हम पर प्रसन्न भी रहते हैं। विकास, विकास कागज पर, धना वंटन कागज पर, नौकरी मुंह में। ढाई लाख लोगों को रोजगार मिलेगा, कब ? जब वो सारे मर जायेंगे तब। अभी डिफेन्स एक्सपो हुआ 25 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा, कब ? जब मुख्य मंत्री नहीं रहेंगे तब, जब प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे तब, जब गृह मंत्री नहीं रहेंगे तब, जब रक्षा मंत्री नहीं रहेंगे तब, जब यहां राम गोविन्द चौधरी नहीं रहेंगे तब। नौकरी मुंह से किसी को मिली नहीं। भारतीय जनता पार्टी ने 17 के चुनाव में कहा था कि हम सरकार में आ जायेंगे, एक महीने के अन्दर जितने भी रिक्त पद हैं हम सबको भरेंगे, भरा क्या ? आपको तो हमें इनाम देना चाहिए कि मैं आपको याद दिला रहा हूँ। जबसे मुख्य मंत्री जी आये हैं सड़कों को गड्ढामुक्त कर दिया, रोज चैनलों में हम लोग देखते हैं, अखबार में पढ़ते हैं कि नई गाड़ी गड्ढे में गिर कर टूट गयी और आदमी मर गया, मुख्य मंत्री जी सड़कें कहीं भी गड्ढामुक्त नहीं हुई हैं। चूंकि आप जहाज से चलते हैं, पी0डब्लू0डी0 मंत्री हैं वे भी जहाज से चलते हैं, दूसरे उप मुख्य मंत्री जी हैं वे भी जहाज से चलते हैं, हमारे मंत्री लोग रोड से चलते हैं तो उनकी आपसे कहने की हिम्मत नहीं है कि आप डांट देंगे। कहीं गड्ढामुक्त नहीं है, आप जांच करवा लें। अब हम लोगों का पुलिस और न्यायिक और सी0बी0आई0 का सम्बन्ध हट गया है, आप गड्ढामुक्त की न्यायिक जांच करवा लें। सारा पैसा कहां गया, ईश्वर जानते हैं। गड्ढायुक्त सड़कों के होने से 2016 में 32096 सड़क दुर्घटनायें

हुईं। 19 दिसम्बर में 22655 सड़क दुर्घटनायें। अब आप सरकार में आये हैं 22655, 24.60 प्रतिशत। मृतक गड्ढों से सड़क खराब से 2016 में 17512 जबकि वर्ष 2019 में 22655 अर्थात 22.70 प्रतिशत, वर्ष 2016 में घायल हुये 23204 जबकि दिसम्बर, 2019 में घायल हुये 28932 अर्थात 19.69 प्रतिशत, यह आंकड़े आपके गड्ढामुक्त सड़कों के हैं। मेरा कहना है कि सड़क बिल्कुल गड्ढायुक्त हैं क्योंकि हम तो सड़क से चलते हैं। हमको डाक्टर ने भी मना किया है, लेकिन बलिया में सीधे ट्रेन का बहुत साधन नहीं है तो हमें अधिकांशतः सड़कों से चलना पड़ता है। मैं यह मानकर चलता हूँ और माननीय अध्यक्ष जी को भी यह मानकर चलना चाहिये कि सदन में कोई सदस्य असत्य प्रलाप ना करे। मैं आपसे इस सदन में सत्य कहता हूँ कि 90 प्रतिशत सड़कें गड्ढायुक्त हैं। चाहे आप खुद सड़क से चल लीजिये तो आपको पता चल जायेगा। यहां जो गोमती नगर विस्तार की बात हो रही थी तो यहीं गोमती विस्तार में छह टंकियों में पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है। कई टंकियों की सप्लाई को पाइप लाइन से जोड़ा तक नहीं गया है।

आप कहते हैं कि घोर विकास हो रहा है। रोज टी0वी0 पर इतना प्रचार आता है कि कोई किसान कांख में धान का कटिया लिये आता है कि अरे हम तो मुख्य मंत्री योजना से इतना धनी हो गये हैं कि कहां पैसा रखें हमको कहीं जगह नहीं मिल रही है, लेकिन जाकर देखिये किसान आंख से कीचड़ फेंक रहा है। किसान की इनकम के तीन साधन हैं खेती, बाड़ी और पशु। गाय बेंचना, भैंस बेचना, पाड़ी बेंचना, पाड़ा बेंचना, बाछी बेंचना, बाछा बेंचना जिसको आपने बन्द कर दिया है, वह आमदनी खत्म हो गई है। अब आपने अच्छा किया है या बुरा किया है इसमें मैं नहीं जा रहा हूँ। बाड़ी पर आते हैं, अगर हमको अपना पेड़ कटवाना है तो वन विभाग के यहां दौड़ो, परमीशन दो और पेड़ का आधा लो, अगर वहां से परमीशन मिल गया और दरोगा जी के यहां मामला गया तो बोलते हैं कि आये हो तो हमको दो। जब इतना सब दे दिया तो मिला क्या किसान को। अब आप बतायें कि किसान धनी हुआ या दरिद्र हुआ, इसलिये चाहे कितना ही आप मेहनत कर लीजिये मुख्य मंत्री जी जब तक दिमाग से और धरती पर आप नहीं सोचेंगे तब तक किसान खुशहाल नहीं होगा। इसीलिये उत्तर प्रदेश में किसान सबसे अधिक आत्महत्या कर रहा है। उसके बाद जो हमारा बेटा, बेटी, भाई, बहन हाईस्कूल, इण्टर, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, डाक्टर, इंजीनियर, पालीटेक्निक, आई0टी0आई0, एम0बी0ए0, सी0ए0 पढ़ लिये हैं, बाप ने कर्ज निकालकर पढ़ाया है लेकिन वह सब नौकरी के बिना सड़क पर फटी चप्पल और जूते पहनकर घूम रहे हैं और आज वो भी आत्महत्या कर रहे हैं। कब आपको सन्तोष होगा जब सब लोग मर जायेंगे तब। इसलिये उदार होईये और सबको नौकरी दीजिये, किसानों को मदद दीजिये। हम लोग तो आपके समर्थक हैं ही। यदि भाजपा का ही मुख्य मंत्री होना है तो हम लोगों के लिए आपसे बढ़िया कोई नहीं है। मुख्य मंत्री जी टेण्डरों का खेल चल रहा है। आपने तो कर दिया, लेकिन सही में हम कह रहे हैं वही हो रहा है जो होता रहा है। पैसा लैप्स होता जा रहा है, खर्च नहीं हो पा रहा है।

वर्ष 2018-19 का 14वें वित्त आयोग से जारी 100 करोड़ रुपये का केवल लखनऊ नगर निगम टेण्डर नहीं करा सका है। 50 करोड़ रुपये के खर्च की अवधि बढ़ाते-बढ़ाते 31 मार्च, 2020 कर दी गयी है। इतने कम समय में अब क्या होगा ? बाकी जब बजट आयेगा तो आपके सामने हम अपनी बात रखेंगे। अभिभाषण में कहा गया है कि पूरा प्रदेश ओ0डी0एफ0 हो गया है। माननीय मुख्य मंत्री जी, कुछ दिन हम भी पंचायती राज मंत्री थे और हम भी ओ0डी0एफ0 करा रहे थे, लेकिन हमारा मानना था कि ओ0डी0एफ0 हो तो सही हो पर आपके इनाम पाने के चक्कर में उत्तर प्रदेश को शौचालय युक्त प्रदेश बनाने में ऐसी हड़बड़ी में आपने सरकार बनवाई कि आपसे एक बार मैंने कहा था कि जरा आंख मूंद कर अगर उस शौचालय में बैठ जाइए तो आप हॉस्पिटल न पहुंच जाएं तो कहिएगा। क्या वह पैखाना बैठने लायक है ? वह रोग का घर है और हकीकत यह है कि 61 हजार 702 घरों में अभी तक शौचालय नहीं बना है।

मैं आपको एक उदाहरण दे रहा हूँ। जो सही उदाहरण है उसे आप भी जानते हैं क्योंकि आप भी बाढ़ में घूमते हैं और लोगों के बीच में आप गये भी हैं तथा देखा भी है इसमें दो राय नहीं है। चाहे लोगों को मदद मिली हो या न मिली हो, लेकिन आप हर जगह गये हैं। जब घाघरा में बाढ़ आई थी तो हमारे क्षेत्र के दो गांव पूरा डूब गये थे। अधिकारी प्रधान को कह रहे हैं कि पैखाना बनाओ नहीं तो जेल भेज देंगे। अरे साहब लग्घी भर पानी है गांव में कोई है ही नहीं पैखाना कहां से बनवाएं जो जेल भेजेंगे ? हमसे वह रोकर कहा तो हमने कहा कि वहां तो पूरा पानी है तो उन्होंने कहा कि पैसवा खाते में चला जाए बने या न बने। अभी हम कह दें तो सुरंदर भाई नाराज हो जाएंगे। जहां गंगा यात्रा प्रारम्भ हुई वहां दो गांव ओ0डी0एफ0 दिखलाये गये हैं जबकि वहां सड़क तक नहीं है, बिना पैखाने के और बाढ़ के समय में 500 कुछ रुपये का जो बंधा कटा है उसका प्रस्ताव आया उसे अधिकारियों ने भेजा कि मा0 मुख्य मंत्री जी वह शासन से कैंसिल हो गया है। गंगा यात्रा में आपने जो पानी सप्लाई किया उसमें प्लास्टिक के पाउच थे चाहे तो आप उसे दिखवा लीजिए। आज या कल मैंने पढ़ा आपने कहा है कि गंगा आचमन लायक हो गयी है। आप सन्त हैं और आपको कहना भी चाहिए क्योंकि आचमन सन्त और श्रद्धालु लोग करते हैं, लेकिन दो दिन पहले वैज्ञानिकों का कहना था कि अगर कानपुर में गंगा जी में कोई नहा आये तो उसके पूरे शरीर में खुजली हो जाएगी। अब वैज्ञानिक की बात सही मानी जाए कि सन्त की बात सही मानी जाए ? माननीय अध्यक्ष जी, खाद्य उत्पादन कृषि निति 2013 में लक्षित 5.1 प्रतिशत कृषि विकास दर से कम है। अभिभाषण में बताया गया है कि खाद्यान्न का रिकार्ड तोड़ उत्पादन हुआ है। लक्ष्य के सापेक्ष 604.15 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न पैदा हुआ है जो कृषि विकास दर से 1.4 प्रतिशत कम है। 2018-19 का लक्ष्य था 581.60 लाख मी0 टन, 2019-20 में लक्ष्य प्राप्त किया गया 604.15 मी0 टन। यानि 22.55 प्रतिशत। यानि केवल 3.7 प्रतिशत ही लक्ष्य हासिल किया जा सका। तिलहन की बात ही छोड़िये। तिलहन से कोई मतलब नहीं था। किसान आत्महत्या कर रहा है। गन्ना किसान की बात करेंगे तो तुरन्त ही हमारे मित्र खड़े हो जायेंगे कहेंगे कि जो किसी ने

भुगतान नहीं किया वह गन्ना का भुगतान मैंने कर दिया। मुख्य मंत्री जी भाषण में कहेंगे। आपने कितना भुगतान कर दिया हो उसके लिए धन्यवाद लेकिन 10 हजार करोड़ से भी अधिक गन्ना किसानों का बकाया है। जो आपने कहा था कि हम सरकार बनने के 14 दिन के अन्दर गन्ने का सम्पूर्ण भुगतान कर देंगे लेकिन नहीं हुआ। पर्ची नहीं मिल पा रही है। कृषि मंत्री जी का एरिया गन्ना का है। हमारे यहां तो चीनी मिल बन्द हो गयी आपसे कहा कि चालू कर दीजिए। हमारी सरकार थी तो प्राइवेट फर्म को दिया गया था कोई लगाने ही नहीं आया, तो मैंने आपसे निवेदन किया कि आप ही किसी पूंजीपति को भेजकर उसको बनवा दीजिए। आप ही नहीं बनवा पाये तो हम किसके यहां रोने जायें। गन्ना देवरिया, घोसी जाता है, पर्ची नहीं मिल पा रही है। मैंने घोसी के एक बड़े अधिकारी को फोन किया कि गन्ना किसानों को कम से कम पर्ची तो दिलवा दें। घटतौली हो रही है और जो रिकार्ड चीनी उत्पादन गन्ना और चीनी मूल्य निर्धारित करने के कारण से श्री अखिलेश यादव के समय में हुआ था उसको आपने घटा दिया।

समाजवादी पार्टी की सरकार में वर्ष 2016-17 में गन्ना की 25 रुपये प्रति कु0 मूल्य वृद्धि की गयी थी। तीन साल हो गया आपने गन्ना मूल्य में एक पैसा वृद्धि नहीं किया। आप किसान की आय दुगुनी कर रहे हैं। यह आप कैसे करेंगे। यह जब आप उत्तर देंगे तो बतायेंगे। लेकिन उत्तर दीजिए तो ऐसा मत दीजिए कि लगे कि राम-राम। लगे यह तो स्वर्ग है हम ही गलत कह दिये। हमारे समय में चीनी परता दर में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि हुयी। आपने कहा है कि किसानों के भुगतान के लिए कर्ज देंगे तो लाभ तो चीनी मिल उठायेंगे। मेहनत किसान की और लाभ चीनी मिल मालिक का हुआ, तो कैसे किसान की आय दोगुनी होगी। मा0 अध्यक्ष जी, सरकार की उपेक्षा के कारण ही वर्ष 2018-19 से 2019-20 में 1.5 प्रतिशत गन्ने का क्षेत्रफल घट गया। हमारे ही जिले में घट गया। मुख्य मंत्री जी कहेंगे कि बढ़ गया। यह कहेंगे कि हमने नई चीनी मिल लगा दी। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मा0 मुख्य मंत्री जी को बताना चाहता हूँ कि जब मा0 मुलायम सिंह यादव जी मुख्य मंत्री थे तो आपके जिले से लेकर देवरिया तक पूरे प्रदेश में 17 नई चीनी मिलें बनवाने का काम किया था और जब श्री अखिलेश यादव मुख्य मंत्री हुये तो आजमगढ़ में एक नई चीनी मिल स्थापित किया। हमने पढ़ा कि भाजपा महिला सशक्तीकरण की बात करती है। वृद्धावस्था पेंशन योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्य मंत्री कल्याण सुमंगला योजना इतना नाम है योजनाओं का कि किसी मानव शरीर पर योजनाओं का नाम लिखकर रख दिया जाये तो वह नीचे बैठ जायेगा। ये योजना, ये योजना, ये योजना है कुछ नही, खोदा पहाड़ निकली चुहिया।

अकेले राजधानी लखनऊ में ही तहसील सदर में 572, बक्शी का तालाब नगर पंचायत में 103, गोसाईगंज में 112, मलिहाबाद में 78, माल में 71 इन सभी जगहों पर लगभग एक हजार से अधिक वृद्धा पेंशन के आवेदन-पत्र अटके पड़े हैं, बुजुर्ग कलेक्ट्रेट से

लेकर समाज कल्याण दफ्तर तक दौड़ते-दौड़ते थक गये हैं उनको हाफी आ गई और वह घर बैठ गये। लखनऊ में कन्या सुमंगला योजना के 70 प्रतिशत आवेदनों को निरस्त कर दिया गया है, आप इसकी जांच करवा लीजिए। प्रदेश में नवम्बर, 2019 तक रेप के 2553 मामले लिखे गये हैं, यह आपकी सूचना है। समाजवादी सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए 1090 नम्बर हेल्पलाइन सेवा शुरू की थी, अब मा0 मुख्य मंत्री जी ने 181 नम्बर कर दिया है। इसमें जो कर्मचारी लगे हुए हैं उनको तनख्वाह ही नहीं मिल रही है तो वह काम कैसे करेंगे, यह है भाजपा का नारी सशक्तीकरण। मा0 मुख्य मंत्री जी हमेशा कहते हैं कि हमारी कानून व्यवस्था दुरुस्त है लेकिन ग्राफ नीचे आया है, अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की जो रिपोर्ट है, कई बार मैंने कहा है और फिर याद दिला दे रहा हूँ कि जो रिपोर्ट प्रकाशित किया है उसने कहा है कि महिलाओं से छेड़खानी, रेप और रेप करके जलाने की घटनाओं एवं अपहरण में उत्तर प्रदेश दुनिया में एक नम्बर पर है और भारत पांचवें नम्बर पर है। हम लोगों को डूब मरने की जगह नहीं है।

सर्वोच्च न्यायालय कहता है कि लगता है कि उत्तर प्रदेश में जंगलराज कायम है। श्रीमन्, कानून व्यवस्था के नाम पर क्या ढूंढते हैं। हमने जो किया है आपको उसी पर लेबल लगाना है, फीता काटना है, उद्घाटन करना है, शिलान्यास करना है। मा0 मुख्य मंत्री जी 50 वर्ष के अन्दर इतनी बड़ी कभी बेरोजगारी नहीं रही है, जितनी बेरोजगारी आज है। आपने बिना जरूरत विश्वविद्यालय खोल दिये और कुछ विश्वविद्यालय खोलने के चक्कर में हैं, जौहर विश्वविद्यालय को बन्द करने के चक्कर में हैं, अलीगढ़ विश्वविद्यालय को नेस्तानाबूत करने के चक्कर में हैं। जो लड़के पढ़-लिखकर जायेंगे वह सब मुख्य मंत्री, मंत्री एवं एम0एल0ए0 बनेंगे नहीं। जिस लड़के ने एम0ए0, बी0एड0, एम0एड0, एम0बी0बी0एस0, एम0बी0ए0, इंजीनियरिंग, पॉलीटेक्निक कर लिया है वह लड़का खेती तो करेगा नहीं और उसके पास नौकरी नहीं है तो उसके पास सिवाय आत्महत्या के कोई दूसरा रास्ता नहीं है। बच्चे की पढ़ाई के लिए जो बाप खर्च कर रहा है वह भरा जा नहीं रहा है, बाप कहता है कि तुमको नौकरी के लिए पढ़ाया है तो नौकरी करो, वह कहता है कि सरकार नौकरी देती ही नहीं है, तो वह क्या करता है, फांसी लगाता है, आत्महत्या करके जीवन समाप्त कर लेता है। आपने बहुत हल्ला किया है कि इतने लाख के एम0ओ0यू0 साइन हो गये, इतने लाख का यह हो गया, लेकिन आप कोई एक भी कारखाना लगवा पाये हो तो बता दें, शिलान्यास भले ही जरूर हुआ है, तो ऐसे एम0ओ0यू0 करने से क्या फायदा ? पूर्व मुख्य मंत्री माननीया मायावती जी ने बिजली घरों के जो एम0ओ0यू0 किये थे उनमें काम नहीं शुरू हुआ था लेकिन श्री अखिलेश यादव जी ने उसको पूरा करके बिजली के मामले में प्रदेश को आत्मनिर्भर कर दिया लेकिन आपके राज में एक यूनिट भी बिजली पैदा नहीं हो पायी, 'नाना के आगे ननिऔरा का बखान।' आप कहते हैं कि

आप 24 घंटा नगर को, 20 घंटा तहसील को और 18 घंटा गांव को बिजली दे रहे हैं लेकिन मा0 मुख्य मंत्री जी गांव में 8 घंटा भी बिजली नहीं मिल रही है। (सत्तापक्ष के सदस्यों के बैठे-बैठे कुछ कहने का प्रयास करने पर) ये तो जब आप जाएंगे, अगर ये हल्ला जनता सुन ले तो वो यही कहेगी कि क्या मैंने इसीलिए आपको वोट दिया है। माननीय अध्यक्ष जी, प्रदेश के किसी पूंजीपति की बिजली नहीं काटी गई, किसी-किसी सरकारी विभाग का करोड़ों-करोड़ों रूपया बिजली का बकाया है और सरकारी विभाग जमा नहीं कर रहे हैं उनकी बिजली नहीं काटी गयी। आपका बिजली विभाग का अमला जाता है, किसान का ट्यूबवेल देखता है कि अरे! तुम्हें इतना है और तुम इतना पानी चला रहे हो, अगर जीने के लिए वो थोड़ा चक्की भी बैठा दे तो अरे! तुमने चक्की बैठा लिया, तो उसका तार-वार खींच-खांचकर दस-बीस लाख का फाइन किसान पर लगा दिया जाता है।

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मुख्य मंत्री जी वह किसान दस लाख का फाइन कहां से देगा। उसका ट्यूबवेल क्यों उखाड़ लिया जाता है, सिंचाई का सीजन है, आप कहते हैं कि आपने गांवों के किसानों को फ्री में कनेक्शन दिया है लेकिन बिजली का दाम इतना बढ़ा दिया है कि वह बिजली जला ही नहीं पा रहा है। आपने ऐसा मीटर लगा दिया है कि बिल आना चाहिए दस रुपया और बिल आ रहा है दस हजार रुपया। यह तो आपकी बिजली का हाल है। माननीय अध्यक्ष जी, प्रदेश की हालत बहुत खराब है। आप शिक्षा की बात करते हैं, वर्ष 2017 में 42 प्रतिशत, वर्ष 2018 में 55 प्रतिशत और वर्ष 2019 में 63.4 प्रतिशत उच्च शिक्षित युवा बेरोजगार हैं। आप धीरे-धीरे सरकारी मशीनरी को बन्द कर रहे हैं, विभागों को कम कर रहे हैं, जो नौकरी में है भी उसे उम्र का तकाजा देकर भगा दे रहे हैं, कुछ को निकम्मा कह कर रिटायर कर दे रहे हैं, नौकरी किसी को दे नहीं रहे हैं बताइए कैसे चलेगा जबकि लाखों पद रिक्त हैं। अकेले स्वास्थ्य विभाग में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 36.8 प्रतिशत पद रिक्त हैं। बढ़ती आबादी और अस्पतालों के हिसाब से 45,000 चिकित्सकों की आवश्यकता है जबकि केवल 1800 स्वीकृत पद हैं उसमें भी 500 पद रिक्त पड़े हैं। बड़े पैमाने में लगभग सभी विभागों में पद रिक्त पड़े हुए हैं फिर भी बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। आज उच्च शिक्षित बेरोजगार ठेकेदारी प्रथा में न्यूनतम मजदूरी पर भी उनको काम नहीं मिल पा रहा है। जो लड़का एम0ए0, बी0एड0 है, वह चपरासी के लिए रो रहा है कि हमको चपरासी की नौकरी मिल जाये। वर्तमान में स्नातक तथा बी0टी0सी0 उत्तीर्ण 1,64,000 शिक्षा मित्र जो सपा सरकार में रुपया 30,000 प्रति माह मानदेय पर शिक्षण कार्य कर रहे थे, और सपा सरकार उन्हें नियमित करने पर विचार कर रही थी, भाजपा सरकार के आने के बाद शिक्षा मित्रों का मानदेय रुपया 10,000 प्रतिमाह कर दिया गया है। ठीक है, न्यायिक आदेश था, हम मानते हैं लेकिन यदि आपकी कृपा होती तो उनका घर बसता। विवेकानंद जी के जन्म दिन पर बड़ा युवा

दिवस सम्मेलन मनाने की चर्चा है और विवेकानंद जी के जो विचार हैं उनको तो आप बिल्कुल रौंद दे रहे हैं, उन विचारों की बिल्कुल ऐसी की तैसी कर रहे हैं। शिकागो में गये थे तो उन्होंने क्या भाषण दिया था, उन्होंने कहा था कि हमको सौभाग्य प्राप्त है कि हम उस देश से आए हैं जहां पर सभी जाति, वर्ग, धर्म के लोग आपस में प्रेम और सौहार्द के वातावरण में रहते हैं।

हमको सौभाग्य प्राप्त है, हम उस देश से आए हैं, जहाँ पर सभी जाति, वर्ग, धर्म के लोग आपसी प्रेम, सौहार्द के वातावरण में रहते हैं। हमें सौभाग्य है, हम उस देश से आए हैं, जिस देश में हम सभी जाति और धर्म के लोगों को अपने देश में शरण दिए हैं, किसी को हम बाहर नहीं जाने देंगे और आपकी मंशा क्या है ? करनी और कथनी में बहुत अन्तर है, अध्यक्ष जी, करनी और कथनी में बहुत अन्तर है, भारतीय जनता पार्टी सरकार कब तक जनता को ठगेगी, कब तक जनता को भ्रम में डालेगी ? भारत का संविधान दिवस मनाया गया, हम लोग भी उसमें थे, अच्छा काम है। जो बाबा साहेब भीमराम अम्बेडकर ने संविधान में लिखा, उस संविधान को आप चिथड़ा-चिथड़ा कर दे रहे हैं। समाजवाद और पंथ-निरपेक्ष, कहां गया भारतीय जनता पार्टी के कोष से ? सबको स्वतंत्रता का अधिकार है, अपने धर्म के अनुसार पूजा-पाठ करने का अधिकार है। हम भेदभाव कर रहे हैं ? बड़ा ढिंढोरा पीटा गया, अरे, मुसलमान, महिलाओं का शोषण कर रहा है, उन्हें तीन तलाक दे रहा है। हमने कानून बना दिया। माननीय अध्यक्ष जी, मुट्ठी भर महिलाएं तीन तलाक की हो सकती हैं लेकिन आज लाखों मुस्लिम मां, बेटी, बहनें, न्याय की गुहार कर रही हैं, भारतीय जनता पार्टी की सरकार से लेकिन उनको लाठी मिल रही है, गोली मिल रही है, जेल मिल रही है। (समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने शेम-शेम के नारे लगाये) कोई बात करने के लिए तैयार नहीं है। इसीलिए संविधान में लिखा गया है, 'हम भारतीय', 'हम', न कोई धर्म, न कोई जाति, न कोई वर्ग, 'हम' माने 'सब'। लेकिन आप तो 'हम' को मान ही नहीं रहे हैं। आप 'मैं' को मान रहे हैं और 'तुम' को मान रहे हैं और हम लोग जो बैठे हैं, 'हम' को मान रहे हैं। अध्यक्ष जी, संविधान में धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है लेकिन प्रदेश में महिलाओं और बच्चों पर बल प्रयोग किया जा रहा है। माननीय अध्यक्ष जी, ऐसा कभी नहीं हुआ। जब अंग्रेजों से हमारे पुरखे लड़ रहे थे, तब भी नहीं हुआ। कभी-कभी हुआ होगा कि प्रदर्शन जा रहा है और सीधे सीने पर गोली मार दी।

अध्यक्ष जी, सीधे, बिना चेतावनी के और 24-25 लोग इस दुनिया से चले गए, इसलिए कि वह मांग रहे थे, कह रहे थे कि यह भारत माता की धरती हमारी है, यह संविधान हमारा है, यह देश हमारा है, यह तिरंगा हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है। हम छोड़कर जाने वाले नहीं हैं। हम यह मांग रहे थे लेकिन गोली मिली। ऐसा दुनिया के इतिहास में कभी नहीं

हुआ होगा जो उत्तर प्रदेश में हुआ और कह रहे हैं कि अब हम वसूली की कार्यवाही करेंगे। क्यों वसूली की कार्यवाही करेंगे ? आप भी जब अपने जमाने में विपक्ष में थे, जो धरना-प्रदर्शन में तोड़-फोड़ हो जाया करता था, उसके बाद उसका पैसा दिया है क्या? अरे, यह आजाद हिन्दुस्तान है, लोकतंत्र है। प्रदर्शनकारी, यदि प्रदर्शन कर रहे हैं, कल आप भी प्रदर्शन कर सकते हो। कहते हैं, वसूली करेंगे। वसूली करके धनी हो जायेंगे क्या? धनी तो हो नहीं जायेंगे। लेकिन अध्यक्ष जी, समाजवादी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता किसी भी हिन्दुस्तान में आए हुए आदमी को हिन्दुस्तान की बाउन्ड्री से बाहर नहीं जाने देगा। चाहे वह हिन्दू हो, मुसलमान हो, सिख हो, ईसाई हो, बौद्ध हो क्योंकि स्वामी विवेकानन्द ने और टैगोर जी ने यही बात हम लोगों को सिखाई है। गांधी जी ने, जवाहरलाल नेहरू ने, पं0 दीनदयाल उपाध्याय ने यही बात हमको सिखायी है। आइये, सत्ता के नशा को छोड़ दें। हमने जो जनता से वादा किया है, जिस जनता के बल पर हम चुनकर आए हैं। हम उनको आगे बढ़ाने की कामना करें। किसानों की आत्महत्याएं रोकें, बेरोजगारों की आत्महत्याएं रोकें। मा0 मुख्य मंत्री जी ऐसा कार्यक्रम ना चलाइए जिससे सभी जाति, वर्ग, धर्म के लोगों का उत्थान हो सके। नहीं तो मैं आपके माध्यम से आपको आगाह करना चाहता हूँ कि जनता आपको समझ गई है। अगली बार विधान सभा का चुनाव वर्ष 2022 में होगा तो 351 सीटों पर हम आएंगे आप वहां से हटे हुए नजर आएंगे। इन्हीं शब्दों के साथ मैं महामहिम श्री राज्यपाल महोदया के अभिभाषण को मैं झूठ का पुलिंदा मानता हूँ, अविवेकीपूर्ण मानता हूँ। सभी जाति, वर्ग, धर्म के लोगों के विरुद्ध मानता हूँ और मैं अपने संशोधन के प्रस्ताव पर बल देता हूँ।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण की ही चर्चा में जो धन्यवाद प्रस्ताव है उसमें मा0 नेता प्रतिपक्ष द्वारा प्रस्तुत संशोधन पर अपनी बात रखने का अवसर दिया। इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। मान्यवर, महामहिम जी का 38 पेज का अभिभाषण है। उसको पढ़ने में उन्हें एक घण्टा लगा। वह भाषण असत्य का पुलिंदा है। कुछ सार्थक बातें नहीं हैं। मा0 महामहिम को उक्त भाषण में काफी कठिनाई का अनुभव हो रहा है और बार-बार वह असत्य बात दोहराने में इतनी कठिनाई हो रही थी कि बार-बार उनको पानी पीना पढ़ रहा था। भारतीय जनता पार्टी की सरकार जैसा कि मा0 नेता विरोधी दल ने कहा है कि घोषणाओं में माहिर है, ब्रांडिंग में माहिर हैं। अपने गलत प्रोडक्ट को भी अच्छा प्रदर्शित करने में माहिर हैं। इन्होंने जो शब्द कहावत में ही कहा कि जिसकी चर्चा मा0 नेता प्रतिपक्ष ने विस्तार से किया है और मैं उसके बारे में बहुत ज्यादा नहीं कहना चाहूँगा, लेकिन 'सब नर करिहये परस्पर प्रीति' यह बात इस अभिभाषण में दोहराया गया। दूसरी बात कही गई कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और मान्यवर, कई घटनाएं जो बीच-बीच में आई

हैं, कानून व्यवस्था के बारे में कहा गया कि भय मुक्त, अपराध मुक्त अन्याय मुक्त वातावरण तथा कानून का राज्य स्थापित किया। आज कानून का राज तो है ही नहीं, बल्कि जंगल का राज है। इस भारतीय जनता पार्टी की सरकार में देखने को मिल रहा है, और इसका जीता-जागता उदाहरण यही है, जो काला कानून भारत सरकार ने पास किया है। नागरिकता कानून 1955 था, जिसमें हर व्यक्ति को सरकार को यह अधिकार था कि किसी देश का कोई भी व्यक्ति भारत में आए उसको भारत की नागरिकता देने का उसको पूरी तरह से अधिकार है। पहले दस साल था इन्होंने जो संशोधन किया उस संशोधन में दस साल की जगह पांच साल किया और तीन देशों का किया और उसमें भी धर्म के आधार पर एक वर्ग को छोड़ दिया गया। संविधान की मूल भावना के विपरीत संविधान संशोधन किया गया और ऐसा प्रदर्शित किया गया जैसे पहले किसी को नागरिकता दिया ही नहीं जा सकता। यह कौन कहा है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान से, श्रीलंका से, नेपाल से कहीं से भी कोई आए तो 1955 का कानून था जिससे आप नागरिकता दे सकते थे, विचार करके दे सकते थे। लेकिन एक वर्ग को अपमानित करने के लिए संविधान की धज्जी उड़ाने का काम किया गया और जब उसके विरोध में विरोध प्रदर्शन किया गया तो आपने इस देश की आजादी के बाद के इतिहास को कलंकित किया है। पूरे देश में किसी आंदोलन में पुलिस के द्वारा इतनी ज्यादा हत्याएं नहीं की गईं। यू0पी में, केवल यू0पी0 में थोड़े दिनों के प्रदर्शन में 24 लोग मार डाले गए, अन्य किन्हीं प्रदेशों में नहीं हुआ। मान्यवर, मैंने देखा कि महाराष्ट्र में 35 हजार लोग इकट्ठा हैं, बिहार में एक लाख लोग इकट्ठा हैं, वहां ऐसी घटनाएं नहीं होती हैं और उत्तर प्रदेश में हम वह सात पीढ़ी तक याद रखेंगे, इस मानसिकता से काम किया। आपने वादा किया कि सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास तो सबका विश्वास कहां है ? आप पक्षपातपूर्ण निर्णय ले रहे हो, आप कहते हो कि सन् 2012 में सम्पत्ति को जब्त करने का कानून बना। आपने भी आंदोलन किया, प्रदर्शन किया, बुलन्दशहर में इन्स्पेक्टर सुबोध कुमार सिंह मारा जाता है। एटा में भारतीय जनता पार्टी के एक संगठन के द्वारा तमाम सम्पत्तियों को जला दिया जाता है, कहीं वसूली नहीं होती है।

मान्यवर, बहुत ज्यादा दूर जाने की जरूरत नहीं है, अभी कानपुर के मंगटा में दलित समाज महात्मा बुद्ध की कथा कर रहा था तो अब वह महात्मा बुद्ध की कथा क्यों कर रहा है, क्यों बाबा साहेब की 22 प्रतिज्ञाओं के बारे में चर्चा कर रहा है तो एक तरफ हम यहां बाबा साहेब की मूर्ति सब कार्यालयों में लगवा रहे हैं और दूसरी तरफ यदि कोई समाज बाबा साहेब की प्रतिज्ञाओं को याद कर रहा है तो उसको सबक सिखाने का काम किया जाएगा। सुबह नौ बजे की घटना की रिपोर्ट रात के आठ बजे, दस बजे लिखी जाती है और कहते हैं कि हमने तत्काल कार्रवाई की है। पुलिस वहां रोकने की जगह पर वीडियो बना रही थी और आप कह रहे हैं कि हमने तत्काल कार्य किया है। मान्यवर, इन्होंने अपनी इस घोषणा में कहा है कि कई

मामलों में प्रदेश प्रथम आया है। हां प्रथम आया है, महिला अपराध में प्रथम आया है, सी0ए0ए0 विरोधी प्रदर्शनकारियों की हत्या में प्रथम आया है, गन्ना मूल्य के बकाया में प्रथम है, बेरोजगारी में प्रथम है, अनुसूचित जातियों के ऊपर अपराध में पूरे देश में प्रथम है, बिजली दर की वृद्धि में पूरे देश में प्रथम है, डीजल की मूल्य वृद्धि जिसमें यहां पर टैक्स लगाकर मूल्य वृद्धि की गई उसमें प्रथम है, हत्या एवं लूट में प्रथम है। मान्यवर, बलात्कार के बाद हत्या, हम लोग बलात्कार की घटनाएं सुना करते थे लेकिन बलात्कार के बाद जलाने की घटनाओं में भी अब इस भारतीय जनता पार्टी की सरकार में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर आया है। विद्यालयों में शिक्षकों की कमी में ये प्रथम हैं, आंदोलनकारियों के साथ अपनाए जाने वाले रुख में प्रथम हैं। मान्यवर, दूसरा मैं इस बात को आपके सामने रखना चाहता हूँ कि अभी हमारी कानून व्यवस्था के बारे में इन्होंने जो चर्चा करने का काम किया कि उसमें इस साल इतना घट गया। मा0 नेता विरोधी दल ने विस्तार से कहा है। मान्यवर, मैं एन0सी0आर0बी0 द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार आपके सामने कुछ रखना चाहता हूँ। मान्यवर, भारत का नेशनल क्राइम रिकार्ड्स ब्यूरो, जो पूरे देश और प्रदेशों के अपराधों का रजिस्ट्रीकरण करके, अधिसूचना जारी करके यह बताता है कि कहां पर कितनी हत्या है ? मान्यवर, हत्या के मामले में 1.3 प्रतिशत की वृद्धि वर्ष 2017 के मुकाबले वर्ष 2018 में हुई है। एन0सी0आर0बी0 के द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार महिला अपराधों में करीब 10.5 परसेण्ट की वृद्धि है। वर्ष 2017 में महिलाओं के खिलाफ अपराध 56011 थे, वर्ष 2018 में 59445 हुए। वर्ष 2016 में 49262 थे यानी 49262 की बनिस्बत वर्ष 2018 में 59445 हो गए और उसके बाद भी माननीय मंत्री जी कहते हैं कि इतना प्रतिशत इस अपराध में कमी आई है और इतना प्रतिशत उस अपराध में कमी आई है।

मान्यवर, दूसरी बात जो सबसे ज्यादा वाहवाही लूटने का काम किया जाता है तथा बार-बार इस बात को कहकर लोगों को भ्रमित करने का काम किया जाता है और ये बार-बार कह रहे हैं कि हमने रिकार्ड गन्ना बकाया का भुगतान कराया। गन्ना का छियासी हजार करोड़ रुपया दिया गया है जैसे इन्होंने किसान को मुफ्त में दे दिया। किसान ने अपना उत्पादन बढ़ाया, ज्यादा गन्ना पैदा किया, उसकी पेराई हुई और उसके मूल्य का भुगतान आप नहीं करा पाये वर्ष 2018-19 का भी अभी बाकी है। अभी महामहिम का जो अभिभाषण पढ़ा गया है उसी में लिखा है कि वर्ष 2018-19 का करीब 3.5 प्रतिशत बकाया है और वर्ष 2019-2020 का 6296 करोड़ का बकाया है और उसके बाद आप वाहवाही लूट रहे हैं कि हमने 86 हजार करोड़ रुपये के बकाया गन्ना का भुगतान कराया। क्या उसको अपने मुफ्त में कर दिया है, उसको उपहार स्वरूप भुगतान कर दिया है, उसकी मेहनत की कमाई को, उसने जो मेहनत की, मेहनत करके गन्ने को मिल तक पहुंचाया और उसमें खर्च भी उठाया आज एक किसान को

गन्ने का प्रति क्विंटल मात्र 100 रुपये मिल रहा है और 325 रुपये दाम आपने तीन वर्ष से एक बार भी नहीं बढ़ाया और उसके बाद भी आप कहते हैं कि आपने गन्ना किसानों को सुविधा दी जबकि 325 रुपये क्विंटल के दाम में आपने एक पैसे की भी वृद्धि नहीं की और आज उसकी खरीद नहीं हो पा रही है। क्रेशर यदि नहीं होते तो उनको गन्ना जलाना पड़ता है। क्रेशरों पर 225 रुपये प्रति क्विंटल वह बेच रहा है और आपकी मिल में 325 रुपये क्विंटल बेच रहा है और 6 क्विंटल की कम-से-कम घटतौली हो रही है और उसका कटाई का खर्च अलग है। माननीय संसदीय कार्य मंत्री भी शाहजहांपुर से आते हैं जो कि गन्ना का क्षेत्र है। एक क्विंटल गन्ने को कटाई करने के उपरान्त उसकी लदायी इत्यादि में 100 रुपये का खर्च आता है और उसके बाद भी सरकार वाहवाही लूट रही है कि हमने बड़ा काम कर दिया। मान्यवर, इसी तरह से किसान की आय भी दूनी करने की बात की गई कि हमने किसान की आय दूनी कर दी। धान की हमने रिकार्ड खरीद की। आज धान की खरीद किस तरह से हुई है, सीधे कितना धान खरीदा गया, बिचौलियों के माध्यम से कितना खरीदा गया। किसान के धान की पूरी तरह से खरीद नहीं हो पा रही है और जिसके कारण किसान को 1300 रुपये, 1400 रुपये क्विंटल में अपना धान बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। आपने दाम 1835 रुपये घोषित किया है लेकिन मिल रहा है 1300 से 1400 रूपया क्विंटल और बिचौलियों के माध्यम से बेचता है तो 1500 रुपये पा जाता है फिर भी उसको पूरा दाम नहीं मिल पा रहा है।

आप कह रहे हैं कि हम किसान की आय बढ़ाएंगे, ट्यूबवेल के लिए किसान जो बिजली लेता था, वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार जब आई थी तो 55 रुपये हार्स पॉवर था यानि 255 रुपये बिजली का खर्च 5 हार्स पॉवर के ट्यूबवेल के लिए उसको देना पड़ता था आज 950 रूपया देना पड़ रहा है और उसकी आमदनी को आप बढ़ाने की बात करते हैं। दूसरा रसायनिक उर्वरक की बात करें तो जब आपकी सरकार आई तो 850/- रुपये प्रति बोरी डी0ए0पी0 खाद थी और आज 1400/- रुपये प्रति बोरी है और उसके बाद भी आप कह रहे हैं कि हमने किसान को लाभ पहुंचाने का काम किया। किसान डीजल का प्रयोग करता है। उसके रेट में कितनी वृद्धि हुई उसके सापेक्ष आपने किसान के उत्पादन का दाम कितना बढ़ाने का काम किया। इस तरह से मान्यवर, किसानों के साथ पूरी तरह से यह सरकार सिर्फ उनके हितों की अनदेखी करने का काम कर रही है और अपना ही मूल्य बकाया जो उसको पाना है उसको प्राप्त करने का काम किसान नहीं कर पा रहा है।

बेरोजगारी के मामले में मान्यवर, इन्होंने संकल्प पत्र में लिखा था कि हम 70 लाख लोगों को रोजगार देने का काम करेंगे और साथ ही साथ इस बात को भी लिखने का काम किया था कि हम एक महीने के अन्दर सरकारी नौकरियों में जो रिक्तियाँ हैं, उनको पूरा भरने

का काम करेंगे। मान्यवर, लेकिन जो सरकारी नौकरियों में रिक्ति है उसको भरने की दिशा में कोई कदम नहीं उठा पाए। हमारी सरकार वर्ष 2007 से 2012 तक थी हमने ढाई लाख पुलिस के पद को क्रियेट किया था और उसमें से पहले चरण में 41 हजार भर्ती किये। डेढ़ लाख पद आज भी खाली पड़े हैं। बार-बार माननीय मुख्य मंत्री जी का बयान आता है कि हम डेढ़ लाख पदों को भरने का काम करेंगे। नौजवानों को रोजगार मिलता, तमाम अन्य विभागों में भी पद हैं उसको भी भरने का काम करते जिससे नौजवानों को रोजगार मिलता लेकिन उन पदों को भर्ती करने में यह सरकार फेल है। विज्ञापन निकलता है, लोग आवेदन करते हैं, आवेदन करने के बाद जब इंटरव्यू की बारी आती है तो कहीं न कहीं से स्टे करा दिया जाता है। इस तरह से भर्ती नहीं हो पा रही है। पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति के लोगों को संविधान के माध्यम से रिजर्वेशन मिला है। वह रिजर्वेशन इसलिए था कि मिनिमम उतने पद पर जरूर उस जाति के लोग होंगे। अनुसूचित जाति के 21 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के 1 प्रतिशत, पिछड़ी जाति के 27 प्रतिशत हालॉकि पिछड़ी जाति की आबादी 55 से 56 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में है। रिजर्वेशन 27 प्रतिशत है, आपने ऐसा आदेश करा दिया कि पिछड़ी जाति का जो सूचकांक है, वह ज्यादा होता है और सामान्य का सूचकांक कम होता है यानि रिजर्वेशन किसके लिए हो गया ? साढ़े 50 फीसदी रिजर्वेशन आपने सामान्य लोगों के लिए कर दिया है और 85 प्रतिशत लोगों के लिए साढ़े 49 प्रतिशत रिजर्वेशन। इस तरह की उनके साथ जुल्म-ज्यादती हो रही है और साथ ही साथ सरकारी पद 2 प्रतिशत है, 98 प्रतिशत पद प्राइवेट सेक्टर में है। उन 98 प्रतिशत पदों में आप भी सरकारी पदों को आउटसोर्सिंग से भरते चले जा रहे हैं। जितने भी सरकारी पद थे उनको आप आउटसोर्सिंग से भरते जा रहे हैं। अब रिजर्वेशन कहां से मिलेगा ? उसमें तो रिजर्वेशन नहीं है। अगर आप अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के इतने हितैषी हैं और सबको बराबरी पर लाना चाहते हैं तो निजी क्षेत्रों में भी आपको आरक्षण देने का काम करना होगा तभी आप रिजर्वेशन के सामान्य वर्ग के सापेक्ष अन्य लोगों को अवसर देने का काम करेंगे। मान्यवर, अभी हमने मंगटा का जिक्र किया इसी तरह से 9 फरवरी को सन्त रविदास की जयंती के अवसर पर पूजा करने जा रहे अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को मऊ में थाना दोहरी घाट में पीटने और अपमानित करने का काम बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने किया है।

श्री अध्यक्ष-

वर्मा जी, अब संक्षेप कीजिए।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, 20-25 मिनट तो आपने बोलने के लिए दिया है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि इस तरह से हमारे साथ नाइंसाफी हो रही है, बेरोजगारों के साथ, पिछड़ी

जाति, अनुसूचित जाति के नौजवानों के साथ, किसानों के साथ, सबके साथ । सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास कहां रह गया ये, यह आज अपमानित हो रहा है। मान्यवर, आपने एक नारा वर्ष 2017 में दिया था 'न गुण्डाराज, न भ्रष्टाचार, अबकी बार भाजपा सरकार'। कहा था न, वह भ्रष्टाचार थाने पर मिट गया। पहले अगर दो सौ रुपया, एक हजार रुपया जिस काम का रहा होगा वह आज दस हजार हो गया है। एक भी विधायक जब हम लोगों से मिलते हैं।

(सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा टोका-टाकी करने पर व्यवधान)

ठीक है, हमेशा आप विधायक नहीं रहेंगे, हम भी नहीं रहेंगे। हमेशा आप सरकार में नहीं रहेंगे, हम भी नहीं रहेंगे लेकिन जो आज आप कह रहे हैं उस पर आपको पछतावा होगा कि हमने गलत वकालत करने का काम किया। निश्चित रूप से आज भ्रष्टाचार बढ़ा है और गुण्डाराज तो चरम सीमा पर है, कानून का राज पूरी तरह से ध्वस्त है।

मान्यवर, मैं अब दूसरी बात कहना चाहता हूँ। इन्होंने कहा था कि अभी तक दो एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश में हैं। एक प्रश्न पर माननीय मंत्री जी ने जवाब दिया कि उत्तर प्रदेश में केवल दो एक्सप्रेस-वे हैं। एक आगरा से दिल्ली तक यमुना एक्सप्रेस-वे और एक आगरा से लखनऊ तक, आगरा एक्सप्रेस-वे। इसके अलावा आप कोई एक्सप्रेस-वे नहीं बना पाये। उन दोनों एक्सप्रेस-वे में आपका कोई योगदान नहीं है। आपने कहा था कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे हम दीपावली तक बनाकर तैयार कर देंगे। दीपावली तक नहीं, अपने 5 साल के कार्यकाल में भी आप उसको पूरा नहीं कर पायेंगे। हम भी देखने का काम कर रहे हैं। मान्यवर, उस पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे में अम्बेडकरनगर जिले का बड़ा भाग आता है। पूरे जिले में उस पर कहीं भी उतरने और चढ़ने की व्यवस्था नहीं की गयी है, बनाने का तो नाम ही नहीं आया। बलिया से इलाहाबाद तक गंगा एक्सप्रेस-वे और बनारस से गोरखपुर तक का एक्सप्रेस-वे, कहीं धरातल पर आया नहीं है, केवल हवा-हवाई घोषणाओं में है। अगर घोषणाओं से सब काम हो सकता था तो कौन ऐसी सरकार है जो घोषणा न करे, लेकिन उसके लिए धन, संसाधन और इच्छा शक्ति चाहिए, वह आपमें है नहीं। उद्योगपतियों द्वारा ए0एम0यू0 साइन करने की जहाँ तक बात है आपने कहा कि चार लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का, पूँजी निवेश करेंगे, दो साल बीत गया। आपने पहला जो उद्योगपतियों का सम्मेलन किया, एक भी धरातल पर नहीं आया, इसलिए क्योंकि उत्तर प्रदेश में गुण्डाराज है, जिसके कारण कोई उद्योगपति उत्तर प्रदेश में आना ही नहीं चाहता। दबाव में घोषणा की लेकिन आया नहीं।

दूसरी बात, हम लोगों ने सवाल उठाया कि पानी की समस्या है, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प लगवा दें। माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि हम पाइप लाइन योजना के तहत पानी

उपलब्ध करायेंगे। महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण में भी कहा गया कि पाइप लाइन के माध्यम से हर घर को जल पहुंचाने का काम किया जायेगा। कितने साल में पूरा होगा, अभी कितने दिन हैं ? अरे मंत्री जी, ऐसी बात न कहिये कि जनता आपको दौड़ावे। पाइप लाइन योजना के तहत बुन्देलखण्ड में 6537 ग्राम हैं, अभी तक केवल 545 ग्राम में यह काम शुरू किया गया है। अब इसके सापेक्ष इसे पूरा करने में कितना समय लगेगा। दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश में 1,08,000 राजस्व गांव हैं। उस 1,08,000 राजस्व गांवों में पाइप लाइन के द्वारा पानी पहुंचाने में कितनी टंकियों की ओवरहेड टैंक की आवश्यकता पड़ेगी? और आपने अभी तक कितने ओवर हैड टैंक बनाये हैं ? आपने अपने ही भाषण में कहा कि 545 ओवरहैड टैंक बनवाया। 1,08,000 गांव के सापेक्ष 545 ओवरहैड टैंक बनाया, तो फिर कितने वर्षों में पूरा होगा। जैसाकि माननीय नेता विरोधी दल ने कहा जब हम लोग नहीं रहेंगे, तब शायद यह आकार ले सके। जो लोग अभी पानी के बिना परेशान हैं, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प दे देते तो उससे भी कुछ समाधान होता, वो तो कर ही नहीं पा रहे हैं। ''न नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी''। न धन होगा, न यह व्यवस्था हो पायेगी। इसी तरह से इन्होंने कहा था कि प्रदेश में सभी युवाओं को कालेज में दाखिला लेने पर मुफ्त लैपटाप दिया जायेगा।

श्री अध्यक्ष-

वर्मा जी, बहुत समय हो गया है, अब संक्षेप कीजिये।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, बस 5 मिनट और लेंगे। इन्होंने कहा कि लैपटाप दिया जायेगा। अभी तक कहीं भी कुछ शुरुआत नहीं हुई, 3 साल बीत गया। इन्होंने कहा कि एक जी0बी0 मुफ्त इण्टरनेट डाटा कालेज में दाखिला लेने पर छात्रों को मिलेगा। 3 साल बीत गया, मिला नहीं। सभी कालेजों में मुफ्त वाई-फाई अभी तक मिला नहीं। दूसरी तरफ मैं यह कहना चाहता हूँ कि जब-जब यह सरकार आती है तो घोषणा करती है कि मुख्य मंत्री बीमा योजना, किसान बीमा एवं सर्वहित बीमा योजना और जिस कम्पनी को इन्होंने इंश्योरेंस की जिम्मेदारी दी है, वह कम्पनी किसानों को भी और श्रमिकों को भी, जिनकी आय कम है, अगर वह किसान नहीं है, तो उनको भी मिलेगा। वह किसी न किसी तरह के आरोप लगाकर वापस भेज देती है कि यह शर्तें वह पूरी नहीं करते । मेरे पास इसका उदाहरण है गंगाराम ग्राम व पोस्ट फरीदपुर कलां है। बृजेश कुमार की दुर्घटना में मृत्यु हुयी, वह नौजवान था 24-25 साल का और जब उसके पिता ने आवेदन किया मान्यवर, कोई पिता अपने बच्चों की मेहनत की कमाई पर ही आश्रित होता है और बच्चा चला गया । कम्पनी ने लिखा है कि आप मुखिया/रोटी अर्जक नहीं हैं तो रोटी अर्जक 22-24 साल का नौजवान नहीं होगा । मान्यवर, इस तरह के आरोप लगाकर कागज वापस भेजे जा रहे हैं । मैं माननीय मंत्री जी से चाहूँगा कि वह इसको दिखवा लें ।

श्री अध्यक्ष-

आप उनको भिजवा दीजिये, जो आप चाहते हैं ।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, प्रदेश के खजाने का एक बड़ा पैसा उस कम्पनी को जाता है। अगर वह कम्पनी छोटी-छोटी कमियां निकालकर लोगों को पैसा नहीं देती है तो वह केवल मुनाफा कमाने का काम कर रही है और हम लोगों के लिये कोई हित नहीं कर रही है। मान्यवर, इसी तरह से अनुसूचित जाति, जनजाति के छात्रों को, पिछड़ी जाति के छात्रों को जो वजीफा मिलना चाहिये था वह करीब-करीब बन्द कर देने का काम किया गया। यानि आज यह प्रदेश केवल खुशहाल अगर है तो जैसा माननीय नेता विरोधी दल ने कहा कि माननीय मुख्य मंत्री के अलावा मैं अलग से जब मिलता हूँ तो हमारे जो विधायक साथी है, वह भी कहते हैं कि हमारी सुनी नहीं जा रही है, हमारी तो बड़ी दुर्दशा है, हम किससे कहने जायें। यह माननीय सत्ता पक्ष के विधायक कहते हैं । यहाँ चाहे जितना लम्बी-चौड़ी बात करें, लेकिन बाहर जब मिलते हैं तो कहते हैं कि न भ्रष्टाचार कम हुआ न और कुछ कम हुआ और इस तरह से वह कहने का काम करते हैं तो निश्चित रूप से मैं आपके माध्यम से माननीय नेता विरोधी दल के द्वारा जो संशोधन रखा गया है उस पर बल देते हुये मेरा यह मानना है कि यह जो पूरा महामहिम का अभिभाषण है यह असत्य के सिवाय कुछ भी नहीं है, इसमें प्रदेश के विकास की कोई भी रणनीति या दिशा निर्देश देने का काम नहीं किया गया है, इसलिये मैं इस संशोधन पर बल देते हुये आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुये अपनी वाणी को विराम देता हूँ। धन्यवाद ।

श्री अध्यक्ष-

माननीय अनेक सदस्य बोल लें, ऐसा हो सके तो बड़ा ठीक रहेगा। इसलिये जो वरिष्ठ नेतागण हैं वह अपने विषय को बहुत कसा हुआ रखें ।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

माननीय अध्यक्ष जी, महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के संशोधन पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, मैं इसके लिये आपकी बहुत आभारी हूँ। इतना कहना चाहती हूँ कि इससे ज्यादा दिशाहीन, तथ्यहीन अभिभाषण न देखा है, न सुना है, न पढ़ा है। पूरे अभिभाषण में कहीं भी सरकार का भविष्य के लिये कोई रोडमैप नहीं है। ऐसा एहसास होता है कि इस पुस्तक के काले शब्दों का वर्णन बेवजह कर दिया गया है, जो तथ्यहीन है। अगर यह किताब अगले साल तक इसी तरीके से रखी रही, तो हो सकता है कि इन काले अक्षरों का रंग भी किताब की तरह सफेद हो जाय, क्योंकि यह झूठ का पुलिंदा है और झूठ की उम्र बहुत लम्बी नहीं होती है। कानून व्यवस्था पर चर्चा हुयी। आज जब हम सब अखबार

पढ़ते हैं या दिन में टी0वी0 चैनल देखते हैं, या समाज में जाते हैं तो हम देखते हैं कि किस तरह से हत्या, बलात्कार, लूट और भ्रष्टाचार की घटनायें समाज के सामने हैं। मुझे पता नहीं वह कौन सी खुफिया एजेन्सी है जो सरकार को यह आकंड़े प्रस्तुत करती है और बताती है कि कानून व्यवस्था दुरुस्त है। जबकि सत्य तो यही है कि रोज सुबह अपराधी उत्तर प्रदेश में नया अपराध करके प्रदेश सरकार को सलामी देते हैं इससे बड़ी विडम्बना क्या हो सकती है कि सर्वोच्च न्यायालय ने खुद यह टिप्पणी की कि उत्तर प्रदेश में जंगलराज कायम है। मुख्य मंत्री जी जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं, पर आज हकीकत यह है कि उत्तर प्रदेश के अपराधी माननीय मुख्य मंत्री जी की टॉलरेंस पॉवर को रोज आजमा रहे हैं। जिस तरह से हम सब ने देखा कि अभी कुछ दिनों से सी0ए0ए0 और एन0आर0सी0 को ले करके पूरे उत्तर प्रदेश में शान्तिपूर्वक आन्दोलन कर रहे प्रदर्शनकारियों पर जिस तरह की पुलिसिया कार्यवाही की गई, जिस तरह की गम्भीर धाराओं में उनको जेल भेजा गया और सबसे अफसोस की बात यह है कि इसमें सबसे ज्यादा महिलायें शामिल थीं। अभी कल अखबार में पढ़ा कि इमरान प्रतापगढ़ी, जो एक मशहूर कवि हैं, इतिहासकार हैं, साहित्यकार हैं, उनके ऊपर सरकार ने सवा करोड़ से भी ज्यादा की रिकवरी निकाली। मैं सरकार से पूछना चाहती हूँ कि क्या उम्भा गांव में जिस तरह से जनजाति के लोगों को दिन दहाड़े गोलियों से भून दिया गया, उनके घरों को जला दिया गया, गांव को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। जिस तरह से मंगटा गांव में दलितों की बस्ती में घुसकर उनके घरों में आग लगा दी गयी, उनके घर को तहस-नहस कर दिया। तो क्या सरकार ऐसे अपराधियों से भी रिकवरी करायेगी ? क्योंकि राजधर्म तो यह कहता है कि कानून सबके लिए बराबर है। कितनी बड़ी विडम्बना है कि उत्तर प्रदेश महिला आयोग की अध्यक्ष ने माननीय मुख्य मंत्री जी के सामने कार्यक्रम में यह कहा कि पुलिस हमारी बात नहीं सुनती है। आज पत्रकार बंधक बनाये जा रहे हैं, उनके खिलाफ एफ0आई0आर0 लिखी जा रही है। यह साबित करता है कि उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है, बदहाल है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि यदि देश का अन्नदाता खुशहाल होगा, तो देश भी खुशहाल होगा, पर आज किसानों की आय के हालात क्या हैं ? क्या कहा था भारतीय जनता पार्टी ने अपने मेनोफेस्टो में और 2017 के पहले बजट भाषण में, कि हम किसानों की आय को दोगुना कर देंगे, पर आज सच सबके सामने है। दोगुना करना तो दूर, किसानों को उनकी फसलों का न्यूनतम मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है। पांच वर्षों में से तीन वर्ष बीत गये, दो वर्ष बाकी हैं, पर सरकार किसानों को उनकी फसलों का न्यूनतम मूल्य भी नहीं दे पाई। आज किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती आवारा पशुओं की है। जो सरकार की गलत नीतियों के कारण एक बड़ी त्रासदी बनकर किसानों के सामने खड़ी है। जिस तरह से किसानों को बढ़ी कीमतें तो मिल नहीं पा रहीं, सरकार मुआवजा दे नहीं पा रही, पर किसान जो अपने खून-पसीने की कमाई से फसल उगा रहा है, उसको अगर आवारा पशु चर जा रहे हैं, तो क्या

यह सरकार की नैतिक जिम्मेदारी नहीं बनती कि वह उस क्षति का मुआवजा किसानों को दे। हम मांग करना चाहते हैं कि कम से कम एक लाइन तो इस अभिभाषण में छपना चाहिए था कि किसानों की जो क्षति हो रही है, उसका मुआवजा सरकार देगी। सरकार की गलत नीतियां और फल भोग रहा है किसान। किसान लुट रहा है और सरकार धृतराष्ट्र बन करके तमाशा देख रही है। लगभग 10 हजार करोड़ से अधिक का गन्ना किसानों का बकाया है, पर इसका भी कोई जिक्र इसमें नहीं है। यदि स्वास्थ्य सेवाओं की बात की जाये, तो कोई भी नया अस्पताल, ट्रामा सेंटर, मेडिकल कालेज या एम्स खोलने की कोई योजना सरकार के पास नहीं है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल की रिपोर्ट कहती है कि राज्य की आबादी और डॉक्टरों की संख्या के अनुसार प्रत्येक डॉक्टर पर 3812 मरीजों को देखने की जिम्मेदारी है। जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन डब्ल्यू0एच0ओ0 के अनुसार एक डॉक्टर के जिम्मे एक हजार मरीज होने चाहिए। सबसे अधिक आबादी वाले उत्तर प्रदेश में लगभग दो लाख डॉक्टरों की आवश्यकता है।

अवस्थापना सुविधाओं की बात कही गई, सरकार की मंशा और लोक निर्माण विभाग की लाचारी इसी से सामने आती है और दिखती भी है कि मात्र सवा पन्नों में लोक निर्माण विभाग की योजनाओं को समेटकर रख दिया गया है। पिछली योजनाओं की पुनरावृत्ति तो है परन्तु अगली किसी भी योजना का जिक्र नहीं है। न ही किसी एक्सप्रेस-वे, न स्टेट हाई-वे और न ही किसी पुल का उल्लेख किया गया है। औद्योगिक विकास की बात करें, इन्वेस्टर्स समिट हुई, ग्राउंड रेटिंग सेरेमनी हुई, दो या तीन राउंड हुई, करोड़ों रुपए खर्च हो गये परन्तु क्या सरकार ने इस अभिभाषण में यह बताने का प्रयास किया है कि उस इन्वेस्टर्स समिट से सरकार के पास कितना इन्वेस्ट आया है। मैं तो यह पूछना चाहती हूँ कि जितने करोड़ों रुपए का खर्च आपने इन आयोजनों में किया अगर उतना ही आ गया होता तो आज हमें सन्तोष होता, सरकार ब्रेक इवेन्ट पर होती, नुकसान में न होती। आज प्रदेश का नौजवान औद्योगिकीकरण के नाम पर बेरोजगारी की लाचारी झेल रहा है और सरकार की तरफ टकटकी लगाये देख रहा है। ऊर्जा के क्षेत्र की बात की जाय तो एक भी यूनिट बिजली बढ़ाने की कोई योजना नहीं है और न ही किसी नई विद्युत परियोजना की स्थापना की बात कही गई है।

उम्मीद थी कि महामहिम राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण में महिलाओं के लिए कुछ विशेष जरूर होना चाहिए था। हमने हमेशा महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण की बात की, हम चाहते थे, हमें उम्मीद थी कि एक ऐसा प्रस्ताव प्रदेश सरकार करे कि उसी वर्ग की आरक्षित महिलाओं को उसी वर्ग में आरक्षण मिल जाता, अगर ऐसा प्रस्ताव होता तो महिलाओं को आरक्षण भी मिलता और आरक्षण ज्यों का त्यों रहता। परन्तु अफसोस बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ के नारे में अगर कुछ सत्यता होती तो इसके बारे में ध्यान दिया जाता। मैं इतना कहना चाहती हूँ कि इससे स्पष्ट हो गया कि भारतीय जनता पार्टी के डी0एन0ए0 में ही महिला विरोध है।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका भाषण हो गया।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर, एक पृष्ठ उसमें छापना मुझे लगता है कि भूल भी गये हैं। नये विधायक बहुत सारे आये हैं और हम सब 403 विधायक हैं। हर बार यह मांग होती है कि नये विधायकों और सारे विधायकों को मजबूत करने के लिए उनके क्षेत्र में उनकी विधायक निधि, उनका भत्ता, हैण्डपम्प और सड़कों से सरकार उनको मजबूत करे परन्तु मुझे लगता है कि कहीं न कहीं वह छूट गया है। मा0 मुख्य मंत्री जी चले गये हैं और वित्त मंत्री भी चले गये हैं परन्तु मुझे उम्मीद है कि इस बजट भाषण में सरकार उनका जरूर ध्यान रखेगी। मान्यवर, अभिभाषण के शुरुआत में रामराज्य की बात की गई है, आखिर किस रामराज्य की बात कही जा रही है, जिस प्रदेश में बेटियों को जिन्दा जलाया जाता है, जहाँ किसान आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहे हैं, जहाँ नौजवान बेरोजगारी का दंश झेल रहा हो, रामराज्य केवल उच्चारण मात्र से नहीं आता, उसका अनुसरण करना चाहिए, अनुसरण आना चाहिए और अनुसरण करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है, जो इस दस्तावेज में मुझे कहीं दिखाई नहीं देती है। अन्त में मैं एक बात कहना चाहूँगी, अभिभाषण प्रस्ताव के समर्थन में बोलते हुए हमारे साथी ने एक शेर पढ़ा जिसमें उन्होंने तलवार का जिक्र किया। बहुत सारे भारतीय जनता पार्टी के बड़े-बड़े नेता कभी गोली की बात करते हैं, कभी बन्दूक की बात करते हैं, कभी बदला लेने की बात करते हैं।

मैं यह स्पष्ट करना चाहती हूँ कि यह गांधी का भारत है गोडसे का भारत नहीं है, यह वह भारत है जहाँ पर महात्मा गांधी जी ने हमें अहिंसा पर चलना सिखाया है। मैं याद दिलाना चाहती हूँ महात्मा गांधी जी के लिए यही कहा गया था ''दे दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल, साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल''। हम महात्मा गांधी के बताये मार्ग पर चलने वालों में से हैं हम हमेशा हिंसा का जवाब अहिंसा से देते रहेंगे क्योंकि अहिंसा परमो धर्मः, जय हिन्द। आपने मुझे बोलने का मौका दिया मैं आपके प्रति आभार प्रकट करती हूँ और माननीय नेता विरोधी दल तथा माननीय श्री लालजी वर्मा जी के संशोधन प्रस्ताव पर बल देती हूँ, धन्यवाद्।

श्री अध्यक्ष-

मोना जी, आपने अपना भाषण समय के भीतर समाप्त किया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। मा0 ओम प्रकाश राजभर जी।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

मा0 अध्यक्ष जी, महामहिम राज्यपाल महोदय जी के अभिभाषण पर बोलने का आपने हमें जो मौका दिया, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय नेता बसपा, माननीय नेता कांग्रेस के

विचारों से अपने को सम्बद्ध करता हूँ। मा0 अध्यक्ष जी, आप लोगों ने जो बात कही है, उसका प्रमाण मैं दे रहा हूँ। हमारे साथीगण यहां बैठे हैं। सरकार की तरफ से 'सूचना डायरी 2020' छपी है। इस डायरी में 403 विधायकों के नाम अंकित हैं और ओम प्रकाश राजभर का नाम भी अंकित है। आठ महीने से मैं सड़क पर हूँ, लेकिन सरकार ने रहने के लिए मुझे अभी तक आवास नहीं दिया है। इसमें मेरा पता मीरनगंज, रामपुर, रसड़ा अंकित है। आप लोग बहुत भाषण देते हैं, यह किताब मंगाकर देख लीजियेगा। राम राज्य की कल्पना होती है। भगवान श्रीराम के साथ बानर लड़े, भगवान राम को केवट निषाद ने नैय्या से पार किया। लाखों बानर मर गये, राम राज्य बीत गया, एक बानर को आज तक आवास नहीं मिला। अगर किसी को जानकारी हो तो बता दें, आज बेचारे जंगल में पेड़ पर छुप-छुपकर रहते हैं। उस राम राज्य की परिकल्पना भारतीय जनता पार्टी करती है।

''मागी नाव न केवटु आना। कहई तुम्हार मरमु मैं जाना।।''

भगवान राम की नैय्या पार करने वाला केवट आज तक दर-दर भटक रहा है, न तो एक सिपाही, न तो एक दरोगा, न तो एक लेखपाल। हम नहीं समझ पा रहे हैं कि आज किस राम राज्य की कल्पना भारतीय जनता पार्टी के लोग कर रहे हैं। महामहिम राज्यपाल महोदय से 38 पन्नों की जो ये किताब भारतीय जनता पार्टी की तरफ से पढ़वाया गया है, इसमें हमें मजे की एक बात याद आ रही है। गाजीपुर ग्राम सभा में मेरा सढुआन है। यह ग्राम सभा ओ0डी0एफ0 है। हम जब अपने साढू साहब के यहां गये तो उन्होंने कहा कि विधायक जी, यह गांव ओ0डी0एफ0 है, लेकिन दुर्भाग्य है कि शौचालय मेरे पास नहीं है। हमने कहा कि कोई बात नहीं, लोटा ले आओ, हम लोग नदी के किनारे चलते हैं। यह ओ0डी0एफ0 है भारतीय जनता पार्टी का।

पिछड़ों और दलितों, शिक्षा के सवाल पर देखो, एस0सी0, एस0टी0 व ओ0बी0सी0 की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी चार गुना फीस बढ़ा दी है, ताकि एस0सी0, एस0टी0 व ओ0बी0सी0 के बच्चे पढ़ न पायें। मा0 अधिष्ठाता महोदय ....

(इस समय 02 बजकर 58 मिनट पर अधिष्ठाता श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव पीठासीन हुए)

हम आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी ने महामहिम राज्यपाल महोदय से जो पुस्तक पढ़वाया है, उस दस्तावेज में इसका कहीं जिक्र नहीं है। पिछले सत्र वर्ष 2018-19 में पिछड़ी जाति के 18.50 लाख बच्चे थे और उन्हें 878 करोड़ बजट आवंटित हुआ था और वर्ष 2019-20 में 21 लाख बच्चों को 600 करोड़ बजट आवंटित हुआ है। मा0 वित्त मंत्री जी इस समय सदन में नहीं हैं, लेकिन मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूँ कि संविधान में नियम है कि कोई भी बजट 10 से 15 प्रतिशत बढ़ाया जाता है, लेकिन पिछड़ी जाति के बच्चों का 278 करोड़ रुपया क्यों घटाया गया, ये इस पुस्तक में जिक्र नहीं है। उत्तर प्रदेश में सामान्य वर्ग के सात लाख बच्चो को छात्रवृत्ति के लिए 609 करोड़ बजट और

21 लाख बच्चों को 600 करोड़ बजट आवंटित होता है, क्या यही सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास है, पिछड़ों के साथ यही धोखा है। हम तो समझते हैं कि सबका साथ, भाजपा का विकास, दुनिया का विनाश। आप पिछड़ों का विनाश करने पर तुले हो। जो बच्चे पढ़-लिख रहे हैं, उनके शुल्क प्रतिपूर्ति में खेल हो रहा है। सामान्य वर्ग के बच्चों को सभी पाठ्यक्रमों में 50-50 हजार रुपये शुल्क प्रतिपूर्ति दिया जा रहा है जबकि पिछड़ी जाति के बच्चों को 10, 15, 18 व 20 हजार रुपये दिया जा रहा है, यही रामराज्य है ? इसी रामराज्य की दुहाई आप लोग देते हो। लेकिन यह जो अभिभाषण की पुस्तिका है इसमें जिक्र नहीं है। 27 प्रतिशत आरक्षण पिछड़ी जाति के लिए लागू है लेकिन 4.7 प्रतिशत ही अब तक लागू हुआ है, कोटा पूरा नहीं है पिछड़े समाज के लोगों का। यहां 403 विधायक जीत करके आते हैं और इनको जिताने में पिछड़े समाज का योगदान होता है उनके विषय में चाहे रामराज्य का सपना दिखाने वाले लोग हों, चाहे लोहियावाद के हों, चाहे किसी भी वाद के हों, किसी की जुबान नहीं खुल रही है। (सत्तापक्ष के किसी सदस्य द्वारा टोकाटाकी करने पर) घबड़ाओ नहीं इस पार (सत्तापक्ष) से उस पार (विपक्ष) जाने वाले हो, घबड़ाओ नहीं। रामराज्य का सपना मत दिखाओ।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपसे कहना चाहूँगा कि एक सर्वदलीय कमेटी बना दीजिए और केवल एक गांव चुन लीजिए। जब भी भारतीय जनता पार्टी का कोई बड़ा नेता बोलता है, चाहे मुख्य मंत्री जी बोलें, चाहे प्रधानमंत्री जी बोलें, चाहे कोई मंत्री बोलें, आवास, शौचालय, उज्ज्वला योजना, ओ0डी0एफ0 की ही बात करते हैं इसके अलावा और कुछ नहीं बोलते हैं। लेकिन चलिये जो वास्तव में गरीब हैं, पात्र हैं, जिसके पास रहने के लिए मड़ई नहीं है, किसी तरह वह प्लास्टिक का टॉप रखकर रह रहा है उसको आवास इस रामराज्य में नहीं मिलने वाला है, आप किसी गांव का सर्वे करा लो। हम इसी बात को ले करके कहते हैं लेकिन रामराज्य का सपना दिखाते हैं। इसी नाते हमने रामराज्य का सपना छोड़ दिया। हम अम्बेडकरवाद का सपना चाहते हैं, बाबा साहब अम्बेडकर ने लिखा है समता से सत्ता तक सर्वोत्तम न्याय। जो बाबा साहब अम्बेडकर ने लिखा है हम वो सपना चाहते हैं, बाबा साहब डा0 अम्बेडकर के विषय में मैं दो लाइन कहना चाहता हूँ। 'न रब ने दिया, न रहमान ने दिया, जो कुछ भी दिया वो अम्बेडकर जी ने दिया'। पूरे सदन में बैठे हुए लोग सुन लें, अगर हम यहां बैठे हैं तो बाबा साहब डा0 अम्बेडकर की वजह से बैठे हैं। इस नाते हम अम्बेडकर जी का भारत चाहते हैं, डा0 अम्बेडकर के सपनों का, उनके विचारों का भारत चाहते हैं। इस नाते ओम प्रकाश राजभर बहुत साफ-साफ बात कहता है। यह जो भारतीय जनता पार्टी रामराज्य का सपना दिखा रही है कि बिजली। वाह रे! रामराज्य ? आश्वासन तो दिया कि हम 20 घण्टे में ट्रांसफार्मर बदल देंगे, 18 घण्टे में बदल देंगे लेकिन एक-एक महीने तक किसान ने लाइन लगाया है।

(सत्तापक्ष से श्री रमाशंकर सिंह व दो-तीन अन्य सदस्यों ने अपने आसन पर बैठे हुए कहा कि आप गलतबयानी कर रहे हैं। 24 से 36 घण्टे में ट्रांसफार्मर बदले जा रहे हैं।)

जरा खड़े हो जाइये। आप क्या बात करते हो। कान खोलकर सुनो। यह ओम प्रकाश राजभर है, आप क्या बात करोगे ? मैं भी दो साल इस सरकार में मंत्री रहा हूँ, मैंने देखा है। यह हवा-हवाई बात बन्द करो। चुप मारकर बैठो, आपको बोलने का अधिकार नहीं है (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा टोकाटाकी करने पर शोर)

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, बैठ जाइये।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

अगर वह गुंडई पर उतरेंगे तो उनसे हम कम गुण्डा थोड़े ही हैं। साफ-साफ सुनो। जो सही बात है उसको बर्दाश्त करो। गांवों में किसान बीस-बीस दिन, एक-एक महीना ट्रांसफार्मर के लिए दौड़ता है और यहां भाषण दिया जा रहा है कि हम 18 घण्टे में ही बदल देंगे। झूठ मत बोलिये। अब आगे सुनिये। माननीय अधिष्ठाता महोदय, अब इनकी बात सुन लिया। अब हमारी किसान की बात सुनो। यहां इतने लोग बैठे हैं, बड़े-बड़े जमींदार लोग होंगे लेकिन इनकी जमीन कौन जोतता है ? भूमिहीन किसान। जिसके पास जमीन नहीं है। एक भी विधायक, किसी की भी जुबान नहीं खुल रही है कि भूमिहीन किसान के विषय में कौन चर्चा करेगा ? उनके विषय में कौन सोचेगा ? (सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा टोकाटाकी करने पर)

या तो आप लोग सदन चलाओ या माननीय अधिष्ठाता महोदय को सदन चलाने दो। सुन लीजिए, दो साल बचा है, जितना चिल्लाना हो चिल्ला लीजिए, उसके बाद सदन का मुंह नहीं देख पाओगे।

अधिष्ठाता महोदय, जब मुख्य मंत्री चले जाते हैं तब यह लोग पीं-पीं चिल्लाते हैं बिना मतलब का। देखो चिल्लाने से मंत्री नहीं बनोगे। माल फिराओ मंत्री बन जाओगे। पूछ लो बगल में बैठे हैं उनसे पूछ लो।

श्री अधिष्ठाता-

ओम प्रकाश जी, अपनी बात कहें।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

एक भूमिहीन किसान, उसका जिक्र इस पुस्तक में नहीं है। एक बीघा, दो बीघा, तीन बीघा (सत्ता पक्ष से सदस्यों के एक साथ बोलने पर शोर) चिल्लाओ चिल्लाने से कुछ नहीं होने वाला है। चिल्लाते रहो, तान छोड़ते रहो, बाजा बजाते रहो।

श्री अधिष्ठाता-

कृपया शान्त रहें। बैठिये, बैठिये।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, एक भी पैसे का आरोप कोई लगा दे यहां, सदन छोड़कर इस्तीफा देकर चला जाऊंगा। क्या बात करते हो। कहने से पहले अपने गिरेबां में झांक कर देखा करो। ओम प्रकाश राजभर लड़ाई लड़ने के लिये आया है आपकी तरह चुप मारकर बैठने के लिये नहीं आया है। हम पिछड़ों, दलितों की राजनीति करते हैं। हम उनके विषय में बोलेंगें चाहे आपको भला लगे या बुरा लगे। सीधी सी बात है। जिसको बोलना है वह बोले लेकिन हम अपनी बात को कहेंगे। बिजली के सवाल पर माननीय अधिष्ठाता महोदय, योजना तो बनी कागज पर। अधिकारी बनाकर कागज भेज दिया। वही कागज इसमें दर्ज हो गया लेकिन धरातल पर असलियत नहीं है। इसी बात पर जितने इस अभिभाषण के 38 पेज हैं एक-एक पेज की जाँच करा ली जाय 70 परसेन्ट इसमें फ्राड है। जो शौचालय की बात करते हैं अभी माननीय नेता प्रतिपक्ष ने बताया (शोर) आप काहे घबरा रहे हो हम बाल्टी थमा देंगे। अभी तो हम लोटा लेकर जा रहे हैं। हम थमा देते हैं कमंडल, आ रहा है टाइम।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य टोका-टाकी न करें। शांत रहिये।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

देखिये, सुनने की क्षमता रखिये। अगर कोई बोल रहा है तो सुनिये। जो बात कहता हूँ एकदम ठोंक कर कहता हूँ चाहे कुछ भी हो। अधिष्ठाता महोदय, भूमिहीन किसान बीघा, दो बीघा, चार बीघा जमीन किसान से लेकर खेती करता है। कोई आपदा आती है मुसीबत का मारा होता है। जब आपदा राहत मिलती है सरकार की तरफ से तो उस भूमिहीन किसान को नहीं मिलती है। मिलती किसको है जिसकी जमीन होती है। इसका जिक्र मान्यवर, इसमें नहीं है। हमने इस अभिभाषण को पढ़ा। उस दिन मैंने 55 मिनट खड़े होकर इसको सुना और दो दिन पढ़ा है इस नाते कह रहा हूँ कि भूमिहीन किसानों का जिक्र इसमें नहीं है। और मैं कहां-कहां तक कहूँ रोजगार की बात, अब रामराज्य वानर तो पाये नहीं तो यह भर वानर कहां से पायेंगे। राम के राज्य में वानर का जो हाल हुआ। आजादी के 73 साल हो गये। सन् 1952 से लोग वोट दे रहे हैं आज भी जिले में खोजिये तो नाई का, गोंड का, पाल का, प्रजापति का, गूजर का, खेवट का, मल्लाह का, बिन्द का, राजभर का, चौहान का, मुनिया का बेटा नहीं मिल रहा है। क्या रोजगार पाएगा। यह प्राइवेट को दे रहे हैं। रामराज्य ले आ रहे हैं। प्राइवेट में जा रहा है मामला। प्राइवेट में भी रिजर्वेशन होना चाहिए लेकिन इसमें जिक्र नहीं है। बाबा साहब डा0 अम्बेडकर ने जो व्यवस्था दी है उस व्यवस्था के तहत हम लोगों को भी अधिकार मिलना चाहिए। हमारे और साथी बोलना चाहते हैं। हमारे कुछ साथियों को थोड़ा बुरा लग रहा है। हम

नहीं चाहते कि इनको और मिर्च लगे लेकिन हम मिर्चा तो लगायेंगे। इस नाते एक कहानी मैं बताऊं माननीय अधिष्ठाता महोदय अगर इजाजत हो तो।

श्री अधिष्ठाता-

विषय पर बोलिये तो ज्यादा अच्छा रहेगा। क्यों ऐसी उत्तेजना फैलायें जिससे सदन अव्यवस्थित हो।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय का जो 38 पेज का अभिभाषण है, यह शुद्ध रूप से सरकार को गुमराह करके गलत रिपोर्ट सरकार तक पहुंचाई गयी है और वही गलत रिपोर्ट महामहिम राज्यपाल से पढ़वाई गयी। मुझे ज्ञान हुआ कि थाने पर जब समाजवादी पार्टी की सरकार, बसपा की सरकार थी तो 500-1000 रुपये दरोगा जी लेते थे। जब मुझे ज्ञान हुआ कि यह 5000 रुपये मांग रहे हैं तो मैंने बनारस में मंच से बोला और मंत्री की हैसियत से बोला कि 5000 से 10,000 रु0 घूस थाने पर लिये जा रहे हैं, मैंने कहा कि मा0 मुख्य मंत्री जी इस पर कड़ाई करें थाने पर यह व्यवस्था है, गरीब परेशान है जब मुझे जानकारी हुई थी तब मैंने बोला था। जब-जब बोला 2 साल सरकार में रहकर बोला था। आज इसकी जानकारी हुई है। एस0सी0, एस0टी0, ओ0बी0सी0 पर एक कहानी हमने बना रखी है। एक जगह भोज हो रहा था।

श्री अधिष्ठाता-

ओम प्रकाश जी, आप अपना विषय कहिये। कहानी का समय नहीं है।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं विषय पर आता हूँ। यह सौ प्रतिशत एस0सी0, एस0टी0, ओ0बी0सी0 के साथ धोखा हो रहा है। जिस तरह से राम के राज्य में वानरों ने विजय दिला दी, भगवान राम विजय पाये और पुष्पक विमान से अयोध्या आ गये, वानर कूदते, फांदते पता नहीं कहां रह गये, किस जंगल में चले गये ? उसी तरह भारतीय जनता पार्टी को एस0सी0, एस0टी0, ओ0बी0सी0 के लोगों ने मिलकर के विजय दिला दी। यह सत्ता में आकर के रामराज्य की कल्पना कर रहे हैं, वही वानर का हाल हम लोगों का कर दिया है। इन्होंने पूरा का पूरा उसी तरह वानर बना दिया है। इसी बात को कहते हुए मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ।

श्री नील रतन सिंह पटेल ''नीलू''-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, सबसे पहले तो मैं आपसे यह कहना चाहूँगा।

श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सी0ए0 चन्द्र प्रकाश शुक्ल-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आप एक मिनट मेरी बात सुन लें।

श्री अधिष्ठाता-

शुक्ला जी, आप बैठ जाइये।

श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सी0ए0 चन्द्र प्रकाश शुक्ल-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, इन्होंने कहा कि माल लेकर मंत्री बनाये जाते हैं यह तो सीधे-सीधे सदन का अपमान कर रहे हैं। इनके पास कोई प्रमाण होना चाहिए।

श्री अधिष्ठाता-

ठीक है, शुक्ला जी बैठ जाइये।

श्री नील रतन सिंह पटेल ''नीलू''-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे मा0 महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया। सबसे पहले तो मैं यह कहना चाहूँगा कि इस सदन में कांग्रेस और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से हमारी पार्टी बड़ी है। हमारी संख्या इन लोगों से ज्यादा है, लेकिन बार-बार इस सदन में मुझे बाद में क्यों धकेल दिया जाता है? इसमें सुधार होना चाहिए। कांग्रेस से पहले मुझे इस सदन में बोलने का अवसर मिलना चाहिए नहीं तो अगली बार से जब मुझे इस सदन में बोलने के लिए बुलाया जायेगा तो मैं नहीं बोलूंगा।

श्री अधिष्ठाता-

ठीक है, आपकी बात के लिए मैं मा0 अध्यक्ष जी से निवेदन करूंगा, वह इस पर ध्यान देंगे।

श्री नील रतन सिंह पटेल ''नीलू''-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, महामहिम राज्यपाल जी का जो 38 पेज का अभिभाषण है, यह इस उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास का एक बहुत ही मजबूत दस्तावेज तैयार हुआ है। मैं आपसे यह कहना चाहूँगा कि इस उत्तर प्रदेश के अन्दर 2017 से लेकर अब तक जो प्रदेश सरकार के द्वारा चाहे वह सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा इसमें पूर्णरूप से हर जाति धर्म के लोगों को सम्मिलित करके उनको दिया गया है चाहे बिजली हो, चाहे सड़क हो, चाहे स्वास्थ्य हो, चाहे शिक्षा हो, चाहे आवास हो, चाहे शौचालय हो यह हर जाति वर्ग के लोगों को दिया गया है। इस उत्तर प्रदेश में जाति-पांति के नाम पर परिवारवाद के नाम पर इस उत्तर प्रदेश की गरीब जनता को लम्बे समय तक लोगों ने ठगने का काम किया था और यही वजह है कि इस उत्तर प्रदेश की जनता ने तमाम लोगों को नकार करके आज इस उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में इस उत्तर प्रदेश में एक मजबूत सरकार देने का काम किया है। हम आपसे यह कहना चाहेगे कि प्रधानमंत्री ग्रामीण और शहरी आवास योजनान्तर्गत इस प्रदेश के अन्दर 27 लाख 58 हजार आवास स्वीकृत हुए जिसमें

17 लाख आवास बनकर तैयार हुए यह 17 लाख आवास हम आपसे यह कहना चाहेंगे इस सदन के अन्दर तमाम हमारे वरिष्ठ माननीय सदस्य हैं यहां पर समाजवादी पार्टी के भी हैं, बहुजन समाज पार्टी के भी हैं, कांग्रेस के हैं और भारतीय जनता पार्टी के हैं इसमें जो वरिष्ठ हमारे सदस्य हैं उनकी एक टीम बनाकर इस उत्तर प्रदेश में सर्वे करवाने का काम किया जाए यह आपको समझ में आ जाएगा कि इस उत्तर प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा पिछड़े समाज और दलित समाज के लोगों को यह आवास मुहैया कराने का काम हमारी सरकार ने किया।

हम आपसे यह कहना चाहेंगे कि आज उत्तर प्रदेश की जनता जाति-पांति और भेदभाव के नाम पर पिछड़े, अगड़े के नाम पर, दलित के नाम पर अब गुमराह होने वाली नहीं है। क्योंकि ऐसे नारों से उत्तर प्रदेश की जनता का पेट भर चुका है अब इस उत्तर प्रदेश की जनता पूर्ण रूप से विकास चाहती है हर जाति, धर्म के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ना चाहती है। हम आपसे यह कहना चाहेंगे कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत एक करोड़ 47 लाख से अधिक निःशुल्क रसोई गैस कनेक्शन देकर देश में प्रथम स्थान उत्तर प्रदेश की सरकार ने बनाया है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों की स्थापना इसमें इस उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान आया है। प्रधानमंत्री बिजली हर घर योजना सौभाग्य योजना के अन्तर्गत एक करोड़ 24 लाख से अधिक विद्युत कनेक्शन इस उत्तर प्रदेश के लोगों को मिला है। पहले क्या होता था कि कनेक्शन के लिए पूर्ववर्ती सरकारों के समय में इस देश का आम नागरिक बिजली आफिस में जाकर ठोकरें खाता था। एक कनेक्शन के लिए उसे 20-20-25-25 बार बिजली आफिस के चक्कर लगाना पड़ता था। लेकिन उनको पैसा भी देना पड़ता था तमाम कमीशन खोरी होती थी। उनसे नाजायज पैसे लिए जाते थे एक एक कनेक्शन के लिए लेकिन इसके बाद भी उनको कनेक्शन नहीं मिलता था । लेकिन आज इस उत्तर प्रदेश की सरकार ने इस एन0डी0ए0 की सरकार ने जन-भावनाओं की कद्र करते हुए जिन लोगों को बिजली का कनेक्शन चाहिए उनको निःशुल्क बिजली का कनेक्शन देने का काम हमारी सरकार ने किया है। इस उत्तर प्रदेश की सरकार ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना आम आदमी बीमा योजना इसके नाम पर इस उत्तर प्रदेश के हर जाति धर्म के लोगों का बीमा हमारी सरकार ने किया उनके जीवन की गारण्टी हमारी सरकार ने लिया हम आपसे यह कहना चाहेंगे कि यह महामहिम राज्यपाल महोदय का जो अभिभाषण है इस अभिभाषण से इस उत्तर प्रदेश की जनता का विकास होगा इस उत्तर प्रदेश के अन्दर हर जाति धर्म के बेटों को रोजगार से जोड़ने का काम किया जाएगा मां बहनों की इज्जत सुरक्षित रहेगी इस प्रदेश के अन्दर जो कानून व्यवस्था जिसके ऊपर बार बार हमारी पूर्ववर्ती सरकारों में बैठे हुए लोग जो आज भी इस सदन में सदस्य के रूप में हैं उनके द्वारा बार बार कानून व्यवस्था के ऊपर उंगली उठाई जाती है बेटियों के साथ रेप होता था और उन्हें सूखे पेड़ पर लटकाने का काम किया जाता था

और पूर्ववर्ती सरकारें खामोशी से पूरा नजारा देखने का काम करती थीं। दोषियों को बार-बार बचाने का प्रयास किया जाता था। हमारी सरकार की यह दृढ़ इच्छाशक्ति है कि चाहे कितना भी बड़ा अपराधी क्यों न हो, चाहे कितनी भी बड़ी ताकत रखने वाला अपराधी क्यों न हो अगर अपराध में उसकी संलिप्तता पायी गयी है तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई हुई है। आज इस उत्तर प्रदेश के अन्दर बड़े से बड़ा अपराधी जेल की सलाखों के पीछे है या उत्तर प्रदेश को छोड़कर दूसरे देशों में जाने के लिए मजबूर हुआ है या उन प्रदेशों में जाने के लिए मजबूर हुआ है जहां पर एन0डी0ए0 की सरकार नहीं है। हम आपसे कहना चाहेंगे कि पूरे देश के अन्दर दुग्ध, चीनी, गन्ना और आम की पैदावार सबसे ज्यादा अगर हुई है तो वह उत्तर प्रदेश में हुई है, और यह ऐसे ही नहीं हुई है इसके पीछे हमारी सरकार की रणनीति रही है कि हम दूध की पैदावार को बढ़ाने का काम करेंगे, हम चीनी की पैदावार को बढ़ाने का काम करेंगे, हम गन्ने की पैदावार को बढ़ाने का काम करेंगे और हम आम की पैदावार को बढ़ाने का काम करेंगे। इस पर हमारी सरकार ने काम किया है और पूरे देश के अन्दर सबसे ज्यादा पैदावार उत्तर प्रदेश में हुई है।

इस देश के गरीबों के लिए, असहायों के लिए अटल पेंशन योजना की व्यवस्था हमारी सरकार ने किया है। उत्तर प्रदेश की सरकार ने कानून व्यवस्था, जिस पर बार-बार उंगली उठायी जाती है अपराध मुक्त, भय मुक्त और अन्याय मुक्त वातावरण कानून का राज स्थापित करने का काम हमारी सरकार ने किया है। आज उत्तर प्रदेश के अन्दर एक भी साम्प्रदायिक घटनायें नहीं घटी, कहीं भी आतंकवादी घटनायें नहीं घटी हैं। पहले क्या था ? हमारे रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, बाजार, कचहरी और मंदिर सुरक्षित नहीं थे लेकिन आज क्या है? आज यह हमारी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति है कि पूरे उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरे देश के अन्दर कहीं भी आतंकवादी घटनायें नहीं घटी हैं। पहले तो हमारा संसद भवन ही सुरक्षित नहीं था। आतंकवादी शरहद पार से हमारे देश में आकर हमारे संसद भवन पर हमला करके चले जाते हैं लेकिन जो सरकार होती है उस सरकार में हमारा संसद भवन सुरक्षित नहीं रहता है। लेकिन आज जो सरकार हमने दिया है उसकी वजह से आज हमारा संसद भवन सुरक्षित है, आज हमारा रेलवे स्टेशन सुरक्षित हैं, आज हमारे मन्दिर सुरक्षित हैं, आज हमारे बाजार सुरक्षित हैं, आज हमारे शहर सुरक्षित है और आज हमारी देश की सीमायें सुरक्षित हैं। (सत्ता पक्ष द्वारा सीटें थपथपायी गयीं) मैं और कुछ नहीं कहना चाहूँगा, इन्हीं बातों के साथ हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो अपना अभिभाषण व्यक्त किया है उसके साथ अपने आपको सम्बद्ध करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूँ, धन्यवाद।

डा0 अनीता लोधी राजपूत-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, सर्वप्रथम मैं आपको धन्यवाद प्रेषित करती हूँ कि आपने माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण की चर्चा में मुझे शामिल किया। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, आभार। जैसा कि राज्यपाल महोदया का जो अभिभाषण है इसका हर शब्द यह

प्रदर्शित करता है कि हमारे माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए या हम कह सकते हैं कि प्रथम प्रदेश बनाने के लिए हर सम्भव, हर अथक प्रयास किया, सार्थक प्रयास किया और निरंतर कठिन परिश्रम किया जिससे कि हमारा उत्तर प्रदेश कई योजनाओं में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री ग्रामीण एवं शहरी आवास योजना में हमारे उत्तर प्रदेश में 27 लाख 58 हजार आवास स्वीकृत हुए जिसमें 17 लाख आवास बनाये गये। इसी तरह गन्ना मूल्य की बात अभी हमारे नेता बसपा कह रहे थे कि गन्ने का मूल्य दिया है तो कौन सा कमाल कर दिया है, किसान ने गन्ना पैदा किया तो दिया है लेकिन हम बताना चाहेंगे कि यही बसपा सरकार थी जिसने चीनी मिलें बन्द करवा दी थीं और गन्ना किसान दर-दर भटक रहा था तो ऐसा नहीं है हमारी सरकार काम कर रही है और उसका फल भी दे रही है, किसान के परिश्रम का फल देती है, यही सरकारों का काम है, इसी तरह 86 हजार 700 करोड़ गन्ना मूल्य का भुगतान करके हमारी उत्तर प्रदेश सरकार प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से 1 करोड़ 47 लाख बहनों को हमारी सरकार ने लाभान्वित किया है इसमें भी हमारी उत्तर प्रदेश सरकार प्रथम स्थान पर है। ग्रामीण क्षेत्रों में 2 करोड़ 61 लाख शौचालय निर्माण करके हमारा उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्योगों में भी हमारा उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना के माध्यम से सौभाग्य योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार ने 1 करोड़ 24 लाख घरों तक रोशनी पहुंचाई है और इसमें भी हमारा उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति एवं आम आदमी बीमा योजना में भी हमारा उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। दुग्ध, चीनी, गन्ना, आम के उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। इसी तरह अटल पेंशन योजना में भी उत्तर प्रदेश ने प्रथम स्थान ग्रहण किया है।

इसलिए यदि हम यह कहें कि हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश से एक प्रथम प्रदेश बनाने के लिए जो कठिन परिश्रम किया है वह सराहनीय है, अनुकरणीय है और हम खुद को सौभाग्यशाली समझते हैं कि हम ऐसे इतने कठिन परिश्रमी मुख्य मंत्री के नेतृत्व में कार्य कर रहे हैं और एक विशेष बात जो कि अभी तक किसी ने भी इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया मैं इस बात को इस सदन के माध्यम से आप तक पहुंचाना चाहती हूँ कि उत्तर प्रदेश में जब से हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है माननीय मुख्य मंत्री जी ने एक विशेष रूप से जो रुचि ली है और कार्य किया है वह हमारे उत्तर प्रदेश में.....

(इस समय 03 बजकर 29 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए)

हमारे भारत के राष्ट्र के संस्कारों को संस्कृति की रक्षा के लिए क्योंकि कोई भी राष्ट्र, कोई भी देश तभी सुरक्षित रह सकता है जब उसके संस्कार और उसकी संस्कृति सुरक्षित हो और उनका सही दिशा में सिंचन हो। जैसा कि हमारे उत्तर प्रदेश सरकार में महाकुम्भ का आयोजन किया जो बहुत ही सराहनीय और अनुकरणीय था। इसी तरह अयोध्या में दीपोत्सव का आयोजन, देव

दीपावली का आयोजन, रंगोत्सव का आयोजन, ये जो हमारे त्योहार हैं इनके माध्यम से हम अपने भारतीय होने का सम्मान और अपने आपमें भारतीय होने का गौरव महसूस करते हैं। एक और बात मैं कहना चाहूँगी कि माननीय अध्यक्ष महोदय जब से हमारी सरकार बनी है, भारतीय जनता पार्टी की सरकार जब से उत्तर प्रदेश में आई है, हमारे प्रदेश की हर दीवार यह प्रदर्शित करती है कि हमारी सरकार की मन्शा कितनी साफ-सुथरी है चाहे आप विद्यालयों में जायें, वहां आज अच्छे-अच्छे श्लोगन लिखे हैं, मन्त्र लिखे हैं, राष्ट्र प्रेम की बातें लिखी हैं वह यह परिलक्षित करती हैं कि सरकार की मन्शा राष्ट्र हित में है, देश हित में है और हमारी पार्टी का मूल मन्त्र जो पण्डित दीन दयाल उपाध्याय जी ने दिया था, लक्ष्य अन्त्योदय, पथ अन्त्योदय, प्रण अन्त्योदय इस लक्ष्य को और इस प्रण को हमेशा परिलक्षित करती है। इसी के साथ-साथ माननीय अध्यक्ष जी चूंकि मैं डिबाई विधान सभा क्षेत्र से आती हूँ और इस सदन के माध्यम से मैं बताना चाहूँगी कि डिबाई विधान सभा क्षेत्र में इन सभी योजनाओं को कितने अच्छे से सुचारु-रूप से जन-जन तक पहुंचाया है और जो इन योजनाओं के सही में हकदार हैं उनको यह योजनायें मिली हैं। किसान ऋण माफी के माध्यम से हमारे डिबाई में 17823 किसानों को लाभान्वित किया गया।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करें।

डा0 अनीता लोधी राजपूत-

अध्यक्ष जी, आप अभी आये हैं अभी तो बस मैंने शुरू किया है, अधिष्ठाता महोदय आपको बतायेंगे।

श्री अध्यक्ष-

आपका भाषण हम अपने चैम्बर से सुन रहे थे बहुत सुन्दर है लेकिन अब समय हो गया है।

डा0 अनीता लोधी राजपूत-

हमारी डिबाई विधान सभा क्षेत्र में किसान ऋण माफी योजना के माध्यम से 17823 किसानों को लाभान्वित किया गया है जिसमें 110.4 करोड़ रुपये की निधि लगी। किसान सम्मान निधि के द्वारा 51847 किसानों को लाभ पहुंचाया गया। उज्ज्वला योजना के माध्यम से 30747 बहनों को लाभान्वित किया गया। वृद्धा पेंशन के माध्यम से 5639 बहनों को, विधवा पेंशन के माध्यम से 4803 बहनों को, दिव्यांग पेंशन के माध्यम से 1847 लोगो को लाभान्वित किया गया। ग्रामीण अंचल में हमारे यहां 146 आवास दिये गये, शौचालय 45335 दिये गये, सामूहिक विवाह के माध्यम से 149 जरूरतमंद बच्चों का विवाह कराया गया। डिबाई और ननौरा में दोनों जगह यदि हम देखें तो प्रधानमंत्री आवास के माध्यम से 2600 औसत लोगों को लाभान्वित किया गया। मैं अपनी सरकार और मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूँगी कि

उन्होंने हमारे यहां बुलन्दशहर में मेडिकल कालेज दिया है और उसका धन भी आवंटित हो चुका है यह हमारे बुलन्दशहर के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। हमारे यहां से जो गंगा यात्रा गई है उसके लिए भी मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूँगी। मेरी नरौरा नगर पंचायत को आदर्श नगर पंचायत घोषित किया गया है उसके लिए भी मैं माननीय मुख्य मंत्री जी और अपनी सरकार को धन्यवाद देना चाहूँगी। माननीय अध्यक्ष जी, मैं अन्त में अपनी सरकार और माननीय मुख्य मंत्री जी के लिए दो पंक्तियां कहकर अपनी बात समाप्त करूंगी-

''यूं ही नहीं मिलती राही को मंजिल,
एक जुनून सा दिल में जगाना पड़ता है,
किसी ने पूछा चिड़िया से कैसे बना आशियाना,
तो बोली भरनी पड़ती है उड़ान बार-बार, तिनका-तिनका उठाना पड़ता है।''

तो इसी तरह मा0 मुख्य मंत्री जी ने तिनका-तिनका करके हर योजना को हर घर तक पहुंचाया है इसके लिए मैं एक बार फिर इस सदन के माध्यम से मा0 मुख्य मंत्री जी को और माननीय अध्यक्ष जी आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ। पूरे सदन को धन्यवाद। जय हिन्द-जय भारत।

श्री देवमणि द्विवेदी-

महामनीषी अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने हेतु अवसर देने के लिए मैं आपको धन्यवाद देते हुए अपने भाषण में भाजपा के सभी पूर्व वक्ताओं को पूर्णता के साथ समेटते हुए और विस्तार के भय से बिना उनको दोहराये हुये तथा श्री नीलू जी को भी उनकी पूर्णता में अपने साथ जोड़ते हुए आगे बढ़ता हूँ। जो बातें पहले कही जा चुकी हैं तो मेरी कोशिश होगी कि मैं उनको टच भले कर लूं लेकिन मैं उनको दोहराऊ नहीं। माननीय अध्यक्ष जी, पहले मैं देखता था कि हमारे महामहिम राज्यपाल जी जब आते थे तो उनके ऊपर कागज के गोले बरसाये जाते थे, यह नारी शक्ति की महिमा है कि विपक्ष गोले बरसाने से बचा और सिर्फ नारेबाजी तक अपने को सीमित रखा।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

यह हमारे संस्कार हैं।

श्री देवमणि द्विवेदी-

दूसरी चीज हमारे साथियों ने कहा कि हमारी सरकार ने सब अच्छे काम किये हैं इसके बावजूद विपक्ष के किसी एक व्यक्ति ने उसका सम्मान नहीं किया और उसकी प्रशंसा में एक शब्द भी नहीं कहे, तो मेरे दिमाग में सिर्फ दो बातें आईं कि शायद विपक्ष में अटल जैसा कोई व्यक्तित्व नहीं है और दूसरी बात जैसे माननीय मोदी जी इतने दिनों से इतने बड़े काम करते रहे और राहुल जी के मुंह से एक भी प्रशंसा के शब्द नहीं निकले तो इसमें कोई अचरज की बात नहीं है। अमरावती वन में भी कुछ लोग जब प्रवेश करते हैं तो वह आम के फल को

नहीं बल्कि कुछ कँटीली झाड़ियों को ही खोजते हैं। ''निरीक्षते केलिवनं प्रविश्य क्रमेलकः कण्टकजालमेव'' कुछ लोग कहते हैं कि पहले की सरकार ने बहुत विकास किया और हमारी सरकार उसी विकास को आगे बढ़ा रही है, हेन कर रही है, तेन कर रही है।

मेरा यह कहना है कि अगर पहले की सरकार के विकास के कदमों को अगर हमने आगे बढ़ाया है तो यह आपके लिए श्रेय का विषय है फिर और जिन बिजली घरों के माध्यम से आप 24 घण्टे, 20 घण्टे, 18 घण्टे बिजली नहीं पहुंचा पाये अगर उसी क्षमता को ममता, समता और समरसता के साथ हमने सब तक पहुंचा दिया तो इसके लिए आपको धन्यवाद देना चाहिए। लोग कहने लगे कि अखिलेश जी ने तो बहुत विकास किया है फिर भी क्यों हार गये ? मैंने दो पंक्तियां लिखी हैं ''क्षमता, ममता और समता मिलकर समरसता की धार बनें और जातिवाद, परिवार बढ़ाकर समरसता को तोड़ न देना, राजनीति गम्भीर विषय आवारों पर छोड़ न देना।'' मैंने लिखा है कि सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानी, विकास की देववाणी हमारी सरकार ने इन्हीं बिन्दुओं पर काम किया है। बार-बार सी0ए0ए0 और एन0आर0सी0 की बात आने लगी है। मैं सिर्फ एक पंक्ति उस पर बोलना चाहता हूँ कि सी0ए0ए0 का मतलब हुआ कि पड़ोस के इस्लामिक देशों में पीड़ित अल्पसंख्यकों को सुविधापूर्वक भारत में नागरिकता देने का कानून है। इसमें किसी को क्यों एतराज होना चाहिए, मुझे समझ में नहीं आता है ? तमाम हमारे विपक्ष के साथी हैं मेरी उनसे बात हुई कि आप लोग क्यों विरोध कर रहे हैं इसमें यही तो सिम्पल बात है। कहे कि सिम्पल बात भले हो जब हमको समझना नहीं है तो चाहे सिम्पल हो, चाहे जटिल हो। '' एक खेमा खामियों पर है नजर गाड़े हुए और खूबियां भी, खामियों में गिनाने के लिए'' मैं आगे चलता हूँ। मैं राज्यपाल जी के अभिभाषण को पूर्णतः सराहना योग्य मानते। उन्होंने कहा- ''दैहिक दैविक भौतिक तापा। रामराज नहिं काहुहि ब्यापा।।'' मैं सबसे पहले दैहिक पर ही आ रहा हूँ।

श्री अध्यक्ष-

देवमणि जी आप पहले मूल बात कर लीजिए।

श्री देवमणि द्विवेदी-

मान्यवर, मैं मूल बात पर ही बात कर रहा हूँ। शरीर सब धर्मों का साधन है और शरीर ब्याधि का मंदिर है। हमारे यहां शरीर को लेकर जो रामराज्य आया है, मैं उसी एक बिन्दु पर विस्तार करने जा रहा हूँ। आयुष्मान भवः आयुष्मान योजना आई। फिर प्रधानमंत्री जन औषधि योजना जो उत्तर प्रदेश में सरकारी मेडिकल कॉलेज और सरकारी संस्थानों में 116 तथा गैर सरकारी क्षेत्रों में 625 प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र खुले हैं जिनकी कीमत 30 प्रतिशत से 90 प्रतिशत कम है। अगर आप इसको रामराज्य नहीं कहेंगे और दैहिक क्षेत्र में यह रामराज्य नहीं है तो क्या है ? पूरे उत्तर प्रदेश में एक हजार व्यक्तियों पर सिर्फ तीन-तीन

हेल्थ वर्कर हैं, जबकि डब्ल्यू0एच0ओ0 के हिसाब से हेल्थ वर्कर की संख्या दस होनी चाहिए। पूरे भारत का एवरेज छः का है। उत्तर प्रदेश तीन। उस तीन को छः और दस तक ले जाने का जो प्रयास हुआ है उसमें सत्तर सालों में मेडिकल कॉलेज की संख्या सिर्फ 12 है और हम अपने इन पांच सालों में बीस नये मेडिकल कालेज खोलने की प्रक्रिया शुरू करके हम उसी दिशा में अथक भगीरथ प्रयास करने में लगे हुए हैं। टेली मेडिसिन की परम्परा मजबूत हुई है।

मुख्य मंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले लगे हैं। मातृ मृत्यु दर में सर्वाधिक 30 प्रतिशत की गिरावट आई है और हम एक दर्जन क्षेत्रों में हमने रिकार्ड बनाया है, उसमें हम प्रथम आये हैं। इसी तरह से कई क्षेत्र ऐसे हैं जिसमें हम द्वितीय आये हैं। हमें उपनिषद की वह पंक्ति याद आती है कि ''बहुनामेनि प्रथमः, बहुनामेनि मध्यमः'' हम लोग बहुतों में प्रथम हुए हैं और बहुत क्षेत्रों में मध्यम हुए हैं तथा अधम किसी क्षेत्र में नहीं हुए हैं। इसके अलावा दैविक तो आपदा राहत कोष में हम देखते हैं कि किसी भी विधायक ने मरीजों के लिए जो आवेदन किया वह रिकार्ड टाइम में मुख्य मंत्री के कार्यालय से वापस गया है और इस बात के साक्षी चाहे पक्ष के, चाहे विपक्ष के जो भी मा0 विधायकगण हैं सबका अपना यही अनुभव है। उत्तर प्रदेश में कर्नाटक और तमिलनाडु की तर्ज पर ही पैरामेडिकल कालेज के प्राइवेट संस्थानों को बहुत आसानी से स्वीकृति दी जा रही है जिससे हम अपेक्षा कर सकते हैं कि दैहिक ताप को घटाने के लिए, बीमारियों को घटाने के लिए जैसे शुद्ध पानी के लिए व्यवस्था होनी वाली है और हर घर तक जल पहुंचाया जाएगा वह भी स्वास्थ्य के ही क्षेत्र में काम करेगा और हम लोग एक हजार व्यक्ति पर 10 हेल्थवर्कर तक पहुंच जायेंगे। हम मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र में बात करना चाहते थे। इसके अलावा कृषि, किसानी और अन्य सभी क्षेत्रों में विस्तार से बात की गयी है। हम उसको दोहराने के लिए जहमत नहीं उठाना चाहते हैं। भारत की प्रतिष्ठा में संस्कृत और संस्कृति का बहुत विशेष योगदान है। हम लोग उस पर काम कर रहे हैं। हम कह सकते हैं कि ''कुछ किये हैं बहुत कुछ करके रहेंगे, देवदानव युद्ध तो चलते रहेंगे। जितने भी पिछड़े बिछड़े हैं सारे अपने भाई हैं, ज्यादा पढ़ने के चक्कर में बेचारों को छोड़ न देना और राजनीति गंभीर विषय है, आवारों पर छोड़ न देना,'' यह सरकार योगी सरकार है, उपयोगी सरकार है, सहयोगी सरकार है, यादवेन्द्र सरकार है और रामराज्य की राघवेन्द्र सरकार है। अन्त में मैं सिर्फ यह अपेक्षा करता हूँ कि विधायकों का जनप्रतिनिधियों का मान-सम्मान उत्तरोत्तर बढ़ता रहेगा और आगे आने वाले बजट में सभी विधायकों के मान-सम्मान और वेतनमान को बढ़ाने के लिए उनके प्रोटोकाल को मजबूत करने के लिए कई बड़े निर्णय आने वाले हैं। जहाँ तक सुल्तानपुर की बात है। सुल्तानपुर में एक मेडिकल कालेज दिया गया। उसके लिए मैं पूरी सरकार का धन्यवाद करता हूँ। मैं चाहता हूँ कि बहुत सारी चीजें हैं वहां पर धोपाय है जो तीर्थ है उसको धाम के रूप में स्वीकृत करने के लिए मैं अपेक्षा करता हूँ, निवेदन करता हूँ और

सामान्य प्रक्रिया में ही विकास के बहुत सारे कार्य होते जा रहे हैं उसको यहां पर फिर से कहने की कोई बात नहीं है। मैं फिर से समय देने के लिए महामनीषी अध्यक्ष जी का धन्यवाद करता हूँ और आप सब लोगों को मुझे ध्यानपूर्वक सुनने के लिए भी मैं धन्यवाद करता हूँ। पूरे चमन को चाट लिया था जनाब ने मुझको बताइये कैसे झेला आपने। बहुत-बहुत धन्यवाद।

डा0 अरूण कुमार-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं डा0 मंजू शिवाच, मा0 सदस्य विधान सभा द्वारा प्रस्तुत तथा श्री योगेन्द्र उपाध्याय द्वारा समर्थित राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्तुत करने का मैं समर्थन करता हूँ और मैं यही कहूँगा कि हमारी सरकार में यशस्वी मुख्य मंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में ऐसी नीतियां और योजनायें लायी गयी हैं जो समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति तक पहुंच रही हैं और उनकी बेहतरी हो रही है। इसी के साथ पं0 दीन दयाल उपाध्याय के सपनों को सरकार साकार कर रही है। लक्ष्य अन्त्योदय की ओर हम लोग आगे बढ़ रहे हैं। साथियों, आज से तीन साल पहले लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति बहुत खराब थी। जमीनों पर कब्जे आम बात थी। महिलाओं के साथ अपराध, छिनैती मामूली बात थी। बन्द दुकान तुम्हारी, खुली दुकान हमारी का नारा लगना आम बात थी। खाली प्लाट हमारा है यह नारे लगा करते थे। लेकिन आज ऐसा नहीं है। सरकारी प्लाटों पर क्या साधारण आदमी के प्लाटों पर भी कब्जे खाली करने पड़ रहे हैं। क्रिमिनल टेन्शन में हैं। आज अपराधमुक्त, भयमुक्त वातावरण है। साम्प्रदायिक दंगे अब वैसे नहीं हो रहे हैं जैसे कुछ साल पहले होते थे। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास जैसे नारे पर आगे चलते हुये हमारी सरकार विकास कार्यों की ओर आगे बढ़ रही है। एक समय था क्रिमिनल पुलिस पर हावी थे आज पुलिस क्रिमिनल पर हावी है। क्रिमिनल या तो प्रदेश छोड़ रहे हैं और बहुत से तो ऐसे हैं जो अपनी जमानत कैंसिल कराकर कह रहे हैं कि हम तो अन्दर ही सही हैं। साथियों क्राइम में बहुत कमी हुयी है। जब तक क्राइम रहेगा तब तक देश तरक्की नहीं कर सकता है। तीन साल पहले और आज में क्राइम में लगभग 35-40 प्रतिशत कमी हुयी है। दुष्कर्म में 35 प्रतिशत कमी हुयी है। डकैती में 53 प्रतिशत कमी है।

लूट में 44 प्रतिशत, बलवे में 48 प्रतिशत, अपहरण में 30 प्रतिशत कमी है। इसी तरह से हर क्राइम पहले से कम हो रहा है। यह सब सरकार की सकारात्मक तथा दृढ़ इच्छाशक्ति और जीरो टॉलरेन्स की वजह से सम्भव हुआ है और हमारा प्रदेश आगे बढ़ रहा है। 112 नम्बर एम्बुलेंस जिसके जरिये पुलिस जल्दी पहुंच रही है और वास्तव में जल्दी पहुंच रही है, चाहे गांव हो या शहर हो। 112 नम्बर एम्बुलेंस क्राइम को कंट्रोल करने में काफी सहयोगी रही है और इस कार्य के लिए यशस्वी मा0 मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

प्रधानमंत्री ग्रामीण व शहरी रोजगार योजना में 27.58 लाख आवास स्वीकृत किये हैं जिनमें 17 लाख आवास बन रहे हैं और मैं समझता हूँ कि वह दिन दूर नहीं होगा जब सभी गरीब के सिर पर छत जरूर होगी, कोई ऐसा इंसान नहीं बचेगा जिसके सिर पर छत न हो। 87 हजार 700 करोड़ रुपये गन्ना मूल्य का भुगतान कराना कोई मामूली बात नहीं है आज गन्ने की खेती किसान कर रहे हैं वह पहले के मुकाबले ज्यादा खुश हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत सरकार ने बहनों को निःशुल्क रसोई गैस का लाभ पहुंचाया है यह कोई आसान काम नहीं है क्योंकि पहले शुल्क देकर गैस की बुकिंग की जाती थी और काफी समय इंतजार भी करना पड़ता था, जोड़-तोड़ लगानी पड़ती थी तब जाकर कहीं गैस मिलती थी। हमारी सरकार ने हर महिला को रसोई गैस का कनेक्शन मुफ्त दिया है। मैं महिलाओं के बारे में यही कहूँगा कि आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी अपना बचपना नहीं भूले, उन्होंने देखा कि उनकी माता गीले कंडे से खाना बनाती थीं तो उनकी आंखों में आंसू आ जाते थे वह आंसू भूले नहीं और जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने तय कर लिया कि खाना बनाते समय किसी मां-बहन की आंखों में आंसू नहीं आयेंगे। इसके साथ-ही-साथ धुएं से जो आंखों को नुकसान होता था, केटरेक्ट जल्दी होता था, आंखों में और परेशानियां होती थीं वह अब नहीं होंगी। महिलाओं में सांस की बीमारियां होती थीं वह अब नहीं होंगी। छोटे कमरे में रहना, उसी कमरे में खाना बनाना और धुएं के कारण बच्चों को निमोनिया होता था वह अब नहीं होगा। परिवार की सेहत में कुकिंग गैस बहुत बड़ा सहयोग करेगी। स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत शौचालय बनाये गये, शौचालय में सफाई तो है ही और साथ ही शौचालय महिलाओं के सम्मान और अस्मिता से जुड़ा हुआ है, इससे स्वास्थ्य पर भी बहुत फर्क पड़ता है। आज हिन्दुस्तान के अन्दर खून की कमी का सबसे बड़ा कारण है-खुले में शौच। जबसे खुले में शौच बन्द हो गया, कुछ दिनों बाद आप देखेंगे कि एनीमिया उतना नहीं मिलेगा जितना मिलता है। सौभाग्य योजना के अन्तर्गत बिजली के कनेक्शन मुफ्त दिये गये, बहुत से लोग बुड्ढे हो गये लेकिन उन्होंने कभी घर में बल्ब जलता हुआ नहीं देखा। अब उनके घर में उनके बच्चे उनके सामने टी0वी0 देख रहे हैं, इससे बड़ी खुशी की बात क्या होगी। हर घर को लगभग बिजली दी जा रही है जहां नहीं है वहां भी दी जा रही है, हर गांव को बिजली दी गई है, अब ट्रांसफार्मर जल्दी बदले जाते हैं। इसी के साथ मैं यह भी कहूँगा कि आयुष्मान योजना एक ऐसी योजना है जो दुनिया में नहीं थी। दुनिया में कहीं कोई ऐसी योजना नहीं है जहां 05 लाख रुपये इलाज के लिए मुफ्त दिया जाता है। यह हमारे मोदी जी और योगी जी हैं जिन्होंने गरीब की गरीबी को, बीमार की बीमारी को समझा। यदि कोई बड़ी बीमारी हो जाये, जैसे कैंसर हो जाये, किडनी फेल हो जाये, लीवर फेल हो जाये, हार्ट की बीमारी हो जाये, इन बीमारियों के लिए पत्नी के जेवर तक गिरवी रखने पड़ते थे, खेत बिकने की नौबत आ जाती थी, घर बिकने का नम्बर आ जाता था, घर के बुजुर्ग कहते थे कि हमें इसी तरह छोड़ दो, हमारा इलाज मत कराओ, नहीं

तो जो भी बच्चों का साया है, उसे भी बेंच दोगे। लेकिन मोदी जी एवं योगी जी की सोच से अब ऐसा किसी के साथ नहीं होगा। हर परिवार को जो गरीब हैं, 05 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त दिया जा रहा है जो कि अपने आप में एक बड़ी बात है। प्रदेश के अन्दर 01 करोड़ 36 लाख परिवारों को कार्ड दिये जा रहे हैं उनका नाम सूची में है। जनपद बरेली के अन्दर 25 हजार से अधिक बीमार लोगों ने इसका फायदा उठाया है।

मेडिकल एजुकेशन के बारे में ये कहूँगा कि वर्ष 2016 तक प्रदेश के अन्दर 12 मेडिकल कॉलेज थे और आज 07 अन्य कॉलेजों में पढ़ाई शुरू हो गयी है मतलब आज कुल 19 मेडिकल कॉलेज फंक्शन कर रहे हैं। 08 मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं जो एक-दो साल के अन्दर ही शुरू हो जाएंगे। 13 स्वीकृत हो चुके हैं। इस तरह सन् 16 में जो 12 मेडिकल कॉलेज थे, वर्ष 2022 में 40 मेडिकल कॉलेज हो जाएंगे और डॉक्टरों की कमी नहीं रहेगी। इंद्रधनुष वैक्सीनेशन से 12 बीमारियों की रोकथाम हो रही है जो अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड है और बीमारी रोकने का टीकाकरण सबसे सस्ता और अच्छा तरीका है। दुनिया से चेचक और पोलियो जो खत्म हुआ वह टीकों से ही हुआ है। अब टीकों से बहुत-सी बीमारियां खत्म हो जाएंगी। हमारे यहां प्रदेश के अन्दर तीन एम्स स्तर के अस्पताल हैं एस0जी0पी0जी0आई0, लखनऊ, गोरखपुर और रायबरेली। मैं चाहता हूँ कि बरेली जो हमारे मण्डल का एक बड़ा शहर है उसके आस-पास बदायूं, शाहजहांपुर, पीलीभीत, हल्द्वानी में मेडिकल कॉलेज हैं लेकिन बरेली में नहीं है, उसमें एक एम्स स्तर का अस्पताल खोला जाए। इसके साथ ही साथ नौजवानों के रोजगार के लिए वहां एक सरकारी इण्डस्ट्री लगाई जाए। आज से कुछ साल पहले वहां की प्रमुख इण्डस्ट्रीज बन्द हो चुकी हैं और बरेली में इण्डस्ट्री खुलने से नौजवानों को एक बहुत बड़ा सहारा मिलेगा। केवल बरेली ही नहीं, बल्कि उसके आस-पास के लोगों को भी सहारा मिलेगा।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करिए।

डा0 अरूण कुमार-

एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी जो पहले पंतनगर में है, जो बरेली से थोड़ी दूर है। अब बरेली में भी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी खुले और फूड पार्क जिसके लिए डिक्लेरेशन हो गया है और थोड़ा काम भी शुरू हो गया है उसके काम में भी तेजी लाई जाए ताकि जल्दी फूड पार्क बने। इसी के साथ-साथ मैं यह कहूँगा कि हमारी सरकार ने जो सामूहिक विवाह कार्यक्रम शुरू किया है उससे लड़कियों को बहुत आसानी है, माता-पिता को जो परेशानी रहती थी कि लड़की के हाथ पीले नहीं हुए, अब उन्हें इसकी चिंता नहीं है। हमारे मुख्य मंत्री योगी जी 51,000 रुपए सामूहिक विवाह में देते हैं और वृद्धावस्था पेंशन, विकलांग पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन के मामले में जो लोग पात्र हैं उनमें ज्यादातर को पेंशन दी जा रही है।

श्री अध्यक्ष-

अरूण जी, अब आपका हो गया।

डा0 अरूण कुमार-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

बहुत-बहुत धन्यवाद आपका। श्री नरेश सैनी जी।

श्री नरेश सैनी-

मान्यवर, आपने मुझे श्री राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। वर्ष 2017 में भाजपा सरकार प्रदेश में बनी जिसका मुद्दा था, सबका साथ-सबका विकास और जब मुझे एहसास हुआ कि इसी सदन में माननीय मुख्य मंत्री ने सामूहिक रूप से कहा था कि सभी विधायकों को पांच-पांच करोड़ रुपये विकास कार्य के लिए दिया जाएगा। मैं उसके बाद खुश भी हुआ कि सभी नये और पुराने विधायकों को विकास के लिए पांच करोड़ रुपया दिया जाएगा। लेकिन उसके बाद क्या हुआ, लोक सभा का चुनाव था, अपने-अपने विधायकों को विकास के लिए पैसा दे दिया गया और विपक्ष के लोगों को वह पैसा नहीं दिया गया। जो सरकार सत्ता में सबका साथ-सबका विकास लेकर आई थी उसकी कथनी-करनी में कितना फर्क है वह आप सब विधायक अपनी पीड़ा आप लोगों से बताने का काम करते हैं और जो इस तरह विधायकों के साथ भेदभाव करती है वह जनता के साथ सबका साथ-सबका विकास कभी नहीं कर सकती है। इसी तरह जिस सरकार ने अपने संकल्प पत्र में दिया था कि यदि गन्ना किसान का भुगतान 14 दिनों में नहीं हुआ तो ब्याज सहित गन्ने का भुगतान किया जाएगा। मैं समझता हूँ कि तीन साल में उसका मजाक ही हुआ है और प्रदेश में जबसे भाजपा सरकार आई गन्ने का एक भी रुपया किसान के लिए नहीं बढ़ाया गया और किसानों की फसल की लागत डेढ़ गुना बढ़ गयी है, उसकी लागत डेढ़ गुना आ रही है और भाजपा का नारा है कि किसान की आय दोगुनी करने का काम करेंगे। वह कौन सा फार्मूला है, जिससे वह किसान की आय दोगुना करने का काम करेंगे ? यदि किसान की आय दोगुनी करनी है तो गन्ने का रेट कम से कम दोगुना बढ़ाना पड़ेगा। आप रेट बढ़ा नहीं रहे हैं और उसके साथ ही साथ फर्टिलाइजर की जो बात है। खाद की बोरी का जो वजन होता था, पहले एक कट्टे का वजन 50 कि0ग्रा0 होता था। आज उसी कट्टे का वजन 45 कि0ग्रा0 कर दिया गया है, यानी 05 कि0ग्रा0 कम कर दिया है और रेट भी बढ़ा दिया है। यह भाजपा की किसानों के प्रति सोच है। इसी कारण आज उत्तर प्रदेश में किसान आत्महत्या करने के कगार पर है। किसान पीड़ित है, दुःखी है और दर-दर भटक रहा है। यदि मैं बिजली की बात करूं।

आप बिजली के बारे में बहुत कुछ बोलते हैं। लेकिन किसान की क्या स्थिति है। किसान के गन्ने का भुगतान नहीं हो रहा है और किसान के ऊपर एफ0आई0आर0 हो रही है, यह कौन सा न्याय है ? किसान के साथ-साथ जो मजदूर है, जो किसान के काम में हाथ बंटाने का काम करता है, उसके खिलाफ भी एफ0आई0आर0 होने का काम हो रहा है। मान्यवर, जितना उसका बिल नहीं है, उसके समाधान के लिए उससे अधिक 10 हजार रुपये 01 किलोवॉट के लिए उसे देने पड़ते हैं। लेकिन सरकार कह रही है कि हम सबका विकास कर रहे हैं। इसके साथ-साथ प्रदेश में कानून-व्यवस्था पर कोई शिकंजा नहीं है। आए दिन हत्या, लूट, डकैती, बलात्कार, महिला उत्पीड़न की घटनाएं घट रही हैं। अध्यक्ष जी, मैं अपने विधान सभा क्षेत्र की बात करूं, जिले की बात करूं, खनन माफियाओं से साठ-गांठ करके खनन किया जा रहा है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करें, आपका समय हो गया है।

श्री नरेश सैनी-

अध्यक्ष जी, जनप्रतिनिधियों द्वारा शिकायत करने पर भी उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। अवैध तरीके से रेत खनन किया जा रहा है, लेकिन इससे जुड़े अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है। स्टोन क्रेशर वाले, माफियाओं के साथ जुड़कर लगातार खनन कर रहे हैं। रात के 10.00 बजे से सुबह के 6.00 तक जे0सी0बी0 और एच0एम0 के द्वारा नदियों का चीर-हरण हो रहा है और ब्यूरोक्रेसी के सामने सरकार पंगु बनी हुई है। जबकि भाजपा, भयमुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देने का दावा ठोंकती है। सरकार प्रशासनिक स्तर पर निष्फल साबित हो रही है। मेरे क्षेत्र में वन टांगिया और वन गूजर के हजारों परिवार रहते हैं, जो फायरिंग रेंज में भी आते हैं। उन वन गूजरों, जनजातियों के राजस्व ग्राम बनाने, उनके लिए आवास, शिक्षा आदि मूलभूत सुविधाओं को देने के लिए मैंने जनपद स्तर के अलावा शासन स्तर पर भी कई बार अवगत कराया, लेकिन उनको कोई सुविधा नहीं दी जा रही है। इसी तरह पर्यटन विकास हेतु सरकार ने बड़े-बड़े दावे किए। मेरे विधान सभा क्षेत्र में सिद्धपीठ मां शाकुम्भरी देवी का मन्दिर स्थित है। माननीय मुख्य मंत्री जी, माननीय उप मुख्य मंत्री जी और प्रदेश के कई मंत्रियों द्वारा समुचित विकास हेतु घोषणा करने के उपरान्त भी न तो अभी तक सिद्धपीठ मां शाकुम्भरी देवी मन्दिर को ट्रस्ट का दर्जा दिया गया और न ही उसके विकास हेतु कोई कार्य किया गया है, इसलिए सरकार के विकास के दावे खोखले साबित होते हैं। माननीय अध्यक्ष जी, हमारे क्षेत्र से 25 नदियां निकल कर जाती हैं जो बरसात के मौसम में भारी ताण्डव मचाती हैं। इसके कारण लगभग 40-50 गांवों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है। जिस कारण क्षेत्र के निवासियों को भारी जानमाल का नुकसान होता है।

उनके बचाव हेतु 38 ग्रामों में तटबन्ध बनाये जाने हेतु प्रस्ताव शासन स्तर पर विचाराधीन है, जिस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। आपका मैं पुनः धन्यवाद और शुक्रिया अदा करता हूँ कि आपने मुझे राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया, और साथ ही साथ अपने प्रतिपक्ष नेता, समाजवादी पार्टी, बसपा नेता और कांग्रेस नेता के अपने संशोधन पर बल देता हूँ, बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिंद, जय भारत।

श्रीमती रजनी तिवारी-

मान्यवर, मा0 विधायक श्रीमती मंजू शिवाच जी के द्वारा रखे गए समर्थन प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया, मैं आपका आभार व्यक्त करती हूँ। जैसा कि आदरणीय राज्यपाल महोदया ने अपने अभिभाषण में मा0 संयुक्त सदन को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार की नीतियों एवं योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचाने के लिए मेरी सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सरकार के प्रयासों से बहुआयामी विकास कार्य सर्वत्र दिखाई दे रहे हैं तथा उत्तर प्रदेश को विभिन्न क्षेत्रों में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन पर कार्य करते हुए मा0 मुख्य मंत्री जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। मुख्य मंत्री जी के कठोर परिश्रम, निष्ठा व लगन से प्रधानमंत्री ग्रामीण व शहरी आवास योजना, गन्ना मूल्य भुगतान, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, स्वच्छता मिशन के अन्तर्गत सर्वाधिक शौचालय बनवाने में एम0एस0एम0आई0, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योगों की स्थापना में हर घर बिजली सौभाग्य योजना में, इसी प्रकार प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, आम आदमी बीमा योजना, दूध, चीनी, गन्ना उत्पादन तथा अटल पेंशन योजना में हमारी सरकार ने कीर्तिमान स्थापित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मा0 अध्यक्ष जी, प्रदेश की स्थिति को सुधारने और प्रदेश का गौरव बढ़ाने के लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी का आभार व्यक्त करती हूँ। बच्चों के वर्तमान भविष्य को सुधारने के लिए देश को आधुनिक एवं विश्व गुरू बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मान्यवर, जनता जर्नादन के आशीर्वाद से मुझे 15वीं एवं 16वीं विधान सभा में भी जनता का प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मान्यवर, बिना भेदभाव व पक्षपात के जिस तरह से हमारी सरकार कार्य कर रही है। पिछली सरकारों को भी मैंने देखा कि अगर किसी भी कार्य के लिए जाते थे तो कोई भी काम उस समय नहीं होता था।

राज्यपाल महोदया के अभिभाषण में मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे मुख्य मंत्री जी प्रदेश को सफलतापूर्वक विकास के पथ पर आगे बढ़ा रहे हैं। प्रदेश की सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साथ गरीबों, वंचितों, मजदूरों, किसानों हर वर्ग के कमजोर तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाले सभी व्यक्तियों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि योगी सरकार 81 लाख किसानों का कर्ज माफ कर चुकी है एवं

सरकार जिला स्तर पर 24 घण्टे, तहसील स्तर पर 20 घण्टे और ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घण्टे लगातार बिजली उपलब्ध करवा रही है। यह साधारण बात नहीं है विगत सरकारें तो जनता को दिखाने के लिए छलावा योजनाएं बनाती थीं। उस समय मैंने देखा है कि अगर कभी हम लोगों के यहां ट्रांसफॉर्मर जल जाए तो उसको सही करवाने के लिए कितना कहना पड़ता था, तब भी ट्रांसफॉर्मर बदला नहीं जाता था। अगर कहीं विद्युतीकरण हम लोगों को किसी गांव में करवाना हो तो एड़ी-चोटी का जोर लगा देते थे, लेकिन गांव में विद्युतीकरण नहीं होता था। यही अन्तर है उस समय की सरकार और इस समय की योगी सरकार में। शिक्षा के क्षेत्र में हमारी सरकार ने नए विकसित व आधुनिक स्वरूप का प्रयोग कर अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है, जिसके अच्छे परिणाम भी सामने आ रहे हैं। मान्यवर, शिक्षा जहां व्यक्ति के व्यक्तित्व को बनाती है, वहीं समाज और देश की उन्नति की तरफ ले जाने का काम करती है। उस समय की शिक्षा व्यवस्था को हम लोगों ने देखा, उस समय किस तरह की शिक्षा दी जाती थी, स्कूलों की क्या स्थिति थी, शिक्षा को बिल्कुल पंगु बनाकर रख दिया गया था। आज शिक्षा की स्थिति बेहद अच्छी है, उसके अच्छे परिणाम भी दिखाई दे रहे हैं। मान्यवर, जैसा कि राज्यपाल महोदया ने कहा कि विकास की धारा सड़कों के माध्यम से प्रवाहित होती है तो प्रदेश के विकास को तीव्र गति देने के लिए हमारी सरकार एक्सप्रेस-वे का नेटवर्क बिछा रही है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे इस वर्ष के अन्त तक यातायात के लिए खुल जाएगा। इसी माह बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास हो जाएगा। गोरखपुर लिंक एक्प्रेस-वे एवं गाजीपुर-बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे के निर्माण हेतु प्रक्रिया जारी है। इन सबके साथ कीर्तिमान स्थापित करने वाले 637 कि0मी0 लम्बे मेरठ से प्रयागराज तक बनने वाले गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण की प्रक्रिया आरम्भ हो चुकी है। मान्यवर, इसके बनने से मुझे सर्वाधिक खुशी इस बात की भी है कि यह मेरे शहर हरदोई से निकल रहा है। सरकार ने मेरे जनपद हरदोई को एक एक्सप्रेस-वे, एक राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ कई राज्य मार्गों की सौगात दी है। इसके लिए हम अपनी सरकार का, मा0 मुख्य मंत्री जी एवं उप मुख्य मंत्री जी का आभार व्यक्त करते हैं। इन सभी कार्यों के साथ 7948 कि0मी0 ग्रामीण सड़कों का निर्माण कार्य भी हमारी सरकार पूर्ण करवा चुकी है और ऐसे गांवों में सड़कें बनाई गई हैं जो कि आजादी के बाद से सड़क का सपना संजोए बैठे थे।

मान्यवर, पहले कई गांव ऐसे थे जिनके लिए कहा करते थे कि यहां के लिए सड़क बन जाए। गड्ढे बहुत होते थे तो कहते थे कि गड्ढे सही कर दिए जाएं। लेकिन पहले कई चक्करों पर चक्कर लगाते रहो और नयी सड़क बनना तो दूर कभी गड्ढे भी नहीं भरे जाते थे। आज योगी जी की सरकार में, मा0 उप मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में कई सड़कों पर काम हुआ। न सिर्फ गड्ढे ही भरे गए बल्कि तमाम नयी सड़कें भी बनाई गईं। मान्यवर, जहाँ पर आवश्यकता हुई वहां पर छोटे पुल भी बनाए गए, जहाँ पर आवश्यकता हुई वहां पर बड़े पुलों

का निर्माण भी करवाया गया। मान्यवर, हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री जी राज्य के सतत् विकास पर लगातार कार्य कर रहे हैं। इसी का परिणाम है कि वर्ष 2016 तक प्रदेश में मात्र 12 मेडिकल कॉलेज थे। आज हमारी सरकार ने 07 मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कर वहां एम0बी0बी0एस0 की पढ़ाई आरम्भ करा दी है। 08 मेडिकल कॉलेजों का निर्माण चल रहा है जिसमें से 01 मेडिकल कॉलेज मेरे शहर हरदोई में बन रहा है। इसके साथ ही 13 अन्य मेडिकल कॉलेजों की भी स्वीकृति प्रदान की गई है। इन मेडिकल कॉलेजों के निर्माण से स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश अग्रणी भूमिका में आ जाएगा। किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत प्रदेश के 02 करोड़ 33 लाख किसान परिवारों को किसान सम्मान निधि का भुगतान सीधे उनके खातों में किया जा रहा है। मान्यवर, हम विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी के सदस्य हैं और हम अपने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के संरक्षण में पार्टी के दिशा-निर्देशों का पालन करते हैं। हम पार्टी के अनुशासित कार्यकर्ता के रूप में शासन की मंशा को अधिकारियों तथा योजनाओं को सबसे निम्न स्तर तक पहुंचाने का काम करते हैं। हमारे प्रधान मंत्री जी ने एक नये भारत का निर्माण किया है और नये भारत का विश्व में डंका बज रहा है। आज अमेरिका जैसे देश के राष्ट्रपति को हमारे देश में आने के लिए गर्व महसूस हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्वीट कर भारत आने की खुशी का इजहार कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका हो गया होगा।

श्रीमती रजनी तिवारी-

मान्यवर, बस एक मिनट और। अभी नेता विरोधी दल अपनी सरकार की बात कह रहे थे। नेता विरोधी दल अभी सामने खड़े होकर अपनी सरकार के विषय में बहुत कुछ बता रहे थे, उनको लग रहा था कि वे हमारी सरकार का विरोध कर रहे हैं लेकिन मान्यवर, नहीं उन्हें अपनी सरकार का पूरा-पूरा ध्यान आ रहा था और उसी को लेकर शायद वे धारा प्रवाह कहते चले जा रहे थे। आज हमारी सरकार ने हर क्षेत्र में तीव्र गति से काम किया है, चाहे शिक्षा हो, बिजली हो, गन्ना हो, आवास हो, शौचालय हो, स्वास्थ्य हो, चाहे महिला सशक्तीकरण की बात हो। अभी वे शायद अपने समय की बात कर रहे थे। अगर योगी सरकार की बात की जाए तो योगी सरकार ने चाहे शिक्षा की बात हो, चाहे स्वास्थ्य की बात हो, चाहे सड़कों की बात हो, योगी सरकार ने आज इतने काम किए हैं कि अगर इन लोगों से तुलना पर चर्चा की जाए तो पूरा दिन चला जाएगा और ये लोग हमारी तारीफ करते हुए नहीं थकेंगे। आज सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूल मंत्र के साथ वास्तव में हमारी योगी सरकार राम राज्य की स्थापना का काम कर रही है। मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र में शाहाबाद-आंझी ओवरब्रिज की अत्यन्त आवश्यकता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी सरकार इसे गम्भीरता से

देखते हुए यह ओवरब्रिज बनवाने का काम करेगी। मा0 अध्यक्ष जी, आपने हमें बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

अब हम लोग मा0 सुरेन्द्र नाथ सिंह जी को सुनेंगे। मा0 सुरेन्द्र जी आपको समय के भीतर ही खत्म करना है।

मान्यवर, आपको बहुत-बहुत अभिवादन और प्रणाम कि आपने मुझे मा0 राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया। मैं सबसे पहले अपने समक्ष बैठे सभी श्रेष्ठ एवं ज्येष्ठ विधायकों का अभिवादन करता हूँ।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, हमारे बड़े भाई राम गोविन्द चौधरी जी तो चले गये पता नहीं अभी कहां हट गये हैं उज्जवल रमण जी को बैठा गये हैं, प्रतिनिधि के रूप में मेरी बातों को आप उन तक पहुंचा दीजियेगा। एक बात जरूर बता दीजिएगा कि योगी जी की लंगोटी और मोदी जी के चिंतन और चरित्र की रोटी, 'लंगोटी और रोटी' के सामने 'बोटी और बोतल' की संस्कृति कभी काम आने वाली नहीं है। कभी काम नहीं आने वाली है। मेरे भाइयों यह भारत की राजनीति का स्वर्णिम समय है। भारत की ही राजनीति का स्वर्णिम समय नहीं है दुनिया को राजनीति के क्षेत्र में एक संदेश देने का समय भारत से प्रारम्भ हो चुका है। वह समय है कि दुनिया वालों देखो राजनीति वैभव की दुनिया में वैभव के ढकोसले में खेलने के लिए बल्कि अपने जीवन और जवानी को तिल-तिल जलाकर भारत माता की जय बोलने के लिए है (मेजों की थपथपाहट)। यह संदेश है और दर्द विपक्षी भाई लोगों को इसलिए हो रहा है कि लूटो-बांटो की संस्कृति से आज केवल बांटो-बांटो की संस्कृति चल रही है तो स्वाभाविक है कि पीड़ा होगी हमारे बड़े भाई राम गोविन्द चौधरी जी को लेकिन अच्छाई को अच्छाई कहने का साहस रखिये। कहीं कोई बात हो सकती है कि हमारी नीति में कहीं कोई दुर्बलता हो आप प्रसन्न मन से यहां पर सलाह दीजिये यह संसद और विधान भवन इसीलिए होता है।

पूज्य अध्यक्ष जी, आप विद्वान हैं और सादर भी हैं मुझे एक श्लोक याद आ रहा है कि ''कर्म क्षेत्रे कृतम् पापं, धर्म क्षेत्रे विनष्यति अरूधर्म क्षेत्रे कृर्तम पापं व्रजलेतु भविष्यित''। यह सदन भारत के प्रजातंत्र का एक तरह से मन्दिर है। इस प्रजातांत्रिक मंदिर मेरे भाइयों हम सब पुजारी हैं और जिस समाज या समाजिक जीवन का पुजारी भ्रष्ट हो जायेगा उस दुनिया को तार-तार होने से कोई रोकने वाला नहीं होता है इसलिए मैं हमेशा कहता हूँ और आज भी कह रहा हूँ कि इस समाज का समाजसेवी, शिक्षक और संघ ये तीनों प्रेरक व्यक्तित्व होते हैं और तीनों की प्रेरणा लेकर समाज अपने जीवन मूल्यों को संरक्षित करते हुए अपने आचरण का निर्वाह करता है। तीनों को विशेष सतर्क रहना चाहिए। यदि सुरेन्द्र यहां विधायक है तो वह

पांच लाख लोगों का प्रतिनिधि है बलिया के बेरिया विधान सभा क्षेत्र से हमारी जनता देखती है कि सुरेन्द्र का चरित्र क्या है उसकी नीयत क्या है। आज हमारी राज्यपाल महोदया का जो अभिभाषण हुआ है आदरणीय अध्यक्ष जी, वह हमारी सरकार की नीयत का प्रस्तुतीकरण है। हमारी सरकार की नीयत क्या है, समाज के प्रति और देश के प्रति, हो सकता है कि कुछ बातें आपको अप्रिय लगती हों लेकिन आप सर्वांग रूप से केवल उसकी आलोचना ही कर रहे हैं इसका मतलब है कि आपका चश्मा और हृदय दोनों गन्दे हो चुके हैं आपमें अच्छाई को देखने का स्वभाव ही नहीं है। मेरे भाइयों किसी राजा और किसी नेता का प्रजातांत्रिक मुखिया का धर्म है कि परिवार का ही बड़ा रूप संसार होता है। आदरणीय अध्यक्ष जी, आप तो विद्वान हैं हम लोगों के पूज्य हैं परिवार का ही विशालतम रूप संसार होता है तो जिसने सुन्दर परिवार नहीं चलाया वह कभी सुन्दर संसार चलाने की हैसियत नहीं रखता और संसार चलाने की हैसियत वही रखता है ''जो घर फूंको आपनो।'' यदि केवल समाज की चिंता करनी है हमारे विपक्षी भाई लोग हँस रहे हैं। यह अच्छी बात है कि प्रसन्नता के वातावरण में रहना चाहिए लेकिन अपने को कष्ट में डालकर ही दुनिया को सुखी और सम्पन्न बनाया जा सकता है। अब यदि कोई चाहे कि केवल ए0सी0 या डी0सी0 की हवाओं में अपने जीवन को व्यतीत कर लें तो आग लगने पर उस मानवता के दर्द को समझने की हैसियत आप नहीं रखते हैं। वह हैसियत तो वही रखेगा जो जाकर उस दर्द भरी परिस्थिति को देखेगा और तब जाकर वहां अपनी सेवा का समायोजन करके उसको रिलीफ देने का प्रयास करेगा। मैं प्रसन्नतापूर्वक कह सकता हूँ कि शिक्षा, चिकित्सा मौलिक आवश्यकता है और साथ ही सुरक्षा भी है। मैं सुरक्षा से ही शुरू करता हूँ सुरक्षा के क्षेत्र में मैं दावे के साथ कह सकता हूँ आप सब भी प्रसन्न मन से कहते होंगे हमारे श्री उज्जवल रमण जी हैं आप एक राजा कुल के हैं। आपके घर पर भी मैं गया हूँ। हमारे आध्यात्मिक गुरू और इनके पिता जी के आध्यात्मिक गुरू एक ही हैं। मैं भी जिस सन्त के सानिध्य में रहता हूँ। मैं उन्हीं सन्त के साथ इनके घर पर गया हूँ। अध्यक्ष जी, आप कल्पना करके बताइये कि इलाहाबाद की धरती पर अतीक जैसे माफिया को किसी ने यदि नकेल कसने का काम किया तो वह पूज्य योगी आदित्यनाथ जी ने किया है। किसी में दम नहीं था....

(मेजों की थपथपाहट)।

पूर्वांचल में दोनों माफियाओं को नकेल डाल करके आज व्यापारियों को सीना ठोंक करके व्यापार करने का मौका यदि किसी नेता ने पैदा किया है तो वह अकेले पूज्य योगी आदित्यनाथ जी ने किया है, दूसरे किसी ने नहीं किया। रंगदारी मांगने वाले आज बेचारी की जिंदगी जी रहे हैं। आज पूर्वांचल का सबसे बड़ा माफिया मुख्तार अंसारी जो है, अध्यक्ष जी, पूर्वांचल में बहुत लोग तो डरते हैं मैं तो दावे के साथ कह सकता हूँ कि सज्जनों और व्यापारियों का जीना हराम था। उसके सामने उसकी पैरलर सरकार चलती थी। रंगदारी मांगना और जेल से शासन चलाना

उसकी नीयत बन गयी थी लेकिन धन्य हैं पूज्य योगी जी, यह रोटी और लंगोटी की कीमत है कि आज दुनिया का सबसे बड़ा माफिया अपनी जिंदगी की भीख मांग रहा है। किसी राजा और किसी नेता का सुरक्षा की दृष्टि से इससे बड़ा काम नहीं हो सकता है।

अध्यक्ष जी, मैं अपने भावेश में कह रहा हूँ कि आज योगी जी के राज्य में सदाचारी और व्यापारी सीना खोल कर चल रहा है और अत्याचारी और दुराचारी जेल के अन्दर अपनी जिंदगी की भीख मांग रहा है। यह राजा का तेवर होता है और राजा का आभार होता है। आज पूज्य योगी जी महाराज को, इस कृतसंकल्पित विचार को और अपने नेता की भावना को मैं कोटिशः प्रणाम करता हूँ। जिस समाज में शांतिपूर्वक जीने की स्थिति को भी लूट लिया हो ऐसे लोगों को दुरुस्त करना किसी राजा और किसी नेता का धर्म होता है। भगवान चाहेगा तो योगी जी के राज में अब व्यापारी से रंगदारी मांगने वाली कोई हैसियत पैदा होने वाली नहीं है। इसलिए भाइयों, स्वीकार करो कि योगी जी का राज है, लंगोटी वाले का राज है। ऐसे सन्त का राज है कि जिसके राज्य में माफिया रोड पर दिखायी नहीं देगा। माननीय अध्यक्ष जी, मैं अब शिक्षा के क्षेत्र में चर्चा करूंगा। मेरे भाइयों बताइये कि पढ़ाई किसलिए होती है ? सभी विपक्ष के भाइयों मैं आप सबसे प्रार्थना करके पूछता हूँ। आप अपने बेटा और बेटी को चाहते हैं कि सी0 टेट निकाले, आप अपने बेटा-बेटी के लिए चाहते हैं कि आई0ए0एस0 निकाले और समाज के गरीब लोगों के लिए चाहते हैं कि यह पुस्तकीय परीक्षा लागू करके, नकल करा के, स्वकेन्द्र परीक्षा लागू करके उसको नरक में डालें ? यही राजा का धर्म है ? आदरणीय मुलायम सिंह यादव जी ने क्यों नहीं अपने बेटे अखिलेश को भारत के यू0पी0 बोर्ड में पढ़ाया ? उनको क्यों विदेश भेजा ? इसलिए भेजा कि हमारा बेटा योग्य होगा तो वह उत्तर प्रदेश का मुख्य मंत्री बनेगा और गरीबों को नकल कराकर लानत की जिंदगी जीने के लिए प्रेरित कर रहे हैं ? यही आपकी नीयत है ? मेरी सरकार की नीयत मेरे भाइयों देखो कि आज पूज्य योगी जी के राज में हमने गरीब लड़कों को इंग्लिश मीडियम विद्यालय में भी पढ़ने की स्थिति बनाकर यह बता दिया है कि दुनिया वालों देखो कि गरीब का लड़का भी इंग्लिश मीडियम से पढ़ सकता है। यदि धनी का लड़का जयपुरिया कालेज में पढ़ेगा तो योगी जी के कालेज में, प्राइमरी स्कूल में भी इंग्लिश मीडियम से पढ़ेगा और उज्जवल रमण जी की तरफ से धन्यवाद प्रस्तावित करेगा। मेरे भाइयों, मैं आप सबसे कहता हूँ और शिक्षा की बात करता हूँ। नकल विहीन परीक्षा चला कर मैं अपने नेता आदरणीय दिनेश शर्मा जी को प्रणाम करता हूँ। जिसको राजनीति में संदेश लेना है, वह हमारे नेता आदरणीय श्री सुरेश कुमार खन्ना जी, जो यहीं पर बैठे हैं उनसे लें। जिसको राजनीति की साधना देखनी है तो सतीश महाना जी हैं। मेरे मन में यह बात है कि जितने भी हमारे विपक्ष से लेकर पक्ष तक श्रेष्ठ विधायक हैं जिनका जीवन आचरण विशुद्ध

अग्नि की तरह से पवित्र रहा है उनको हम सब लोग एक दिन जुट कर माला पहनाकर सम्मान करेंगे और यह प्रजातंत्र के चरित्र का सम्मान होगा।

अध्यक्ष जी, मैं दो मिनट में अपनी बात को खत्म कर रहा हूँ। मैंने शिक्षा के क्षेत्र में बताया हमारे नेता दिनेश शर्मा जी को मैं धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने नकल विहीन परीक्षा करा करके यह संदेश दे दिया है कि दुनिया वालों देख लो उत्तर प्रदेश में अब मुलायम सिंह और अखिलेश जी की सरकार नहीं है कि नकल कराकर और पुलिस में अपने इटावा और सैफई के लोगों को भर्ती करेंगे। अब तो योगी जी की सरकार है, इसमें जो योग्य होगा, वही दरोगा और पुलिस बनेगा। यह हमारे राजा की नीयत होती है। इसलिए आप सबसे मैं प्रार्थना करूंगा कि कम से कम मन ही मन हमारे योगी जी की इस नीयत को सलाम करो, प्रणाम करो और प्रस्ताव को समर्थन दो। मेरे भाइयों, चाहे कोई भी परीक्षा आज संचालित हो रही है उसमें कहीं भी, एक परीक्षा में भी गड़बड़ी नजर नहीं आयी। अध्यक्ष जी, मुझे खुशी है कि हम लोग उस जमाने में विधायक बने हैं, जीवन में कुछ बनने का मौका मिले या न मिले लेकिन एक साधक के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की विधान सभा में एक विधायक बनकर अपनी बात को रखने का मौका मिला है इससे बड़ा सौभाग्य कुछ भी नहीं हो सकता है।

एक राष्ट्र साधक मोदी जी के नेतृत्व में उनको जिन्दाबाद बोलने का अवसर मिला है। हमारे बड़े भाई राम गोविन्द जी कहते हैं, समाजवाद-समाजवाद। अरे मेरे भाई, समाजवाद, कौन समाजवाद ? लोहिया जी का समाजवाद मर चुका। आदरणीय जनेश्वर जी के समाजवाद का अपहरण हो गया, चन्द्रशेखर जी का समाजवाद तार-तार हो गया। आज तो वह समाजवाद है कि पिता जी के बाद बबुआ जी और बबुआ जी के बाद हो सकता है कि नाती जी भी आ जायेंगे और समाजवाद को जिन्दाबाद बोलेंगे। अध्यक्ष जी, इनको दुख होगा, राम गोविन्द चौधरी जी का यही समाजवाद है।

(विपक्ष के सदस्यों द्वारा टोका-टाकी किये जाने पर घोर व्यवधान के मध्य)

श्री अध्यक्ष-

सुरेन्द्र जी, अब समाप्त कीजिये।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

अध्यक्ष जी, हमारे योगी सरकार का सबसे बड़ा काम है, गरीब लड़कियों की शादी।

(विपक्ष के सदस्यों द्वारा टोका-टाकी किये जाने पर घोर व्यवधान के मध्य)

यह लोग क्या बोलेंगे। परिवारवाद, समाजवाद नहीं होता है। समाजवाद उसको कहते हैं, जो अपने लिये नहीं समाज और देश के लिए जीता है।

डॉ0 संग्राम यादव-

भारतीय जनता पार्टी में सबसे ज्यादा परिवारवाद है।

श्री अध्यक्ष-

सुरेन्द्र जी, आप बैठ जाइये। अब मैं खड़ा हूँ, आप बैठ जाइये।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

यह सब लोग परिवार की गुलामी करने वाले लोग हैं।

श्री अध्यक्ष-

आप कृपया बैठ जाइये। देखिये सुरेन्द्र जी बैठ गये, जब हमने बैठने को कहा। आप हमारी बात तो सुनिये। मैं खड़ा होकर आपसे बात करना चाहता हूँ और आप बार-बार खड़े होते हैं, यह कौन-सी मर्यादा है। जब माननीय राम गोविन्द जी लगभग एक घण्टा 5 मिनट बोले तो उसमें भी कुछ ऐसी बातें थीं, जिनमें लोग खड़े हो सकते थे लेकिन पूरे सदन ने उनका भाषण बहुत ध्यान से सुना और कहीं, कोई एक भी सदस्य की तरफ से कोई इण्टरप्शन, कोई बाधा नहीं डाली गयी। सब लोग उनको सुने। ऐसी ही आदत होनी चाहिए कोई भी बोल रहा हो। कोई चाहे विधायक पहली बार का है, कोई कनिष्ठ है, कोई वरिष्ठ है, बोल रहा हो तो उसको सुनना चाहिए। जहां कहीं कोई ऐसा वाक्य आता है, जो आपत्तिजनक है, उसके लिए हम बैठे हैं, हम उसको कार्यवाही से निकलवा देंगे। मेरा ख्याल है कि अब आपका गुस्सा ठीक हो गया होगा।

डॉ0 संग्राम यादव-

इन्हें सिर्फ यादव का ही परिवारवाद दिखता है। क्या माननीय राजनाथ सिंह जी के बेटे नहीं हैं, क्या माननीय कल्याण सिंह जी के पोते इस सदन में नहीं हैं, क्या माननीय लालजी टण्डन के बेटे आशुतोष टण्डन मंत्री नहीं हैं।

(विपक्ष के सदस्यों द्वारा टोका-टाकी किये जाने पर घोर व्यवधान के मध्य)

श्री आनन्द स्वरूप शुक्ल-

मुख्य मंत्री है, क्या कोई ? कोई राष्ट्रीय अध्यक्ष है ? कोई राष्ट्रीय अध्यक्ष हुआ है किसी परिवार से ? भाजपा के 20 राष्ट्रीय अध्यक्ष हुए हैं, कोई किसी परिवार से हो तो बताइये। कोई एक भी हो तो बताइये, भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष। आप लोग गुलामी कर रहे हैं। आस्ट्रेलिया में कौन समाजवाद का आंदोलन करके आये थे, बन गये मुख्य मंत्री ? कैसे राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे, सब लोग जानते हैं। भाजपा का कोई भी राष्ट्रीय अध्यक्ष एक परिवार, एक जाति, एक प्रदेश से नहीं है। यह हम लोग कह रहे हैं।

(विपक्ष के सदस्यों द्वारा टोका-टाकी किये जाने पर घोर व्यवधान के मध्य)

श्री अध्यक्ष-

सुरेन्द्र जी आपका समय समाप्त हो गया। अब आप अंतिम बात कह लीजिये। बाकी लोग कृपया बैठ जायें ।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

अपनी सरकार की एक और विशेष उपलब्धि बताना चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

सरकार की बातें आप बता चुके हैं। आपका समय अब ज्यादा हो गया। अब आप इनको धन्यवाद दीजिये, जिनको आपने नाराज किया है ।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

अभी सी0ए0ए0 का कुछ लोग विरोध कर रहे थे।

श्री अध्यक्ष द्वारा मा0 सदस्यों के बोलने हेतु समय का निर्धारण

श्री अध्यक्ष-

सी0ए0ए0 हो गया। मैं निवेदन कर दूं कि हम लोगों की योजना है कि अधिक से अधिक माननीय सदस्य श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा में हिस्सा ले सकें। मैंने अपनी ओर से 5 मिनट का समय प्रत्येक माननीय सदस्य के लिये एलॉट किया। कोई-कोई सदस्य 6 मिनट बोले, कोई 7 मिनट बोले, कोई उससे भी ज्यादा बोल गये। हम भी उदार हैं और आप भी कोई बढ़िया बात कह रहे हो तो वह आनी चाहिये, तो आपका समय 8-9 मिनट हो गया, तो अब आप कोई एक-आध लाइन बोल करके अपना भाषण समाप्त करें।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

बन्धुओं, हमारे अध्यक्ष जी का आदेश है उसका पालन करते हुये मैं एक मिनट में अपनी बात समाप्त करता हूँ। मैं निश्चित रूप से कह सकता हूँ कि मेरी सरकार की जो नीयत है वह राज्यपाल के अभिभाषण से प्रदर्शित हो चुकी है। गरीब लड़कियों की शादी वाले विषय की अब मैं चर्चा नहीं करूंगा। अन्त में मैं यही कह सकता हूँ कि भाइयों दुखी मत होना

जब सरिता का जल सूखा हो तो धार बदलना क्या जाने ।

नावें टूटी यदि जर्जर थीं (सपा बसपा की) पतवार बदलना क्या जाने। लूटो-बांटो का नारा था तो जनता की सेवा क्या जाने।

योगी मोदी की रोटी-लंगोटी पर बोटी बोतल क्या जाने ।

अन्त में हम अपने बलिया जिले के लिये इतना ही कहना चाहते हैं कि हमारा बलिया जिला बहुत पिछड़ा जिला है और वहां से वाराणसी की दूरी अधिक है और इसलिये बलिया में एक मेडिकल कालेज की स्थापना कराये जाने की मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ।

श्रीमती संगीता यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिये मैं आपको दिल की गहराइयों से बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूँ और

आपके माध्यम से सदन को प्रणाम करती हूँ। माननीय अध्यक्ष जी, चूंकि मैं एक महिला विधायक हूँ।

श्री अध्यक्ष-

केवल 5 मिनट में बोलना है ।

श्रीमती संगीता यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, इसके लिये तो मैं आज माफी चाहूँगी और आपका संरक्षण चाहूँगी ।

श्री अध्यक्ष-

यदि ज्यादा समय लिया जायेगा तो बाकी सदस्यों को अभी बोलना है। आप लोग अपने सहयोगियों का ध्यान क्यों नहीं रखते।

श्रीमती संगीता यादव-

केवल 07 मिनट माननीय अध्यक्ष जी। माननीय अध्यक्ष जी, एक महिला विधायक के बोलने को आपको एक अवसर के रूप में देखना चाहिये।

श्री अध्यक्ष-

यहाँ कोई महिला पुरुष विधायक नहीं हैं, यहाँ सब सदस्य हैं ।

श्रीमती संगीता यादव-

यहाँ पर अगर मैं बोलूंगी तो भविष्य में और महिला सदस्य यहाँ आकर बैठेगीं इस अवसर के रूप में आप इसे देखें। माननीय अध्यक्ष जी, हमारी महामहिम राज्यपाल जी एक महिला हैं और मैं भी एक महिला विधायक हूँ तो मैं माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण के उन बिन्दुओं पर चर्चा करना चाहूँगी जो महिलाओं से सम्बन्धित है। माननीय अध्यक्ष जी, आजादी के 70 साल बाद भी शौचालय एक नितान्त आवश्यक चीज थी लेकिन कभी भी किसी भी सरकार का इस ओर ध्यान नहीं गया। अभी हमारे एक बहुत वरिष्ठ साथी कह रहे थे कि जब आपके मोदी जी बोलें, योगी जी बोलें, कोई नेता बोले तो केवल शौचालय की ही बात करते हैं। मैं कहती हूँ कि पहले नहीं बना था तभी तो आज बनवाकर इसके बारे में बोलना पड़ रहा है। यदि यह पहले बना होता तो आज बोलना ही नहीं पड़ता, तो मैं कहना चाहती हूँ कि माननीय मोदी जी की सरकार जब बनी तो इस पर ठोस रणनीति बनी और माननीय योगी जी की सरकार इससे कदमताल मिलाते हुये आगे बढ़ी।

श्री अध्यक्ष-

आप अपने विषय कह लीजिये। आप ठोस रणनीति न बताइये।

श्रीमती संगीता यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका संरक्षण चाहूँगी। मैं बोल कर ही आज बैठूंगी। पहली बार केन्द्र की मोदी सरकार ने इसमें महत्वपूर्ण कदम उठाया है और अध्यक्ष जी, 2 करोड़ 61 लाख परिवारों को शौचालय देने के बाद, पूरे देश में यू0पी0 का प्रथम स्थान रहा। महिलाओं के प्रति हमारी सरकार की कितनी संवेदनशीलता है, इसकी मैं कुछ योजनाओं के माध्यम से पुष्टि करना चाहूँगी। नारी सशक्तिकरण संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश के सभी जनपदों में 181 महिला हेल्पलाइन एवं रेस्क्यू वैन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। अध्यक्ष जी, बालिकाओं के प्रति समाज में एक सकारात्मक सोच पैदा हो, इसके लिए माननीय योगी जी की सरकार ने मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना लागू किया है और मुझे सदन को बताते हुए बहुत हर्ष हो रहा है कि 2 लाख 60 हजार से अधिक बालिकाओं को इससे लाभान्वित किया गया है। सत्ता में भी महिलाओं की भागीदारी कैसे सुनिश्चित हो और उनके अधिकारों की पुष्टि के लिए ही माननीय योगी जी ने अभी घोषणा की है कि पुलिस बल में 20 परसेण्ट आरक्षण महिलाओं को दिया जायेगा। इसके लिए मैं सारी नारी शक्ति की तरफ से माननीय योगी जी को सादर प्रणाम करती हूँ। (सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं)

माननीय अध्यक्ष जी, चूंकि मैं एक देहात क्षेत्र से विधायक हूँ। वहां मैंने देखा है कि जब किसी बच्ची की शादी का मामला आता था तब या तो आदमी उधार मांगता था या खेत बेंचता था। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को किन शब्दों में धन्यवाद देना चाहूँ कि सामूहिक विवाह योजना, जिसमें लगभग सभी माननीय सदस्यगण सम्मिलित भी हुए हैं, हो रहे हैं और मैं भी कई बार हुई हूँ यह इस तरह से लागू किया गया है कि अब कन्यायें एक बोझ के रूप में नहीं रह गई हैं। माननीय अध्यक्ष जी, इसका बहुत दूरगामी लाभ होगा। इसी के माध्यम से धीरे-धीरे दहेज प्रथा का भी अन्त होगा। माननीय अध्यक्ष जी, प्रधानमंत्री मातृ-वंदन योजना, निराश्रित महिला योजना, पेंशन योजना, यह महिलाओं की प्रतिबद्धता के प्रति सरकार की संवेदनशीलता को दिखाता है। माननीय अध्यक्ष जी, जब हम कभी भी अस्पताल में जाते हैं, वहां जो मरीजों की लाइन लगी रहती है। हमेशा देखिये कि उसमें महिलाओं की संख्या ज्यादा रहती है। एक जो जनरल व्यू आता है, वह यही आता है कि महिलायें मरीज के रूप में ज्यादा मिलती हैं। माननीय अध्यक्ष जी, यह हमारी सरकार की संवेदनशीलता है, हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है कि 2016 तक मात्र 12 मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन 07 नये मेडिकल कॉलेज में 2019-20 में एम0बी0बी0एस0 की प्रथम वर्ष की पढ़ाई शुरू होने जा रही है। 08 नये मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं और 13 नये मेडिकल कॉलेज स्वीकृत हैं। माननीय अध्यक्ष जी, महिलाओं के प्रति किस तरीके से हमारी सरकार जागरूक है, इसका एक बहुत बड़ा उदाहरण सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप है। मृत्यु दर में सबसे ज्यादा गिरावट, 30 परसेण्ट अगर आई है, तो वह यू0पी0 में आई है। उसी के परिणामस्वरूप प्रदेश सरकार को भारत सरकार द्वारा एम0एम0आर0

अवार्ड से भी विभूषित किया गया है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं गोरखपुर से विधायक हूँ, देहात क्षेत्र से आती हूँ। इंसेफ्लाइटिस का कहर मैंने अपनी आंख से देखा है। जब हम कभी बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज जाते थे तो रूह कांप जाती थी, थोड़ी-थोड़ी देर में बच्चों की लाशें निकलती थीं। माननीय योगी जी जब मुख्य मंत्री नहीं थे, उस समय भी वह इसके लिए निरन्तर प्रयास करते रहते थे। आज मुझे सदन को बताते हुए अपार हर्ष हो रहा है, मेरे पास शब्द नहीं हैं, मैं निःशब्द हूँ, माननीय योगी जी को, इस सरकार को धन्यवाद देने के लिए कि आज उनके प्रयासों से ही इंसेफ्लाइटिस के मामलों में 56 परसेण्ट की कमी आई है। अध्यक्ष जी, मृत्यु के मामले में जो हमारे देश के छोटे-छोटे नौनिहाल थे, बचाव के कारण उसमें 80 परसेण्ट की कमी आई है। अध्यक्ष जी, ब्लाक से लेकर जिला स्तर तक 104 सेंटर इंसेफ्लाइटिस की जागरूकता के लिए खोले गये हैं और साढ़े तीन लाख लोगों को इसके लिए प्रशिक्षित किया गया है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं थोड़ा सा स्वास्थ्य के क्षेत्र में दो लाइन और कहना चाहूँगी। स्वास्थ्य के क्षेत्र में आयुष्मान भारत और मुख्य मंत्री जन-आरोग्य, यह दो योजनाएं मील का पत्थर, चमत्कार साबित हुई हैं। चूंकि मैं एक दिहात क्षेत्र से विधायक हूँ, अध्यक्ष जी, मैंने वहां देखा है।

श्री अध्यक्ष-

आप अपने क्षेत्र की बात बता दीजिए।

श्रीमती संगीता यादव-

अध्यक्ष जी, क्षेत्र का नहीं, मैं पूरे यू0पी0 का हाल बता रही हूँ। जब भी कोई गम्भीर बीमारी हो जाती थी या तो आदमी अपना खेत बेंच कर इलाज करता था या उधार लेकर इलाज कराता था। लेकिन मुझे आपके माध्यम से सदन को बताते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि आयुष्मान भारत के तहत 01 करोड़ 26 लाख परिवारों को और मुख्य मंत्री जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 10 लाख 56 हजार परिवारों को सालाना 5 लाख रुपये तक निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध करा दी गई है। इसके लिए मैं दो लाइन कहना चाहूँगी कि ''कौन कहता है कि आसमान में छेद नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारों''। स्वास्थ्य के क्षेत्र में माननीय योगी जी ने यह करके दिखाया है।

माननीय अध्यक्ष जी, अभी मैं कानून-व्यवस्था पर विपक्ष को बहुत करीब से सुन रही थी। कानून-व्यवस्था के सम्बन्ध में दो-चार तथ्यों के माध्यम से अपनी बात को रखूंगी। कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में हमारी सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति को अपना कर अपराधमुक्त, भयमुक्त एवं अन्यायमुक्त वातावरण को बनाकर कानून का राज स्थापित किया है। इसके लिए मैं कुछ उदाहरण देना चाहूँगी कि दुष्कर्म की घटनाओं में 35.6 प्रतिशत की कमी

आई है, डकैती में 53.7 प्रतिशत की, बलवा में 38 प्रतिशत की, लूट में 44.5 प्रतिशत की, अपहरण में 30.43 प्रतिशत की और हत्या में 14.05 प्रतिशत की कमी आई है।

श्री अध्यक्ष-

यह आंकड़े पहले आ चुके हैं।

श्रीमती संगीता यादव-

मान्यवर, ये आंकड़े बताते हैं कि किस तरीके से जीरो टॉलरेंस की नीति अपना कर अपराधमुक्त, भयमुक्त, अन्यायमुक्त वातावरण यू0पी0 में माननीय योगी जी के द्वारा बनाया गया है।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, अब आपका समय हो गया है, आपका बहुत धन्यवाद्। माननीय सुषमा पटेल जी माननीय सदस्या के बाद आप तैयार रहें।

श्रीमती संगीता यादव-

मान्यवर, अपराधियों के प्रति हमारी सरकार बहुत सख्त है। माननीय अध्यक्ष जी, आप हमेशा हमें टोक देते हैं, मैं अपने क्षेत्र की कुछ बातें कह लेती हूँ। मैं दो बातें अपने क्षेत्र के बारे में कह कर अपनी बात समाप्त करूंगी। माननीय अध्यक्ष जी, मैं चौरी-चौरा विधान सभा क्षेत्र से हूँ और मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहती हूँ कि उन्होंने मेरे यहां अभी एक आयुष विश्वविद्यालय की घोषणा की है, माननीय उप मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूँगी कि उनकी वजह से सड़कों का जाल बिछ गया है, माननीय खेल मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूँगी कि मेरे यहां एक मिनी स्टेडियम बन रहा है। दो डिमांड मैं आपके माध्यम से सदन में रखना चाहूँगी कि हमारे यहां बंधों की मरम्मत की बहुत जरूरत है, 2017 में बहुत बाढ़ आई थी। हमारे यहां एक ही नगर पंचायत है मुंडेरा बाजार, वहां पर एक फ्लाईओवर की जरूरत है। नारी शक्ति के लिए मैं दो लाइन कहकर अपनी बात खत्म करूंगी-

''माना कि पुरुष बलशाली है, मगर जीतती हमेशा नारी है।
सांवरिया के छप्पन भोग पर, एक तुलसी का पत्ता भारी है।।

सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री शीतल पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, हमारा भी नाम है।

श्रीमती सुषमा पटेल-

माननीय अध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपके प्रति आभार प्रकट करती हूँ। जैसी कि परम्परा है महामहिम राज्यपाल महोदया ने सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और उपलब्धियों को अपने अभिभाषण के माध्यम से व्यक्त किया है। मैं कुछ महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर आपके माध्यम से सरकार तथा सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहती हूँ। माननीय अध्यक्ष जी, कानून-व्यवस्था का मुद्दा और विशेषकर महिला सुरक्षा का मुद्दा अत्यन्त ही संवेदनशील है तथा इस पर सरकार और पुलिस प्रशासन का रवैया बिल्कुल भी गम्भीर नहीं है। सरकार चाहे जितना भी कानून का राज स्थापित करने की बात कहे लेकिन वास्तव में आज भी जमीन पर महिलाओं तथा बच्चियों के खिलाफ अत्याचार जारी है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं कुछ आंकड़ों के माध्यम से अवगत कराना चाहती हूँ कि उत्तर प्रदेश में जनवरी, 2015 से अक्टूबर, 2019 तक 18 वर्ष से कम उम्र की बच्चियों के साथ बलात्कार की 9703 घटनाएं घटित हुईं जिसमें से मात्र 1105 अभियुक्तों को सजा हो पाई, इसी प्रकार इसी अवधि में 18 वर्ष से कम उम्र की 25 हजार 615 बच्चियों का अपहरण हुआ जिसमें मात्र 786 अभियुक्तों को न्यायालय द्वारा सजा हुई। मान्यवर, यह आंकड़े मैंने कहीं और से नहीं लिये बल्कि गृह विभाग द्वारा इसी विधान सभा में पिछले सत्र में प्रस्तुत किये गये थे मैंने इस विषय पर प्रश्न लगाया था और प्रश्नों का जवाब हमें प्राप्त हुआ था। मान्यवर, इतनी बड़ी संख्या में नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म और अपहरण की घटनाएं घटित होना निहायत ही शर्मिन्दगी का विषय है और इससे भी बढ़कर यह है कि मात्र कुछ ही दोषियों की सजा हो पाना पूरी तरह से इस पूरे तन्त्र के लिए चुल्लू भर पानी में डूब मरने जैसा है। माननीय अध्यक्ष जी, राज्यपाल महोदया ने अपने अभिभाषण में यह आंकड़ा प्रस्तुत किया है कि वर्ष 2017 की तुलना में दुष्कर्म की घटनाओं में 35.06 प्रतिशत की कमी आई है। मान्यवर, क्या यह हम सबके लिए शर्मनाक नहीं है कि हम कमी होने का आंकड़ा गिना रहे हैं, क्या हमारी यह जिम्मेदारी नहीं है कि इस प्रदेश में महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ एक भी दुष्कर्म की घटना न होने पाये। क्या हम 35 प्रतिशत दुष्कर्म की घटना घटाकर अपनी पीठ ठोंकने के लायक हैं, इसका उत्तर नहीं में भी हो सकता है। मा0 अध्यक्ष जी, महिलाओं तथा बच्चियों के खिलाफ आंकड़ों की ये बाजीगरी बन्द होनी चाहिए। इस प्रदेश में यदि एक भी महिला, एक भी बच्ची असुरक्षित है तो यह सरकार के माथे पर धब्बा है। अपराध आंकड़ों में कमी हो सकती हैं, लेकिन वास्तविकता में जमीन पर नहीं। इस पर तो मैं यही कहना चाहूँगी कि 'तुम्हारी फाइलों में मौसम का रंग गुलाबी है, मगर ये आंकड़े झूठे हैं ये दावा किताबी है'।

मा0 अध्यक्ष जी, शिक्षा देश का भविष्य निर्धारित करती है। हम सभी इस बात से सहमत भी हैं। महामहिम राज्यपाल महोदया ने अपने भाषण में इसका उल्लेख भी किया है। मान्यवर, इस प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की जो दशा है, उसका भविष्य क्या है, यह किसी से छिपा नहीं है ? इस प्रदेश के शिक्षा व्यवस्था ने समाज में एक एजुकेशनल गैप पैदा कर दिया है, अर्थात् समाज का एक वर्ग निजी प्राइवेट स्कूलों में, निजी मेडिकल कॉलेजों में महंगी से महंगी शिक्षा ग्रहण कर रहा है और वहीं समाज का मध्यम व गरीब वर्ग अपने बच्चों को पढ़ा पाने में असमर्थ महसूस कर रहा है। मा0 अध्यक्ष जी, सरकार की नीतियां हाथी का दांत बनकर रह गयी हैं। निजी स्कूलों में शिक्षा अधिकार अधिनियम की खुलेआम धज्जियां उड़ायी जा रही हैं। मान्यवर, उच्च शिक्षा में सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्तियों, पिछड़ी जातियों, अनुसूचित जातियों की ड्राप आउट रेट बहुत तेजी से बढ़ रहा है। मान्यवर, बच्चों की जो छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति प्रोत्साहन योजना आदि दी जाती थी, वे तमाम अड़ंगेबाजी लगाकर बन्द कर दी गयीं। इसी प्रकार अनुसूचित जातियों और जनजातियों के निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था भी समाप्त कर दी गयी, जबकि इनकी छात्रवृत्ति और फीस का पैसा भारत सरकार देती थी। मान्यवर, ऐसी स्थिति में सरकार की मंशा पर सवाल उठना स्वाभाविक है। बच्चियों की भी ड्राप आउट रेट बहुत तेजी से बढ़ी है, क्योंकि पूर्व के समय से चलायी जा रही सभी प्रोत्साहनात्मक योजनाएं, जैसे 'कन्या विद्या धन योजना', 'सावित्री बाई फूले साईकिल मदद योजना' 'पढ़ें बेटियां, बढ़ें बेटियां' इत्यादि योजनाएं बन्द कर दी गयीं। मान्यवर, एक कल्याणकारी राज्य का दायित्व होता है कि वह समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं और बच्चियों को मुख्य धारा में लाने के लिए कोई प्रोत्साहनात्मक उपाय करे। भले ही सरकार को इसके लिए अलग से कुछ बजट का प्रावधान ही क्यों न करना पड़े ? मान्यवर, बड़े दुःख के साथ मुझे यह कहना पड़ रहा है कि इस प्रकार की स्थिति बड़ी ही सोचनीय है। बेटी केवल बेटी होती है और छात्र केवल छात्र होता है। उसको सभी अवसर उपलब्ध कराना हम सभी का दायित्व है। मान्यवर, अगर मैं कृषि की बात करती हूँ तो कृषि उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में आजीविका का एक प्रमुख साधन है। इस प्रदेश की लगभग दो तिहाई आबादी कृषि पर ही निर्भर है। मान्यवर, यदि ईमानदारी से कहा जाए, तो सबसे अभागा व्यक्ति इस प्रदेश का किसान है। इस प्रदेश में खेती जो कभी प्रतिष्ठा का विषय हुआ करती थी, आज वह मजबूरी का नाम हो गयी है। मान्यवर, इस प्रदेश का किसान बदहाल है, उसको अपनी फसलों का सही मूल्य नहीं मिल रहा है। किसान सरकार पर नहीं, बल्कि बिचौलियों की कृपा पर जी रहे हैं। किसान पूरी तरीके से कर्ज में डूबा है, इसी कारण आत्महत्या करने को मजबूर है। इस प्रदेश का किसान दो तरफा भार झेल रहा है। यदि इनकी फसलों का उत्पादन अधिक हो रहा है तो उनकी फसलें कौड़ियों के दाम बिक रही हैं। यदि फसल खराब हो जा रही हैं, तो कर्ज में डूबा किसान अपनी जान दे दे रहा है। मान्यवर, राज्यपाल महोदया ने अपने अभिभाषण में यह बताया था कि गेहूँ का न्यूनतम मूल्य 105 रुपये

प्रति क्विंटल बढ़ा दिया गया है, लेकिन यह नहीं बताया कि इसका समर्थन मूल्य लागत आधारित कब दिया जायेगा ? स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशें कब लागू की जायेंगी, कब कृषि को उद्योग का दर्जा देकर उनको सारी सुविधाएं उपलब्ध करायी जायेंगी ?

श्री अध्यक्ष-

सुषमा जी, अब आपका समय पूरा हो गया है।

श्रीमती सुषमा पटेल-

मान्यवर, मेरा यही कहना है कि 105 रुपये प्रति क्विंटल गेहूँ का दाम बढ़ा देना कृषि की समस्या का समाधान नहीं है। जब तक किसान की आय राष्ट्रीय आय के बराबर नहीं हो जाती, तब तक हम अपनी पीठ ठोंकने के लायक नहीं हैं। सरकार को इस बात पर गम्भीरता से विचार करना चाहिए।

मान्यवर, अन्त में मैं एक महत्वपूर्ण बिन्दु पर ध्यान आकृष्ट करना चाहती हूँ, वह है युवाओं के रोजगार व स्वरोजगार का मुद्दा। इस प्रदेश में युवा बदहाल है। सरकार भले ही ढोल पीट ले कि स्टार्ट-अप, स्टैण्ड अप, मुद्रा योजना व स्वरोजगार योजना के माध्यम से रोजगार दे रही है। लेकिन वास्तव में देखा जाये तो इस प्रदेश का युवा आज भी बदहाल है। पी0एच0डी0, इन्जीनियरिंग, एम0बी0ए0 के छात्र चपरासी और सफाई कर्मी के भर्ती का आवेदन कर रहे हैं। स्वरोजगार की नीतियां सम्बन्धित विभागों में समन्वय न होने के कारण विफल हो गयी है। हम जनप्रतिनिधियों के पास भी बहुत सारे लोग आते हैं और स्वरोजगार की बात करते हैं लेकिन महोदय, उनको सम्बन्धित विभागों व बैंकों के द्वारा भगा दिया जाता है। बैंक स्वरोजगार की एवज में लाखों की गारण्टी मांगते हैं। यह सोचने वाली बात है कि बेरोजगार युवक लाखों की गारण्टी के कागज कहां से लायेगा ? मान्यवर, सरकारी आंकड़े रोजगार के विषय में चाहे जो भी कहते हों लेकिन जमीन पर आज भी इस प्रदेश का युवा सबसे खराब स्थिति से गुजर रहा है।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, अब बैठिये।

श्रीमती सुषमा पटेल-

इन्वेस्टर्स समिट में भले ही लाखों-करोड़ों रुपये खर्च कर दिये गये हों, इससे बड़े पूंजीपतियों को भले ही फायदा हो गया हो लेकिन इस प्रदेश का युवा आज भी कंधों पर बैग टांगे इस उम्मीद से लाइन में खड़ा है कि शायद कोई कम्पनी उसको पांच हजार रुपये मासिक में भी रख ले। मैं पुनः आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ कि आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। मान्यवर, मैं आपसे यही निवेदन करती हूँ कि इस प्रदेश का युवा बेरोजगार, किसान, महिला व श्रमिक बहुत ही खराब स्थिति से गुजर रहे हैं

अधिकारी सरकार से फर्जी आंकड़ा प्रस्तुत करवा रहे हैं लेकिन वास्तविक धरातल पर असन्तोष, निराशा व अस्तित्व का संकट है। यह सरकार दवाई, पढ़ाई-लिखाई, सिंचाई पर पूरी तरह से असफल है। मैं चाहती हूँ कि जो युवाओं में असन्तोष चरम पर है उसको व्यवस्था में सम्मानजनक स्थान देना होगा नहीं तो उनके भीतर एक नकारात्मक प्रवृति जाग जायेगी।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, आपकी बात आ गयी।

श्रीमती सुषमा पटेल-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं यही कहना चाहूँगी कि यदि व्यवस्था सर्वोत्तम की उत्तरजीविता नहीं रख पायेगी तो उसके पास अयोग्तम की उत्तरजीविता के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। अन्त में माननीय अध्यक्ष जी मैं मा0 नेता प्रतिपक्ष तथा अपने नेता माननीय श्री लाल जी वर्मा जी की बातों पर बल देते हुए अपनी वाणी को विराम देती हूँ। आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

(प्रतिपक्ष के सदस्यों द्वारा अध्यक्ष जी से उन्हें बोलने का अवसर दिये जाने का आग्रह करने पर)

श्री अध्यक्ष-

स्वभाविक रूप से आपको लगता होगा कि आपकी तरफ से कम माननीय सदस्य बोल रहे हैं लेकिन मोटा अनुपात यह है कि इधर के अगर 300 मानें और आपको 100 मानें तो 3:1 का अनुपात होगा।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, 05, 17 और 50 माननीय सदस्यों में भी अनुपात देख लें।

श्री अध्यक्ष-

उसको नहीं बांटा था, आगे बांट देंगे। विपक्ष को बांट नहीं रहे थे। यह श्री राज्यपाल का अभिभाषण है प्रत्येक मा0 सदस्य की इच्छा रहती है कि हमारा कोई विषय आ जाए या हम कुछ बोल लें। मा0 मंत्रिगण तो बोलने का अवसर पा जाते हैं, आप सब वरिष्ठ नेता हैं तो आप लोग तमाम विषयों व नियम-56 में बोल लेते हैं लेकिन जो केवल सदस्य हैं, वरिष्ठ नेता व मंत्री नहीं हैं तो उनको इसी अवसर पर मौका मिलता है। हमारा यह भी अनुरोध होगा कि अगर कोई वरिष्ठ बोले तो वह 05 मिनट भी न ले केवल डेढ़ मिनट में ही बोल दे, वैसे बोला जा सकता है। कांग्रेस के 01 मा0 सदस्य बोले, बी0एस0पी0 के 01 मा0 सदस्य बोले अब आपका नम्बर आयेगा। हमारे पास नाम कई आये हैं आप आपस में तय कर लीजिए कि कौन बोलेगा। (श्री शीतल पाण्डेय जी के द्वारा बार-बार हाथ उठाने पर)

यह जो आप निशान दिखा रहे हैं यह औचित्य का है ?

श्री शीतल पाण्डेय-

मान्यवर, औचित्य का है या नहीं, लेकिन मैं तीन दिन से बोलने के लिए अवसर की तलाश में हूँ। मैं नया हूँ और आप ही लोगों के माध्यम से मैं भी कुछ सीख लूंगा।

श्री अध्यक्ष-

आप नये हैं, आपको देखकर कोई विश्वास ही नहीं करेगा ? (हंसी)

आप नये हैं कोई विश्वास ही नहीं करेगा आपको देखकर। आपके बगल वाले जो मित्र बैठे हैं वह भी नहीं मान रहे हैं कि नये हैं आप। आप नये हैं तो आप साढ़े चार मिनट में अपनी बात कह लीजिये।

श्री शीतल पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन पर बोलने का मुझे अवसर दिया। मान्यवर, हमारी सरकार के कथनी और करनी में अन्तर नहीं है। जो हम कहते हैं वह हम करते हैं और पिछली बार विधान सभा के चुनाव के दौरान कहा गया था कि हम किसानों का एक लाख रुपये तक का कर्जा माफ करेंगे। सरकार बनी पूज्य योगी जी महाराज मुख्य मंत्री हुए और अपनी कैबिनेट की पहली बैठक में उन्होंने किसानों का एक लाख रुपया कर्जा माफ किया। मान्यवर, हम पूर्वी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं किसानों के लिये गन्ना नगदी फसल है। गन्ने से ही किसान अपने लड़के की पढ़ाई, अपने बूढ़े बाप की दवाई, अपने घर की परवरिश और अपनी बेटी का हाथ पीला करता है। पिछली सरकारों ने गन्ने का भुगतान समय से नहीं किया जिसके कारण गन्ना किसानों ने गन्ना रोपाई करना बन्द कर दिया और उसका नतीजा यह हुआ कि गन्ने का क्षेत्रफल घट गया था। पूज्य योगी जी की सरकार आई और हमारे गन्ना मंत्री जी को बधाई हो कि इन्होंने गन्ने का मूल्य बढ़ाया और आज किसानों के घर में खुशहाली है, उनके चेहरों पर लाली है और उनकी थाली भोजन से भरी हुई है (मेजों की थपथपाहट) यह हमारे गन्ना मंत्री जी की वजह से और गन्ना मूल्य का भुगतान किया गया। रिकार्ड भुगतान किया गया। अभी कोई विपक्ष के बोल रहे थे कि गन्ना के मूल्य का भुगतान नहीं हुआ।

श्री अध्यक्ष-

आप इनकी बातें न सुनें।

श्री शीतल पाण्डेय-

हम उनकी बात नहीं सुन रहे हैं और न ही उनकी तरफ देख रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

आप नये हैं यह प्रभावित कर लेंगे।

श्री शीतल पाण्डेय-

कहने का मतलब यह है कि रटी-रटाई बात को सदन में नहीं कहा जाता। आपके कार्यालय में जो बात कह दी गई हो कि गन्ने का भुगतान नहीं हुआ उसी को आप यहां कह देंगे तो सदन का उपहास होगा। गन्ने का रिकार्ड भुगतान हुआ। (मेजों की थपथपाहट) आप जाकर देखिये हमारे यहां किसान कितना खुशहाल है और किसानों को खुशहाल करने के लिये, उनको आगे बढ़ाने के लिये तमाम प्रकार के प्रोत्साहन दे रहे हैं। हमारे कृषि मंत्री जी हैं इनके माध्यम से किसान खेती में जो यंत्र लगते हैं सब पर छूट दी गई है और आज किसान आधुनिक यंत्र ले जा करके वह खेती कर रहा है (मेजों की थपथपाहट) अपना प्रोडक्शन बढ़ा रहा है। मान्यवर, पिछली सरकारों में उत्पादन तो होता था लेकिन क्रय केन्द्र नहीं खोले गये थे।

माननीय अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकारों में उत्पादन तो होता था, लेकिन क्रय केन्द्र नहीं खोले गये थे। क्रय केन्द्र खोले भी गये थे, वह कुछ खास लोगों के लिए, कुछ खास स्थानों के लिए खोले गये थे। आम किसानों का गेहूँ नहीं खरीदा गया था, धान नहीं खरीदा गया था, किसानों में असन्तोष था। हमारी सरकार ने गेहूँ, धान के समर्थन मूल्य बढ़ाते हुए उनके उत्पादन को खरीदा है। किसानों के लिए खाद, पानी और बीज की व्यवस्था की है। पहले की सरकारों में ट्यूबवेल, नहरें सिंचाई के साधन खराब थे। हमारे समय में ट्यूबवेल शत्-प्रतिशत चल रहे हैं। नहरों में टेल तक पानी है और किसान समय से सिंचाई कर रहा है। उसको उत्पादन बढ़ाने में सहयोग दिया जा रहा है। हम जानते हैं कि किसी भी राष्ट्र की खुशहाली का रास्ता गांव से होकर गुजरता है और हमारी सरकार गांव, गरीब, किसान की उन्नति के लिए कटिबद्ध है। गांव कैसे उन्नत होगा, गांव कैसे विकसित होगा ? गांव तभी विकसित होगा जब वहां सड़कें होंगी, जब वहां बिजली होगी, जब वहां पानी होगा। जहां पानी पहले पहुंचा वहां विकास पहले हुआ। पहले जहां से अंधेरा शुरू होता था लोग कहते थे कि यह उत्तर प्रदेश है। 6 घण्टे बिजली नहीं मिलती थी। विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए बिजली नहीं मिलती थी, अस्पताल में डाक्टरों को ऑपरेशन के लिए बिजली नहीं मिलती थी, हर तरफ हाहाकार मचा हुआ था, चारों तरफ असन्तोष था, लेकिन इस समय बिजली 24 घण्टे मिल रही है, 20 घण्टे कस्बे में, 18 घण्टे गांवों में आज बिजली मिल रही है। आपने देखा है कि इस साल किसानों ने तार लगा-लगा करके अपने खेतों में मोटर चलाकर सिंचाई की है। उनकी फसलें लहलहा रही हैं। हमने बिजली की सुविधा दी है, अंधेरे को भगाया है। राजनीति को लोकतंत्र के अनुसार भारतीय जनता पार्टी ने बनाया है।

राजनीति सीमित हो गयी थी, व्यक्तिवादी हाथों में चली गयी थी, परिवार तक सीमित थी, खानदान तक सीमित हो गयी थी। परिवार छूटा, खानदान छूटा और अब तो कोखवाद भी चलाया जा रहा है। अब भाई भी अलग हो रहे हैं, बेटा ही कोखवाद में आ रहा है। भारतीय

जनता पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों की राजनीति करती है। जिस लोकतंत्र के लिए 19 महीने मैं मीसा में बन्द था, हमको आपको राजनीति सिखाने के लिए मैं आपसे सिफारिश करता हूँ कि मैं 1975 में मीसा में बन्द था, 1977 में अध्यक्ष था। हमने जनता के लिए संघर्ष किया है।

हमारी राजनीति का माध्यम जाति और धर्म नहीं था न क्षेत्रवाद। हमारी राजनीति का माध्यम विचार था और जहाँ राजनीति अध्यात्मिक विचारों पर चली है जहाँ राजनीति धर्म के आधार पर चली है वहां विकास हुआ है और जहाँ राजनीति स्वार्थ और संकीर्णता पर चली है जहाँ राजनीति कुछ अपने विकास के लिए हुई है वहां प्रदेश का विकास नहीं हुआ है।

श्री अध्यक्ष-

अब समाप्त करें।

श्री शीतल पाण्डेय-

एक शेर सुना रहा हूँ। मैं केवल इतना ही कहना चाहता हूँ। ''तन की हविश मन को गुनहगार बना देती है, बाग के बाग को बीमार बना देती है, भूखे पेटों को देशभक्ति सिखाने वालों भूख इन्सान को गद्दार बना देती है।'' हमारी पार्टी भूख को मिटाने के लिए किसी के घर में भूख न हो कोई भूख के कारण भूखा न सोए उसकी भूख मिटाने के लिए हमने किसानों के उत्थान के लिए बुनियादी उत्थान दिया है। हम प्रदेश की आर्थिक व्यवस्था को आगे बढ़ाने का काम किये हैं कानून व्यवस्था की हालत ऐसी थी ।

श्री अध्यक्ष-

आप शेर भूल गए जो सुनाने जा रहे थे।

श्री शीतल पाण्डेय-

हमने सुना दिया यह समाजवादी हैं मैं इनके लिए शेर पढ़ रहा हूँ ''गमों की आंच पर आंसू उबालकर देखो, बनेंगे रंग किसी पर भी डालकर देखो। तुम्हारे दिल की चुभन कम जरूर होगी, किसी गरीब के पांव का कांटा निकालकर देखो।'' खाली समाजवादी कहने से कोई समाजवादी नहीं हो सकता है। समाजवादी आचरण होता है, समाजवादी व्यवहार होता है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठें।

श्री शीतल पाण्डेय-

सबसे बड़ा समाजवाद तो अध्यात्म है। सभा सबै गोपाल की । हमने यह नहीं कहा कि यह मेरा है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

अब मैंने अगला नाम पुकार लिया है।

डॉ0 संग्राम यादव-

पाण्डे जी विश्वविद्यालय के अध्यक्ष रहे हैं मैं भी विश्वविद्यालय का महामंत्री रहा हूँ। उसी शेर पर मैं भी शेर सुना रहा हूँ।

श्री अध्यक्ष-

आप साथ-साथ कहां रहे।

डॉ0 संग्राम यादव-

''तुमने समझा नहीं हालात बदल सकते थे-तेरे आंसू मेरी आंखों से निकल सकते थे, तुम तो ठहरे हुए झील के पानी की तरह निकले दरिया बनते तो बहुत दूर निकल सकते थे।''

श्री शीतल पाण्डेय-

'हाल अभी चमन का यही दोस्तों हाल अभी चमन का यही दोस्तों फूल खिलते हैं तो सर झुकाए हुए तूने लूटा नशेमन मगर साथियों देख लो हम हैं इनके सताए हुए।

श्री नफीस अहमद-

अध्यक्ष जी, मैं भी एक शेर कहना चाहता हूँ ''नगमा ए लाजवाब पैदा कर जज्बा ए बेमिशाल पैदा कर ऐब गैरों में देखने वाले पहले खुद में कमाल पैदा कर।''

श्री अध्यक्ष-

जी अब शीतल जी बैठ जाएं। आगे फिर किसी समय हो जाएगा। खन्ना जी को बहुत याद है खन्ना जी शायरी का खजाना हैं। शाही जी उनको उकसा रहे हैं कि वह सुना दें।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष महोदय, पीठ से निर्देश हुआ है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय खन्ना जी आप माननीय शाही जी के कहने से शायरी सुना रहे हैं, मैंने तो केवल यह कहा कि आप शायरी सुना सकते हैं।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

''सोचा था अपने फन को एक चिराग बनाकर
ता-उम्र अपनी जंग अंधेरों से लड़ूँगा,
और सिन्तु को तलवार के सांचे में ढालकर
सोचा था पसीनों के लुटेरों से लड़ूँगा,
पर स्वार्थ की पुरवा मुझे लोरी सुना गयी
फुरसत तो मुझे अब भी बहुत थी देश के लिए,
जब पेट भर गया तो मुझे नींद आ गयी''

(सदन में हंसी)

श्री अध्यक्ष-

बहुत अच्छा। अब चूँकि यह लाजवाब है इसलिए इसका जवाब नहीं आयेगा।

सौरभ श्रीवास्तव जी व श्री विनोद कटियार जी सदन में उपस्थित नहीं हैं। श्री धनन्जय कन्नौजिया जी अपनी बात रखें।

श्री धनन्जय कन्नौजिया-

माननीय अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के उपलक्ष्य में डा0 मंजू शिवाच और श्री योगेन्द्र उपाध्याय जी के समर्थन पर बल देने के लिए आपका मैं बहुत-बहुत सादर अभिवादन करता हूँ। माननीय अध्यक्ष जी, प्रदेश की सरकार पूज्य योगी जी के नेतृत्व में **"सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास"** के आधार पर बहुत मजबूती से आगे बढ़ रही है और प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए सतत् प्रयत्नशील है। आज प्रदेश में कानून व्यवस्था अपने प्रथम स्थान पर है और प्रदेश के सभी जिलों में कानून की व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। इसी कड़ी में मैं अपने विधान सभा क्षेत्र में कह सकता हूँ कि तीस वर्षों के बाद बेल्थरा रोड तहसील सी0ओ0 सर्किल बना, यह इसका बहुत बड़ा सबूत है और फायर स्टेशन की भी व्यवस्था हुई है जो अभी तक 1990 से तहसील बनने के बाद भी भारी जान-माल का हर वर्ष नुकसान होता था उससे बचने का एक बहुत बड़ा साधन योगी जी द्वारा हमारे विधान सभा क्षेत्र को दिया गया है, इसके लिए मैं कोटि-कोटि धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। आज प्रदेश की सरकार प्रदेश की संस्कृति, सभ्यता और संस्कार को अक्षुण बनाने के लिए कृत संकल्पित है और उसी दिशा में कुम्भ महोत्सव का आयोजन होना, अयोध्या में देव-दीपावली का आयोजन होना, बनारस के तीर्थ घाटों पर आरती का आयोजन होना इस बात का साक्ष्य है कि प्रदेश की सरकार किस तरह से संस्कृति, सभ्यता और संस्कारों को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है और इसी कड़ी में मैं कहना चाहता हूँ कि बेल्थरा रोड विधान सभा क्षेत्र में एक खैरा मठ है जहां पर जगदम्बनी ऋषि हुआ करते थे जो इतने सिद्ध पुरुष थे कि सरयू तट पर स्थित अपने मठ से वो जल पर चलकर नदी को पार किया करते थे और एक कहावत भी बहुत मशहूर है उस मठ के किनारे स्थित जितने पीपल के पेड़ हैं, सैकड़ो वर्षों से अपनी यथा स्थिति पे हैं। कहा जाता है कि **"चक डोले, चकबम्बम डोले, खैरा पीपल कभी न डोले"** इस तरह की मान्यता इस सिद्धपीठ को हासिल है। साथ ही साथ पुरातत्व विभाग भी वहां सर्वे करने गया था जहां से इस बात का उन्हें प्रमाण मिलता है कि अगर पूर्वान्चल में पाषाण युग की उपस्थिति को दर्ज कराता हुआ कोई स्थान है तो वह खैरा मठ है और आज मैं कह सकता हूँ कि पूज्य योगी जी की सरकार ने उसे पर्यटन क्षेत्र घोषित करके एक बहुत बड़ा उपहार बेल्थरा रोड विधान सभा क्षेत्र को दिया है इसके लिए मैं कोटि-कोटि आभार व्यक्त करता हूँ। उसको पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए सभी प्रायोजन किये जा रहे हैं। इसके साथ ही विद्युतीकरण के लिए मैं कह सकता हूँ कि जिस तरह से प्रदेश की सरकार कार्यरत है बलिया

जनपद में 24 घण्टे बिजली की व्यवस्था हो इसके लिए वहां प्रभारी मंत्री रहे माननीय श्रीकांत शर्मा जी को मैं आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने रसणा क्षेत्र में विद्युत केन्द्र स्थापित करने के लिए कार्य योजना को आगे बढ़ाया है और हमारे क्षेत्र में भी दो 33/11 विद्युत उपकेन्द्र बनाये गये हैं, जो कि बहुत जल्दी लोकार्पित किये जायेंगे। साथ ही साथ प्रदेश की हमारी भाजपा की सरकार पूज्य योगी जी के नेतृत्व में देश की सबसे बड़ी विधान भवन और ऐतिहासिक विधान भवन सदन में नये आयाम स्थापित कर रही है जिसकी कड़ी में मैं कह सकता हूँ कि जिस तरह से लगातार 36 घण्टे का यू0एन0 सस्टेनेबिल ग्रोथ के सन्दर्भ में कार्य योजना को यहां चलाया गया था, सदन को चलाया गया था उसी के साथ-साथ पिछले दो महीने में दूसरी बार ऐसा हुआ कि एक दिवसीय सदन चलाया गया जिसमें संविधान दिवस का आयोजन हुआ था। साथ ही साथ राष्ट्र मण्डल देशों के क्षेत्रीय बैठक का भी आयोजन हुआ जिसमें पूरे देश भर के विधान सभा अध्यक्ष यहां उपस्थित हुए थे। विभिन्न राष्ट्र मण्डल देशों से भी यहां प्रतिनिधि आये हुए थे।

मैं माननीय अध्यक्ष जी, आपसे भावपूर्ण निवेदन करना चाहता हूँ कि राष्ट्र मण्डल देश जिसका आजादी के बाद से ही गठन हुआ और यू0के0 जैसा देश ही हमेशा मुखिया रहा है, अध्यक्षता किया है तो क्यों न जब इतनी बड़े-बड़े विशेष आयोजन हमारे विधान सभा में हो रहे हैं तो यहां से एक प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा जाये कि राष्ट्र मण्डल की अध्यक्षता भारत के अपने देश के हाथों में इसकी बागडोर सौंपी जाये। मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि इस तरह के विधेयक के लिए आप मुझे जरूर अनुमति प्रदान करने की कृपा करेंगे। साथ ही साथ पूरे प्रदेश के जो भी भारतीय जनता पार्टी के अपने सिद्धांत हैं, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, उसको आधार बनाकर प्रदेश की प्रगति से जन-जन को जोड़ा जा रहा है और गांव गरीब किसान के विकास के लिए कार्य किया जा रहा है, उनकी खुशहाली और समृद्धि के लिए कार्य किया जा रहा है। उसी दिशा में पण्डित दीन दयाल उपाध्याय जी के लक्ष्य अन्त्योदय पथ, अन्त्योदय प्रण, अन्त्योदय के संकल्प को आगे बढ़ाया जा रहा है ऐसे बहुत से जनहित के कार्य प्रदेश में हो रहे हैं जिससे कहा जा सकता है कि देश में प्रदेश में विकास की राजनीति हो रही है जबकि पूर्ववर्ती सरकारों में जिस तरह से व्यक्तिवाद, परिवारवाद का बोल-बाला था उससे इतने बड़े प्रदेश को अभूतपूर्व क्षति हुई है जिसकी भरपाई हो पाना मुश्किल है। आज पूरे प्रदेश की सरकार विभिन्न ऐसे कार्यक्रमों, आयोजनों से जनहित के कार्यों को आगे बढ़ा रही है, उसी कड़ी में मैं यह भी कहना चाहूँगा कि विगत दिनों कैबिनेट की बैठक में हमारे क्षेत्र नगरा को नगर पंचायत के रूप में घोषित किया गया जिसकी बहुत लम्बे अर्से से मांग हो रही थी इस सम्बन्ध में मैं पूज्य योगी जी को बहुत-बहुत साधुवाद ज्ञापित करता हूँ और पुनः अपने उस प्रस्ताव के लिए आपके आशीर्वाद की कामना करता हूँ, इन्हीं शब्दों के साथ मैं पुनः राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए समर्थन को बल देते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूँ। जय हिन्द, जय भारत।

श्री अध्यक्ष-

राष्ट्र मण्डल देशों के बारे में आपने एक जिज्ञासा प्रकट की है। इसका चुनाव कामनवेल्थ के सभी सदस्य देशों द्वारा किया जाता है। प्रायः ऐसा हुआ है कि भारत जिसे चाहता रहा है वही देश और उनका प्रत्याशी चुनाव में विजयी होता रहा है। दो चुनाव में हमें भी उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष के रूप में भाग लेने का मौका मिला है। पहली बार ढाका में चुनाव हुआ था तो जिसे चाहा गया और हम भारत के लोग जिधर रहे वही देश चुनाव जीता है क्योंकि भारत के वोट ज्यादा हो जाते हैं। भारत का एक वोट नहीं है बल्कि कई वोट हैं। उत्तर प्रदेश का अलग वोट है, मध्य प्रदेश का वोट है, यहां की सभी विधान सभाओं को अलग-अलग इकाई माना गया है। जैसा कि आपने कहा कि भारत उसमें चुनाव लड़े तो कभी जरूरी होगा तो हम लड़ेंगे भी लेकिन प्रायः ऐसा होता है कि जिधर हम लोग वोट डालते हैं वही विजयी होता है। मुझे लगता है कि आपकी शंका का समाधान हो गया होगा फिर भी यदि कोई जिज्ञासा शेष है तो जब हम लोग बैठेंगे तो उस पर चर्चा करेंगे। अब हम श्री अनिल पाराशर जी को बोलने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

श्री अनिल पाराशर-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे इस सदन में पहली बार बोलने का मौका दिया इसके लिये आपको कोटि-कोटि नमन करते हुए महामहिम जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव से अपने आपको सम्बद्ध करते हुए कहना चाहूँगा कि मेरी सरकार ने योगी जी के तीन साल के कार्यकाल में समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए चाहे वह जन-कल्याणकारी योजनायें हों, चाहे विकास कार्य की योजनायें हों, प्रत्येक क्षेत्र में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। मैं अपने विपक्षी भाइयों से भी कहना चाहूँगा कि हमारे सपा, बसपा, कांग्रेस के जो मेम्बर हैं, उनको भी ईमानदारी से अपने चश्मे का नम्बर बदलने की जरूरत है। तीन वर्षों में जो योजनायें चल रही हैं चाहे केन्द्र सरकार की योजना हो, चाहे उसमें प्रदेश सरकार की सहभागिता हो या फिर चाहे वह प्रदेश सरकार की योजना हो, जैसे स्वच्छ भारत योजना हो, हर घर बिजली योजना हो, आयुष्मान भारत योजना हो, प्रधानमंत्री आवास योजना हो, किसान ऋण माफी योजना हो, किसान मानधन योजना हो, उज्ज्वला योजना हो, सामूहिक विवाह योजना हो, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई, बिजली के क्षेत्र में सरकार ने चहुंमुखी विकास कार्य किया है। मेरी सरकार ने योगी जी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में, युवाओं के बारे में, किसानों के बारे में, महिला कल्याण के बारे में, 24 घण्टे, 20 घण्टे, 18 घण्टे इस प्रदेश की सेवा करके प्रदेश को चहुंमुखी विकास की ओर और उत्तम प्रदेश की ओर ले जाने का कार्य किया है। मेरी विधान सभा कोल, अलीगढ़ है जिसके अन्तर्गत ऐतिहासिक अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी आती है।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहूँगा कि मेरे क्षेत्र में बिजली के क्षेत्र में, शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम हुआ है। माननीय योगी जी ने वहां पर एक राजकीय विश्वविद्यालय देने का काम किया है जिसके लिए हम लोग 25-30 वर्षों से आंदोलनरत् थे। प्राथमिक विद्यालय का कायाकल्प मेरे क्षेत्र में हुआ है और आंगनबाड़ी केन्द्रों का कायाकल्प मेरे क्षेत्र में बहुत ही युद्धस्तर पर हुआ है। रजबाहों में पिछले तीन साल में टेल तक पानी मेरे क्षेत्र में पहुंचा है। स्वास्थ्य का मसला हो, स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत शहर का कायाकल्प हो हर क्षेत्र में काम हुआ है। शहरों की दशा बदलने का काम स्मार्ट सिटी की परियोजना में बहुत अच्छी तरह से चल रहा है। सड़कों के नवीनीकरण और मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। माननीय मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से मेरे क्षेत्र को मड़राक नगर पंचायत का दर्जा भी मिला है। कहने का अर्थ है कि मेरी सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के नारे को सार्थक किया है। माननीय अध्यक्ष जी, अभी पिछले दिनों आपने सी0ए0ए0 के नाम का मसला देखा होगा।

माननीय अध्यक्ष जी, अभी पिछले दिनों आपने एक मसला सी0ए0ए0 के नाम से देखा होगा। इन तथाकथित विपक्ष ने मेरे अलीगढ़ यूनिवर्सिटी को बदनाम करने का काम किया। ए0एम0यू0 जैसा विश्व विख्यात हमारा प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय जिसमें हजारों, लाखों, करोड़ों छात्रों का भविष्य उज्ज्वल हुआ है और उन्होंने अपने भविष्य को मजबूत किया है उसमें कुछ चन्द भोले-भाले छात्र-छात्राओं को आगे करके जिस तरह से माहौल खराब करने का काम किया गया है मैं समझता हूँ कि माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के आशीर्वाद से उस खराब माहौल को बहुत कम समय में आपके आशीर्वाद से व्यवस्थित करने का काम किया है और ए0एम0यू0 बहुत अच्छे तरीके से छात्रों को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है। धर्म के ठेकेदारों को भी अध्यक्ष जी हम आपके माध्यम से चेतावनी देना चाहते हैं कि धर्म की आड़ लेकर, महिलाओं की आड़ लेकर, छात्र-छात्राओं की आड़ लेकर, भोले-भाले समाज के व्यक्तियों की आड़ लेकर जिस तरह का ए0एम0यू0 और अलीगढ़ को लेकर पूरे प्रदेश और देश का माहौल गरमाने का काम किया गया तथा पूरे प्रदेश का माहौल बिगाड़ने का काम किया गया है। मेरे प्रदेश की योगी जी की सरकार ने कुशलता पूर्वक उस आंदोलन को समय रहते कंट्रोल में लाने का काम किया है।

श्री अध्यक्ष-

पाराशर जी अब आपका समय समाप्त हुआ। अब आप जल्दी में कोई बात कह लीजिए।

श्री अनिल पाराशर-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं धन्यवाद अभिभाषण प्रस्ताव के माध्यम से निवेदन करना चाहूँगा कि पिछले पंद्रह-बीस साल से पहले भाजपा सरकार आने के पहले चाहे सपा की

सरकार हो, चाहे बसपा की सरकार हो इन सरकारों ने जन-कल्याणकारी नीतियों के विकास कार्यों को बिल्कुल पीछे धकेल कर रख दिया था जिसके कारण मेरी विधान सभा क्षेत्र में बहुत ही अधिक विकास की आवश्यकता थी समय रहते योगी आदित्यनाथ जी के आशीर्वाद से वहां बहुत अधिक काम हुआ है, लेकिन बहुत कुछ काम करने के लिए अभी बाकी भी है। मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि मेरे क्षेत्र का एक गडराना गांव है जो बहुत बड़ा क्षेत्र है उसमें राजकीय कॉलेज की स्थापना और मेरी विधान सभा क्षेत्र के बालू खेड़ा व मंडरा गांव में जूनियर हाई स्कूल को अपग्रेड करके राजकीय हाई स्कूल की स्थापना हो जाए ऐसा मेरा निवेदन है। मंडराक क्षेत्र का राजवाहा जिस तरह 25-30 साल पहले बना था उसमें आज तक पानी नहीं आया है, उसमें पानी आ जाए ऐसी मेरी मांग है। शहरी इलाके में पूरे देश में जो टॉप-10 ब्लैक स्पॉट हैं अलीगढ़ बाईपास वह क्वार्सी बाईपास के नाम से जाना जाता है उसमें पिछले दिनों आपने देखा होगा कि 15 फरवरी की घटना में तीन लोग उस ब्लैक स्पॉट पर कार सहित नाले में डूबकर मर गये यह बहुत दर्दनाक घटना थी। मेरी काफी दिनों से मांग है कि यह जो 36 किलोमीटर का जो रिंगरोड है यह बहुत ही घनी आबादी वाला क्षेत्र हो गया है इसमें ज्यादा न हो तो 12, 15 किलोमीटर का हिस्सा जो मैक्सिमम पापुलेशन वाला हिस्सा है उसे फोर-लेन कर दिया जाए तो आपकी बहुत बड़ी कृपा होगी। आगरा मार्ग से हनुमान चौकी से पाली रजापुर गडराना पनैही मार्ग का चौड़ीकरण हो जाए।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करिए आपका हो गया है।

श्री अनिल पाराशर-

माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूँगा कि मथुरा मार्ग अहमदपुर से नौहटी होकर आगरा मार्ग मडराक से मिलाने वाले मार्ग का चौड़ीकरण हो जाए। मान्यवर, गन्ने के क्षेत्र में भी हमारे यहां काफी अच्छा काम हुआ है। मेरे क्षेत्र में साथा शुगर मिल है जिसकी क्षमता वृद्धि की बहुत अधिक आवश्यकता है।

श्री अध्यक्ष-

अब आपने ज्यादा समय ले लिया है।

श्री अनिल पाराशर-

माननीय अध्यक्ष जी, इसकी क्षमता वृद्धि पांच हजार टी0सी0डी0 कर दी जाए तो आपकी बहुत बड़ी कृपा होगी।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करिए।

श्री अनिल पाराशर-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरी आपसे मांग है कि एटा चुंगी चौराहे एवं क्वार्सी चौराहा पर दो फ्लाईओवर का निर्माण हो जाए तो आपकी महती कृपा होगी। मैं अन्त में माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण पर आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहूँगा और पूरे सदन को धन्यवाद देना चाहूँगा कि हमारी महामहिम महिला होने के बावजूद उन्होंने बड़ी मजबूती के साथ लगभग एक घण्टे का अभिभाषण यहां दिया और कोई भी असर उनकी मनःस्थिति पर नहीं पड़ी।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठ जाइए हमने किसी और मा0 सदस्य को बुला लिया है।

श्री अनिल पाराशर-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं पुनः महामहिम श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण का समर्थन करता हूं। आपको धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। जय हिन्द-जय-जय-भारत, भारत माता की जय।

श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं महामहिम राज्यपाल जी के धन्यवाद प्रस्ताव पर नेता प्रतिपक्ष जी के विचारों से खुद को सम्बद्ध करते हुये अपनी बात कहना चाहता हूँ। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान कुछ बिन्दुओं पर आकृष्ट करना चाहता हूँ। गांव में एक कहावत है कि अंधरा गावे बहिर सुनाये। जो भी मा0 सदस्य हमारे जीतकर आये हैं। उनके पास एक ही नारा है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास बड़ी अच्छी बात है। लेकिन मेरा अपना मानना है कि विश्वास टूटा है। विश्वास टूटा है उन गरीबों का जिन्होंने सरकार से बड़ी उम्मीदें की थीं। विश्वास टूटा है उन बेरोजगार नौजवानों का जिन्होंने अच्छे दिन के सपने देखकर भारतीय जनता पार्टी के लोगों को सरकार में बैठाने का काम किया था। उन महिलाओं का विश्वास टूटा है जिनको उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत गैस सिलेण्डर देने का काम सरकार ने किया था और वादा नहीं निभाया। विश्वास टूटा है उन व्यापारियों का, मंझोले व्यापारियों का जिन पर न जाने कितने टैक्स लगाये गये और वह व्यापारी कमजोर होते जा रहे हैं। विश्वास टूटा है नन्दी बाबा का, विश्वास टूटा है गाय माता का, जिन्होंने भरोसा किया था कि अच्छे दिन आयेंगे। मा0 अध्यक्ष जी, किन के अच्छे दिन आये।

श्री अध्यक्ष-

आप अपनी बात कह लीजिए नहीं तो समय चला जायेगा।

श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव-

मा0 अध्यक्ष जी, आपकी कृपा चाहता हूँ। लोग 15-15 मिनट बोले हैं तो कम से कम हमें दो ही मिनट दे दीजिए। मान्यवर, मैं कहना चाहता हूँ कि महामहिम राज्यपाल जी के द्वारा यह जो इतिहास भूगोल की किताब पढ़ायी गयी। उनको गुमराह करके जो पढ़ाया गया। मा0

अध्यक्ष जी, एक करोड़ 47 लाख परिवारों को उज्ज्वला योजना के कनेक्शन देने की बात इस किताब में की गयी है। लेकिन रेट कितने बढ़ा दिये हैं। क्या सरकार यह नहीं जानती कि गरीबों को इन्होंने सिलेण्डर दिया है। 149-150 रुपया एक बार में बढ़ाने का काम सरकार कर रही है। मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहता हूँ कि उन महिलाओं का क्या दोष था, उन गरीबों का क्या दोष था जो इन पर इतना बड़ा बोझ लाद दिया गया। कभी डीजल के नाम पर, कभी पेट्रोल के नाम पर, कभी गैस के नाम पर और कभी बिजली के बिल के नाम पर, यह प्रदेश कहां जा रहा है। बहुत से हमारे साथी हैं। कोई कहता है कि चश्मे का नम्बर बदल लो। मैं कहता हूँ कि आप अपने क्षेत्र में जाकर देखें कि कौन सी चीज अच्छी है। अभी हमारे एक साथी कह रहे थे कि मेरे क्षेत्र में बहुत विकास हुआ है और जब उनकी मांग की फेहरिस्त आपके माध्यम से सरकार के सामने आयी तो मुझे लगता है कि पूरा पन्ना भर जायेगा कि मेरे क्षेत्र में यह-यह काम होना है।

श्री अध्यक्ष-

आप उनकी चिन्ता न करें, अपना बता दीजिए।

श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव-

मा0 अध्यक्ष जी अगर बिजली की बात करें। सरकार ने 33/11 के0वी0ए0 के 586 नये उपकेंद्र उत्तर प्रदेश में शुरू करने की बात कही है। लेकिन क्या सरकार ने एक यूनिट भी अतिरिक्त बिजली बनाने का काम किया है। बिजली के दाम इस कदर बढ़े हैं कि यही दो साल में देख लीजिएगा कि कितने गरीब लोग कनेक्शन कटा देंगे। आप कह रहे हैं बिजली के कनेक्शन मुफ्त दिये हैं जबकि ऐसा नहीं है। उसमें पैसे का प्राविधान है। बिल के साथ कनेक्शन फीस ली जायेगी। गांव में किसी गरीब का केबिल अगर चिटक गया तो बिजली विभाग वाले उनसे न जाने कितना जुर्माना वसूलने का काम करते हैं। मैं यहां निन्दा करने के लिए नहीं बैठा हूँ। मेरा हक है जनता ने मुझे जिताकर भेजा है। मा0 अध्यक्ष जी, आपकी कृपा से मैं यहां अपनी बात रखने का अधिकारी भी हूँ। कोई किसी की निन्दा करता है। कोई कहता है परिवारवाद, कोई कहता है कि जातिवाद, कोई धर्मवाद, कोई सम्प्रदायवाद की बात कहता है। मान्यवर, इससे देश और प्रदेश नहीं चलता है। देश और प्रदेश तब चलेगा जब गरीब के पेट में रोटी जायेगी। नौजवानों को रोजगार मिलेगा। किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य मिलेगा, किसानों की फसलों की सुरक्षा सरकार करेगी। मा0 अध्यक्ष जी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में प्रदेश में एक करोड़ 87 लाख किसानों को सहायता राशि देने की बात इस अभिभाषण में कही गयी है। मान्यवर, उन किसानों के बारे में कुछ नहीं कहा गया जो किसान अभी हमारे शेष रह गये हैं। हमारे देश में क्या इतने ही किसान हैं ? इस किताब में किसानों के बारे में कोई उल्लेख नहीं किया गया है, किसान परेशान, हैरान, कमजोर हुआ है क्योंकि कभी फसल के नाम पर, कभी बाढ़ के नाम पर, कभी ओला के नाम पर, कभी वर्षा के नाम पर और कभी नन्दी

भगवान के नाम पर उनकी फसलों का जो हाल हो रहा है वह वास्तव में अपनी-अपनी पीठ थपथपाने के लिए कोई कुछ भी कह ले लेकिन वास्तविकता यही है कि क्षेत्र में जाकर देखिये किसानों की हालत क्या है ? महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण में गन्ना के भुगतान के लिए कहा गया कि 86 हजार 700 करोड़ का भुगतान वर्ष 2019-20 में किया गया। लेकिन अभी तक कितना बकाया है इसका भी उल्लेख नहीं किया गया है।

इस बुकलेट में जल, जीवन मिशन योजना के अन्तर्गत हर घर को जल देने की बातें की गई हैं अगर देखा जाए तो बहुत अच्छी योजना है क्योंकि पहले जिनके पास धन होता था वह गरीबों के लिए पेयजल एवं गौशाला की व्यवस्था करते थे। लेकिन वर्ष 2016-17 से पहले समाजवादी पार्टी द्वारा ग्रामीण पेयजल के लिए बनी टंकियां, उसमे से अब तक कितनी टंकियां संचालित हैं उसका जवाब दे दें। आप पेयजल के लिए कितना गंभीर हैं, कहीं भी किसी भी जनपद का उठा लीजिए, अभी हम किसी एक जिले का उदाहरण देंगे तो आप कहेंगे कि एक जिलें का नहीं हो सकता है। जनपद बाराबंकी में कम-से-कम 40 पानी की टंकियां बनी हुई हैं और तीन साल से ज्यादा का समय हो गया है लेकिन एक भी टंकी में पानी की सप्लाई नहीं हो पाई है। इस बुकलेट में प्रदेश में कुल 4,921 गौ-आश्रय स्थलों का हवाला दिया गया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहता हूँ कि क्या 30 रुपये में एक सांड़ या एक गाय चारा खा सकती है ? आत्मा पर हाथ रखकर कोई भी विधायक कह दे कि 30 रुपये में एक सांड और एक गाय चारा खा सकती है। हमारी सरकार है और सरकार के पास धन का अभाव नहीं होता है, योजना बनाने की इच्छाशक्ति है और बहुत अच्छी इच्छाशक्ति थी कि हम किसानों के सहयोग के लिए गौशाला/गौ-आश्रय का निर्माण करेंगे। आपकी सरकार उसी गाय के नाम पर बनी है। कोई गाय के नाम पर, कोई चाय के नाम पर आया है। मा0 अध्यक्ष जी मैं कहना चाहता हूँ कि गाय हमारी माता है, हम भी हिन्दू हैं और मैं शाकाहारी भी हूँ। लेकिन क्या 30 रुपये में एक सांड़ और एक गाय चारा खा सकती है ? यह सरकार का सबसे बड़ा फेल्योर है और सरकार की गाय के प्रति इच्छाशक्ति को दर्शाता है जो पूरे देश में पूजनीय पशु है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त कीजिए, आपका बहुत समय हो गया है।

श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव-

मा0 अध्यक्ष जी, पूर्ववती सरकारों ने, मा0 अखिलेश यादव जी ने गाय के दूध को बढ़ावा देने के लिए, गाय पालन को बढ़ावा देने के लिए गाय के दूध का रेट निर्धारित किया था, उस पर सरकार ने कोई काम नहीं किया है।

श्री अध्यक्ष-

आप कितना समय लेंगे ? आपका 08 मिनट हो गया है।

श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव-

मा0 अध्यक्ष जी, इस किताब में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ी-बड़ी बातें कही गयी हैं। क्या सरकार की इच्छाशक्ति है कि गरीब का बेटा पढ़ जाए, किसान का बेटा पढ़ जाए, केवल कायाकल्प करा देने से, प्रधानों के पैसे खर्च करा देने से विद्यालय में शिक्षा अच्छी नही हो सकती है। अध्यापक पढ़ाने वाले होने चाहिए और शिक्षा ग्रहण करने वाले होने ही चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में अध्यापकों का क्या हाल है, शिक्षामित्रों की क्या दशा हो गयी है और राजकीय हाई स्कूल कॉलेज में अध्यापकों की जितनी भी भर्तियां हुई थीं, उन अध्यापकों को 3-3 महीने से तनख्वाह तक नहीं मिली है, क्या चाहती है सरकार। मान्यवर, ये नहीं चाहते कि कोई भी ईमानदार आदमी बेहतर शिक्षा अपने बच्चों को दे सके और गरीब आदमी राजकीय शिक्षा में जब जाएगा पूरी तरह प्रशिक्षित होगा तो उसको नौकरी देने का काम करना पड़ेगा। अगर वह जानकार हो गया तो वह अपना अधिकार मांगने का काम करेगा।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका समय हो गया है, आप अंतिम लाइन कहिए।

श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव-

मान्यवर, थोड़ा सा संरक्षण दे दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करिए, कुछ लोग और बोल लें।

श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव-

मान्यवर, स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार बड़ी-बड़ी बातें करती है। 102 और 108 एम्बुलेंस सेवा के कर्मचारियों की तनख्वाह कितने दिनों से बाकी है।

श्री अध्यक्ष-

ये बात आप पहले कह चुके हैं।

श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव-

मैं अन्त में केवल दो शब्द कहना चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

अन्त वाले दो शब्द कह दीजिए।

श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव-

प्रदेश सरकार की आर्थिक नीति के द्वारा आर्थिक मन्दी आई है, आर्थिक बेरोजगारी आई है, सामाजिक बेरोजगारी भी आई है।

श्री अध्यक्ष-

आर्थिक मन्दी विधान सभा का विषय ही नहीं है वह लोकसभा का विषय है।

श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव-

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि जिनके परिवार हैं ही नहीं, वे परिवार को पालना व आगे बढ़ाना क्या जानें। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि किसी व्यक्ति विशेष पर टिप्पणी नहीं होनी चाहिए। जो योग्य है उसे जनता ने योग्य और कोई अयोग्य है तो उसे जनता ने अयोग्य माना है। हम कौन होते हैं किसी पर टिप्पणी करने वाले। मैं मा0 अखिलेश यादव जी के बारे में कहना चाहूँगा कि.....

श्री अध्यक्ष-

श्री कैलाश नाथ शुक्ल जी आप बोलिए।

श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव-

उन्होंने सभी का बराबर सम्मान किया है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिए, हमने कैलाश जी को बुला लिया है।

श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव-

मान्यवर, अन्त में कुछ कहना चाहूँगा, थोड़ा संरक्षण दे दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

अन्त में तो आप कई बार कह चुके हैं, आपके 11 मिनट हो गये हैं। अब आप बैठिए।

श्री कैलाश नाथ शुक्ल-

माननीय अध्यक्ष जी मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे श्री राज्यपाल महोदया द्वारा सदन में दिए गये अभिभाषण पर डॉ0 मंजू शिवाच द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का अवसर प्रदान किया है। माननीय अध्यक्ष, माननीय राज्यपाल महोदया द्वारा प्रस्तुत अभिभाषण जो हमारी सरकार की चतुर्मुखी विकास नीति है उसका एक झलक और आइना है।

श्री अध्यक्ष-

केवल पांच मिनट में अपनी बात कहनी है, इसका ध्यान रखिएगा।

श्री कैलाश नाथ शुक्ल-

मान्यवर, मैं चार मिनट में ही पूरा कर दूंगा। माननीय अध्यक्ष जी, स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क विकास के महत्वपूर्ण मानक होते हैं। शिक्षा की दृष्टि से अगर विचार करें तो

समाजवादी पार्टी और बसपा के शासनकाल में जो प्राथमिक विद्यालय दीन-हीन दयनीय व्यवस्था में दिखाई पड़ते थे उन विद्यालयों में बच्चों का जाना अभिशाप माना जाता था उन विद्यालयों को हमारी लोकप्रिय सरकार ने चमका कर हर प्रकार से पढ़ने लायक बनाया है। सारे विद्यालयों के फर्श पत्थर से, संगमरमर से अथवा टाइल्स से बनाये गये हैं। इतना ही नहीं, प्राथमिक विद्यालयों में सरकार का निर्देश हुआ है कि हर ब्लॉक में एक या दो अंग्रेजी माध्यम के आदर्श विद्यालय बनाये जायें जिससे बच्चों में ये हीन भावना न आने पाये कि मैं प्राथमिक विद्यालय में पढ़ता हूँ। मान्यवर, जहां तक स्वास्थ्य का सवाल है हमारी सरकार ने आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत आयुष्मान कार्ड जारी करके प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह सुनिश्चित किया है कि उसकी जान दवा के अभाव में कदापि जाने न पाये। इतना ही नहीं, यदि कोई व्यक्ति आयुष्मान कार्ड योजना के अन्तर्गत आच्छादित नहीं हो पाता तो अभी जैसा हमारे पूर्व मित्रों ने बताया कि जिस भी विधायक ने जिस भी मरीज के बारे में अपना संस्तुति पत्र दिया बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के योगी जी ने कृपापूर्वक उतनी धनराशि उस व्यक्ति के इलाज के लिए आवंटित किया है, कदापि किसी के साथ भेदभाव नहीं किया गया है। यह बात हमारे विपक्ष के मित्र भी स्वीकार करेंगे। मान्यवर, जहां तक सड़कों का सवाल है बसपा-सपा के शासनकाल में सड़कों की क्या स्थिति थी, मैं जिस बलरामपुर जिले से आता हूँ वहां एक कथा कही जाती थी कि सड़क पर बैठे आंख मूंदे रहिए जब गाड़ी आपकी सड़क पर उछलने लगे तो आप मान लीजिए कि आप बलरामपुर जिले में आ गये हैं।

लेकिन आज स्थिति बदल गयी है। आज हमारे पूरे प्रदेश में सारी सड़कें, राष्ट्रीय राजमार्ग अथवा राज्य स्तरीय सड़कें, राजमार्ग से जोड़ी जा रही हैं। सारी सड़कें गड्ढा-मुक्त कर दी गयी हैं। इतना ही नहीं, हमारी सरकार की संवेदनशीलता देखिए कि हम विधायकों के क्षेत्र में यदि कोई सड़क है, कोई पुल है, जिसका निर्माण होना आवश्यक है तो प्रत्येक विधायक को 5-5 करोड़ का प्रस्ताव दे करके, उन सड़कों को बनाने का काम सरकार ने किया है। सरकार निश्चित रूप से विकास के प्रति ईमानदार है। किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया है।

(समाजवादी पार्टी के कई सदस्य एक साथ बोलने का प्रयास करने लगे)

विधायकों के प्रस्ताव पर उनके निर्वाचन क्षेत्र में निर्माण कार्य हेतु पांच-पांच करोड़ रुपये दिये जाने के सम्बन्ध में व्यवस्था का प्रश्न

श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरा एक व्यवस्था का सवाल है। माननीय विधायक जी यह बोल रहे हैं कि प्रत्येक विधायक को 5-5 करोड़ रुपये उसके निर्वाचन क्षेत्र में दिए गए हैं। माननीय अध्यक्ष जी, हम आपका संरक्षण चाहते हैं। यह प्रत्येक विधायक को तो मिला नहीं और यह जो

बोला गया है, यह हाउस की प्रॉपर्टी है। आप हमारे संरक्षक हैं। मान्यवर, जैसा विधायक जी बता रहे हैं कि सत्तापक्ष के विधायकों को 5-5 करोड़ रुपये दिए गए हैं, आप विपक्ष के विधायकों को भी दिलवा दीजिए।

चौधरी उदयभान सिंह-

अध्यक्ष जी, 05 करोड़ रुपये की जो बात है, चाहे वह जिलाध्यक्ष के माध्यम से गया हो, चाहे वह विधायक के माध्यम से गया हो, चाहे वह सांसद के माध्यम से गया हो, गया है।

(समाजवादी पार्टी के कई सदस्यों के एक साथ बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग बैठिए, हमारी बात सुनिए। इस आदरणीय सदन में जब कोई माननीय सदस्य बोलते हैं, चाहे इधर के हों, चाहे उधर के हों, तो वह अपनी सामान्य जानकारी के आधार पर बोलते हैं, उनके पास कोई सरकारी फाइल, पत्रावली, गवर्नमेण्ट का डाक्यूमेन्ट नहीं होता है। लेकिन जब माननीय मंत्रीगण कोई विषय रखते हैं, तत्सम्बन्धित उनसे कोई सवाल किया जाए, किसी नियम में उनसे बात की जाए तो मंत्रीगण अध्ययन करने के बाद बोलते हैं। माननीय कैलाश जी बोल रहे थे। कैलाश जी इस आदरणीय सदन के सदस्य हैं और वह किसी पत्रावली या सरकारी अभिलेख के आधार पर नहीं बोल रहे थे, अपनी जानकारी के आधार पर बोल रहे थे। जैसे अभी आप बोल रहे थे तो वह अपनी निजी जानकारी के आधार पर बोल रहे थे। निजी जानकारियों में कुछ ऐसा भी हो सकता है कि वह जानकारी वैसी न हो, जैसी हम बोल जाते हैं। हम किसी जानकारी को सही या गलत नहीं कहते। अगर कोई माननीय मंत्री बोल रहा है, वह भी पूछे गए सवाल के जवाब में क्योंकि सवाल के जवाव में पत्रावली आती है। जैसे आज सुबह माननीय अखिलेश जी के मामले में विषय आया था, माननीय खन्ना जी से अनुरोध किया जा रहा था कि वह पहले बोल दें। लेकिन उन्होंने कहा कि हम पूरी जाँच कराकर ही कोई विषय बोलेंगे। इसलिए उनसे यह अपेक्षा नहीं करनी चाहिए और न ही किसी माननीय सदस्य से कि वह जो बोल रहा है या तो वह यह कहे कि मैं अपनी निजी जानकारी के आधार पर बोल रहा हूँ। यह प्रायः क्षेत्र के बारे में हम लोग मान लेते हैं। हम भी वहां लम्बे समय तक बैठे हैं, जिधर आप लोग बैठे हैं तो कोई जानकारी अगर माननीय सदस्य दे रहा है तो यह मानकर चलते हैं कि वह उसके विचार हैं और जब आपका नम्बर आयेगा तो आप उसका खण्डन कर देना, इतनी व्यवस्था है। मेरा ख्याल है कि अब आपका समाधान हो गया होगा।

श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, आप सरकार को निर्देश दे दीजिए कि जिन-जिन विधान सभा क्षेत्रों में 05 करोड़ रुपये विकास के नहीं गए हैं, उन्हें भिजवा दें।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

अध्यक्ष जी, जब मंत्री जी कह रहे हैं कि चाहे वह जिलाध्यक्ष के माध्यम से गया हो, विधायक के माध्यम से गया हो या सांसद के माध्यम से गया हो तो यह सरकार का वर्जन हो गया।

श्री अध्यक्ष-

यह श्री राज्यपाल के अभिभाषण का अवसर है, यह इसका प्रसंग नहीं है।

श्री कैलाश नाथ शुक्ल-

मा0 अध्यक्ष जी, बिजली के विषय पर भी चर्चा हो रही थी। मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि ईमानदारी से अगर हृदय पर हाथ रख करके विचार करेंगे तो हमारे विपक्ष के भी भाई मानेंगे कि बिजली की स्थिति में अभूतपूर्व सुधार हुआ है, लेकिन अभी नेता प्रतिपक्ष बिजली के विषय में बात कहते हुए कह रहे थे कि इतनी पुरानी जर्जर व्यवस्था को दीन-हीन व्यवस्था को ऐसे चमका रहे थे जैसे एक देहाती कहावत है कि दो मित्र थे, एक मुसलमान थे, एक हिन्दू थे तो अपने मित्र से उसने कहा कि तुम हिन्दू भाई रोज नहाते हो, रोज नहाते हो और हम जुम्मे जुम्मा जुम्मे जुम्मा उसको इतनी ताजगी के साथ प्रस्तुत किया कि लगता है कि विधिवतपूर्वक नहा ही रहे हैं। वैसे ही अपनी बिजली की दीन-हीन व्यवस्था को हमारे नेता प्रतिपक्ष कह रहे थे कि एक भी बिजली का खम्भा और एक भी बिजली गांव में विद्युतीकरण की स्थिति नहीं हो पाएगी। हमारे बोलने का समय, हमारे विपक्ष के नेताओं ने पूरा समय ले लिया, लेकिन मैं इस विषय पर कहना चाहूँगा कि हमारे यहां शिवपुरा में विद्युत उपकेंद्र है, जो वर्ष 1991-92 की सरकार में बना था हमारी भाजपा की सरकार ने ही उसको संचालित करने के लिए तथा उसको बनाने के लिए कृपापूर्वक सरकार को निर्देश देने का कष्ट करें। हमारी देवीपाटन शक्तिपीठ है और उस शक्तिपीठ में लोग दर्शन करने जाते हैं, वहां के बस स्टैण्ड के लिए मैं आग्रह करना चाहता और उसके चौड़ीकरण और उच्चीकरण के लिए मैं अनुरोध करना चाहता हूँ। मा0 अध्यक्ष जी, एक विषय जो सार्वजनिक है अधिवक्ता कल्याण निधि की धनराशि, क्योंकि मैं भी अधिवक्ता वर्ग से आता हूँ इसको हमारी सरकार ने भी हमारे चुनाव में भी विषय रखा गया था कि इसको बढ़ा करके पांच लाख किया जाए, यह जनहित का विषय है इसको मैं आपके माध्यम से पांच लाख करने का अनुरोध करना चाहता हूँ। अन्त में मा0 अध्यक्ष जी, हमारे तुलसीपुर विकास खण्ड में बेला महाराजगंज मार्ग को जोड़ने वाला राप्ती नदी पर पुल की आवश्यकता है उस पर पुल बनवाने के लिए मैं आपके माध्यम से आग्रह करना चाहता हूँ। आज आपने हमको इस विषय पर बोलने की अनुमति दिया इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिंद, जय भारत।

श्री रजनीकान्त मणि त्रिपाठी-

मा0 अध्यक्ष जी, राज्यपाल उत्तर प्रदेश के अभिभाषण पर समर्थन करने के लिए सदन में उपस्थित हूँ। मुख्य मंत्री मा0 परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में समृद्ध और विकास की दिशा में आगे बढ़ रही सरकार के सभी मंत्रीगण, सभी सहयोगी विधायकगण के चरणों में नमन करता हूं। सबके सकारात्मक सहयोग से प्रदेश हर तरह से मजबूत हो रहा है। इसके लिए मैं सभी को धन्यवाद देता हूँ और उनके चरणों में नमन करता हूँ। अभी किसी मित्र ने हमारे देश के प्रधानमंत्री जी का जो नारा है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास उस पर उन्होंने आपत्ति दर्ज कराई। मैं दावे के साथ ईमानदारी से कह सकता हूँ। जब आप समीक्षा करेंगे तो हमको लगता है कि वर्तमान परिवेश में हिंदुस्तान का जो दृश्य उपस्थित है, उस पर इस नारे को लेकर किसी को एतराज नहीं होना चाहिए।

इस पर किसी को एतराज नहीं होना चाहिए। हम विरोध के लिए विरोध करते हैं। यह विषय नहीं है। कहीं आपको लगता है कि नहीं यहां विरोध आवश्यक है तो आप सादर आमंत्रित हैं। लेकिन जितनी बातें सत्य हैं, जो आंख से दिखाई देता है उस पर भी कोई व्यक्ति इन्कार करे तो यह कतई क्षमा योग्य नहीं है और पूरा सदन इसकी आलोचना करता है। चाहे प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना हो, चाहे शहरी आवास योजना हो या उज्ज्वला योजना हो या हर घर तक बिजली देने की बात हो आज मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज है। महानगरीय क्षेत्रों में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू कर दी गई है। हमारी सरकार ने बेहतर कृषि नीति बनाकर किसानों के हाथों को मजबूत किया है तथा उत्तर प्रदेश के किसान आर्थिक रूप से समृद्धशाली बने हैं। इसके लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को और मा0 कृषि मंत्री जी को इस सदन के माध्यम से धन्यवाद देना चाहता हूँ।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से वे किसान मजबूत हुए हैं जो धन के अभाव में किसी समय में एक बोरा यूरिया नहीं खरीद पाते थे। बरसात हो जाती थी लेकिन उनकी जेब में इतना पैसा भी नहीं होता था कि यूरिया खरीद सकें लेकिन हमारी सरकार ने किसान सम्मान निधि योजना दे करके यह तय किया है कि कोई भी किसान अब यूरिया के अभाव में खेती में पीछे नहीं रहेगा। यही कारण है कि हमने वर्ष 2022 तक किसान की आय को दोगुना करने की बात कही है। निश्चित तौर पर यह लक्ष्य है कि हम वर्ष 2022 तक कृषि आय को दोगुना करेंगे यह लक्ष्य तो पूरा होगा। अब मैं जल शक्ति विभाग की, सिंचाई विभाग की बात करूंगा इस सरकार के पहले भी एक सरकार थी और उस समय हमारे खुद के विधान सभा क्षेत्र में कितनी ऐसी नहरें थीं कि जिनमें पानी नहीं था। लेकिन आज हर खेत तक पानी पहुंचाने का काम हमारी सरकार ने किया है, इसलिए मैं इस सदन के माध्यम से सिंचाई मंत्री जी को भी धन्यवाद देना चाहता हूँ। पीने के पानी का संकट भी दूर हुआ है। आज ग्राम

विकास के माध्यम से देश आत्मनिर्भर बना है और गांधी जी का सपना पूरा हुआ है। आज श्यामा प्रसाद मुखर्जी अरबन मिशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्य मंत्री आवास योजना के माध्यम से शहरी, ग्रामीण क्षेत्रों में, बनटांगिया के क्षेत्रों में, मुसहर बस्ती के क्षेत्रों में हम लोगों ने खुद आवास दिए हैं। आज मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्दर 08 हजार शहरी आवास और लगभग 04 हजार ग्रामीण आवास दिए गये हैं। आज स्वास्थ्य सेवाएं भी काफी बेहतर हुई हैं। मैं मुख्य मंत्री जी की एक योजना के लिए उनके चरणों में नमन करते हुए एक बात कहना चाहता हूँ कि उन्होंने प्रत्येक रविवार को जो स्वास्थ्य मेला लगवाया है, वह निश्चित तौर पर एक सराहनीय कदम है। अब हर गरीब को चिकित्सा के लिए कहीं दूर नहीं जाना पड़ेगा। हर रविवार को 10 बजे से लेकर 2 बजे तक यह स्वास्थ्य मेला लगता है। मुझे भी कई मेलों में जाने का अवसर मिला है और मेरे मित्र भी उन शिविरों में गए होंगे। वे चाहें तो उसकी उपलब्धि के बारे में चर्चा भी कर सकते हैं।

श्री अध्यक्ष-

त्रिपाठी जी अब आपका हो गया।

श्री रजनीकान्त मणि त्रिपाठी-

मान्यवर, मैं दो-तीन मिनट में अपनी बात खत्म कर देता हूँ। अच्छा एक मिनट में अपनी बात खत्म कर देता हूँ। कुछ स्थानीय विषयों पर भी मैं चर्चा करना चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

एक मिनट में कहां हो पाएगा ?

श्री रजनीकान्त मणि त्रिपाठी-

मान्यवर, एक ही मिनट का विषय है। हमारे यहां एक अन्तर्राष्ट्रीय हवाई पट्टी का निर्माण हो रहा है, उसमें कुछ काम शेष है। मैं इस सदन के माध्यम से मा0 मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूँ और मेरी आवाज वहां तक जानी चाहिए कि यथाशीघ्र वहां से उड़ान शुरू हो क्योंकि जितनी जल्दी उड़ान शुरू होगी, उतना ही बढ़िया होगा और यदि उस हवाई पट्टी का नाम मा0 अटल जी के नाम पर रखा जाएगा तो मुझको लगता है कि समाज के अन्दर एक बेहतर सन्देश जाएगा। इसी के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

बहुत धन्यवाद त्रिपाठी जी। मा0 धीरेन्द्र सिंह जी।

श्री धीरेन्द्र सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, इस सम्मानित सदन में बोलने का मौका दिए जाने के लिए मैं आपका और पूरे सदन का शुक्रगुजार हूँ। मा0 राज्यपाल महोदया का जो अभिभाषण है, वह इस

प्रदेश में सुशासन, विकास और विश्वास के प्रतीक के तौर पर है। हम लोगों ने उसे सुना, पढ़ा और जाना है। 5 करोड़ 43 लाख रुपये का निवेश मात्र तीन साल में यह योगी सरकार का संकल्प है और इस प्रदेश की उस 23 करोड़ जनसंख्या के आने वाले भविष्य का संकेत है, डिफेन्स एक्सपो जिसकी भव्यता ने और जिसके आयोजन ने पूरी दुनिया के देशी-विदेशी निवेशकों का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया। यह उत्तर प्रदेश के इतिहास की कोई छोटी घटना नहीं है अभी मैं विगत शुक्रवार में अपने बड़े भाई लाल जी वर्मा साहब का जो कथन था उसे बड़े ध्यान से सुन रहा था जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि यह सरकार किसानों पर, महिलाओं पर अत्याचार कर रही है लेकिन मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूँ और इस पूरे सदन को अवगत कराना चाहता हूँ कि सन् 2011 में उन्हीं की सरकार थी और तत्कालीन सरकार के आदेश पर भट्टा पारसौल के उन निरीह किसानों पर लाठीचार्ज और गोलीबारी हुई थी जिसमें दो किसान मौके पर मारे गये थे। महिलाओं को घर से निकाल कर उनकी इज्जत को तार-तार किया गया था, तब इन लोगों को ध्यान नहीं आया था।

आज ये किसानों के हितैषी बनने का दंभ भरते हैं। नेता प्रतिपक्ष इस वक्त यहां पर नहीं हैं लेकिन मैं उन्हें भी बताना चाहूँगा कि सन् 2004 में बझेड़ा में रिलायन्स को जमीन दी गई और वह भी औने-पौने दामों में सिर्फ दो से ढाई लाख रुपये की कीमत पर उस वक्त इस प्रदेश में माननीय मुलायम सिंह जी की सरकार थी। किसानों से जबरन जमीनें छींनकर रिलायन्स को देने का प्रयास किया गया था। उस वक्त उनका किसान हित कहां गया था और अगर मैं बात करूं घोड़ी-बछैड़ा काण्ड की जिसमें सात निरीह किसानों की हत्या कर दी गई थी वह भी तत्कालीन मायावती जी की सरकार के समय में हुआ था। आज अगर इस प्रदेश में भूमि अधिग्रहण होता है तो किसानों की सहमति से और उनके बीच बैठकर होता है और यह सरकार जो योगी जी के कमिटमेंट से और योगी जी की काबिलियत से इस प्रदेश को तरक्की की उन बुलन्दियों तक ले जाना चाहती है जिसका सपना आजादी के बाद से यह प्रदेश देख रहा था। आपको याद होगा माननीय अध्यक्ष जी एक वह वक्त मध्य युग का था, जब इस देश की संस्कृति को विदेशी आक्रांताओं ने नष्ट-भ्रष्ट करने का प्रयास किया था। उस वक्त गोस्वामी तुलसी दास जी के रूप में एक देदीप्यमान सितारा नक्षत्र में उभरा था जिसने राम चरित मानस की रचना कर हिन्दुस्तान की उस संस्कृति की पुनर्स्थापना की थी जो भगवान श्री राम के आदर्श और उसमें दर्शाये गये चरित्र जो इस हिन्दुस्तान के समाज को बांधे रखने में सहायक थे, उसकी स्थापना की थी। आज यह सरकार योगी जी की सरकार और केन्द्र में मोदी जी की सरकार इस देश की संस्कृति की पुनर्स्थापना की सरकार है और आज जिस तरीके पूरी दुनिया में हिन्दुस्तान का मान और सम्मान बढ़ा है और जिस तरीके से यह देश धीरे-धीरे तरक्की की ओर अग्रसर है यह सही मायने में आजादी के बाद उन लोगों की आकांक्षाओं के लिए बहुत

बेहतर भारत का सपना है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं गौतमबुद्ध नगर जिले का उल्लेख करना चाहूँगा, वह जिला इस प्रदेश को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले जिलों में शुमार है और गौतमबुद्ध नगर में विशेषकर मेरी जेवर विधान सभा क्षेत्र में 3-3 महाविद्यालयों की स्थापना इस सरकार में हुई है। एक ऐसा बिजली घर उस जनपद में खोला गया है जहाँ बिजली भी अन्य जिलों से आती थी तो जैसा कि न्यूटन का सिद्धान्त है कि हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है, विपक्ष की हताशा और उनकी निराशा इस बात का प्रतीक है कि उन्हें बदलते प्रदेश का और तरक्की करते हुये प्रदेश का और इसके नेतृत्व के कार्यों की प्रशंसा करना गँवारा नहीं है। और यह लोग बार-बार विरोध कर उ0प्र0 की तरक्की से लोगों का ध्यान उससे भटकाना चाहते हैं। अध्यक्ष जी, मैं अपनी बात को समाप्त करते हुए यह बताना चाहूँगा कि इस प्रदेश के विकास में और हिन्दुस्तान में विदेशी मुद्रा भण्डार लाने के लिए मेरी विधान सभा क्षेत्र जेवर में एक अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की स्थापना होने जा रही है। इससे हिन्दुस्तान का विदेशी मुद्रा भण्डार ही नहीं बढ़ेगा बल्कि अनेकों देशी-विदेशी कंपनियां वहां आकर हमारे नौजवान भाइयों को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। इन्हीं शब्दों के साथ मैं पुनः आप सभी का धन्यवाद करता हूँ। धन्यवाद।

श्री विनय शंकर तिवारी-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे अपनी बात कहने का अवसर दिया उसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मैं सर्वप्रथम नेता प्रतिपक्ष श्री राम गोविन्द चौधरी, नेता प्रतिपक्ष श्री लालजी वर्मा एवं नेता कांग्रेस से अपने को सम्बद्ध करते हुए अपनी बात कहना चाहता हूँ। अध्यक्ष जी, श्री राज्यपाल जी ने अपने अभिभाषण में गंगा यात्रा का उल्लेख किया है। गंगा यात्रा को स्वच्छ और निर्मल बनाने की बात कही गयी है क्या यह सम्भव है कि जब तक गंगा की सहायक नदियां जो जाकर गंगा में मिलती हैं, वह स्वच्छ नहीं होंगी, वह निर्मल नहीं होंगी तो गंगा के निर्मल होने की बात केवल कोरी बात ही रह जाएगी ? आज जो गंगा में नदियां मिल रही हैं, हमारे जिला गोरखपुर से आमी नदी जाती है, वहां पर राप्ती नदी है, घाघरा नदी है। यह सभी नदियां आज की तारीख में प्रदूषित हैं। जब तक यह नदियां प्रदूषित रहेंगी तब तक गंगा के निर्मल होने की बात केवल कोरी बात रह जाएगी। गंगा निर्मल नहीं हो सकती है। आज जो खनन के लोग हैं उन्होंने अलग से एक नदी बना दी है। वहां बेलघाट ब्लॉक में रापतपुर गांव है उसमें बालू के खनन से इतना अधिक गहरा खनन हो गया है कि एक अलग से नदी बन गयी है और वह नदी बंधे को काटने के लिए तत्पर है। जब भी बरसात के दिन आएंगे तो निश्चित रूप से बाढ़ में वह गांव तबाह हो जाएंगे।

अध्यक्ष जी, इस पर सरकार का ध्यान मैं आपके माध्यम से आकृष्ट करना चाहूँगा। निर्मल जल की बात हो रही है, इस पूरे अभिभाषण के दौरान आर्सेनिक प्रभावित जो जिले हैं

जहां आर्सेनिक सबसे ज्यादा पाया जाता है उसमें कहीं इसका उल्लेख नहीं किया गया है। इसलिए मैं आपके माध्यम से चाहता हूँ कि जो जिले, जो जगह आर्सेनिक से प्रभावित हैं उन पर सरकार का ध्यान जाये और वहां पर जो आर्सेनिक की समस्या पैदा हो रही है उसको दूर करने का काम किया जाये। अध्यक्ष जी, यह सरकार किसानों की बात कर रही है और बार-बार कहती है कि किसानों के हित के लिए हम काम करेंगे, डेयरी के लिए काम करेंगे। पूरे प्रदेश में एकमात्र दीनदयाल उपाध्याय वैटनरी यूनिवर्सिटी, मथुरा है वह पूरे प्रदेश में एक अकेली यूनिवर्सिटी है लेकिन आज भी उस यूनिवर्सिटी में जो कोर्स है उसमें आज की तारीख में वैटनरी डिप्लोमा, वैटनरी पॉलीटेक्निक, वैटनरी फॉर्मेसी संचालित नहीं हो रही हैं। उनकी मान्यता नहीं मिल रही है और सरकार कह रही है कि हम पशुओं के लिए, किसानों के लिए काम कर रहे हैं जबकि यह सरकार के लिए बहुत छोटी सी बात है कि उसको मान्यता दे दें लेकिन आज तक जो दीनदयाल उपाध्याय वैटनरी विश्वविद्यालय, मथुरा है उसमें इन कोर्सों को मान्यता नहीं दी जा रही है। अध्यक्ष जी, इसके लिए मैं आपका ध्यान सरकार की तरफ आकृष्ट करना चाहूँगा। साथ ही साथ आवारा पशु पूरे प्रदेश की समस्या है। जो हमारे भाई अभी विकास की बात कर रहे हैं निश्चित रूप से यदि वह गांव में जाते होंगे तो यह समस्या इनके सामने भी आती होगी। जो आवारा पशु हैं वह किसानों के पूरे-पूरे खेत खा जाते हैं। आज वहां पर सैकड़ों की संख्या में आवारा पशु जाते हैं और किसी एक किसान के खेत में अगर चले गये तो उस किसान की पूरी फसल समाप्त हो जाती है। उस पर सरकार कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। जो गोवंश की बात सरकार कर रही है कि निराश्रित गोवंश को रखने के जो आश्रय हैं उसमें 30 रुपये उनका खर्चा दिया जा रहा है। उस 30 रुपये में उनका पेट नहीं भर रहा है। जब पेट नहीं भर रहा है तो उससे वह पशु कुछ दिन के बाद मृत्यु को प्राप्त हो जा रहे हैं जिन्हें उसी तरह से नदियों में ले जाकर फेंक दिया जा रहा है। यह किसानों की और उस गांव की एक बहुत बड़ी समस्या है, आज की तारीख में क्योंकि उनको भरपेट भोजन नहीं मिल पा रहा है। इस समस्या पर भी मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ कि निराश्रित पशु हैं, जो आवारा पशु हैं, उनके भोजन की उचित व्यवस्था की जाय। साथ-साथ जो किसानों की बर्बादी हो रही है, सरकार कह रही है हम किसानों के हित रक्षक हैं तो निश्चित रूप से आवारा पशुओं के द्वारा किसानों का बहुत बड़ा अहित हो रहा है।

श्री अध्यक्ष-

बहुत अच्छा, आपने टू-द-प्वाइंट सब कह दिया। अब तो कुछ बचा नहीं ? अब तो सब बातें आ गयीं।

श्री विनय शंकर तिवारी-

अध्यक्ष जी, अपने क्षेत्र की बात तो कह लें। सरकार बात करती है धर्म की, संस्कृति की। शिक्षा के ऊपर सरकार की एक बात भी नहीं आयी है। संस्कृत विषय के प्रोत्साहन में

संस्कृत के जो शिक्षक हैं उनके बारे में सरकार ने पूरे अभिभाषण में कहीं कोई बात नहीं कही है। जो गरीब सवर्ण है, उनके बारे में इस अभिभाषण में कहीं कोई जिक्र नहीं किया गया है। तमाम ऐसे गरीब हैं, जो कि सवर्ण वर्ग से आते हैं, उनकी जो आवासीय समस्या है, उनकी जो रोजगार की समस्या है, उसके बारे में इस अभिभाषण में कहीं कोई बात नहीं कही गयी है। आज की तारीख में जब तक इन बातों को पूरा नहीं किया जाता है, तब तक विकास की अवधारणा अधूरी होगी और जो अभी बड़ी-बड़ी बातें की जा रही हैं कि विकास हमारे पास बहुत तेजी से हो रहा है। हम एक उदाहरण देना चाहते हैं, अगर गोरखपुर से वाराणसी उनको भेज दिया जाय। आदरणीय मुख्य मंत्री जी का क्षेत्र है, आदरणीय प्रधानमंत्री जी का क्षेत्र है, तो लगता है चन्द्रयान पर जाने के बराबर गोरखपुर से वाराणसी जाने का मार्ग है। यह मेरा कथन नहीं है, यह कथन सरकार के एक अधिकारी का है, जिसने कहा कि वहां जाना ऐसा लगता है कि जैसे हम चन्द्रयान पर जा रहे हैं। आज गोरखपुर से वाराणसी का राजमार्ग इतनी बुरी हालत में है और विकास की कल्पना की जा रही है। विकास की बात की जा रही है, सड़क का एक उदाहरण है एक मंत्री जी ने पार्लियामेण्ट में अपने भाषण में कहा था कि लगता नहीं है कि सड़क में गड्ढा है कि गड्ढे में सड़क है। गोरखपुर और वाराणसी राजमार्ग की हालत ऐसी प्रतीत होती है कि गड्ढे में सड़क है कि सड़क में गड्ढा है, इसको साबित करना मुश्किल हो जा रहा है। इसी तरह से विकास के मानक के साथ-ही-साथ जो राम जानकी मार्ग है, वह महत्वपूर्ण मार्ग है। अयोध्या से जनकपुर जाने का मार्ग है, लेकिन आज भी वह अधूरा पड़ा हुआ है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान उसकी तरफ भी आकृष्ट करना चाहता हूँ। साथ-ही-साथ जो चिल्लूपार विधान सभा क्षेत्र है उसमें उरवा एक बाजार है, उसको टाउन एरिया घोषित किया जाय। वहां पर जो गोला तहसील है, वह आज तक बस के मार्ग से नहीं जुड़ा हुआ है, उसको बस के मार्ग से जोड़ा जाय। साथ-ही-साथ जो बाढ़ के दिनों में जो वहां विकराल स्वरूप हो जाता है तो तरैना नाले को गहरा करा दिया जाय और राप्ती नदी पर बैरिया से सरया तक बन्धे का पुनर्निर्माण कराया जाय। अध्यक्ष जी, आपने हमको बोलने का अवसर दिया, इसके लिए बहुत-बहुत साधुवाद, धन्यवाद।

[06:09] सदस्यों की गिरफ्तारी, निरोध व रिहाई की सूचना

श्री अध्यक्ष-

मुझे सदन को एक सूचना देनी है। माननीय सदस्यों की गिरफ्तारी, रिहाई इत्यादि के सम्बन्ध में। इस सचिवालय में आज दिनांक 17 फरवरी, 2020 को अधीक्षक, जिला कारागार, मुजफ्फरनगर द्वारा रेडियो ग्राम के माध्यम से सूचना मिली है कि चौधरी नाहिद हसन, सदस्य, विधान सभा, विधान सभा क्षेत्र कैराना को माननीय न्यायालय एस0एस0जे0एफ0टी0सी0, कैराना, जिला-शामली के आदेश से दिनांक 13-02-2020 को रिहा कर दिया गया है। अब हम नियम-51 की सूचना लेते हैं। श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चल रही चर्चा जारी रहेगी।

[06:09] नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 17-02-2020 को नियम-51 के अन्तर्गत कुल 57 सूचनायें प्राप्त हुईं।

पहली सूचना डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल की, जनपद गोरखपुर में लोक निर्माण विभाग द्वारा गैर जिम्मेदारी पूर्वक नाला बनाये जाने से लाखों नागरिकों के सम्मुख जलभराव होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, वक्तव्य हेतु स्वीकृत। दूसरी सूचना श्री प्रेमसागर पटेल की, जनपद महाराजगंज की सिसवा स्थित गड़ौरा चीनी मिल का परिचालन कराये जाने के सम्बन्ध में है, वक्तव्य हेतु स्वीकृत। तीसरी सूचना श्री देवेन्द्र कुमार निम की, जनपद सहारनपुर के विधान सभा क्षेत्र रामपुर मनिहारन में गांगनौली शुगर मिल के प्रदूषित जल को हिंडन नदी में मिलाये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, वक्तव्य हेतु स्वीकृत। चौथी सूचना श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा की, जनपद सीतापुर की तहसील महमूदाबाद के अन्तर्गत कतिपय सी0एच0सी0 एवं पी0एच0सी0 पर डाक्टर एवं स्टाफ की तैनाती कराये जाने के सम्बन्ध में है, वक्तव्य हेतु स्वीकृत। पांचवी सूचना श्री संजय प्रताप जायसवाल की, जनपद बस्ती के बजाज हिन्दुस्तान शुगर मिल अठदमा व फेनिल ग्रुप शुगर मिल द्वारा गन्ना किसानों का बकाया गन्ना मूल्य भुगतान कराये जाने के सम्बन्ध में है, वक्तव्य हेतु स्वीकृत। छठीं सूचना श्री नरेश सैनी की, जनपद सहारनपुर के विधान सभा क्षेत्र बेहट के 38 ग्रामों को बाढ़ से बचाने के सम्बन्ध में है, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत। सातवीं सूचना श्री उज्जवल रमण सिंह की, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत। आठवीं सूचना श्री अमन मणि त्रिपाठी की, जनपद महाराजगंज के तहसील नौतनवां में भू-माफियाओं द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में है, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत। नौवीं सूचना श्रीमती जय देवी की, जनपद लखनऊ के यदुनाथ सान्याल वार्ड में अवैध डेरियों को हटाये जाने के सम्बन्ध में है, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत। दसवीं सूचना श्री मनोज कुमार पाण्डेय की, जनपद रायबरेली के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद् द्वारा डाली जा रही सीवर लाइन में अनियमितताओं की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत। ग्यारहवीं सूचना, श्री अगयश राम सरन वर्मा की, जनपद पीलीभीत के श्री राजकुमार उर्फ राजू द्वारा कराये गये कतिपय घोटालों की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत। बारहवीं सूचना श्री ओमकार सिंह की, राज्य सरकार के कतिपय महाविद्यालयों में अध्यापकों व स्टाफ की तैनाती कराये जाने के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत। तेरहवीं सूचना श्री नफीस अहमद की, जनपद आजमगढ़ के विकास खण्ड बिलरियागंज तहसील सगड़ी में पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत। चौदहवीं सूचना श्री प्रमोद उटवाल की, जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी में

कतिपय सड़कों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत। पन्द्रहवीं सूचना श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव की, जनपद लखनऊ स्थित रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त अस्पताल को माडल चिकित्सालय के रूप में विकसित किये जाने के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत। सोलहवीं सूचना श्रीमती सुषमा पटेल की, जनपद जौनपुर के विकास खण्ड सुजानगंज में जर्जर सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत। सत्रहवीं सूचना श्री मनोज कुमार पारस की, जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नगीना में सम्पर्क मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत। अठारहवीं सूचना, श्री मसूद अख्तर की, जनपद सहारनपुर के ब्लाक मुजफ्फराबाद में नागादेवी नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत। उन्नीसवीं सूचना डॉ0 नीरज बोरा की, जनपद लखनऊ स्थित फैजुल्लागंज क्षेत्र के वार्ड में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित किये जाने के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत। बीसवीं सूचना श्री संजय गर्ग की, जनपद सहारनपुर में लोक निर्माण विभाग द्वारा सेतु का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत।

श्री अजय कुमार लल्लू-

अध्यक्ष जी, कृपया मेरी सूचना भी ले लें।

श्री अध्यक्ष-

आप राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष हैं, आपने इसमें छोटे वाले में कहां नोटिस दे दिये। आपकी सूचना नहीं है, लेकिन मैं स्वीकार करता हूँ। अब ठीक है। आज विशेषाधिकार लल्लू जी को मिल गया।

शेष सूचनायें अस्वीकृत की जाती हैं।

अब हम मंगलवार, 18 फरवरी, 2020 के पूर्वाह्न 11:00 बजे तक के लिए उठते हैं।

(इसके बाद सदन का उपवेशन सायं 6 बजकर 10 मिनट पर अगले दिन के 11:00 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :
दिनांक 17 फरवरी, 2020

प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव, विधान सभा,
उत्तर प्रदेश।

नत्थी (क)

तारांकित प्रश्न संख्या-12 का उत्तर पीछे पृष्ठ 18 पर देखिये।

विधान सभा के प्रथम सत्र 2020 के प्रथम सोमवार हेतु निर्धारित श्री असलम अली मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा पूछे गये तारांकित प्रश्न संख्या-12 का संलग्नक

क्र0सं0	मण्डल का नाम	तैनाती का जनपद	अधिकारी का नाम/वरिष्ठता क्रमांक/गृह जनपद	श्रेणी/वर्ग
1	2	3	4	5
1	**आगरा**	आगरा	डा0 मुकेश कुमार	सामान्य
2		मथुरा	डा0 शेर सिंह	अनुसूचित जाति
3		फिरोजाबाद	डा0 एस0के0 दीक्षित	सामान्य
4		मैनपुरी	डा0 अशोक कुमार पाण्डेय	सामान्य
5	**अलीगढ़**	एटा	डा0 अजय अग्रवाल	सामान्य
6		हाथरस	डा0 बृजेश राठौर	सामान्य
7		अलीगढ़	डा0 जनार्दन बाबू	अनुसूचित जाति
8		कासगंज	डा0 प्रतिभा श्रीवास्तव	सामान्य
9	**प्रयागराज**	प्रयागराज	डा0 गिरिजा शंकर बाजपेयी	सामान्य
10		फतेहपुर	डा0 उमाकान्त पाण्डेय	सामान्य
11		प्रतापगढ़	डा0 अरविन्द कुमार श्रीवास्तव	सामान्य
12		कौशाम्बी	डा0 पद्म नरायन चतुर्वेदी	सामान्य
13	**देवीपाटन**	गोण्डा	डा0 मधु गैरोला	सामान्य
14		बहराइच	डा0 सुरेश सिंह	सामान्य
15		बलरामपुर	डा0 घनश्याम सिंह	सामान्य
16		श्रावस्ती	डा0 अर्जुन प्रसाद भार्गव	अन्य पिछड़ा वर्ग
17	**बरेली**	बरेली	डा0 विनीत कुमार शुक्ला	सामान्य
18		पीलीभीत	डा0 सीमा अग्रवाल	सामान्य
19		शाहजहांपुर	डा0 राजीव कुमार गुप्ता	सामान्य
20		बदायूं	डा0 यशपाल सिंह	अन्य पिछड़ा वर्ग
21	**बस्ती**	बस्ती	डा0 जय प्रकाश त्रिपाठी	सामान्य
22		सिद्धार्थ नगर	डा0 सीमा राय	सामान्य
23		सन्तकबीरनगर	डा0 हरगोविन्द सिंह	अनुसूचित जाति

1	2	3	4	5
24	**कानपुर**	कानपुर नगर	डा0 अशोक शुक्ला	सामान्य
25		कानपुर देहात	डा0 राजेश कटियार	अन्य पिछड़ा वर्ग
26		इटावा	डा0 एन0एस0 तोमर	सामान्य
27		औरैया	रिक्त	
28		फर्रुखाबाद	डा0 चन्द्रशेखर	अनुसूचित जाति
29		कन्नौज	डा0 कृष्ण स्वरूप	सामान्य
30	**अयोध्या**	अयोध्या	डा0 घनश्याम सिंह	सामान्य
31		बाराबंकी	डा0 रमेश चन्द्रा	अन्य पिछड़ा वर्ग
32		सुल्तानपुर	डा0 चन्द्रभूषण नाथ त्रिपाठी	सामान्य
33		अमेठी	डा0 राजेश मोहन श्रीवास्तव	सामान्य
34		अम्बेडकरनगर	डा0 अशोक कुमार	अनुसूचित जाति
35	**गोरखपुर**	गोरखपुर	डा0 श्रीकान्त तिवारी	सामान्य
36		देवरिया	डा0 मंजरी धवन टण्डन	सामान्य
37		महाराजगंज	डा0 अशोक कुमार श्रीवास्तव	सामान्य
38		कुशीनगर (पडरौना)	डा0 नरेन्द्र प्रसाद गुप्ता	सामान्य
39	**झांसी**	झांसी	डा0 गजेन्द्र कुमार	अनुसूचित जाति
40		जालौन	डा0 अल्पना वरतारिया	सामान्य
41		ललितपुर	डा0 प्रताप सिंह	अन्य पिछड़ा वर्ग
42	**लखनऊ**	लखनऊ	डा0 नरेन्द्र अग्रवाल	सामान्य
43		हरदोई	डा0 सुरेन्द्र कुमार रावत	अनुसूचित जाति
44		लखीमपुर खीरी	डा0 मनोज अग्रवाल	सामान्य
45		सीतापुर	डा0 आलोक वर्मा	सामान्य
46		रायबरेली	डा0 संजय कुमार शर्मा	सामान्य
47		उन्नाव	डा0 (कै0) आशुतोष कुमार	सामान्य
48	**मेरठ**	मेरठ	डा0 राज कुमार	अन्य पिछड़ा वर्ग
49		बुलन्दशहर	डा0 कैलाश नाथ तिवारी	सामान्य
50		गाजियाबाद	डा0 नरेन्द्र कुमार गुप्ता	सामान्य
51		बागपत	डा0 राज किशोर टण्डन	सामान्य
52		गौतमबुद्धनगर	डा0 अनुराग भार्गव	सामान्य
53		हापुड़	रिक्त	

1	2	3	4	5
54	**मुरादाबाद**	मुरादाबाद	रिक्त	
55		रामपुर	डा0 सुबोध कुमार शर्मा	सामान्य
56		अमरोहा	रिक्त	
57		बिजनौर	डा0 विजय कुमार यादव	अन्य पिछड़ा वर्ग
58		सम्भल	डा0 अमिता सिंह	सामान्य
59	**वाराणसी**	वाराणसी	डा0 वी0बी0 सिंह	सामान्य
60		गाजीपुर	डा0 गिरीश चन्द्र मौर्या	अन्य पिछड़ा वर्ग
61		जौनपुर	डा0 रामजी पाण्डेय	सामान्य
62		चन्दौली	डा0 राजेश कुमार मिश्रा	सामान्य
63	**आजमगढ़**	आजमगढ़	डा0 अरविन्द कुमार मिश्रा	सामान्य
64		बलिया	डा0 प्रीतम कुमार मिश्रा	सामान्य
65		मऊ	डा0 सतीश चन्द्र सिंह	सामान्य
66	**सहारनपुर**	सहारनपुर	डा0 बलजीत सिंह सोढ़ी	सामान्य
67		मुजफ्फरनगर	डा0 प्रवीण चोपड़ा	सामान्य
68		शामली (प्रबुद्धनगर)	डा0 संजय भटनागर	सामान्य
69	**मिर्जापुर**	मिर्जापुर	डा0 ओम प्रकाश तिवारी	सामान्य
70		भदोही	डा0 जी0एस0वी0 लक्ष्मी	सामान्य
71		सोनभद्र	डा0 शशिकान्त उपाध्याय	सामान्य
72	**चित्रकूट**	चित्रकूट	डा0 विनोद कुमार यादव	अन्य पिछड़ा वर्ग
73		महोबा	डा0 सुमन	अन्य पिछड़ा वर्ग
74		हमीरपुर	डा0 राजकुमार सचान	अन्य पिछड़ा वर्ग
75		बांदा	डा0 सन्तोष कुमार	अनुसूचित जाति

नत्थी (ख)

तारांकित प्रश्न संख्या-35 का उत्तर पीछे पृष्ठ 36 पर देखिये।

जनपद आजमगढ़ में आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत आबद्ध चिकित्सालयों की सूची

क्र0सं0	जनपद	चिकित्सालय का नाम	निजी/सरकारी	ग्रामीण/शहरी
1	आजमगढ़	Aarab Nursing Home	निजी	ग्रामीण
2	आजमगढ़	Matruchhaya Hospital	निजी	ग्रामीण
3	आजमगढ़	Saroj Multispeciality and Trauma Center	निजी	ग्रामीण
4	आजमगढ़	Seema Hospital	निजी	ग्रामीण
5	आजमगढ़	100 Beded Combined District Hospital	सरकारी	ग्रामीण
6	आजमगढ़	C.H.C. Phoolpur	सरकारी	ग्रामीण
7	आजमगढ़	C.H.C. Ahiraula	सरकारी	ग्रामीण
8	आजमगढ़	C.H.C. Atraulla	सरकारी	ग्रामीण
9	आजमगढ़	C.H.C. Bardah	सरकारी	ग्रामीण
10	आजमगढ़	C.H.C. Bilariyaganj Azamgarh	सरकारी	ग्रामीण
11	आजमगढ़	C.H.C. Harriya	सरकारी	ग्रामीण
12	आजमगढ़	C.H.C. Jianpur	सरकारी	ग्रामीण
13	आजमगढ़	C.H.C. Jigani Azamgarh	सरकारी	ग्रामीण
14	आजमगढ़	C.H.C. Koilsa	सरकारी	ग्रामीण
15	आजमगढ़	C.H.C. Kolhukhor	सरकारी	ग्रामीण
16	आजमगढ़	C.H.C. Lalganj	सरकारी	ग्रामीण
17	आजमगढ़	C.H.C. Maharajganj	सरकारी	ग्रामीण
18	आजमगढ़	C.H.C. Martinganj	सरकारी	ग्रामीण
19	आजमगढ़	C.H.C. Mehnagar	सरकारी	ग्रामीण
20	आजमगढ़	C.H.C. Mehnajpur	सरकारी	ग्रामीण
21	आजमगढ़	C.H.C. Mirzapur	सरकारी	ग्रामीण
22	आजमगढ़	C.H.C. Mubarakapur	सरकारी	ग्रामीण
23	आजमगढ़	C.H.C. Parshurampur	सरकारी	ग्रामीण
24	आजमगढ़	C.H.C. Pawai	सरकारी	ग्रामीण
25	आजमगढ़	C.H.C. Tahbarpur	सरकारी	ग्रामीण

क्र0सं0	जनपद	चिकित्सालय का नाम	निजी/सरकारी	ग्रामीण/शहरी
26	आजमगढ़	District Women Hospital Azamgarh	सरकारी	ग्रामीण
27	आजमगढ़	Divisional District Hospital Azamgarh	सरकारी	ग्रामीण
28	आजमगढ़	Govt. Medical College & Super Facility Hospital	सरकारी	ग्रामीण
29	आजमगढ़	Anand Hospital Multispeciality	निजी	शहरी
30	आजमगढ़	Eye Care Azamgarh Pvt. Ltd.	निजी	शहरी
31	आजमगढ़	Global Multi Specialty & Trauma Center	निजी	शहरी
32	आजमगढ़	Khetan Hospital	निजी	शहरी
33	आजमगढ़	Prakash Nursing Home	निजी	शहरी
34	आजमगढ़	Rahman Hospital	निजी	शहरी
35	आजमगढ़	Rama Multi Specialty Hospital & Trauma Center	निजी	शहरी
36	आजमगढ़	Shanti Nursing Home	निजी	शहरी
37	आजमगढ़	Sharda Poly Clinic	निजी	शहरी
38	आजमगढ़	Shiva Hospital and Trauma Center	निजी	शहरी
39	आजमगढ़	Vashdei Memorial Hospital	निजी	शहरी
40	आजमगढ़	Vedanta Hospital	निजी	शहरी
41	आजमगढ़	Vidya Hospital	निजी	शहरी
42	आजमगढ़	C.H.C.Palhani	सरकारी	शहरी

पी0एस0यू0पी0-एल0 06 विधान सभा (06)-07-04-2022-631 प्रतियां (कम्प्यूटर)।